स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

एन आई आर डी एवं पी आर

वार्षिक प्रतिवेदन
2015-16

राग्राविपंरासं
NIRDPR

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान
ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार
राजेन्द्रनगर, हैदराबाद - 500 030

स्वरुप

❖ एनआईआरडीपीआर का स्वरुप आने वाले वर्षों में उन नीतियों और कार्यक्रमों पर प्रकाश डालना है जो ग्रामीण निर्धनों को लाभ पहुँचाये, लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया में उन्हें बल प्रदान करें, ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओं की क्षमता और परिचालन को सुधारे, अपने सामाजिक प्रयोगशालाओं और प्रौद्योगिकी अंतरण को बढ़ावा दे तथा पर्यावरणीय चेतना जगाए ।

❖ ग्रामीण विकास मंत्रालय के "विचार भंडार " के रुप में कार्य करते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, ग्रामीण विकास पर सूचना एकत्रीकरण के माध्यम से मंत्रालय को नीति प्रतिपादन और प्रवेशकों को ग्रामीण विकास के विकल्पों का चयन करने में सहायता प्रदान करता है ।

एन आई आर डी एवं पी आर

वार्षिक प्रतिवेदन

2015-16

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान

ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार
राजेन्द्रनगर, हैदराबाद - 500 030

फोटोग्राफ : पी. सुब्रमण्यम्

कवर डिजाईन : वी.जी.भट्ट

मुद्रण : वैष्णवी लेजर ग्राफिक्स, हैदराबाद, फोन: 040-27552178

विषयक्रम

क्रम संख्या	अध्याय	पृ.सं.
1.	विहंगावलोकन	1
2.	प्रशिक्षण	9
3.	अनुसंधान	34
4.	कार्य अनुसंधान	39
5.	परामर्शी अध्ययन	43
6.	राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एस आई आर डी) एवं विस्तार प्रशिक्षण केन्द्रों (ई टी सी) के साथ नेटवर्किंग	47
7.	प्रलेखन	52
8.	सूचना का प्रचार - प्रसार	56
9.	ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क	59
10.	शैक्षणिक कार्यक्रम	75
11.	एनआईआरडी एवं पीआर - उत्तर - पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी	81
12.	प्रशासन	114
13.	वित्त और लेखा	138
	परिशिष्ट	141

अध्याय 1

विहंगावलोकन

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एन आई आर डी एवं पी आर) ग्रामीण विकास मंत्रालय का स्वायत्त संस्थान होने के नाते ग्रामीण विकास के क्षेत्र में एक मुख्य राष्ट्रीय उत्कृष्ट केन्द्र है । एन आई आर डी एवं पी आर ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओं, अनुसंधान और परामर्शी जैसे अंतर संबंधित क्रियाकलापों द्वारा क्षमता निर्माण करता है । सर्वप्रथम वर्ष 1958 में मसूरी में राष्ट्रीय समुदाय विकास संस्थान के रुप में स्थापित इस संस्थान को 1965 में हैदराबाद परिसर में स्थानांतरित कर वर्ष 1977 में इसका नाम बदलकर राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान रखा गया । पंचायती राज प्रणाली के सुदृढ़ीकरण तथा पंचायती राज कार्यकर्ताओं के क्षमता निर्माण की आवश्यकता पर अधिक बल देते हुए संस्थान की महापरिषद के निर्णयानुसार एन आई आर डी का नाम बदलकर 4 दिसम्बर 2013 को राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एन आई आर डी एवं पी आर) रखा गया । संस्थान ऐतिहासिक शहर हैदराबाद से 15 कि.मी. की दूरी पर राजेन्द्रनगर के ग्रामीण वातावरण में 174.21 एकड़ में स्थित है। वर्ष 2008 में एन आई आर डी एवं पी आर ने अपनी स्वर्ण जयंती मनाई । इसके उद्देश्य है :

- i वरिष्ठ स्तर के विकास प्रबंधकों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, बैंकरों, एन जी ओ और अन्य स्टेकहोल्डरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, सम्मेलन, सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन करना ।
- ii अनुसंधान को प्रारंभ, सहायता, समन्वयन और बढ़ावा देना।
- iii विभिन्न राज्यों में पंचायती राज संस्थानों और ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की कार्यप्रणाली का अध्ययन करना।
- iv ग्रामीण विकास हेतु कार्यक्रमों के नियोजन और कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं का विश्लेषण और समाधान का प्रस्ताव करना; और
- v आवधिक पत्रिकाओं, प्रतिवेदनों, ई मॉड्यूल व अन्य प्रकाशनों के माध्यम से सूचना का प्रचार-प्रसार और विषयों का विकास करना ।

संस्थान के अधिदेश में ग्रामीण निर्धनों का विकास और उनकी जीवन शैली में सुधार करना शामिल है। राष्ट्र में ग्रामीण निर्धन के विकास की अधिक और भिन्न प्रकार की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए शीर्ष प्रशिक्षण संस्थान के रुप में एन आई आर डी पी आर अधिक संख्या में ग्राहक समूह के प्रशिक्षण और क्षमता विकास की आवश्यकताओं को पूरा करता है । इनके ग्राहक समूह में अधिक संख्या में ग्रामीण विकास कार्यकर्ता, विभिन्न स्तरो पर चयनित पी आर आई प्रतिनिधि, बैंकर तथा ग्रामीण विकास के क्षेत्र में कार्य कर रहे अन्य स्टेकहोल्डर शामिल है। ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की सफलता तथा नीति प्रतिपादन और कार्यक्रम कार्यान्वयन को प्रभावी बनाने के लिए ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओं तथा चयनित प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण एक पूर्वापेक्षा है। संस्थान, ग्रामीण विकास मंत्रालय के विचार भंडार के रुप में कार्य करता है तथा मंत्रालय के विभिन्न फ्लैगशिप कार्यक्रमों पर कार्य अनुसंधान सहित प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्य करता है। संस्थान की सेवाएँ केन्द्र और राज्य सरकारों के अन्य मंत्रालय/ विभागों, बैंकिंग संस्थान, लोक तथा अन्य निजी क्षेत्र संगठन, सिविल सोसायटी, पंचायती राज संस्थान तथा अन्य राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय एजेन्सियों के लिए भी उपलब्ध है । अपने अस्तित्व के 50 वर्ष से अधिक समय में एन आई आर डी एवं पी आर प्रशिक्षण, अनुसंधान , कार्य अनुसंधान, परामर्शी, सूचना का प्रचार-प्रसार तथा सूचना प्राप्ति की प्रक्रिया द्वारा कार्यक्रम प्रबंध में गुणात्मक परिवर्तन लाने में मामूली परन्तु महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है । इससे ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज के क्षेत्र में संस्थान राष्ट्रीय शीर्ष संस्थान के रुप में उभर कर आया है । एन आई आर डी एवं पी आर के उत्तर पूर्वी प्रादेशिक केन्द्र (एन ई आर सी) की स्थापना 1983 में गुवाहाटी में की गई जिसकी पहचान क्षेत्र के विकास कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करते हुए ग्रामीण विकास के क्षेत्र में शीर्ष संस्थान के रुप में की गई। इसके 33 वर्ष के अस्तित्व में केन्द्र ने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की विशिष्ट प्रशिक्षण और अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करने में विशेषज्ञता और अनुभव प्राप्त किया है ।

संस्थान के क्रियाकलाप

प्रशिक्षण

संस्थान, ग्रामीण विकास और पंचायती राज से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यशालाएँ, सेमिनार आदि का आयोजन कर रहा है । एन आई आर डी एवं पी आर में नीति प्रतिपादन, प्रबंधन और ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के कार्यान्वयन से संबंधित वरिष्ठ तथा मध्य स्तरीय विकास कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए विशेषज्ञ और बेहतर आधारभूत संरचना उपलब्ध है । इन कार्यक्रमों का बल प्रक्रिया पहलूओं के विशेष संदर्भ सहित कार्यक्रम प्रबंध की कार्यविधि और क्रियाविधि पर है जो विकासात्मक व्यावसायिको को कार्य के अपेक्षित लक्ष्य और उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायता करेगा । प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य ज्ञान आधार का सृजन, कौशल विकास और सही दृष्टिकोण और मूल्यों को समाविष्ट करना है । संस्थान, प्रत्येक वर्ष सतत आधार पर प्रशिक्षण क्रियाकलापों को बढ़ा रहा है तथा उन्हें अधिक-आवश्यकता आधारित और केन्द्रित बनाने में सफल रहा है। संस्थान ने निरंतरता के आधार पर नई प्रशिक्षण पद्धतियों एवं तकनीको को विकसित कर उन्हें अपनाते हुए प्रतिभागियों की उच्च स्तर की संतुष्टि हासिल की है । इसके अलावा अनुसंधान अध्ययनों तथा कार्यानुसंधान के निष्कर्षो का प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षण निवेश के रुप उपयोग किया जा रहा है ।

संस्थान कुछ वर्षो से निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या में वृद्धि करने में समर्थ रहा है । सम्पर्क कार्यक्रमों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि पाई गई । इसके अतिरिक्त संस्थान सतत ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए विकासशील राष्ट्रों के व्यावसायिकों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा सुविज्ञता और अनुभव शेयर करने का प्रयास कर रहा है ।

पिछले चार वर्षो के आंकड़े निम्नानुसार है :

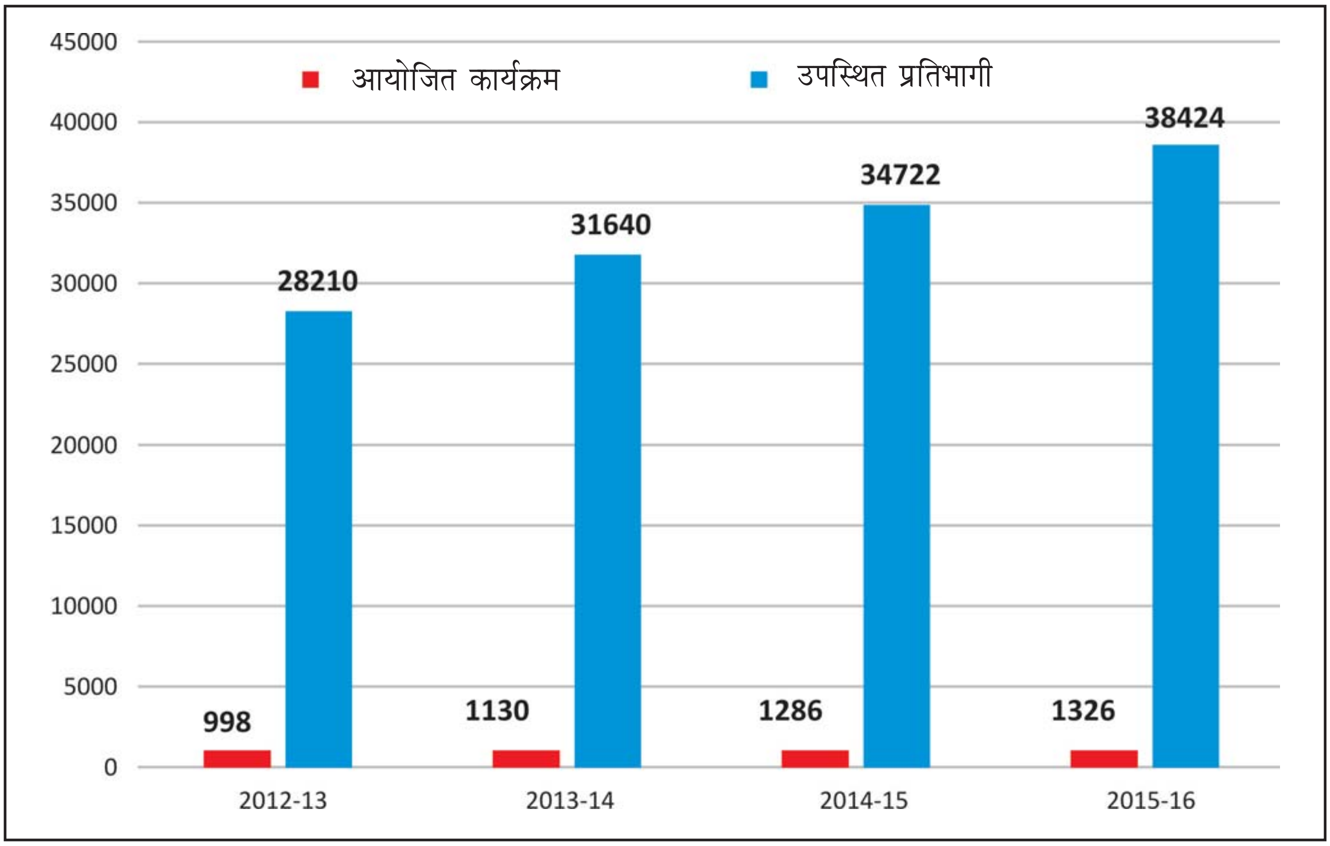

पिछले वर्ष की अवधि के दौरान 1286 कार्यक्रमों में 34722 लोगों के प्रशिक्षण की तुलना में 2015-16 में कुल 38424 प्रतिभागियों को 1326 कार्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया । वर्ष 2015-16 के दौरान एन आई आर डी एवं पी आर ने अनेक कार्यशालाएँ, सेमिनार, संगोष्ठियाँ तथा राष्ट्रीय परामर्श का आयोजन किया और इन विचार विमर्श को रिपोर्ट और पुस्तकों के रुप में प्रकाशित किया । इनमें से कुछ फ्लैगशिप कार्यक्रम है : एसबीए के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, भारत में प्राकृतिक आपदा के कार्य, नए ग्रामीण प्रतिमान, नीतियाँ और अभिशासन, नीति परिप्रेक्ष्य तथा कृषि संकट तथा किसान असंतुष्टि पर राज्य की प्रतिक्रिया, भारत में ग्रामीण स्वच्छता, उपलब्धियाँ प्रवृत्तियाँ और चुनौतियाँ, आपदा प्रतिरोध क्षमता की प्राप्ति का एक रोड मैप, ग्रामीण विकास के लिए जेंडर बजटिंग, एकीकृत जल संसाधन प्रबंध, मुद्दे और विकल्प, जल उपयोग दक्षता, सहभागी सिंचाई प्रबंध के माध्यम से इक्विटी आदि ।

ग्रामीण विकास, पंचायती राज, पेयजल और स्वच्छता की संसदीय सलाहकार समिति की अध्यक्षता 18-19 नवम्बर, 2015 को माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास, पंचायती राज, पेयजल और स्वच्छता मंत्री श्री राव बिरेन्द्र सिंह ने हैदराबाद में की । समिति में श्री सुदर्शन भगत, माननीय राज्य ग्रामीण

विकास मंत्री, श्री राम कृपाल यादव, माननीय केन्द्रीय पेयजल और स्वच्छता मंत्री, लोक सभा सदस्य, राज्य सभा सदस्य तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारी उपस्थित थे ।

संस्थान के अधिदेश में अपने संपर्क संस्थाओं अर्थात् राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी) तथा विस्तार प्रशिक्षण केन्द्र (ई टी सी) के प्रशिक्षण क्षमता के निर्माण में सहायता प्रदान करना है । वर्ष के दौरान इस संस्थानों में 1004 ऑफ कैम्पस/ क्षेत्रीय और नेटवर्किंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इन कार्यक्रमों ने ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रमों पर मुख्य रुप से बल दिया है । संस्थान, ग्रामीण विकास से जुड़े बैंक सहित अनेक संस्थानों के अधिकारियों और गैर अधिकारियों को प्रशिक्षण कौशल सीखाने में विशेषज्ञ संस्थान के रुप में कार्य कर रहा है । ग्रामीण ऋण प्रबंध के विभिन्न पहलूओं पर यूनियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, केनरा बैंक,कार्पोरेशन बैंक आदि के 686 बैंक अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया । भारत सरकार तथा राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालय तथा विभागों से प्राप्त अनुरोध के आधार पर एन आई आर डी एवं पी आर ने उनके द्वारा अपेक्षित विषयों पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। वर्ष के दौरान संस्थान ने विदेश मंत्रालय, भारत सरकार एवं अन्य के लिए 19 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया । एन आई आर डी एवं पी आर अंतर्राष्ट्रीय संगठन जैसे आर्डो, सिर्डाप, यू एन वुमेन के संयोजन से कार्य करता है ।

प्रदर्शन दौरा

पिछले कुछ वर्षो से भारतीय अनुभवों को बाँटने के लिए प्रदर्शन दौरा संस्थान के क्रियाकलापों का हिस्सा रहा है । संदर्भ अवधि के दौरान मॉरिशियस, नेपाल और घाना के प्रतिनिधि मंडल ने संस्थान का दौरा किया ।

वर्ष के दौरान माननीय मंत्री तथा स्थाई सचिव सामाजिक एकता एवं आर्थिक सशक्तिकरण मंत्रालय, मारिशियस गणराज्य के उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल ने दौरा किया । अध्ययन दौरे के भाग के रुप में भारत का दौरा ग्रामीण लोगों के सशक्तिकरण और सामाजिक विकास के लिए भारतीय पहल को समझने के लिए था, जिसके द्वारा मारिशियस गणराज्य समान रुप से अपने राष्ट्र के कमजोर वर्गों के लिए योजना तैयार करेगा । श्री राजीव सदानंद, संयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार तथा उप महानिदेशक प्रभारी एन आई आर डी एवं पी आर ने प्रतिनिधि मंडल को संस्थान की गतिविधियों से अवगत कराया ।

अनुसंधान

अनुसंधान, एन आई आर डी एवं पी आर के परिप्रेक्ष्य का एक महत्वपूर्ण घटक है । इसके भाग के रुप में संस्थान अनुसंधान, कार्यानुसंधान तथा परामर्श द्वारा ग्रामीण निर्धन तथा अन्य लाभवंचित समूहों पर बल देते हुए ग्रामीणों के सामाजिक कल्याण में सुधार के लिए जरुरी तत्वों की जांच तथा विश्लेषण करता है। संस्थान द्वारा आयोजित अनुसंधान कार्य, क्षेत्र आधारित प्रकृति के होते हैं तथा वर्तमान ग्रमीण विकास मुद्दो पर बल देते हैं । ये ग्रामीण विकास से संबंधित विभिन्न निम्न स्तरीय मुद्दों को समझने में सहायता करते हैं। यह ग्रामीण विकास के लिए नीति प्रतिपादन में सहायता करता है तथा संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का एक महत्वपूर्ण घटक होता है । वर्ष के दौरान संस्थान ने विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं की प्रभाविता में सुधार हेतु वैकल्पिक नीतियों के सुझाव के लिए कार्यक्रम कार्यान्वयन से संबंधित समकालीन समस्याओं और मुद्दों की शिनाख्त के लिए अनेक अनुसंधान अध्ययनों का आयोजन किया । ग्रामीण निर्धनों की जीवन गुणवत्ता से संबंधित विकास मुद्दों का सीधा समाधान करना अनुसंधान का प्रमुख क्षेत्र रहा है । मंत्रालय ने संस्थान द्वारा किए गए अनुसंधान अध्ययनों के फीडबैक को अधिक महत्व दिया । 2015-16 के दौरान एन आई आर डी पीआर ने 32 अनुसंधान अध्ययन (अनुसंधान, कार्य अनुसंधान ग्राम अभिग्रहण और परामर्श) आरंभ किए । अनुसंधान अध्ययन निहितार्थ पर चर्चा करने तथा अनुसंधान रिपोर्ट को अंतिम रुप देने के लिए नियमित स्टडी फोरम बैठकों के आयोजन पर अधिक जोर दिया गया । संस्थान, स्थान विशिष्ट कार्य अनुसंधान करता है जिसमें परियोजना के वास्तविक क्रियान्वयन के दौरान चरणबद्ध रुप में विषय या मॉडल का क्षेत्र परीक्षण किया जाता है। इस संबंध में क्षेत्र में प्रचलित स्थिति के अनुसार दैंनदिन परिवर्तनों में सुधार किया जाता है । इस कार्य अनुसंधान परियोजनाओं में स्थानीय निर्णय लेने और सहभागी मूल्यांकन के साथ योजना और कार्यान्वयन में जन केन्द्रित दृष्टिकोण को सम्मिलित करने पर बल दिया गया है । यह कार्य करते समय सीखने की प्रक्रिया है । संस्थान में कार्य अनुसंधान कार्यों को और सुदृढ़ करने तथा ग्रामीण विकास एवं निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राष्ट्र के विभिन्न भागों से सुदूर और पिछड़े क्षेत्रों से ग्राम अभिग्रहण अध्ययन पर बल दिया गया । यह एन आई आर डी पी आर संकाय सदस्यों को जमीनी हकीकत तथा विकास चुनौतियों से अवगत होने में समर्थ बनाता है । विभिन्न विकास विषयों पर एन आई आर डी पी आर अपनी परामर्शी सेवाएँ अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय संगठनों को उपलब्ध कराता है । संस्थान, ग्रामीण विकास मंत्रालय,केन्द्रीय मंत्रालयों एवं राज्य सरकारों के अनुरोध पर भी अध्ययन आरंभ करता है । इसके अलावा राज्य ग्रामीण विकास संस्थान तथा अन्य संस्थानों के सहयोग से अध्ययन आरंभ किए गए। ग्रामीण विकास मंत्रालय और अन्य केन्द्रीय मंत्रालयों के अनुरोध पर संस्थान को प्रारंभ करता है तथा संस्थान के ग्रामीण विकास सूचना अनुप्रयोग (सीगार्ड) द्वारा नवीनतम भू-संसूचना प्रौद्योगिकी और साधनों में कौशलों और उन्नत ज्ञान स्तरों प्रदान करने हेतु विशिष्टिकृत कार्यक्रम तैयार करता है। भारत सरकार के अनुमोदन के अनुसार सीगार्ड केन्द्रो को अफ्रीका के पांच देशों-किनिया, अलजेरिया, नाइजार इपीटोरिएल गिनिया एवं मेडागास्कर में स्थापित किया गया। इसके अलावा एसआईआरडी में भी ऐसे केन्द्रों को स्थापित करने की प्रक्रिया शुरु की जा चुकी है।

ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क (आर टी पी)

संस्थान ने वर्ष 1999 में ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क (आर टी पी) की स्थापना की जो ग्रामीण निर्धन के लिए उपयुक्त तथा वहन योग्य प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रचार प्रसार को बढ़ाने के

लिए उत्प्रेरक के रुप में कार्य करता है । जिसका उद्देश्य आजीविका बढ़ाने और जीवन स्तर में सुधार करते हुए सतत विकास में समर्थ बनाना है। आर टी पी में 40 विभिन्न प्रौद्योगिकी सहित ग्रामीण आवास के लागत प्रभावी मॉडल दर्शाने वाले राष्ट्रीय ग्रामीण भवन केन्द्र मौजूद है ये ग्रामीण भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है । इसके अलावा, ग्रामीण लोगों के लिए अलग स्वच्छ शौचालयों की अधिक संख्या में मॉडल सहित स्वच्छता पार्क की स्थापना की गई । आर टी पी को आई एस ओ 9001-2008 भी प्राप्त है। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के भारत अफ्रीका फोरम सम्मेलन-II के तहत चरण बद्ध आधार पर एन आई आर डी एवं पी आर द्वारा मलावी, जिम्बाब्वे, कांगो, कोटे-डी-लोरे तथा दक्षिण सूडान जैसे पांच अफ्रीकी राष्ट्रो में ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क की स्थापना की प्रक्रिया चल रही है ।

स्त्रोत सेल

ग्रामीण विकास मंत्रालय के विशेष कार्य को पूरा करने के उद्देश्य से एन आई आर डी एवं पी आर में स्त्रोत सेल की स्थापना की गई। इसमें ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों की परियोजना सेल (आरसेटी) राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एन आर एल एम) स्त्रोत सेल तथा दीन दयाल उपध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डी डी यू-जी के वाइ) सेल, शामिल है।

आर सेटी स्कीम ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आरंभ की गई है जिसका उद्देश्य कौशल विकास और ऋण सुविधा द्वारा ग्रामीण युवा के लिए सूक्ष्म उद्यामों की स्थापना करना है । संस्थान की आरसेटी परियोजना सेल, बैकिंग संगठनों के सहयोग से राज्यों में आर सेटी के लिए आधारभूत संरचना सृजन हेतु नोडल एजेसी है । इसके भाग के रुप में, एन आई आर डी एवं पी आर को भवन आधारभूत संरचना के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा दी गई निधि की रिलीज के लिए विभिन्न प्रायोजित बैंकों के प्रस्तावों की प्रक्रिया संबंधी जिम्मेदारी दी गई है ।

एन आई आर डी एवं पी आर एन आर, एल एम स्त्रोत सेल की स्थापना इस उद्देश्य से की गई कि यह ग्रामीण आजीविका को बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण और अनुसंधान क्रियाकलापों को सुकर बनाएगा। जिला, खंड और उप खंड स्तर पर अधिकारियों की जानकारी बढ़ाने के उद्देश्य से एन आई आर डी एवं पी आर ने विभिन्न राज्यों के राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एस आई आर डी) तथा विभिन्न संस्थानों में एन आर एल एम संकल्पना, उद्देश्य, नीति, ढ़ॉचा तथा प्रचालन पर कार्यशाला सेमिनार और सत्रों का आयोजन किया।

दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई) ग्रामीण निर्धन युवा पर बल देते हुए गामीण विकास मंत्रालय का एक प्रशिक्षण और पदस्थापना कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य पदस्थापना के पश्चात ट्रैकिंग, इसे बनाए रखने तथा कैरियर प्रगति द्वारा सतत रोजगार उपलब्ध कराना है । एन आई आर डी एवं पी आर एक राष्ट्र स्तरीय समन्वय समिति है जो परियोजनाओं का मूल्यांकन और मॉनिटरिंग करती है । राज्यों के डी डी यू-जी के वाई तथा परियोजना कार्यान्वयन एजेन्सियां जिन्हें कौशल प्रशिक्षण तथा पदस्थापना परियोजनाओं द्वारा कार्यक्रम के कार्यान्वयन में निधिपोषण और कार्यान्वयन में मुख्य भूमिका अदा करनी है। वर्तमान में एन आई आर डी एवं पी आर 513 परियोजनाओं की मॉनिटरिंग कर रहा है जिसमें 142078 छात्र प्रशिक्षित किए गए और 62593 छात्र पदस्थापित किए गए ।

शैक्षणिक कार्यक्रम

ग्रामीण विकास के चल रहे मुख्य कार्यो ने व्यावसायियों की

मांग सृजित की है । इसे ध्यान में रखते हुए एन आई आर डी एवं पी आर ने ग्रामीण विकास के विचार भंडार के रुप में स्नातकोत्तर ग्रामीण विकास प्रबंध डिप्लोमा (पीजीडीआरडीएस) के रुप में 2008 में एक वर्ष की अवधि के प्रबंध शिक्षा कार्यक्रम आरंभ किया जिसका उद्देश्य अधिक संख्या में व्यावसायिक कार्यक्रम सुपुर्दगी प्रबंधक तैयार करना था जिनका समावेश ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की सफलता के लिए आवश्यक है । अभी तक पी जी डी आर डी एम बैच सम्पूरित करने वाले सभी विद्यार्थियों को विभिन्न संगठनों में पदस्थापित किया गया । पी जी डी आर डी एम के दसवें बैच में 47 विद्यार्थी है जिसमें सिर्डाप तथा आर्डो सदस्य राज्य जैसे नाईजिरिया, सूडान, वियतनाम, घाना, इंडोनेशिया, ईराक, बंगलादेश, म्यांमार तथा फिलीपाईंस के 9 अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के साथ अगस्त, 2015 में आरंभ हुआ । कार्यक्रम का ग्यारवां बैच जनवरी, 2016 को आरंभ हुआ ।

संस्थान के कार्यों के व्यापक प्रचार हेतु दूरस्थ शिक्षा सेल (डी ई सी) की स्थापना वर्ष 2010 में की गई तथा एक वर्षीय स्नातकोत्तर सतत ग्रामीण विकास डिप्लोमा आरंभ किया गया। इसका सातवां बैच जनवरी 2014से आरंभ हुआ जिसमें 184 छात्रों को प्रवेश दिया गया । सुप्रशिक्षित विशिष्ट आदिवासी विकास व्यावसायियों के विकास के लिए संस्थान ने जनवरी 2013 में दूरस्थ मोड में एक वर्षीय स्नातकोत्तर आदिवासी विकास डिप्लोमा कार्यक्रम आरंभ किया । कार्यक्रम का पांचवा बैच जनवरी 2014 में आरंभ हुआ जिसमें 40 छात्रों को प्रवेश दिया । इसके अलावा अगस्त, 2014 में ग्रामीण विकास में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग में स्नाताकोत्तर कार्यक्रम आरंभ किया । कार्यक्रम का दूसरा बैच अगस्त, 2015 में आरंभ हुआ तथा 124 छात्रों को प्रवेश दिया ।

विशेष कार्य

सांसद आदर्श ग्राम योजना (एस ए जी वाई)

संस्थान को सांसद आदर्श ग्राम योजना पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आरम्भ करने की बात पर जोर दिया है जो कि ग्रामीण विकास के चल रहे कार्यों की प्राथमिकता है । इसके भाग के रुप में , एन आई आर डी एवं पी आर को वरिष्ठ अधिकारियों के लिए ओरिएंटेशन तथा अन्य कौशल विकास कार्याक्रमों का आयोजन तथा प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना है । इसके अलावा, ग्रामीण विकास और पंचायती राज के शीर्ष संस्थान होने के नाते इसे राज्य ग्रामीण विकास संस्थान तथा विस्तार प्रशिक्षण केन्द्रों के क्षमता और स्त्रोत का विकास करना है । हालांकि राज्य नोडल अधिकारियों ,स्रोत व्यक्ति और एस आई आर डी के प्रशिक्षकों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम पिछले वर्ष के कैलेण्डर का हिस्सा थे, वर्ष 2015-16 के दौरान एस ए जी वाई के तहत सामर्थ्य के 10 कार्यक्रम आयोजित किए गए । इसके अलावा, राज्यों में विभिन्न लक्षित समूहों के क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की सुविधा के लिए माड्यूल और सामग्री को मातृ भाषा में तैयार कर अनुदित किया गया ।

स्वच्छ भारत मिशन

स्वच्छ भारत मिशन के संदर्भ में एन आई आर डी एवं पी आर ने अपने प्रशिक्षण और अनुसंधान परिप्रेक्ष्य में अपने मिशन से संबंधित क्रियाकलापों को समन्वित किया है । इन प्रयासों के भाग के रुप में संस्थान ने अनेक क्रियाकलाप आयोजित किए जैसे 2014-15 के दौरान कर्मचारी और स्कूल बच्चों को शामिल करते हुए परिसर साफ करना तथा संदर्भ अवधि में इसे जारी रखा । इसके अलावा स्वच्छ भारत के विषय जैसे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, आईईसी सामग्री तैयार करना आदि से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

प्रलेखन एवं सूचना का प्रचार - प्रसार

एन आई आर डी एवं पी आर के अधिदेश में ग्रामीण विकास की सूचना का प्रचार प्रसार करना है । वर्ष के दौरान संस्थान ने ग्रामीण विकास के मुद्दों पर साहित्य प्रकाशन के अपने प्रयास जारी रखे । भारत में ग्रामीण विकास साहित्य के अग्रणी प्रकाशक के रुप में एन आई आर डी एवं पी आर अपने नियमित प्रकाशन, आवधिक प्रपत्र आदि के माध्यम से नीति निर्माता, शिक्षाविद और अन्य के साथ वर्तमान महत्वपूर्ण मुद्दों पर क्षेत्र वास्तविकताएँ और विचार तथा अनुसंधान निहितार्थ बांटने का प्रयास करता है । संस्थान द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक जर्नल ऑफ रुरल डेवलेपमेन्ट का ग्रामीण विकास तथा विकेन्द्रीकृत अभिशासन में अग्रणी शैक्षणिक पत्रिकाओं में एक महत्वपूर्ण स्थान है । एन आई आर डी एवं पी आर समाचार पत्र प्रगति को अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषाओं में प्रकाशित किया जाता है ताकि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार हो सके तथा संस्थान द्वारा नियमित आधार पर किए जाने वाले विभिन्न क्रियाकलापों पर भी प्रकाश डालता है । संस्थान, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) के त्रैमासिक समाचार पत्र ‘ एंटरप्राईज ‘ का भी प्रकाशन कर रहा है जो आरसेटी के कार्य और युवा के कौशल विकास से संबंधित मुद्दों तथा सम्पूर्ण राष्ट्र के विभिन्न आरसेटी की खबरों को कवर करता है । इसके अतिरिक्त, संस्थान अनुसंधान रिपोर्ट शृंखला, मामला अध्ययन शृंखला और कार्य अनुसंधान शृंखला के तहत प्रकाशन निकालता है । संस्थान में पुस्तकालय है जिसमें ग्रामीण विकास औरसय संबद्ध पहलूओं पर कुल 1,16,277 पुस्तकों का स्टॉक है । पुस्तकालय, ग्रामीण विकास और संबंद्ध पहलूओं से संबंधित विभिन्न ऑनलाईन डाटाबेस का ग्राहक बना है । पुस्तकालय में ग्रामीण विकास डाटाबेस में दो लाख से अधिक संदर्भ उपलब्ध हैं ।

प्रशासन और वित्त

संस्थान के प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्शी क्रियाकलापों को सम्पूरित करने में एन आई आर डी एवं पी आर का प्रशासन और वित्त विंग, संकाय सदस्यों को सहायता प्रदान करता है । संस्थान की नीति और कार्यनीति का निर्धारण महापरिषद करती है । माननीय केन्दीय ग्रामीण विकास मंत्री महापरिषद के अध्यक्ष होते हैं। संस्थान का प्रबंध और प्रशासन कार्य कार्यकारी परिषद का होता है जिसके अध्यक्ष सचिव, ग्रामीण विकास होते हैं । महानिदेशक सी ई ओ होने के नाते संस्थान के प्रबंधन के लिए जिम्मेवार होते हैं । शैक्षणिक और अनुसंधान सलाहकार समिति प्रशिक्षण, कार्य अनुसंधान, परामर्श तथा शैक्षणिक क्रियाकलापो को तैयार करने में सहायता करती है । एन आई आर डी एवं पी आर के पुनर्गठन पर अलघ समिति के निर्णय के अनुसार संस्थान को 6 स्कूल और 25 केन्द्रों में पुनर्गठित किया गया ।

संस्थान के वित्त और लेखा प्रभाग को बजटिंग भुगतान एवं निधि का लेखाकरण, वार्षिक लेखा तैयार करना, प्रबंधन द्वारा प्रशासन / प्रशिक्षण / परियोजनाओं से संबंधित विभिन्न मामलों पर वित्तीय सलाह देने के अलावा मंत्रालय को परीक्षित वार्षिक लेखा प्रस्तुत करने का कार्य सौंपा गया है । संस्थान प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल से आरंभ से 31 मार्च के अंत तक वित्तीय वर्ष में दोहरी लेखा प्रणाली को अपनाता है । संस्थान के वार्षिक लेखा की लेखा परीक्षा भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक करते हैं । संस्थान के लेखा को तैयार करते समय केन्द्रीय स्वायत्त निकाय के लिए सी ए जी द्वारा अनुमोदित निर्धारित मानदंडों का पालन किया जाता है। संस्थान के लेखा पर सी ए जी की लेखा परीक्षा रिपोर्ट को प्रत्येक वर्ष वार्षिक लेखा में शामिल किया जाता है और संसद में प्रस्तुत किया जाता है ।

अध्याय 2

प्रशिक्षण

ग्रामीण विकास से जुडे कार्यकर्ताओं के क्षमता निर्माण में प्रशिक्षण अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के नीति नियमन, प्रबंध एवं कार्यान्वयन से जुडे वरिष्ठ और मध्य स्तरीय विकास कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने हेतु एन आई आर डी पी आर में सुविज्ञता और उत्कृष्ट आधारभूत संरचना उपलब्ध है । कार्यक्रमों का उद्देश्य ज्ञान आधार का सृजन, कौशल विकास एवं सही दृष्टिकोण एवं मूल्यों को समाविष्ट करना है । ग्रामीण विकास की प्रभाविता और दक्षता के लिए चल रहे कार्यो के प्रबंधन हेतु विकास व्यावसायिकों की आवश्यकता पर बल दिया गया है । संस्थान ने नियमित आधार पर नित-नूतन प्रशिक्षण पद्धतियों एवं तकनीकों को विकसित कर उन्हें अपनाते हुए उच्च स्तर की संतुष्टि हासिल की है। संस्थान ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अधिक आवश्यकता आधारित एवं संकेन्द्रित बनाते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार किया है । इसके अलावा, अनुसंधान अध्ययनों कार्यानुसंधान ग्राम अभिग्रहण अध्ययन तथा मामला अध्ययनों के निष्कर्षों का उपयोग अधिकतर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षण निवेश के रुप में किया जा रहा है । इसके अतिरिक्त, इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में विश्व से अधिक संख्या में विशेषकर एशिया एवं अफ्रीका के विकासशील देशों के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी आकर्षित हुए । इस प्रयास के भाग के रुप में निर्धनता उन्मूलन तथा ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के संदर्भ में विभिन्न क्षमता निर्माण आवश्कताओं का आयोजन किया गया । संस्थान के अधिदेश में अपने संपर्क संस्थान जैसे राज्य ग्रामीण विकास संस्थान, एस आई आर डी, एवं विस्तार प्रशिक्षण केन्द्र (ईटीसी) की सहायता करना और प्रशिक्षण क्षमता का निर्माण करना शामिल है ।

वर्ष 2015-16 के दौरान संस्थान ने निर्धारित 1326 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए । इस वर्ष में प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा प्रतिभागियों की संख्या (38,424) अब तक की सबसे अधिक संख्या रही। प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभाविता का औसतन 85 प्रतिशत रहा है । मुख्यालय / हैदराबाद तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी में आयोजित प्रशिक्षण

कार्यक्रमों तथा प्रतिभागियों की श्रेणियों के विवरण परिशिष्ट - I से III में दर्शाए गए हैं ।

उद्देश्य

संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ तैयार किए गए :

- प्रभावी कार्यक्रम योजना और कार्यान्वयन हेतु विकास कार्यकर्ताओं की जानकारी बढ़ाना, कौशलों में सुधार एवं जागरुकता बढ़ाना ।
- कार्यशालाओं, सेमिनारों तथा परामर्श द्वारा ग्रामीण जनसंख्या की उभरती आवश्यकताओं पर नीतियाँ तैयार करना ।
- विकास कार्मिकों में व्यावहारिक परिवर्तन लाना ।
- विकास कार्यक्रमों के प्रबंध में बेहतर पद्धति तथा सफल कहानियों की जानकारी विकास कार्यकर्ताओं को देना।

ग्राहक समूह

एन आई आर डी एवं पी आर प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा ग्रामीण विकास से जुडे विभिन्न ग्राहक समूहों की आवश्यकताओं को पूरा किया जाता है । इसमें शामिल है :

- ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज कार्यक्रमों के कार्यान्वयन एवं विभागों से जुडे पदाधिकारी
- पंचायती राज संस्थाओं (पी आर आई) के निर्वाचित सदस्य
- गैर - सरकारी संगठन (एन जी ओ)
- वित्तीय संस्थायें
- सरकारी क्षेत्र के उपक्रम (पी एस यु)
- शिक्षाविद्
- अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागीगण

प्रशिक्षण के विषय

कार्यक्रमों का सम्पूर्ण उद्देश्य ग्रामीण लोगों के सशक्तिकरण द्वारा सतत ग्रामीण विकास समन्वित आर्थिक तथा पर्यावरणात्मक आयाम को सुकर बनाना है। उभरते ग्रामीण परिवेश के संदर्भ में विकास व्यावसायियों की क्षमता निर्माण आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विषयों की योजना बनाई गई। मुख्य बल चल रहे ग्रामीण विकास फ्लैगशिप कार्यक्रमों की प्रभावी योजना और प्रबंध पर बल दिया गया ।

मुख्य विषयों में शामिल है एम जी नरेगा का अभिसरण, ग्रामीण आजीविका को बढाना तथा सूक्ष्म उद्यम, सामाजिक लेखा परीक्षा, विकेन्द्रीकृत योजना, पंचायती राज संस्थाओं (पी आर आई)द्वारा सुशासन, ग्रामीण ऋण प्रबंध पेयजल और स्वच्छता, एन आर एम, जेन्डर बजटिंग, ग्रामीण विकास के लिए जी आई एस अनुप्रयोग एवं आई सी टी प्रौद्योगिकी आदि । इसके अलावा, नए कार्यो में अभिमुखीकरण और अन्य कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है अर्थात सांसद आदर्श ग्राम योजना (एस ए जी वाई) एवं स्वच्छ भारत मिशन (एस बी एम) आदि ।

प्रशिक्षण पद्धतियाँ

विभिन्न स्वरुप का प्रशिक्षण तथा कार्यक्रम में उपस्थित रहने वाले प्रतिभागियों की रुपरेखा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रशिक्षण पद्धतियाँ प्रयोग में लाई जाती है । कुछ पद्धतियाँ निम्नलिखित है :

- व्याख्यान - सह - परिचर्चा
- मामला अध्ययन

- समूह परिचर्चा
- पैनल परिचर्चा
- अभ्यास एवं अनुभव सत्र
- भूमिका निर्वाह एवं प्रेरक गेम्स
- क्षेत्र दौरा

प्रशिक्षण क्रियाविधि के भाग के रुप में स्रोत व्यक्तियों द्वारा प्रस्तुतीकरण जिसमें आंतरिक और बाहरी अनुभवों को शेयर करना एवं प्रतिभागियों में चर्चा की सुविधा मुहैय्या कराई गई। महत्वपूर्ण पद्धतियों के भाग स्वरुप प्रचलित विकासात्मक कार्यक्रमों में क्षेत्र प्रदर्शन दौरे का आयोजन भी किया गया । इससे प्रतिभागियों को श्रेष्ठ पद्धतियों और सफल कहानियों को जानने का मौका मिलेगा एवं वापस जाकर इसे दोहराने हेतु विचार करेंगे ।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के महत्वपूर्ण विषय

पंचायती राज

- पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई)का सुदृढ़ीकरण तथा प्रभावी ग्रामीण विकास को बढ़ावा
- पेसा क्षेत्रों में समन्वित जिला योजना तथा आदिवासी स्व शासन
- पंचायती राज प्रशासन तथा ग्रामीण विकास
- पंचायती राज संस्थानों में वित्तीय प्रबंध
- पंचायती राज संस्थानों के माध्यम से सुशासन को बढ़ावा

ग्रामीण रोजगार

- एमजी नरेगा के तहत राज्य स्रोत दलो (तकनीकी) का प्रशिक्षण
- एम जी नरेगा के तहत बेयरफुट इंजीनियर
- एम जी नरेगा के प्रचालन मार्गनिर्देशों का ओरिएंटेशन - 2013 (संशोधित अनुसूची सहित)
- एम जी नरेगा में सामाजिक लेखा परीक्षा
- निर्धनता तथा असमान आकलन

ग्रामीण आजीविका

- सतत ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा
- ग्रामीण उत्पादों के विपणन हेतु नवीन नीतियॉं
- सूक्ष्म उद्यमों के विकास हेतु नीतियॉं
- एनआरएलएम के लिए कार्यान्वयन नीतियॉं तथा संस्थागत मैकेनिज्म
- एनआरएलएम के तहत नीतिगत वित्तीय प्रबंधन
- एसआरएलएम एवं डीआरएलएम के लिए प्रवेश कार्यक्रम

ग्रामीण ऋण

- प्रभावी ऋण सुपुर्दगी प्रबंध
- कृषि अवधि ऋण प्रस्तावों का निवेश ऋण एवं मूल्यांकन
- एग्रीबिजनेस प्रबंध

- ऋण सुपुर्दगी तथा वसूली प्रबंध

प्राकृतिक संसाधन प्रबंध

- सतत विकास हेतु जलागम परियोजनाओं का प्रबंध
- उत्पादन पद्धति की योजना और आई डब्ल्यू एम पी में आजीविका
- प्राकृतिक संसाधनों का सहभागी प्रबंध
- पहाडी क्षेत्रों में जलागम परियोजनाओं का प्रबंध
- आई डब्ल्यू एम पी में जल संसाधन प्रबंध के लिए प्रौद्योगिकी तथा संस्थागत व्यवस्था
- आई डब्ल्यू एम पी में सामाजिक लेखा परीक्षा की बेहतर पद्धतियों का संस्थानीकरण
- सहभागी सिंचाई प्रबंध के माध्यम से जल उपयोग प्रभाविता, समता

सामाजिक विकास

- शिक्षा के वैश्वीकरण के लिए समुदाय सहभागिता तथा सामाजिक संग्रहण
- ग्रामीण महिला का सामाजिक विकास
- समुदाय उन्मुख ग्रामीण विकास
- ग्रामीण विकास में सामाजिक क्षेत्र विकास
- ग्रामीण महिला के सशक्तिकरण हेतु नीतियॉं
- ग्रामीण महिला के लिए आजीविका को बढ़ावा

प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग

- जलागम परियोजना की योजना और प्रबंध के लिए भूस्थानिक प्रौद्योगिकी
- पीएम जीएसवाई की योजना और प्रबंध के लिए नवीन सर्वेक्षण तकनीक
- आई डब्ल्यू एम पी तथा एम जी एन आर ई जी एस के लिए खुला स्रोत क्यू जी आई एस एवं जी पी एस अनुप्रयोग
- ग्रामीण विकास के लिए आई सी टी अनुप्रयोग
- आईसीटी अनुप्रयोग एवं ई-अभिशासन

अन्य

- आई ए वाई के लिए बहीखाता और लेखाकरण
- पेयजल और स्वच्छता परियोजनाओं के लिए योजना और प्रबंध
- स्वच्छ भारत मिशन : स्वच्छता व्यावसायिको के लिए सामाजिक विपणन नीतियॉं
- ग्रामीण विकास में कार्पोरेट सामाजिक जवाबदेहिता
- समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन
- अनुसंधान क्रियाविधि

कार्यशाला और सेमिनारों के मुख्य विषय

- स्वच्छ भारत मिशन के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
- स्थानीय स्वशासन के लिए एकीकृत जिला योजना
- जल संसाधन पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव
- सांसद आदर्श ग्राम योजना (एसएजीवाई)
- ग्रामीण विकास के लिए जेंडर बजटिंग

- पंचातय वित्त के संदर्भ में राज्य वित्त आयोग
- ग्राम पंचायत में सुशासन सुनिश्चित करने पर पंचायत सचिवों के लिए सर्टिफिकेट कोर्स
- ग्रामीण विकास में मामला अध्ययनों का विकास
- आरसेटी का प्रबंधन
- माड्यूल और सामग्री तैयार करने में ग्राम रोजगार सेवक की क्षमता का निर्माण
- एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन : मुद्दे और विकल्प
- एस आई आर डी पर राष्ट्रीय सम्मेलन
- एम जी नरेगा के तहत बेहतर पद्धतियों
- भारत में ग्रामीण स्वच्छता : उपलब्धियाँ, प्रवृत्तियाँ और चुनौतियाँ
- नई ग्रामीण मिसाल : नीतियाँ और शासन
- सहभागी सिंचाई प्रबंधन को बढ़ावा देने हेतु नीतियाँ
- सहभागी सिंचाई प्रबंध द्वारा जल उपयोग दक्षता, समता

अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम

विकासशील राष्ट्रों के लाभ हेतु भारतीय अनुभव शेयर करने के प्रयास के भाग के रुप में संस्थान, ग्रामीण विकास के विभिन्न विषयों पर अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है । सिर्डाप के सहयोगी कार्यक्रमों के भाग के रुप में विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के आई टी ई सी एवं स्कैप छात्रवृत्ति स्कीम के तहत ये कार्यक्रम आयोजित किए जाते है । 2015-16 के दौरान 19 अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा विकासशील राष्ट्रों के 308 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया । प्रतिभागी एशिया, अफ्रीका तथा लैटिन अमेरिका राष्ट्रों जैसे : बंगलादेश, श्रीलंका, नेपाल, मारीशियस, मलेशिया, म्यांमार, ईजिप्त, यमन, अफगानिस्तान, ईरान, ईराक, लावोस, इथोपिया, जिम्बावे, घाना, दक्षिण अफ्रीका, सूडान, तंजानिया, नाईजिरिया, वेनेज्युअला, फिलिपाईन्स, चिली आदि देशों से आए । कार्यक्रमों और प्रतिभागियों की विस्तृत जानकारी नीचे दी गई है :

अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम : 2015-16

क्र.सं.	श्रेणी	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
1.	आईटीईसी एवं स्कैप	14	238
2.	सिर्डाप	04	58
3.	अन्य *	01	12
	कुल	19	308

* नेपाल सरकार द्वारा प्रायोजित

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार का आई टी ई सी एवं स्कैप अधिसदस्यता कार्यक्रम

- समुदाय आधारित आपदा प्रबंध : मुख्यधारा और जोखिम कम करने की रणनीतियाँ
- पेयजल और स्वच्छता परियोजनाओं की आयोजना और प्रबंधन
- सहभागी ग्रामीण विकास
- ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की योजना और प्रबंध
- ग्रामीण आवास और निवास परियोजनाओं की आयोजना और प्रबंधन
- विकास व्यावसायिक के लिए प्रशिक्षण क्रियाविधि
- ग्रामीण विकास के लिए महिला सशक्तिकरण
- ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के सुशासन और प्रबंध पर कार्यक्रम
- समुदाय उन्मुख ग्रामीण विकास
- ग्रामीण विकास में भू-संसूचना अनुप्रयोग
- ग्रामीण विकास के लिए सूचना संचार प्रौद्योगिकी
- निर्धनता उन्मूलन के लिए ग्रामीण रोजगार परियोजनाओं का प्रबंध
- ग्रामीण विकास के लिए सतत कृषि नीतियाँ
- गरीबी उन्मूलन के लिए ग्रामीण ऋण

ग्रामीण विकास मंत्रालय - एनआईआरडीपीआर - सिर्डाप सहभागी कार्यक्रम

- ग्रामीण विकास के लिए सतत कृषि
- अभिनव तथा बेहतर पद्धतियों को साझा करने के लिए ग्रामीण विकास में भूसंसूचना अनुप्रयोग
- ग्रामीण विकास के लिए स्थानीय शासन और सेवा की सुपुर्दगी
- ग्रामीण विकास के लिए सूचना और समुदाय प्रौद्योगिकी (आईसीटी) अनुप्रयोग

Sitting L - R:1. Mr. Seeram Samba Siva Rao (India) , 2. Mr T Phanindra Kumar (CGARD) , 3. Ms Ushwah Muchtar (Indonesia), 4. Dr V Madhava Rao , Prof & Head (CGARD) 5. Mr Cecep Effendi , DG (CIRDAP), 6. Smt. Chanda Pandit , IA & AS, Registrar & Director(Admin.) NIRDPR,7. Dr Vasanthi Rajendran , Director(Training) (CIRDAP),8.Dr P Kesav Rao (CGARD) , 9. Ms. Nguyen Thi Phi (Vietnam), 10. Ms. I S A Hewpathirana (Sri Lanka).
Standing 1st Row L - R : 1. Mr D S R Murthy(CGARD0, 2. Mr. Niaz Zaki (Afghanistan) 3. Mr. Ramesh Kumar Das (Nepal),.4. Mr. Khil Prasad Subedi (Nepal) 5. Mr. Ram Hari Khatri (Nepal) 6. Mr. Buddhi Prasad Ghimire (Nepal), 7. Mr. Chanseng Phongpachith (Lao PDR) 8. Mr. H.J.C. Jayasooriya (Sri Lanka) 9.Dr Rajkumar Pammi CGARD) ,10. Mr J Venkanna (CGARD).
Standing 2nd Row L - R : 1. Mr. Nereo T. Tierra (Philippines) 2. Mr. Md. Mizanur Rahaman (Bangladesh),3. Mr. Hadrian Marta, S.(Indonesia) 4.Mr. Vu Van Quan (Viet Nam) 5. Mr. Zaw Moe Lwin (Myanmar).

अन्य

- नेपाल प्रतिनिधि मंडल के लिए निर्धनता उन्मूलन तथा ग्रामीण विकास कार्यक्रमों पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विश्लेषण

वर्ष 2015-16 के दौरान, एनआईआरडीपीआर ने 1326 कार्यक्रम आयोजित किए जिसमें एनआईआरडीपीआर, हैदराबाद के 1263 कार्यक्रम तथा एनआईआरडीपीआर - एनईआरसी, गुवाहाटी द्वारा 63 कार्यक्रम भी शामिल है ।

क्षेत्रीय ऑफ कैम्पस प्रशिक्षण कार्यक्रम

ग्रामीण विकास और पंचायती राज के क्षेत्र में राज्य विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने तथा एस आई आर डी, ई टी सी तथा अन्य ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थानों के संकाय सदस्यों का क्षमता निर्माण करने के उद्देश्य से एनआईआरडीपीआर और इसके क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा 76 क्षेत्रीय ऑफ कैम्पस कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

एसआईआरडी में नेटवर्किंग कार्यक्रम

एनआईआरडीपीआर ने फ्लैगशिप कार्यक्रमों के क्षमता निर्माण हेतु 2013-14 से एसआईआरडी के लिए नेटवर्किंग कार्यक्रम आरंभ किए । इसके भाग के रुप में एसआईआरडी के प्रयासों को सुदृढ़ करने के लिए निधि और अन्य अकादमिक सहायता दी गई । कार्यक्रमों की प्रतिक्रिया से पता चला कि अधिक संख्या में ग्रामीण विकास अधिकारियों और पंचायती राज कार्यकर्ताओं तक पहुँचने के लिए संस्थान की पहल ने एसआईआरडी की सहायता की है । वर्ष के दौरान, एसआईआरडी के माध्यम से 928 कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

सारणी 1 : आयोजित कार्यक्रमों का प्रकार : 2015-16

	प्रकार	एनआईआरडी एवं पीआर	एनआईआरडीपीआर -एनईआरसी	कुल
1	प्रशिक्षण कार्यक्रम	197	53	250
2	कार्यशाला एवं सेमिनार	53		53
3	अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम	19		19
4	ऑफ कैम्पस कार्यक्रम	66	10	76
5	नेटवर्किंग प्रशिक्षण कार्यक्रम	928		928
	कुल	**1263**	**63**	**1326**

प्रतिभागियों का परिचय

सारणी 2 से स्पष्ट है कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अधिकतर प्रतिभागी सरकारी अधिकारी थे । अधिक संख्या में प्रतिभागी अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान, एन जी ओ, सी बी ओ और पी आर आई से थे । अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों तथा वित्तीय संस्थानों के प्रतिभागियों की संख्या में महत्वपूर्ण वृद्धि पाई गई ।

सारणी 2 : प्रतिभागियों की रुपरेखा

क्रम सं	श्रेणी	एनआईआरडी एवं पीआर	एनईआरसी	कुल	%
1	सरकारी अधिकारी	19480	1138	20618	53.66
2	वित्तीय संस्थाये	683	03	686	1.79
3	पी आर आई	598	47	645	1.68
4	एन जी ओ एवं सी बी ओ	1146	29	1175	3.06
5	अनुसंधान एवं प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय और राज्य संस्थान	7754	122	7876	20.50
6	विश्वविद्यालय और कॉलेज	109	286	395	1.03
7	अंतर्राष्ट्रीय	308	-	308	0.80
8	अन्य स्टेकहोल्डर	6453	268	6721	17.49
	कुल	**36351**	**1893**	**38424**	**100.00**
	महिलाएँ	8693	593	9286	24.17

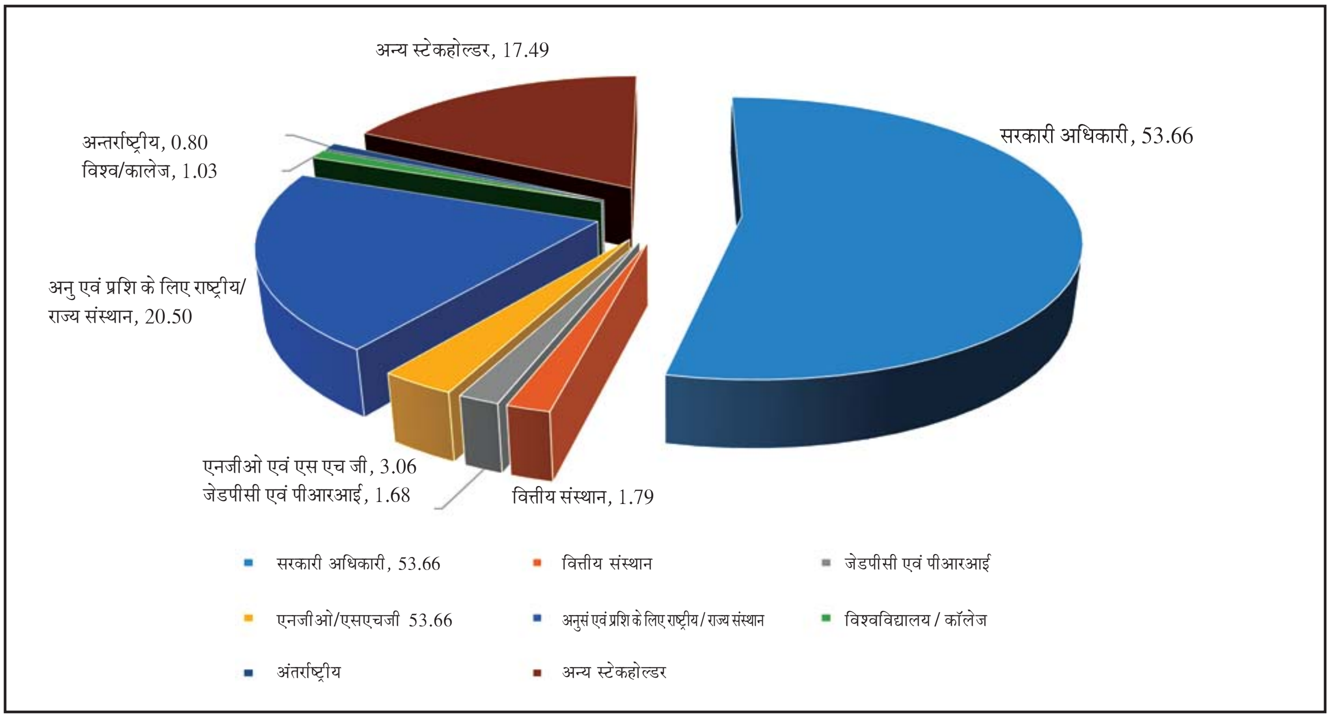

प्रशिक्षण गुणवत्ता सुधार उपाय कमेटी (टी-क्यूआईएम)

प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एनआईआरडीएवंपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के गुणवत्ता पहलू में सुधार हेतु उपाय करना संस्थान की हमेशा से प्राथमिकता रही है । इस संबंध में पाठ्यक्रम डिजाईन और सामग्री के लिए विचारात्मक उपायों के प्रतिभूतिकरण के लिए भीतरी व बाहरी विषय विशेषज्ञों के सदस्यों को शामिल करते हुए प्रशिक्षण गुणवत्ता सुधार उपाय समिति का गठन किया गया । इस समिति की बैठक माह में एक बार होती है जो आगामी माह में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में सुधार हेतु अपेक्षित उपायों का सुझाव देती है ।

प्रशिक्षण फीडबैक

प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षण डिजाईन, संदर्भ, प्रशिक्षण पद्धति, प्रशिक्षण सामग्री वक्ता की प्रभाविता, आवास और भोजन की सुविधा, पुस्तकालय सुविधा आदि महत्वपूर्ण घटक के संदर्भ सहित पांच सूत्री पैमाने पर ई मूल्यांकन द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाता है ताकि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सुधार हेतु उपाय किए जा सके । 2015-16 के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रमों का कुल औसत 85 प्रतिशत था ।

विशेष परियोजनाएँ और स्त्रोत सेल

ग्रामीण विकास भू-संसूचना अनुप्रयोग केन्द्र (सी-गार्ड)

ग्रामीण विकास योजना, अनुश्रवण एवं मॉडलिंग से संबंधित क्षेत्रों में क्षमता निर्माण एवं विकास संभावनाओं के संदर्भ में भू-संसूचना प्रौद्योगिकी का बडी मात्रा में निहितार्थ हैं । संस्थान का ग्रामीण विकास में भू-संसूचना अनुप्रयोग केन्द्र (सी-गार्ड) भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी के विकास एवं डिजाईन हेतु कार्य करता है जैसे -जी आई एस, रिमोट सेन्सिंग विथ हाई रिजोल्युशन इमैजरी इंटरप्रिटेशन एण्ड एनालाइसिस, ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जी पी एस) फोटोग्रामेटरी, वर्च्युअल 3 डी विजुवलाईजेशन टेक्कनीक एवं ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में अनुप्रयोग हेतु वेब आधारित भू-संसूचना सिस्टम्स आदि । यह केन्द्र योजना, अनुश्रवण, मॉडलिंग एवं जलागम पर निर्णय समर्थन व्यवस्था, एम जी एन आर ई जी एस, कृषि विकास, पर्यावरणात्मक मूल्यांकन, संरक्षण पद्धतियों, संसाधन योजना, आधारभूत संरचना विकास एवं ग्राम योजना इत्यादि से संबंधित क्षेत्रों में भू-संसूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग में विशिष्ट पारंपरिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को तैयार करता है । चार जी आई एस सुविधा केन्द्रों को स्थापित किया गया है वे है : असम, गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, ओडिशा राज्य। इसका उद्देश्य ग्रामीण कार्यक्रमों में उपग्रहों, जी पी एस एवं जी आई एस प्रौद्योगिकी से उत्पन्न वैज्ञानिक सूचना के उपयोग को बढावा देना है । उसी प्रकार जलागम विकास को बढ़ावा देने के लिए तथा एन जी ओ सेक्टर में भू-संसूचना को बढ़ावा देने के लिए महाराष्ट्र में रालेगांव सिद्धी में एक जी आई एस सुविधा केन्द्र को गठित किया गया है । इसके अलावा शैक्षणिक इंटर्नशिप के लिए भू-संसूचना में एम एस सी, एम टेक. अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए विशेषज्ञ मार्गदर्शन भी प्रदान

किया जा रहा हैं । एम टेक छात्रों के लिए एक वर्षीय अवधि का इंटर्नशिप भी दिया जा रहा हैं । इसी प्रकार से भू-संसूचना में पी एच डी के अनुसंधान छात्र भी है ।

क्षेत्र कार्यकर्ताओं के लिए सी-गार्ड के अभी छः माह और 1 वर्ष के दो शैक्षणिक दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम है अर्थात् पी जी सी गार्ड और पी जी डी गार्ड।

अफ्रीका के साथ भारतीय साझेदारी को सुदृढ करने के प्रयास में भारत सरकार ने अफ्रीका के पांच देशों जैसे - किनिया, अल्जीरिया, नाईजर, ईक्विटोरियल गिनिया एवं मडगॉस्कर में चरणबद्ध तरीके से सी-गार्ड केन्द्रों को स्थापित करने की अनुमति दी । भारत सरकार दी गई अनुमति के आधार पर इन देशों में सी-गार्ड के स्थापना की प्रक्रिया के प्रचालनीकरण हेतु कदम उठाए गए है । आगे, एस आई आर डी, केरल और एस आई आर डी, तमिलनाडु में दो सी-गार्ड केन्द्रों को स्थापित करने हेतु कदम उठाए गए है तथा शेष एस आई आर डी में भी ऐसे केन्द्रों को स्थापित करने का प्रस्ताव है । सी-गार्ड मैडागास्कर प्रौद्योगिकी केन्द्र स्थापना की प्रक्रिया है तथा सिर्डाप सदस्यों के लिए सिर्डाप ढ़ाका बंगलादेश में ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित सी आई टी और सी-गार्ड केन्द्र की स्थापना की गई ।

उपरोक्त के अलावा, वर्ष 2015-16 के दौरान केन्द्र ने निम्नलिखित क्रियाकलापों को निष्पादित किया : 1. जियोहाइड्रोलॉजी मॉडलिंग एवं ई-डी पी आर के लिए वेब आधारित पारंपरिक पैकेज को विकसित करना एवं प्रारुपण ; 2. केरल राज्य के 5 जिलों के लिए जी आई एस आधारित पी एम जी एस वाई कोर नेटवर्क विकास ; 3.जलागम प्रबंधन के लिए वेब जी आई एस आधारित निर्णय समर्थन व्यवस्था का विकास एवं प्रशिक्षण ; 4. ओपन सोर्स हिन्दी जी आई एस साफ्टवेयर आई डब्ल्यू एम पी के लिए ई डी पी आर, जी आई एस आधारित ग्रामीण ऊर्जा मॉडल, डी आई पी तैयारी एवं ग्राम जी आई एस का विकास ।

दीन दयाल उपाध्याय कौशल योजना (डी डी यू - जी के वाई) परियोजना

भारत सरकार ने 2022 तक 500 मिलियन युवा को कौशल प्रदान करने के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जो अगले दशक तक कुशल जनशक्ति के लिए अनुमानित मार्ग के अनुरुप है ।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में 15 और 35 वर्ष की आयु समूह के 55 मिलियन सक्षम कार्यकर्ता है। आंकडो से पता चलता है कि कई औद्योगिकीकृत देश आबादी की उम्र बढ़ने की समस्या का सामना कर रहे है। इन राष्ट्र 2020 तक 5.7 मिलियन श्रमिकों के कमी की आशंका ह। यह संख्या भारत के लिए एक जनसांख्यिकी लाभांश में अपने जनसांख्यिकीय अधिशेष को बदलने के ऐतिहासिक अवसर का प्रतिनिधित्व करेगी। अनेक मंत्रालयों को भारतीय युवा को कौशल्य प्रदान करने का लक्ष्य दिया गया है ताकि विश्व में भारत को कौशल प्रमुख केन्द्र बनाने के लिए सरकार के विजन में सहयोग किया जा सके ।

आज के रोजगार के बाजार में औपचारिक शिक्षा, बजार योग्य कौशल की कमी तथा निर्धनता द्वारा लगाए गए अन्य अवरोध प्रवेश बाधा में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है। दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डी डी यू - जी के वाई), ग्रामीण विकास मंत्रालय (एम ओ आर डी) का कौशल प्रशिक्षण एवं पदस्थापना कार्यक्रम को न केवल ग्रामीण निर्धन को उच्च स्तरीय कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए तैयार किया गया बल्कि एक व्यापक परिस्थितिकी तंत्र की स्थापना के लिए तैयार किया गया जो प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को सुरक्षित बेहतर भविष्य में ग्रामीण निर्धन युवा पर अपने फोकस तथा पदस्थापना ट्रैकिंग, प्रतिधारण और कैरियर में प्रगति में शोहरत और प्रोत्साहन द्वारा सतत रोजगार पर बल देने के कारण सहायता करता है। यह अन्य कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक विशिष्ट स्थान रखता है ।

डी डी यू - जी के वाई की मुख्य विशिष्टताएँ

- यह सुनिश्चित करना कि सभी प्रशिक्षार्थी निर्धन ग्रामीण परिवारों से है ।
- यह सुनिश्चित करना कि परीक्षार्थी नि:शुल्क स्किलिंग और पदस्थापन सेवाओं का उपयोग करने में सक्षम है ।
- बेहतर आपसी सहयोग के लिए संतृप्ति दृष्टिकोण से नामांकन हेतु ग्राम पंचायत का अभिग्रहण।
- प्रशिक्षण के दौरान परिवहन / आवास और भोजन के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना ।
- छ: माह के लिए पदस्थापन पश्चात् समर्थन हेतु सहायता।
- एक वर्ष के लिए पदस्थापन पश्चात् परामर्श, समर्थन तथा ट्रेकिंग ।
- अनेक व्यापार में प्रशिक्षण देना जिसमें औपचारिक शिक्षा आवश्यक नहीं है ।
- कार्य निष्पादन को प्रमाणित करने के लिए ग्राम पंचायत (जी पी) और स्वं-सहायता समूहों के साथ कार्य करना।
- राज्य सरकार की ओर से पुरस्कार के गठन द्वारा विभिन्न स्टेकहोल्डरों के कौशल विकास में उत्साहजनक अनुकरणीय प्रदर्शन ।
- फार्म से फैक्टरों में परिवर्तन को सफल बनाने के लिए प्रवासी सहायता और एल्यूमनी नेटवर्क
- जम्मू एवं कश्मीर (हिमायत), 27 वामपंथी उग्रवादी क्षेत्र (रोशनी) तथा उत्तरी-पूर्वी राज्यों पर बल ।
- प्रशिक्षण आधारभूत संरचना तथा सेवा सुपुर्दगी के लिए गुणवत्ता आश्वासन ढाँचा उपलब्ध कराने के लिए मानक - उन्मुख सुपुर्दगी अग्रणी मानक संचालन प्रक्रिया।
- कार्यक्रम डिजाईन जिसमें सामाजिक रुप से वंचित समूह का अनिवार्य कवरेज शामिल है (50 प्रतिशत अ.जा ./ अ.ज.जा., 15 प्रतिशत अल्पसंख्यक, 33 प्रतिशत महिलाएँ)

डी डी यू - जी के वाई के विशेष संघटक

(i) रोशनी - सबसे महत्वपूर्ण वामपंथी उग्रवादी प्रभावित क्षेत्रों के लिए विशेष पहल

सबसे महत्वपूर्ण वामपंथी उग्रवादी प्रभावित क्षेत्रों के लिए विशेष पहल रोशनी को विशेष मार्गनिर्देश के साथ आरम्भ किया गया जो उग्रवादी प्रभावित जिलों की अजीब स्थिति को ध्यान में रखता है । विशेषकर यह अलग समय अवधि में प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध कराता है । वर्तमान में यह तीन, छह, नौ और बारह माह के फार्मेट में सामान्य, कौशल आई टी तथा सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग के अलावा प्रशिक्षार्थियों को औपचारिक स्कूल प्रणाली को छोड़ने वाले स्तर के आधार पर नेशनल स्कूल ऑफ ओपन स्कूलिंग (एन आई ओ एस) सर्टिफिकेटशन (8 या 10) दिया जाता है ।

(ii) हिमायत - जम्मू और कश्मीर के लिए विशेष स्कीम

ग्रामीण विकास मंत्रालय, जम्मू और कश्मीर के लिए डी डी यू - जी के वाई के तहत विशेष स्कीम चलाता है । जिसमें शामिल हैं :-

i शहरी तथा ग्रामीण युवा

ii निर्धनता रेखा से नीचे (बी पी एल) और निर्धनता रेखा से ऊपर (ए पी एल) के व्यक्ति

iii औपचारिक क्षेत्र तथा स्व-रोजगार में मजदूरी रोजगार । यह एक 100 प्रतिशत केन्द्रीय वित्त पोषित स्कीम है जिसका कार्यान्वयन श्रीनगर और जम्मू में स्थित हिमायत मिशन प्रबंध यूनिट द्वारा राज्य सरकार की सहायता से किया जाता है।

कार्यान्वयन मॉडल

डी डी यू - जी के वाई तीन स्तरीय कार्यान्वयन मॉडल को अपनाता है । ग्रामीण विकास मंत्रालय में डी डी यू - जी के वाई की राष्ट्रीय यूनिट वह एजेंसी हैं जो राष्ट्रीय नीति निर्माण, वित्त पोषण, तकनीकी सहायता और सुगमता के लिए जिम्मेवार है राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन में सन्निहित डी डी यू - जी के वाई राज्य कौशल मिशन तथा एन आई आर डी एवं पी आर द्वारा राज्य में तथा परियोजना डी डी यू - जी के वाई कार्यान्वयन एजेंसी (पी आर ए) जो कौशल प्रशिक्षण और पदस्थापना परियोजना द्वारा कार्यक्रम का कार्यान्वयन करता है के लिए सह वित्त पोषण तथा कार्यान्वयन सहायता देने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने की संभावना है।

2.14.4 12 वीं योजना के लक्ष्य तथा कार्य निष्पादन (राष्ट्रीय परिदृष्य)

वर्ष	लक्ष्य	प्रशिक्षित
2012-2013	212,000	217,997
2013-2014	250,000	201,019
2014-2015	210,000	86,120
2015-2016	177,986	270,392

2.14.5 वर्ष 2015-16 में प्राप्त प्रशिक्षण का लक्ष्य और पदस्थापन

स्कीम	परियोजनाओं की संख्या	प्रशिक्षित	पदस्थापित*
एस जी एस वाई (एस पी)	89	19328	11048
डी डी यू - जी के वाई (वाई जी एस)	99	42574	11393
डी डी यू - जी के वाई (ए पी एस)	305	61482	26047
हिमायत	20	18694	14105
कुल	**513**	**142078**	**62593**

स्रोत : ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा अनुरक्षित एस - सीरिज् डाटा

अभ्यर्थी यदि तीन महिनों तक निरंतर कार्य कर रहा है और साक्ष्य मे वेतन पर्चो हो तो उसे पदस्थापित माना जाएगा ।

एन आई आर डी एवं पी आर द्वारा परियोजनाओं की निगरानी - वित्तीय अवलोकन

स्कीम	कुल परियोजना लागत (रु. करोड़ में)	ग्रा.वि.मं/राज्य से प्राप्त कुल अनुदान (रु. करोड़ में)	पीआईए को रिलीज कुल अनुदान (रु. करोड़ में)
एस जी एस वाई (एस पी)	746	599	596
डी डी यू - जी के वाई	1304.35	306.08	278.13
हिमायत	249.33	149.91	149.91
कुल	**2299.68**	**1054.99**	**1024.04**

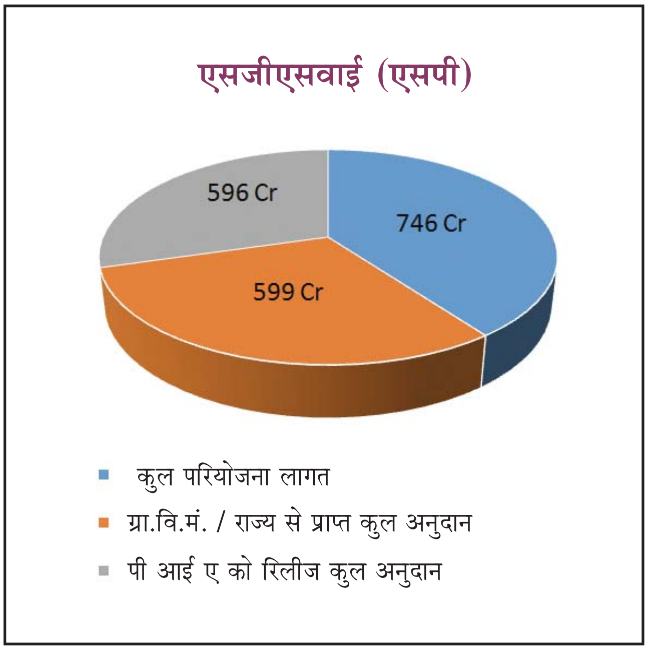

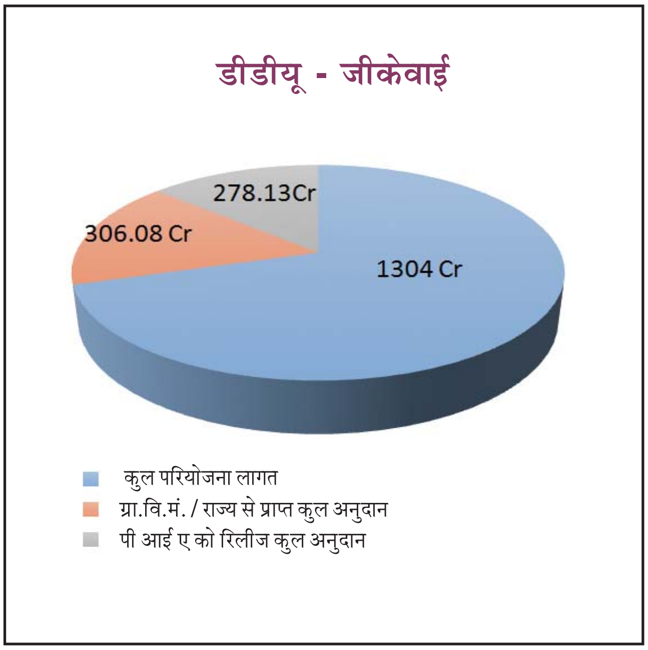

1. वार्षिक योजना (वाईपी) राज्य वे राज्य है जो सीटीएसए/टीएसए एवं ग्रा.वि.मं. पर मानवशक्ति, रणनीति हेतु बड़े पैमाने पर निर्भर रहते हुए कार्यक्रम को कार्यान्वित कर रहे है और उनका उददेश्य कार्य योजना राज्यों के रुप में विकासित होना है।
2. कार्य योजना (एपी) राज्य वे राज्य है जिनके पास कार्यक्रम हेतु समुचित मानवशक्ति है, सरकारी भवन आधारभूत संरचना के उपयोग हेतु नीति है तथा सीटीएसए / टी एस ए एवं ग्रा.वि.मं. के मध्यस्थता की मदद से अपने स्वंय के बलबूते पर कार्यन्वयन कर रहा है।

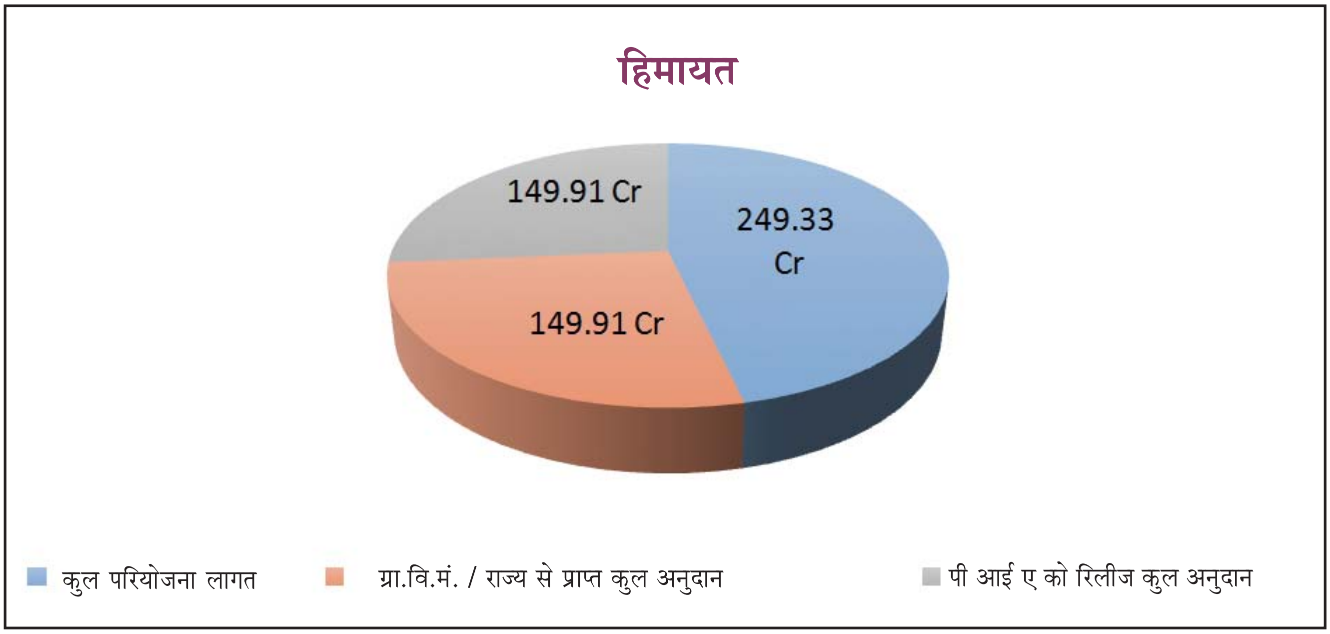

ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आसेटी) परियोजना

ग्रामीण विकास मंत्रालय की आर सेटी परियोजना के कार्यान्वयन के लिए एन आई आर डी पी आर एक नोडल एजेंसी है जिसका उद्देश्य सामान्य तौर पर ग्रामीण युवा और विशेषकर बी पी एल की बेरोजगारी समस्या को कम करना है । परियोजना के तहत युवा के कौशल विकास / कौशल उन्नयन के लिए प्रत्येक जिले में आर सेटी नामक समर्पित बुनियादी ढाँचे का प्रस्ताव है । एन आई आर डी पी आर को विभिन्न प्रायोजित बैंको से बुनियादी ढाँचे के अनुदान प्रस्तावों को प्राप्त करना और कार्रवाई करना , ग्रा वि मं से मंजूरी लेना, भवन बुनियादी ढाँचे के लिए निधियों की मंजूरी और रिलीज की जिम्मेदारी दी गई है एन आई आर डी पी आर के द्वारा विभिन्न जिला स्तर तथा राज्य स्तरीय अधिकारियों के साथ भूमि आबंटन / भूमि पर कब्जे के संबंधित मुद्दों पर भी कार्य करता है तथा उनके समाधान का प्रयास करता है । आर सेटी भवनों के निर्माण में भी एन आई आर डी पी आर बैंको की सहायता मार्गनिर्देश और सुझाव देता है । इसके अलावा बैंक के नोडल अधिकारियों और राज्य के संपर्क अधिकारियों के लिए कार्यशालाओं के आयोजन द्वारा एन आई आर डी पी आर विभिन्न स्टेकहोल्डरों के क्षमता निर्माण में भी शामिल है । एन आई आर डी पी आर ने प्रशिक्षण के लिए मानक प्रशिक्षण मॉड्यूल भी तैयार किए है । एन आई आर डी पी आर अनेक प्रकाशन जैसे एंटरप्राईजेज - आर सेटी का त्रैमासिक समाचार पत्र सफल कहानी आदि को आर सेटी की नेटवर्किंग बढ़ाने के लिए समय-समय पर प्रकाशित करता है ।

दि. 31.03.2016 को वित्तीय और भौतिक प्रगति

अभी तक राष्ट्र में बैंको द्वारा प्रायोजित 585 क्रियाशील आर सेटी है । एन आई आर डी पी आर ने 31.3.2016 तक 444 आरसेटी को 261.85 करोड़ की राशि रिलीज की जिसमें 29 राज्य 5 संघ शासित क्षेत्र शामिल है । 125 जिलों में आरसेटी भवनों का निर्माण संपूरित हुआ तथा 53 स्थानों में समाप्ति पर है। बाकी जिलों / स्थानों पर निर्माण कार्य प्रगति पर है ।

नोडल अधिकारियों के लिए आरसेटी के प्रबंध पर कार्यशाला

हालांकि आरसेटी की मॉनिटरिंग के लिए विभिन्न कार्यकर्ता है परन्तु प्रमुख जिम्मेदारी प्रायोजित बैंको की है । एन आई आर डी पी आर की सलाह पर प्रत्येक बैंक ने आरसेटी के कार्य निष्पादन की मॉनिटरिंग और उनके दैनिक मामलों में मार्गदर्शन के लिए कॉर्पोरेट स्तर पर एक वरिष्ठ अधिकारी को नोडल अधिकारी आरसेटी बनाया है । एन आई आर डी पी आर प्रत्येक वर्ष एक कार्यशाला का आयोजन करता है । वर्ष 2015-16 के लिए एन आई आर डी पी आर परिसर, हैदराबाद में 14-15 सितंबर 2015 के दौरान 3 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । प्रतिभागियों को बुनियादी ढाँचे की उपलब्धता, आयोजित कार्यक्रमों के प्रकार तथा प्रशिक्षार्थियों के पदस्थापन पर ध्यान देने के लिए एस बी आई आरसेटी रंगा रेड्डी, मेदक जिले में क्षेत्र दौरे के लिए ले जाया गया ।

एंटरप्राईज - एन आई आर डी एवं पी आर - आरसेटी तिमाही समाचार पत्र

Enterprise

NIRDPR - RSETIs Quarterly Newsletter

Vol 7 (1) | Promoting Self Employment | January - March 2016

Dr. W.R. Reddy, IAS,
Director General, NIRD&PR

Dr. W.R. Reddy, IAS/KL/1986 joined as Director General, National Institute of Rural Development & Panchayati Raj (NIRD&PR), Hyderabad on 10th March 2016. All the stake holders of **Rural Self Employment Training Institutes** (RSETIs) and **"Enterprise"** family extend warm welcome to him as a leader of NIRD&PR and as patron of "Enterprise" – Quarterly Newsletter of RSETIs being published by NIRD&PR.

Dr. Reddy is Post Graduate and Doctorate in "Genetics" with distinction from Indian Agricultural Research Institute (IARI), New Delhi. He did his P.G. Diploma in "Public Administration" from Indian Institute of Public Administration (IIPA), New Delhi. He started his career with Government of Kerala and worked in various capacities such as Sub-Collector, PD DRDA, Deputy Secretary, District Collector & District Magistrate, Joint Secretary, Managing Director, Kerala Water Authority (KWA) & Kerala Milk Marketing Federation (KMMF) and Special Secretary, Taxes, Government of Kerala. He also served as Director, Department of Personnel & Training as well as Department of Agriculture & Cooperation, Government of India. After serving as Joint Secretary, Plant Protection Department, Ministry of Agriculture, Government of India, he was appointed as Secretary, Department of Forest & Wild life and Taxation with Government of Kerala. His major areas of contributions are:- i) Rural Development–Inclusive livelihood improvements, ii) Governance Improvement, iii) Transformation in Agriculture, iv) Plant Protection and Quarantine and v) Creating Institutions for Prosperity of the Nation.

With his vast experience in the field of Agriculture Transformation, Rural Development, Tribal Welfare & Development, Project Management and Mentoring of the Youth, NIRD&PR in general & RSETI Project in particular will get immense benefit of his experience. After resuming charge as DG, NIRD&PR he has shown keen interest in RSETI Project and expressed that it is a good initiative and is need of the hour. He assured his full cooperation and support to unique initiative of RSETIs.

International Conference on Yoga

Dr. D Veerendra Heggade, Hon'ble Co-Chairman, National Level Advisory Committee on RSETIs participated as one of the Chief Guests on the occasion of 'International Conference on Yoga' organized by Swami Vivekananda Yoga Research Foundation on 3.1.2016 at Jigani, Bengaluru which was inaugurated by **Shri Narendra Modi, Hon'ble Prime Minister of India.**

Ms Mamata Banerjee, C.M., W.B. felicitate SBI RSETI Malda trainee

Hon. Chief Minister of West Bengal, Ms Mamata Banerjee at a glamorous function in Kolkata on 18.11.2015 felicitated Smt. Solema Bibi a successful Entrepreneur trained by SBI RSETI Malda. She is running a beauty parlour in her village successfully after completion of training at Malda RSETI.

1

एन आई आर डी पी आर राष्ट्र के विभिन्न आरसेटी के समाचार और कार्यक्रमों को अपने तिमाही समाचार पत्र एंटरप्राईज में शामिल करता है जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन, वीआईपी / आगंतुको का दौरा, बुनियादी ढाँचे का निर्माण और सफल कहानियाँ / यह तिमाही समाचार-पत्र बहुत लोकप्रिय है तथा आरसेटी के विभिन्न स्टेकहोल्डरों में इसकी बहुत मांग है । सभी आरसेटी बैंक , आरबीआई, नाबार्ड, राज्य सरकार , जिला कलेक्टर, डीआरडीए के पीडी, एलडीएम, डीडीएम तथा आरसेटी क्रियाकलापों के इच्छुक व्यक्तियों को 3000 प्रतियाँ भेजी जाती है ।

एसबीआई आरसेटी अरियालुर तमिलनाडु

एसबीवीजे आरसेटी हनुमानगढ, राजस्थान

केनरा बैंक आर से टी अलीगढ, उत्तर प्रदेश

यूबीआई आरसेटी, मऊ उ.प्र.

सीबीआई आरसेटी, रतलाम, म.प्र.

बी ओ आई आरसेटी बुरह्नपुर, म.प्र.

परियोजना उद्यम

ग्रामीण क्षेत्रों की मुख्य समस्याएँ निर्धनता और बेरोजगारी है और आदिवासी बहुल तथा एल डब्ल्यू ई जिलो में और अधिक है। इन क्षेत्रों में मजदूरी रोजगार के सुअवसरो की कमी है । एन आई आर डी पी आर ने महसूस किया कि कौशल और क्षमता विकास द्वारा ग्रामीण युवा को स्व-रोजगार कार्य आरम्भ करने के लिए तैयार किया जा सकता है । इसके अलावा स्व-नियोजित व्यक्ति नौकरी निर्माता के रुप में कार्य कर सकता है । इस पृष्ठभूमि में एन आई आर डी पी आर ने ''परियोजना उद्यम'' के तहत इन क्षेत्रों में युवा के कौशल और क्षमता निर्माण की पहल की है । इस परियोजना का कार्यान्वयन कुछ प्रतिष्ठित तथा सुव्यवस्थित कार्यक्रम कार्यान्वयन एजेन्सी के सहयोग से किया जा रहा है जो युवा की सतत आजीविका द्वारा सूक्ष्म उद्यमों के सृजन के एकमात्र उद्देश्य से एक या दूसरे मंत्रालय और नाबार्ड के सहयोग कर रहे है ।

31.3.2016 को एन आई आर डी पी आर ने विभिन्न राज्यों के 2677 युवा के हित और राष्ट्र के विभिन्न क्रियाकलापों में सी बी ओ / एन पी ओ को शामिल करते हुए 100 कौशल और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का समर्थन किया । कार्यान्वियन सी बी ओ / एन जी ओ प्रशिक्षार्थियों को हैण्डहोल्डिंग सहायता प्रदान करता है । युवा द्वारा सूक्ष्म-उद्यमों के सृजन के संदर्भ में औसत पदस्थापन दर 70-75 प्रतिशत है । परियोजना उद्यम के तहत विपणन संघर्ष से बचने के लिए निर्माण क्रियाकलाप के बदले कार्यउन्मुख क्रियाकलाप को अधिक बल दिया जाता है । प्रशिक्षण के अंत में प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को टूल दिया जाता है ताकि प्रशिक्षण के पश्चात् युवा कार्य आरंभ कर सके ।

परियोजना उद्यम की सफलता

एन आई आर डी पी आर ने ''परियोजना उद्यम की सफलता नामक पुस्तक का प्रकाशन किया जिसमें राष्ट्र के विभिन्न भाग से परियोजना उद्यम संकल्पना, इसके उद्देश्य एवं आवश्यकताएँ , प्रशिक्षण क्रियाविधि, उपलब्धियाँ , आयोजित कार्यक्रमों प्रशिक्षणों का प्रकार , परियोजना उद्यम का कवरेज और सफल कहानियों को शामिल किया गया है । ये सफल कहानियाँ युवा और पी आई ए को इस दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करेंगी ।

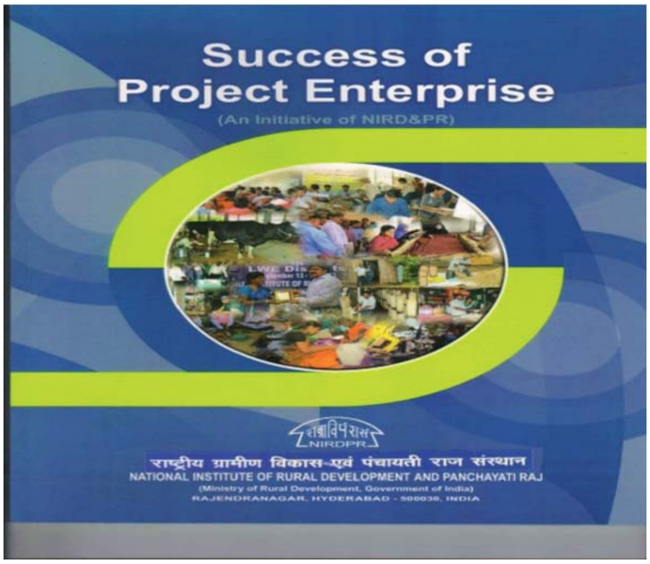

एन आर एल एम स्त्रोत सेल

2015-16 के दौरान एन आर एल एम (आर सी), एन आई आर डी पी आर में मुख्य 7 कार्य संपूरित किए :

1) प्रशिक्षण, कार्यशालाएँ तथा एस आर एल एम की आवश्यकताओं को पूरा करना
2) एस आर एल एम के मुख्य प्रशिक्षको को बढ़ावा
3) चौथा वार्षिक राष्ट्रीय राईटशॉप
4) सामाजिक समावेश तथा सामाजिक विकास पर सामुदायिक मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण
5) प्रशिक्षण माड्यूल का विकास
6) एन ई आर सी गुवाहाटी में एन आर एल एम सेल का गठन
7) एन आई आर डी पी आर की अन्य इकाईयों को सहायता

प्रशिक्षण और कार्यशालाएँ

वर्ष 2015-16 के दौरान एन आर एल एम - आर सी ने 101 कैम्पस , ऑफ कैम्पस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए और एस आर एल एम अधिकारियों, एस आई आर डी संकाय सदस्य, क्षमता निर्माण एजेंसियों , एन जी ओ , पी आई ए सरकारी अधिकारी तथा सी बी ओ आदि को ग्रा वि मं के कार्यक्रमों में संयोजन भी किया । सी बी कार्यक्रमों के विवरण निम्नलिखित है :

क्र. सं.	विवरण	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागी	ग्राहकगण
1	एन आई आर डी पी आर कैम्पस प्रशिक्षण	40	1809	एन आर एल एम अधिसदस्य, एस पी एम, डी पी एम, बी बी एम, बी पी एफ टी, सी सी, सी आर पी, तथा अन्य विभागीय कर्मचारी
2	एन आर एल एम (आर सी) द्वारा	45	1260	डी पी एम, बी पी एम, एन जी ओ, बी सी सी तथा अन्य विभागीय कर्मचारी
3	एन आई आर डी पी आर द्वारा समर्थित ऑफ कैम्पस कार्यक्रम	12	596	सीसी, सीटी, सीएम, बीपीएम, डीपीएम, एसएपीएस, विषय विशेषज्ञ वीओ एवं सीएलएफ ईसी सदस्य एमडी, सीईओ
4	एन एम एम यू , ग्रा वि मं के सहयोग से एन आई आर डी पी आर कैम्पस कार्यशालाएँ	4	344	सीईओ, एसपीएम, एनजीओ वरिष्ठ अधिकारी, समुदाय
	योग	**101**	**4009**	

एन आर एल एम , आर सी ने एन आई आर डी पी आर में ग्रा वि मं के कार्यक्रमों का आयोजन किया जैसे चौथा वार्षिक राष्ट्रीय राईटशॉप एम के एस पी, एम के एस पी तिमाही समीक्षा बैठकों में सी एम एस ए किसानों से परिचर्चा, सूक्ष्म योजना तथा सी आई एफ, आई बी और एच आर पर समीक्षा बैठक, पी ओ पी - सी एम एस ए रोलआउट रणनीति, एम के एस पी का डेस्क मूल्यांकन, पी ओ पी मॉडल पर बुद्धिशीलता कार्यशाला, स्टाईअप ग्रामीण उद्यमशीलता कार्यक्रम, ग्रामीण कारीगरों पर दिशानिर्देश तैयार करना , एम के एस पी के तहत रुकी हुई परियोजनाओं का पुनर्गठन, अल्ट्रानिर्धन रणनीति तथा ब्रीफिंग व डी ब्रिफिंग कार्यशाला क्षमता निर्माण पर सी बी ओ और एन आर ओ के साथ राष्ट्रीय परामर्शी कार्यशाला। एन आई आर डी पी आर एवं एन आर एल एम आर सी ने सभी उपरोक्त कार्यक्रमों में सक्रिय संयोजन और सहभाग किया ।

एस आर एल एम के लिए कोर प्रशिक्षको को बढ़ावा

22 दिनों के लिए एक गहन और कठोर एस आर एल एम कोर प्रशिक्षको का प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 एस आर एल एम कोर प्रशिक्षको के लिए आयोजित किया गया जो एन आर एल एम दर्शनशास्त्र तथा प्रक्रिया और क्लासरुम और क्षेत्र कार्य का मिश्रण था । यह कोर प्रशिक्षको का प्रशिक्षण कार्यक्रम एक साथ तीन अलग बैचों में तीन चरण में 11 मई - से 31 जुलाई 15 के दौरान एन आई आर डी पी आर में आयोजित किया गया । कुल 95 में प्रतिभागियों ने भाग लिया (इनकी पहचान विभिन्न एस आर एल एम द्वारा मुख्य प्रशिक्षकों के रुप में की गई) जिसमें एन आर एल एम के विभिन्न विषय क्षेत्रों में कार्यरत बी पी एम, डी पी एम, एस पी एम, तथा एस आर एल एम को सहयोग करने वाले अन्य स्रोत व्यक्ति / सी बी

परामर्शदाता शामिल है । एन एम एम यू तथा एन आर एल एम , आर सी दल के अलावा राष्ट्रीय संसाधन पूल से 10-15 स्रोत व्यक्तियों ने प्रशिक्षण सत्रों का संचालन किया । विषय विशेषज्ञ स्रोत संगठन जैसे सहभागी- शिक्षण केन्द्र (एस एस के) लखनऊ (जिन्हें सहभागी प्रशिक्षण क्रियाविधि में विशेषज्ञता हासिल है) को भी स्रोत व्यक्ति के रुप में आमंत्रित किया गया ।

इस एस आर एल एम प्रमुख प्रशिक्षको के प्रशिक्षण ने मूल अवधारणा से मुख्य प्रशिक्षकों को अवगत कराया । (निर्धनता, जोखिम, आजीविका, जेंडर, संस्थागत निर्माण, हस्तक्षेप आदि ।), वर्तमान जमीनी हकीकत और पद्धतियों से उन्हें परिचित कराना तथा अपेक्षित कौशल में प्रशिक्षित करना (प्रबंधन, योजना प्रशिक्षण और नेतृत्व) ताकि वे संबंधित एस आर एल एम के विभिन्न स्टॉफ क्षमता विकास में अधिक सार्थक रुप से सहयोग कर सके ।

चौथा वार्षिक राष्ट्रीय राईटशॉप

एन आर एल एम पर चौथे वार्षिक राष्ट्रीय राईटशॉप का आयोजन 30 नवम्बर 2015 से 5 दिसंबर 2015 के दौरान एन आई आर डी पी आर , हैदराबाद में किया गया । राष्ट्र में 17 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ने राष्ट्रीय राईटशॉप में भाग लिया । इस राईटशॉप का मुख्य उद्देश्य राज्य मिशन के लिए मंच तैयार करते हुए प्रक्रिया , प्रोटोकॉल और एन आर एल एम लागू करने के लिए प्रणाली को अंतिम रुप देना था । चौथे राष्ट्रीय राईटशॉप की कार्यसूची में शामिल है :

- एन आर एल एम बुनियादी ढाँचे पर चर्चा, संशोधन और अंतिम रुप देना
- खंड, प्रोटोकॉल, जेंडर , सामाजिक समावेश तथा सामाजिक विकास प्रक्रिया, संघ प्रक्रिया, समुदाय के लिए निधि और अभिसरण सहित समुदाय प्रचालन मैन्यूअल के मसौदे का संशोधन
- गहन लॉक और गैर गहन ब्लॉको, समुदाय और अभिसरण में स्केलिंग हेतु योजना ।
- मसौदा में संशोधन (3-6 समूह) तथा एच आर एम (1-2 समूह) तथा अनेक उप समूह
- मानव संसाधन प्रबंध पर संशोधन और चर्चा
- युक्तिकरण, ए एस एच, जी आर एम के संदर्भ में स्टॉफ, प्रामाणिक संरचना
- चयन, प्रवेश सह विसर्जन, सी बी, स्वच्छता कारण और कार्यनिष्पादन प्रबंध सहित एच आर प्रबंधन
- सी बी माड्यूल को बाँटना और चर्चा अर्थात् संस्थानों , सदस्यों, नेता, कॉडर समुदाय के प्रशिक्षक / मास्टर प्रशिक्षक और स्टॉक का क्षमता निर्माण
- 2015-16 तथा राज्य वार्षिक कार्य योजना (2016-17) की रुपरेखा पर चर्चा प्रगति पर है ।

श्री अटल डुल्लू , संयुक्त सचिव (आर एल) ने आखिरी दिन अर्थात् 5 दिसंबर 2015 को राईटशॉप में भाग लिया तथा एस डी एम और एस आर एल एम के वरिष्ठ परियोजना स्टॉफ के साथ चर्चा की और 2015-16 के प्रगति की समीक्षा की तथा 2016-17 के दौरान किए जाने वाले क्रियाकलापों पर बहुमूल्य सलाह और मार्गनिर्देश दिए ।

सामाजिक समावेश और सामाजिक विकास पर समुदाय मास्टर प्रशिक्षको का प्रशिक्षण कार्यक्रम

एन आर एल एम, (आर सी) द्वारा एन आई आर डी पी आर हैदराबाद में 9-18 मार्च, 2016 के दौरान 5 एन आर एल एम राज्य अर्थात् पश्चिम बंगाल, झारखण्ड , छत्तीसगढ़ , मध्य प्रदेश, और राजस्थान के 112 समुदाय मास्टर प्रशिक्षको (3 अलग-अलग बैच में) के लिए जेंडर , एफ एन एच वॉश तथा समावेश जैसे विषय को कवर करते हुए एस आई एवं एस डी पर समुदाय मास्टर प्रशिक्षको का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । प्रशिक्षण के भाग के रुप में महबूबनगर, रंगा रेड्डी, मेदक और करीमनगर जिलो के विभिन्न गाँवों में प्रशिक्षण के भाग के रुप में 4 दिन का क्षेत्र दौरा आयोजित किया गया ताकि समुदाय संस्थानों द्वारा आरंभ किए गए पी डब्ल्यू डी, पी वी टी जी, एफ एन एच वॉश, तथा जेंडर क्रियाकलापों का अवलोकन कर सके ।

महानिदेशक, एन आई आर डी पी आर अंतिम दिन 18 मार्च, 2016 को प्रतिभागियों से चर्चा की । महानिदेशक ने समुदाय मास्टर प्रशिक्षको की अभिव्यक्ति की क्षमता, दूसरे निर्धन महिलाओं के लिए कार्य के प्रति वचनबद्धता की प्रशंसा की । महानिदेशक ने प्रशिक्षक दल द्वारा सत्रो के प्रभावी संचालन की भी प्रशंसा की ।

प्रशिक्षण मॉड्यूलों का विकास

स्रोत सामग्री तैयार करने के उद्देश्य में क्षेत्र विशिष्ट के आधार पर एस आर एल एम द्वारा स्वयं के प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करने में सहायता के लिए एन आर एल एम के महत्वपूर्ण विषय क्षेत्रों पर मॉड्यूल तैयार करना है । विभिन्न संगठन एन आर एल एम की संकल्पना को बिना छोड़े हुए राज्य क्षेत्र विशिष्ट मॉड्यूल का विकास करेंगे । एन आर एल एम आर सी ने सात विषय क्षेत्रों पर स्रोत सामग्री तैयार की है ।

1. समुदाय क्षमता निर्माण (खण्ड - 11)
2. कर्मचारी क्षमता निर्माण
3. जेंडर संवेदीकरण एवं सामाजिक कार्रवाई
4. खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य और वॉश
5. सामाजिक समावेश (बुर्जुग, आदिवासी एवं पीडब्लूडी)
6. अभिसरण
7. पी आई पी पी ए

28.4.2016 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में महानिदेशक एन आई आर डी पी आर द्वारा मॉड्यूल का विमोचन किया गया । एन आर एल एम , आर सी - एन आई आर डी पी आर मॉड्यूल द्वारा एन आर एल एम के विभिन्न पहलुओं तथा समुदाय और कार्यान्वयन एजेंसियों में आम सहमति बनाएगा ।

एन ई आर सी, गुवाहाटी में एन आर एल एम (आर सी) का सृजन

30.3.2015 को संपंन्न ग्रा वि मं की ई सी बैठक की मंजूरी के अनुसार सभी उत्तर-पूर्वी राज्यों की सी बी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एन ई आर सी ,गुवाहाटी में एक नया एन आर एल एम सेल सृजित किया गया है 1 अगस्त 2015 से सेल ने कार्य आरम्भ किया ।

एन आई आर डी पी आर की दूसरी यूनिटो को सहायता

विभिन्न कार्यक्रमों को नियमित क्षमता निर्माण समर्थन उपलब्ध कराने के अलावा, एन आर एल एम, आर सी, स्टॉफ एन आई आर डी पी आर की अन्य यूनिट जैसे पी जी डी आर डी एम कोर्स में सी पी जी एस विशेषकर पी जी डी आर डी एम छात्रों को एन आर एल एम विषयगत अवधारणा को पढ़ाने में समर्थन दे रहा है तथा आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों के विभिन्न जिलो में सामाजिक संग्रहण, सामाजिक समावेश तथा संस्थागत भवन प्रक्रिया को सीखने में क्षेत्र दौरे आयोजित करने में सी पी जी एस संकाय की सहायता करता हैं । एन आर एल एम दल पी जी डी आर डी एम के छात्रों के लिखित कार्य और प्रस्तुतीकरण तथा चयन प्रक्रिया में कार्यनिष्पादन के मूल्यांकन में सहयोग करता है ।

एस आर शंकरन चेयर

ग्रा वि मं, भारत सरकार की वित्तीय सहायता से वर्ष 2012 से संस्थान में एस आर शंकरन चेयर ऑन रुरल लेबर की स्थापना की गई । इस चेयर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण श्रमिको की स्थिति में सुधार हेतु सहायता और जानकारी बढ़ाने के अनुसंधान बिंदुओं को बढ़ावा देना है । सहयोगी अनुसंधान, सेमिनार, कार्यशालाएँ तथा नीति संवादों में समान उद्देश्य वाले संस्थानों, संगठनों, नीति निर्माता और अन्य स्टेकहोल्डर को शामिल करना तथा प्रतिष्ठित जर्नल, पुस्तक तथा नीति सार में कार्यपत्रो, लेख द्वारा व्यापक पब्लिक डोमेन में परिणामों को प्रकाशित करना चेयर के क्रियाकलाप का हिस्सा है ।

वर्ष के दौरान चेयर ने ''भारत के ग्रामीण श्रमिक की गतिशीलता'' के संबंध पर एक राष्ट्रीय सेमिनार तथा ''भारत में ग्रामीण श्रम बाजार की गतिशीलता'' पर एक संगोष्ठी आयोजित की तथा प्रो अमीत भादुड़ी, एमरिटस प्रोफेसर, सी ई एस पी, जे एन यू, नई दिल्ली तथा प्रो वी के रामचन्द्रन, आर्थिक विश्लेषण इकाई को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

अध्याय 3

अनुसंधान

ग्रामीण विकास से संबंधित व्यापक मुद्दों के आयामों को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान एनआईआरडी एवं पीआर का एक मुख्य प्रयास आरंभ किए गए अनुसंधान क्रियाकलाप समय - समय पर उभरने वाले ग्रामीण विकास मुद्दों को समझने के लिए सक्षम बनाता है । समसामयिक समस्याओं पर ध्यान देने के अलावा अनुसंधान का लक्ष्य ग्रामीण विकास के क्षेत्र में वर्तमान श्रेष्ठ पद्धतियों पर ध्यान देना भी है । संस्थान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में परिचर्चा हेतु उचित जानकारी स्पष्ट करना भी अनुसंधान क्रियाकलापों का उद्देश्य है । अत: सम्पूर्ण परिप्रेक्ष्य में एनआईआरडीपीआर के अनुसंधान क्रियाकलाप ग्रामीण विकास हस्तक्षेपो, सफल हएतक्षेपों पर डेटा बेस तैयार करने एवं निहित वैकल्पिक उपायों को सुझाते हुए समाजार्थिक स्थितियों को व्यापक कार्यक्षेत्र पर विश्लेषण करने का समर्थन करते है । अनुसंधान प्रयास राष्ट्र में ग्रामीण विकास के समकालीन मुद्दों के समय रखने के लिए संस्थान को सक्षम बनाता है । संकाय सदस्यों में ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अनुभव और प्रदर्शन की व्यापक रेंज को देखते हुए संस्थान, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, राज्य सरकारों, कार्पोरेट संगठनों के इच्छानुसार ग्रामीण विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर परामर्शी अध्ययन भी आयोजित करता है । ग्रामीण विकास के व्यापक परिप्रेक्ष्य तथा इस संबंध में अनुसंधान गतिविधियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए संस्थान द्वारा एक व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाया गया । संस्थान में अनुसंधान गतिविधियों के लिए अपनाए गए दृष्टिकोण का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :

उद्देश्य

निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ अनुसंधान अध्ययनों का आयोजन किया गया:

- ग्रामीण विकास फ्लैगशिप कार्यक्रमों पर फोकस एवं बदलते हुए ग्रामीण समाजार्थिक परिदृश्य को समझाना;
- ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में मुख्य बाधक तत्वों की शिनाख्त करना ;
- ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के सर्वागींण कार्य निष्पादन

में सुधार हेतु उपयुक्त नीति एवं कार्यक्रम हस्तक्षेपों का सुझाव देना ;

- अनुसंधान परिणाम आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम सामग्री तैयार करना;

अनुसंधान विषय

बदलती हुई सामाजार्थिक स्थितियों एवं विभिन्न विकास हस्तक्षेपों के कार्यान्वयन को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर अनुसंधान के विषयों में बदलाव होता है । अनुसंधान का फोकस निम्नलिखित विषयों पर था :

- ग्रामीण आजीविका
- ग्रामीण आधारभूत संरचना
- ग्रामीण ऋण
- प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन
- सु-शासन
- भू-संबंधी मुद्दे
- भू-संसूचना एवं ग्रामीण विकास में आई सी टी अनुप्रयोग
- निर्धनता उन्मूलन
- जेंडर
- मानव संसाधन

अनुसंधान के फोकस क्षेत्र

अनुसंधान अध्ययनों के लिए शिनाख्त किए गए व्यापक विषयों में कुछ क्षेत्रों में अनुसंधान अध्ययनों के लिए विशेष फोकस दिया गया । अनुसंधान के कुछ फोकस क्षेत्र निम्नलिखित है :

- ग्रामीण रोजगार एवं संबंधित मुद्दे
- भूमि सुधार एवं कृषि भूमि संबंधी संबंध
- सामाजिक लेखापरीक्षा
- स्व-रोजगार के अंतर्गत ऋण उपयोगिता
- कौशल प्रशिक्षण एवं स्व-रोजगार
- ग्रामीण विकास में भू-संसूचना अनुप्रयोग
- विकास हस्तक्षेपों के द्वारा जेण्डर संबंध
- ग्रामीण प्रौद्योगिकी को बढावा देना
- स्थानीय स्व-शासन संस्थायें एवं उसमें निहित प्रक्रियाएं
- जलागम प्रबंध एवं संबंधित मुद्दे
- समता एवं सामाजिक विकास मुद्दे
- कमजोर तबको के लिए प्रावधान
- सफल-हस्तक्षेप
- आपदा प्रबंध

अनुसंधान अध्ययनों की श्रेणी

गुणात्मक और मात्रात्मक मुद्दों को ध्यान में रखते हुए, एन. आई .आर. डी. एवं पी. आर. के अनुसंधान अध्ययनों को तीन श्रेणियों द्वारा आरंभ किया गया है वे है :

i. एनआईआरडीपीआर अनुसंधान अध्ययन

ii. मामला अध्ययन

iii. एसआईआरडी/अन्य सहयोगी संस्थागत अध्ययन

iv. कार्य अनुसंधान अध्ययन

v. परामर्शी अध्ययन

अनुसंधान अध्ययन की पहली श्रेणी में विशेषकर वे अध्ययन है जो सूक्ष्म स्तरीय मुद्दों पर आरम्भ किए गए और जिसमें एक या अधिक संकाय सदस्य उपस्थित हुए । एसआईआरडी/अन्य सहयोगी संस्थागत अध्ययनों को एसआईआरडी संकाय सदस्य तथा एनआईआरडीपीआर के संकाय के सहयोग से प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा आरंभ किया गया । मामला अध्ययन विशेषकर वे अध्ययन जो सफल ग्रामीण विकास पद्धतियों पर आधारित और जिनका विशिष्ट प्रशिक्षण मूल्य है ।

चित्र - 1 : 2015-16 के दौरान आरंभ किए गए अनुसंधान अध्ययन

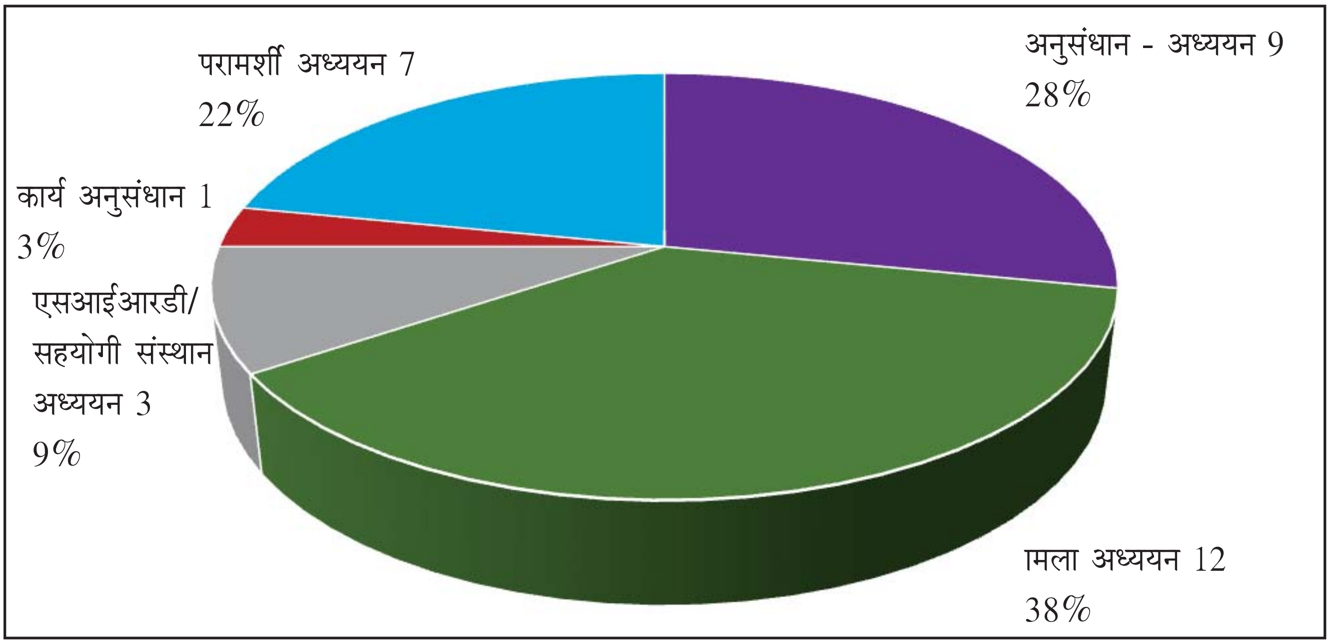

अनुसंधान साधन एवं तकनीक

प्रतिदर्श सर्वेक्षण, संरचनात्मक साक्षात्कार, मामला अध्ययन, सहभागी प्रशिक्षण, दृष्टिकोण, विषय विश्लेषण, गुणात्मक मूल्यांकन एवं प्रभाव विश्लेषण कुछ अनुसंधान साधन एवं तकनीक है जिन्हें अनुसंधान अध्ययन के लिए अपनाया गया हैं ।

अनुसंधान अध्ययन आयोजित करने की प्रक्रिया

शिनाख्त किए गए विभिन्न विषयों पर अनुसंधान अध्ययन आरंभ करते समय व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाया गया । प्रारंभिक चरण में ; केन्द्रीय स्तर के संकाय सदस्य, संबंधित केन्द्र के अध्यक्षों के मार्गदर्शन में परामर्श में सम्मिलित होंगे । आयोजित आंतरिक परिचर्चा के आधार पर अनुसंधान प्रस्तावों को व्यापक चर्चा तथा सुझाव के लिए आंतरिक अध्ययन कवरेज में

प्रस्तुत किया जाता है । अनुसंधान सलाहकार समूह के समक्ष प्रस्तुतीकरण के पश्चात प्रस्तावों को टिप्पणी एवं सुझावों के लिए अनुसंधान सलाहकार समिति के समक्ष रखा जाता हैं। संशोधित अनुसंधान प्रस्तावों को मंजूरी के लिए महानिदेशक को प्रेषित किया जाता है ।एस आई आर डी / सहभागी संस्थान अध्ययन की श्रेणी के अंतर्गत अनुसंधान अध्ययनों के संबंध में प्रस्तावों को संकाय सदस्यों सहित आंतरिक या विषय विशेषज्ञों के समक्ष उनकी टिप्पणी एवं अवलोकन हेतु प्रस्तुत किया जाता है । अनुसंधान अध्ययन आयोजित करने के लिए सुझावों इत्यादि के समावेश के बाद प्रस्तावों को महानिदेशक के अनुमोदन हेतु भेजा जाता हैं ।

गुणवत्ता नियंत्रण उपाय

अनुसंधान निष्कर्षो की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने हेतु अनुसंधान सलाहकार समिति के अलावा कई उपाय किए जाते है। अध्ययन समाप्ति के बाद संबंधित मसौदा रिपोर्ट को व्यापक परिचर्चा हेतु अध्ययन फोर्म में प्रस्तुत किया गया । प्राप्त सुझावों के आधार पर अनुसंधान रिपोर्ट को बाहरी विषय विशेषज्ञ को टिप्पणियों के लिए प्रस्तुत किया जाता है ताकि गुणवत्तापरक अनुसंधान निष्कर्षों को सुनिश्चित किया जा सके ।

आयोजित अनुसंधान अध्ययन

वर्ष 2015.16 के दौरान संस्थान ने विभिन्न श्रेणियों के तहत 32 अनुसंधान अध्ययन आरंभ किए (चित्र-1)

विभिन्न श्रेणी अर्थात् परिशिष्ट आर-1 में अनुसंधान अध्ययन, मामला अध्ययन तथा एस आई आर डी/सहयोगी कार्यक्रम के तहत अनुसंधान अध्ययन के विवरण दर्शाए गए है ।

चूंकि अनुसंधान अध्ययनों की अवधि वित्तीय वर्ष के दौरान होती है, इसलिए वर्ष 2015-16 के दौरान सम्पूरित अनुसंधान अध्ययन पूर्व वर्ष के दौरान आरंभ किए गए और वर्तमान वर्ष में आरंभ किए गए है । कुल मिलाकर रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान 12 अनुसंधान अध्ययन सम्पूरित किए गए और सूची परिशिष्ट-आर 2 में दी गई है ।

ये 17 अध्ययन आन्ध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गोवा, झारखंड, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडू, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में किए गए ।

इन अध्ययनों की मुख्य विशेषताएँ / महत्वपूर्ण जानकारी निम्नानुसार है :

- विभिन्न वर्षो में सूखे और सूखा राहत उपायों की दिशा में संस्थागत व्यवस्था, छोटे और सीमांत किसानों द्वारा अपनाई गई सूखा और उसका सामना करने की स्थिति में छोटे और सीमांत किसानों में जोखिम वहन की क्षमता ।
- प्रभावी सूखा प्रबंधन के लिए आवश्यक परिवर्तन करने तथा क्षेत्रों के अध्ययन हेतु कोपिंग मैकेनिज्म के लिए उचित कार्य बिन्दु सहित प्रलेखन ।
- ग्राम पंचायत को सुदृढ़ करने हेतु बेहतर पद्धति का प्रमाण तथा, वे जिन्हें राष्ट्र में ही अनुकुलित रुप में दोहराया जा सके, पर केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदम ।
- संबंधित अध्ययन राज्यों द्वारा पहल करने के दस्तावेज ताकि वे बेहतर पद्धतियों की जाँच कर सकते है जो दूसरे राज्यों को इसे अपनाने में सहायता कर सकते है

और अध्ययन अन्य संस्थानों के संदर्भ में होना चाहिए।

- समुदाय रेडियों, क्षेत्र दौरे के आधार पर वीडियों वृत्तचित्र पर मामला अध्ययन ।
- तैयार सामग्री का प्रकार और समुदाय रेडियों द्वारा प्रसारण/कम प्रसारण, प्रचालन के क्षेत्र में रहने वाले लोगों पर समुदाय रेडियों का प्रभाव तथा समुदाय रेडियों की सततता सहित सफलता या विफलता के कारण ।
- सार्वभौमिक स्कूली शिक्षा के उद्देश्य की प्राप्ति में समाज विकास मानिटरिंग समिति की भूमिका ।
- गुणवत्ता शिक्षा उपलब्ध कराने तथा शिक्षा सूचकांक में आधारित शिक्षा की गुणवत्ता के मूल्यांकन द्वारा स्कूल विकास मानिटरिंग समिति का कार्य ।
- लोगों की बुनियादी न्यूनतम सेवाओं तक पहुँच द्वारा समुदाय आधारित मानिटरिंग सिस्टम का प्रभाव ।
- समुदाय आधारित मानिटरिंग पद्धति के चार भिन्न मॉडलों की सफलता का प्रलेखन तथा विभिन्न मॉडलों को अपनाते हुए पहलू और नीतियों का प्रचार प्रसार तथा दुहराने के लिए क्षेत्र का श्रमिकों और विकास कार्यकर्ताओं को प्रभावित करना ।
- समन्वयन और योजना तथा पंचायती राज प्रणाली के तहत स्थानीय स्व-शासन की प्रक्रिया और पद्धति को समझना ।
- स्वायत्त जिला परिषदों (एडीसी) के तहत प्रक्रिया, पद्धति विभिन्न पहलू तथा योजना के आयामों को समझना तथा राज्य स्तरीय योजना प्रणाली को एडीसी का समन्वय ।
- नवीन पंचायती राज प्रणाली के एकक के रुप में समन्वय की प्रक्रिया और पद्धति तथा स्थानीय स्व-शासन के कार्य की गहन जानकारी ।
- एडीसी के तहत जिला योजना की प्रक्रिया और पद्धति की गहन जानकारी लेना तथा एडीसी प्रावधान एवं अधिदेश के तहत समन्वित तथा विकेन्द्रीकृत जिला योजना तैयार करने में जानकारी और कौशल को बढाना।
- क्षेत्र आधारित अध्ययनों द्वारा प्रभावी ग्राम पंचायतों के कार्य की गहनता को समझना तथा शिक्षण अधिगम अनुभवों में सहयोग देना ।
- प्रक्रियाओं के तत्वों की शिनाख्त करना जिसने सिंघाना ग्राम के ग्राम पंचायत को प्रभावी और इस प्रक्रिया की संकल्पना को साकार बनाया ।
- बुनियादी सेवाओं की सुपुर्दगी में जी पी द्वारा आईएसओ का निष्पादन जो प्रक्रिया, नीति की समझ संग्रहण, सहभागी योजना, कार्यान्वयन द्वारा अपनाई गई पद्धति, सहभागी निर्णय, सफल और सतत ग्राम विकास की प्राप्ति के संयुक्त प्रयास और प्रशंसा के लिए पुस्तकों में सहायता करता है ।

बकाया मामला अध्ययन अपनी समय सीमा के कारण चल रहे है और विवरण परिशिष्ट - आर 3 में दिए गए है । इसमें पिछले वर्ष आरंभ किए गए अध्ययन भी शामिल है ।

अध्याय 4

कार्य अनुसंधान

ग्रामीण विकास कार्यो को बढ़ावा देते समय अनुसंधानकर्ता को कार्य अनुसंधान निम्न स्तरीय समस्याओं और संभावनाओं के काफी निकट ले जाता है । ऐसे प्रयास अनुसंधानकर्ताओं को जानकारी को समृद्ध करते है ताकि वे ग्रामीण विकास प्रक्रिया को सरलीकृत करने वाले मुद्दों को समझ सके । अत: एन आई आर डी एवं पी आर द्वारा अनुसंधान अध्ययनों की विशेष श्रेणी पर अधिक बल दिया गया है ।

एन आई आर डी एवं पी आर कार्यअनुसंधान का फोकस स्थानीय स्तर पर सुशासन के लिए विकेन्दीकृत विकास प्रक्रिया के परिचालनीकरण की सुविधा पर है । सुविधा प्रक्रिया में सामाजिक संग्रहण, उत्पादकता बढाने हेतु प्रौद्योगिकी अंतरण, मूल्य आकार इत्यादि, प्रशिक्षण और गैर प्रशिक्षण कार्यो द्वारा क्षमता निर्माण, स्थानीय संस्थाओं की नेटवर्किंग, सामाजिक विकास, सहभागी निर्णय लेना, इत्यादि को समाविष्ट किया गया है । सामाजिक प्रयोगशालाओं के रुप में परियोजना गांवों में कार्य अनुसंधान कार्य किया जाता है। इसे नीति सिफारिशों के क्रियान्वयन का परीक्षण करने एवं ऐसी सिफारिशों के निष्कर्षो का मूल्यांकन करने हेतु किया जाता है । कार्य अनुसंधान कार्य जन केन्द्रित है और प्रभावी सहभागिता को सुनिश्चित करने हेतु सहभागी साधनों एवं तकनीको का उपयोग किया जाता है ।

मुख्य उद्‌देश्य

i). एन आई आर डी एवं पी आर अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन की जांच करना तथा ऐसी सिफारिशों के निष्कर्षो का मूल्यांकन करना ।

ii). ग्रामीण विकास एवं निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में अनुभव किये गये महत्पपूर्ण समस्याओं का क्षेत्र स्तर पर समाधान करना ।

iii). छोटे निर्माताओं को उनकी आय और उत्पादकता बढ़ाने हेतु प्रौद्योगिकी अंतरण के लिए प्रभावी नीतियां सुझाना; तथा

iv). वैकल्पिक लागत प्रभावी कार्यक्रम हस्तक्षेपों को प्रस्तावित करने तथा विकास उद्‌देश्यों को प्राप्त करने हेतु नये

विचारों का प्रयोग करना ।

समकालीन अनुसंधान निष्कर्षो तथा वर्तमान मुद्दों / समस्याओं पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता को देखते हुए कार्य अनुसंधान के लिए कई विषयों पर एन आई आर डी एवं पी आर फोकस करता है। फोकस किए गए कुछ विषय निम्नानुसार है :

- क्षमता निर्माण और सशक्तिकरण
- एन टी एफ पी में मूल्य आधार
- डेयरी विकास
- मजदूरी रोजगार
- आपदा प्रबंधन
- सहभागिता योजना
- भू-संसूचना प्रौद्योगिकियों का अनुप्रयोग
- जेण्डर
- आजीविका में सुधार

कार्य अनुसंधान के फोकस क्षेत्र

शिनाख्त किये गये व्यापक विषयों में, कार्य अनुसंधान परियोजनाओं को आरंभ करने के लिए विशेष रुप से फोकस क्षेत्रों का चयन किया गया । कार्य अनुसंधान हेतु फोकस किए गए विशेष क्षेत्र है :

- एस एच जी सदस्यो का सशक्तिकरण
- मजदूरी मांगकर्ताओं का संग्रहण एवं सशक्तिकरण
- जन मैत्री प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर सहभागिता योजना में सुधार करना
- सहभागिता आपदा तैयारी एवं प्रबंधन
- एन टी एफ पी के मूल्य जोड पर विकास क्षमता के द्वारा आदिवासी समुदाय का सशक्तिकरण

कार्य अनुसंधान अध्ययनों की श्रेणी

एन आई आर डी एवं पी आर तथा कार्य अनुसंधान सूक्ष्म और स्थूल स्तर के आधार पर दो प्रकार के कार्यानुसंधान अध्ययनों को निष्पादित करता है । प्रथम श्रेणी में व्यापक क्षेत्र पर बल देते हुए पारंपरिक कार्य अनुसंधान किया जाता है। जिसमे व्यापक श्रेणी में मुद्दों को कवर किया जाता है। द्वितीय श्रेणी में ग्राम अभिग्रहण अध्ययन किया जाता है जिसमें देश के विशिष्ट गॉव को अपनाते हुए सूक्ष्म स्तर पर फोकस किया जाता है । द्वितीय श्रेणी के अन्तर्गत मुद्दों की शिनाख्त करने तथा कार्य अनुसंधान कार्य निष्पादित करने के बजाय संकाय सदस्य सहभागी दृष्टिकोण के माध्यम से गांव का समग्र विकास एवं ग्रामवासियों की क्षमताओं का सुदृढ़ीकरण करते है । इस प्रक्रिया में शिक्षण अनुभवो को प्रकाशित करने हेतु कार्य अनुसंधान क्रियाविधि तथा संबंधित गांव में प्रचालित विशिष्ट परिस्थितियों के संदर्भ में अंतर को कवर किया जाता है ।

कार्य अनुसंधान साधन एवं तकनीक

कार्य अनुसंधान पद्धतियों के भाग के रुप में व्यक्ति विचार विमर्श द्वारा लक्षित समुदाय को जागरुक करने, क्षमता निर्माण एवं जागरुकता सृजन, समुचित कौशल समावेशन एवं उन्नयन, सहभागी कार्यो के लिए समुदाय संग्रहण, सामाजार्थिक डाटा का सर्वेक्षण, सहभागी ग्रामीण मूल्य निर्धारण डाटा संग्रहण

की तकनीक, समूह चर्चा पर फोसक (एफ जी डी एस) प्रक्रिया प्रलेखन इत्यादि अपनाए गए ।

कार्य अनुसंधान आयोजित करने की प्रक्रिया

औपचारिक अनुसंधान के माध्यम से शिनाख्त किए गए मुद्दों के आधार पर एनआईआरडीएवंपीआर संकाय, कार्य अनुसंधान के अपने फोकस क्षेत्रों की शिनाख्त करता है । सृजित प्रस्ताव पर आंतरिक फोरम में चर्चा के तत्पश्चात् औपचारिक अनुसंधान के तहत सामान्य प्रक्रिया अपनाई गई।

आरंभ किए गए अनुसंधान अध्ययन

वर्ष 2015-16 के दौरान एसएजीवाई पर मॉडल ग्राम का विकास पर औपचारिक अनुसंधान अध्ययन आरंभ किया गया।

चित्र 2 : कार्य अनुसंधान अध्ययनों की स्थिति

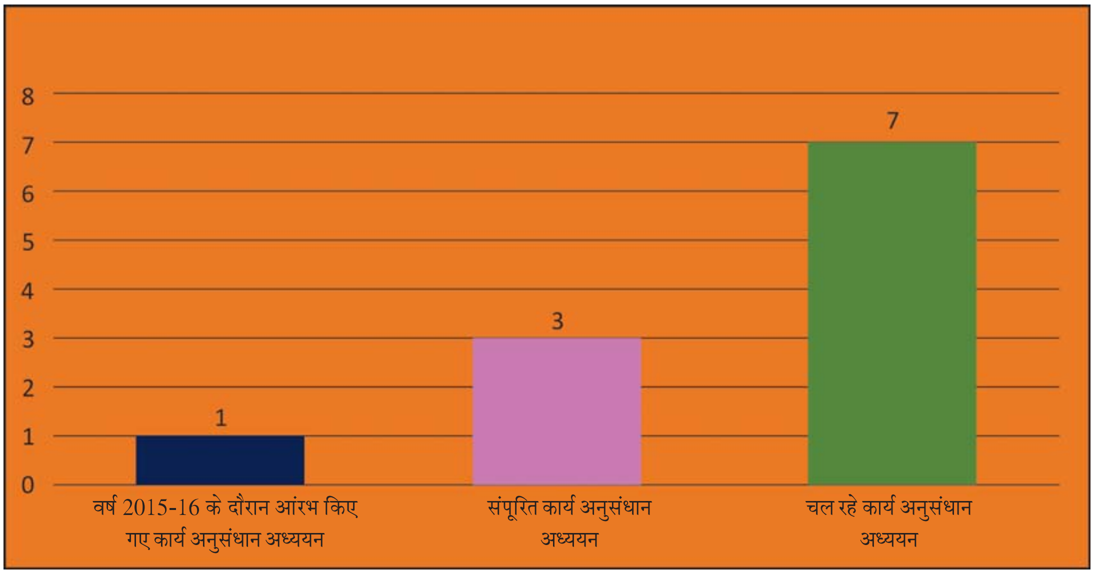

सम्पूरित कार्य अनुसंधान अध्ययन

वर्ष के दौरान तीन कार्य अनुसंधान अध्ययन सम्पूरित किए गए । ये तीन अध्ययन महाराष्ट्र, तमिलनाडू और केरल राज्य में आरंभ किए गए ।

संपूरित अध्ययनों की मुख्य विशेषताएँ और महत्वपूर्ण जानकारी निम्नानुसार है :

- सूचना की सभी स्तर तथा डीएसएस के समन्वय से जीआईएस आधारित जीपी योजना
- आजीविका विकास, समुदाय आधारित आपदा प्रबंध, अधिकतम स्रोत का उपयोग
- स्रोत बेहतरी, समुदाय आधारित योजना, स्रोत संरक्षण

- जीआईएस आधारित जीपी योजना द्वारा मॉडल जीपी योजना
- मोबाईल आधारित एमजी नरेगा परिसंपत्ति अभिग्रहण, एमजीनरेगा कार्यान्वयन के लिए स्थानिक टूल
- सभी ग्रामीण विकास मंत्रालय के फ्लैगशिप कार्यक्रमों के लिए समान मोबाईल एप्लीकेशन तैयार की जा सकती है ।

सात कार्य अनुसंधान अध्ययन अभी भी चल रहे है । परिशिष्ट - आर 4 में विवरण दिए गए है ग्राम अभिग्रहण अध्ययनों की सूची परिशिष्ट - आर 5 में दी गई है ।

ग्राम अभिग्रहण अध्ययनो के अंतर्गत नये कार्य

एन आई आर डी एवं पी आर संकाय सदस्यो को ग्राम अभिग्रहण अध्ययन प्रारंभ करने के लिए प्रोत्साहित करने के अलावा ग्रामीण प्रौद्योगिक पार्क कार्यो के माध्यम से बैंकरों के सहयोग से ऐसे समान कार्यो पर बल दिया गया है । इस प्रयास के भाग के रुप मे ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क के प्रभाग ने संबंधित गांवो के समाजार्थिक विकास के लिए बैंकिंग संस्थाओं के सहयोग से ग्राम अभिग्रहण कार्यो को आगे बढाया । यह दृष्टिकोण निश्चित रुप से सफल रहा क्योंकि अधिकांश बैंकिंग संस्थाओं ने क्षमता निर्माण पर बल देते हुए तथा वित्तीय सहायता की सुविधा देते हुए गांवो के विकास के लिए अपनी दिलचस्पी जताई । नाबार्ड भी इस कार्य अभ्यास में सक्रिय रुप से कार्यरत है। वर्ष के दौरान बैंकिंग संस्थाओं के तथा नाबार्ड पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श हेतु बैठक प्रारंभ की गई ।

अध्याय 5

परामर्शी अध्ययन

एनआईआरडी एवं पीआर, संकाय सदस्यों की सुविज्ञता देखते हुए भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय / विभाग कार्पोरेट क्षेत्र संगठन तथा राज्य सरकार एनआईआरडी एवं पीआर को विशिष्ट उद्देश्योंउन्मुख अनुसंधान अध्ययन मूल्यांकन अध्ययन इत्यादि आरंभ करने का अनुरोध करता है । इन अध्ययनों को परामर्शी अध्ययनों के रुप में वर्गीकृत किया गया है । इस संबंध में कुछ ग्राहक - पंचायती राज मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, जल संसाधन मंत्रालय, योजना आयोग, केरल सरकार से होते हैं ।

परामर्शी अध्ययन की प्रक्रिया संस्थान के प्रत्येक केन्द्र की विशेषज्ञता पर आधारित होती है । अध्ययन के अधिदेश के अनुसार प्रत्येक केन्द्र प्राप्त अनुरोधों के आधार पर ये अध्ययन आरंभ करते हैं ।

वर्ष के दौरान 7 परामर्शी अध्ययन आरंभ किए गए और 15 परामर्शी अध्ययन चल रहे हैं। इन अध्ययनों की सूची परिशिष्ट - आर 6 और परिशिष्ट - आर 7 में दी गई है।

चित्र 3 : परामर्शी अध्ययनो की स्थिति

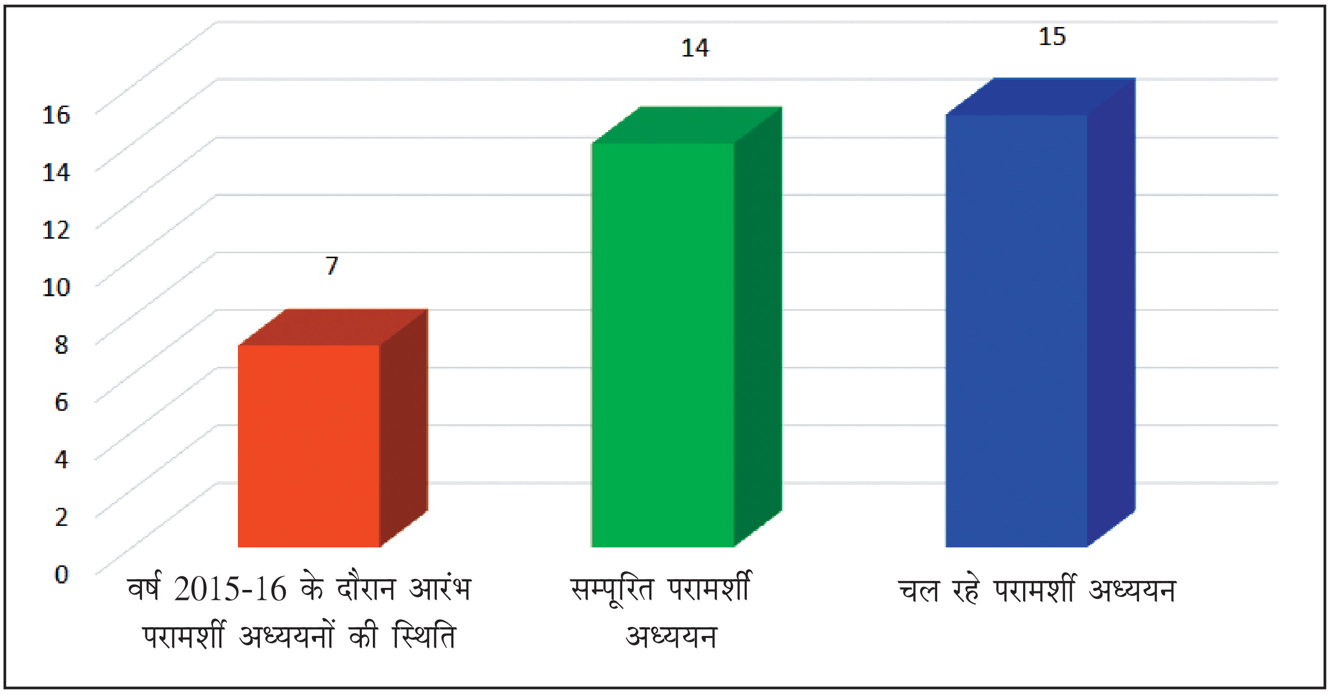

वर्ष के दौरान सम्पूरित परामर्शी अध्ययनों की संख्या 14 है तथा विवरण परिशिष्ट - आर 8 में दिए गए है । विभिन्न अध्ययनों में सभी 29 राज्यों को कवर किया गया ।

इन अध्ययनों की मुख्य विशेषताएँ और महत्वपूर्ण जानकारी निम्नानुसार है :

- कृषि, मत्स्यपालन एवं पशुपालन के लिए मोबाईल आधारित कृषि सलाहकारी
- जलागम के लिए डीपीआर तैयारी, कार्य का आकलन, ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के लिए योजना
- सभी विकास कार्यक्रमों के लिए आईसीटी मोबाईल एप्लीकेशन तैयार करना, ग्रा.पं द्वारा निर्णय लेना, समिति द्वारा सहभाग ।
- जलागम योजना के लिए डीपीआर तैयार करने में एसएलएनए को सहायता, जलागम के लागत आकलन के मानकीकरण में सहायता जो अन्य ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में समान विकास कर सकता है ।
- चयनित ग्राम पंचायतो में गहन सहभागी योजना कार्य (आईपीपीई) प्रक्रिया में प्रमाण, बीपीटी में क्षमता निर्माण के महत्वपूर्ण क्षेत्रों की शिनाख्त करना तथा प्रभावी गहन सहभागी योजना कार्य (आईपीपीई) के लिए उपयुक्त सहायक प्रणाली की शिनाख्त करना आवश्यक है ।
- पीआरआई की क्षमता सहित चुनिन्दा परिवर्ती पर आईपीपीई प्रक्रिया के प्रभाव को परिमाणित करना ।
- वर्ष 2015-16 के दौरान 2500 पिछड़े खण्डों में आईपीपीई का कार्यान्वयन किया गया जहाँ शेल्प परियोजनाओं की शिनाख्त सहित वास्तविक श्रमिक बजट तैयार करने के सहभागी तरीके में योजना तैयार की जाती है ।

- आईपीपीई जीपी में 2015-16 (5 नवम्बर, 2015 तक) अनुमोदित श्रमिक बजट तथा सृजित श्रमदिन के प्रतिशत के संबंध में मिश्रित रुझान पाया गया ।
- यह मान लिया गया कि उच्च श्रमिक बजट विभिन्नता वाले राज्य आईजीपीई का बेहतर कार्यान्वयन करेंगे जिससे एमजीएनआरईजीएस के कार्य निष्पादन के संदर्भ में अधिक प्रभाव पडेगा लेकिन ऐसा कुछ नहीं पाया गया । उदाहरण के लिए झारखंड जो कम विभिन्नता वाला राज्य है परन्तु आईपीपीई की जानकारी अधिक है तथा आईपीपीई का कार्यान्वयन अच्छा था जिससे बेहतर परिणाम आएंगे। परन्तु यह मामला असम राज्य की उच्च विभिन्नता के समान है ।
- अध्ययन के परिणाम, एमजीएनआईजीएस की सहभागिता तथा एमजीएनआरईजीएस की जानकारी के मध्य स्पष्ट संपर्क स्थापित नही कर पाए । यह परिकल्पना है कि आईपीपीई के बारे में उच्च जानकारी स्तर से आईपीपीई में उच्च सहभागिता आई और यह आईपीपीई के व्यापक प्रभाव को बढ़ावा देगा । परन्तु यह अध्ययन इस परिकल्पना को सही सिद्ध करने के कोई सबूत नही देता ।
- यह अध्ययन एमजीएनआरईजीएस के कार्य निष्पादन के संदर्भ में आईपीपीई तथा गैर आईपीपीई, जी पी के मध्य सकारात्मक अध्ययन स्थापित नही कर पाया ।
- विश्लेषण का परिणाम यह सुझाव देता है कि आईपीपीई प्रक्रिया में सहभागिता आईपीपीई प्रक्रिया बेहतर प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने तथा आईपीपीई के बेहतर प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है तथा आईपीपीई के तहत अपनाई गई प्रक्रिया की सकारात्मक प्रतिक्रिया एक पूर्व पेक्षा है ।
- सर्व शिक्षा अभियान, मध्याहन भोजन, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान की मानिटरिंग, स्कूल स्टॉफ द्वारा दिए गए आंकडों की शुद्धता के मूल्यांकन किया गया।
- एकीकृत जिला सूचना शिक्षा प्रणाली, (यू-डीआईएसई) आंकडे संबंधित परियोजना प्राधिकारी द्वारा उपलब्ध मूल सूचना उपलब्ध कराता है, सैम्पल जाँच के आधार पर आंकडों की जाँच भी आवश्यक है ।
- स्कूल आंकडों की शुद्धता का मूल्यांकन करना क्योंकि स्कूल स्टॉफ द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना नीति निर्माताओं को सही निर्णय लेने के सुअवसर उपलब्ध कराती है । सही आंकडे कार्यक्रमों की सही योजना का मौका देते है और यह सुनिश्चित करते है कि जरुरत मंद तक सुविधा का लाभ पहुँचे ।
- भूमि उपयोग पद्धति में परिवर्तन, पेयजल की उपलब्धता, सिंचित क्षेत्र की वृद्धि, फसल क्षेत्र, उपज और आय पर जलागम कार्यक्रम का प्रभाव । राष्ट्र में खाद्यान्न की उपलब्धि ने लोगों में खाद्य सुरक्षा को बढ़ाया है ।
- पोषण पहलू न केवल प्रयोग के लिए उपलब्ध आय को शामिल करता है बल्कि स्वच्छ पर्यावरण के साथ उचित पोषण आहार की पहुँच को सुरक्षित कर सभी परिवार के सदस्यों के लिए स्वास्थ्य और बेहतर जीवन सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त स्वास्थ्य को शामिल करता है ।
- एनजीएनआरईजीएस तथा आईपीपीई में जीपी सदस्यों की जानकारी और सहभागिता अपेक्षित स्तर तक नही है एक विशेष अभियान इस अंतराल को भरने में सहायता करेगा । संपूर्ण योजना प्रक्रिया की संपूर्ण जानकारी

सभी जीपी सदस्यों को दी जानी चाहिए और इसे मिशन मोड़ पर किया जाना चाहिए ।

- हालांकि जीपी सदस्यों की जानकारी और सहभागिता स्तर कम है । एमजीएनआरईजीएस में योजना/ आईपीपीई की प्रक्रिया में उनकी प्रतिक्रिया उच्च है और अधिक लाभ प्रत्याशित है ।
- असत्यापित कार्यो में अधिकतर निजी कार्य है न कि सामुदायिक कार्य, इन मुद्दों के समाधान के लिए ग्राम सभा यह सुनिश्चित करें कि सभी सम्पूरित कार्य (शत प्रतिशत) जन सुनवाई/बैठक में लाभार्थी द्वारा सत्यापित होने चाहिए ।
- अधिकतर राज्यों में सामाजिक लेखा परीक्षा पद्धति प्रभावी नही है और आज तक पूरा नही किया गया। राज्यों को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक सृजित परिसंपत्ति को सामाजिक लेखा परीक्षा से गुजरना होग। जहाँ कही असत्यापित कार्य सूचीबद्ध होते है संबंधित राज्य एक विशेष कार्य कर सकते है या विशेष सामाजिक लेखा परीक्षा द्वारा इन कार्यों की शिनाख्त के लिए अभियान चला सकता है तथा ऐसे असत्यापित कार्यों पर खर्च की गई सम्पूर्ण राशि वसूल सकती है ।
- सामुदायिक परिसंपत्ति के मामले में परिसंपत्तियों के सही रख-रखाव और बेहतर स्थिति सुनिश्चित करने के लिए प्रयोक्त क्ता समूहों का गठन किया जा सकता है जिन्हें सृजित परिसंपत्तियों के प्रयोग और रख-रखाव की मानिटरिंग का कार्य सौंपा जा सकता है ।
- यह सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर निजी परिसंपत्तियों का उचित रख-रखाव किया जाता है, जिसके लिए ग्राम पंचायत का निजी लाभार्थी के साथ एमओयू होना चाहिये जिसमें यह शर्त होनी चाहिए कि अगर लाभार्थी परिसंपत्ति का रख-रखाव और उपयोग नही करता तो उसे खर्च का भुगतान करना होगा ।
- निजी भूमि विकास क्रियाकलापों के कारण भूमि मूल्य में वृद्धि हुई है, निजी परिसंपत्ति तथा भूमि विकास क्रियाकलापों के लिए अधिक फोकस और प्राथमिकता दी जानी चाहिए ।
- सर्व शिक्षा अभियान योजना के तहत स्कूल की सुविधाओं के बारे में केन्द्र को सही आंकडे उपलब्ध कराने में सरकारी स्कूल टीचर विफल रही है ।
- स्कूल की वरिष्ठ टीचर, जूनियर कॉलेज के प्रिन्सिपल मंडल शिक्षा अधिकारी जिला परियोजना के अधिकारी (एसएसए) तथा डीआईईटी संकाय को यू-डीआईएसई आंकडों के संग्रहण और उपयोगिता पर प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ।

एनआईआरडीपीआर के संकाय सदस्यों द्वारा आरंभ किए गए अनुसंधान अध्ययन / कार्य अनुसंधान / मामला अध्ययनों के सार को पुस्तक / प्रपत्र / लेखों के रुप में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित किया जाता है । आईएसबीएन / आईएसएसएन नम्बर सहित प्रकाशनों के विवरण (व्यक्ति-वार) परिशिष्ट - आर 9 में संलग्न है ।

अध्याय 6

राज्य ग्रामीण विकास संस्थानों (एस आई आर डी) एवं विस्तार प्रशिक्षण केन्द्रों (ई टी सी) के साथ नेटवर्किंग

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण हेतु एनआईआरडीपीआर, एसआईआरडी, ईटीसी की राष्ट्र, राज्य और क्षेत्रीय स्तर पर त्रिस्तरीय संस्थागत व्यवस्था हैं । एनआईआरडीपीआर के अधिदेश में प्रशिक्षण तथा संकाय विकास/सतत शिक्षा के माध्यम से अधिक संख्या में ग्रामीण विकास और पंचायती राज कार्यकताओं के क्षमता निर्माण में एसआईआरडी और ईटीसी को सुदृढ़ करना है । इन प्रयासों का परिणाम विकास कार्यक्रमों की उन्नत योजना और कार्यान्वयन में अपेक्षित है । इस नेटवर्किंग प्रयास के भाग के रुप में एनआईआरडीपीआर इस अध्याय में दर्शानुसार मुख्य स्कीम और कार्यो में समन्वय कर रहे है ।

एसआईआरडी की राष्ट्रीय संगोष्ठी और एसआईआरडी एवं ईटीसी के साथ क्षेत्रीय बैठकें

एस आई आर डी एवं ई टी सी के साथ नेटवर्किंग के संबंध में एन आई आर डी एवं पी आर के मुख्य कार्यों में (क) एस आई आर डी एवं ई टी सी की वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन (ख) एस आई आर डी एवं ई टी सी की क्षेत्रीय बैठकों का आयोजन करना है । जबकि समान्य तौर यह संगोष्ठी एस आई आर डी क्रियाकलापों का एक अवलोकन प्रस्तुत करता है । क्षेत्रीय बैठकें व्यापक परिचर्चा एवं एन आई आर डी एवं पी आर, एस आई आर डी एवं ई टी सी के मध्य नेटवर्किंग के लिए मंच उपलब्ध कराता है । इन कार्यों का संयोजन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण प्रभाग करता है ।

वर्ष 2015-16 के दौरान ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से एनआईआरडीपीआर में 15-06-2015 को एस आई आर डी की राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । संगोष्ठी की अध्यक्षता श्री एस.एम.विजयानंद, सचिव, (ग्रामीण विकास मंत्रालय) एवं महानिदेशक, एनआईआरडीपीआर ने की । ग्रामीण विकास मंत्रालय तथा पंचायती राज मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी 28 एसआईआरडी के अध्यक्ष तथा संकाय सदस्य, एनआईआरडीपीआर के अध्यक्ष एवं संकाय सदस्य तथा राज्य संपर्क अधिकारी संगोष्ठी में उपस्थित हुए ।

एस आई आर डी की राष्ट्रीय संगोष्ठी

एस आई आर डी में एन आई आर डी एवं पी आर ऑफ कैम्पस प्रशिक्षण कार्यक्रम

एसआईआडी एवं पीआर के संकाय सदस्यों के क्षमता सुदृढीकरण को ध्यान में रखते हुए एन आई आर डी एवं पी आर ने विभिन्न एस आई आर डी में ऑफ कैम्पस कार्यक्रमों के आयोजन की स्कीम तैयार की । प्रचलित प्रणाली के अनुसार वर्ष के आरंभ प्रत्येक एस आई आर डी को दिए गए कार्यक्रम एन आई आर डी पी आर के मानदंडों और परामर्श के अनुसार होंगे । इन्हें एन आई आर डी एवं पी आर के वार्षिक प्रशिक्षण कैलेण्डर में शामिल किया गया । राष्ट्र की विभिन्न एस आई आर डी में रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान एन आई आर डी एवं पी आर ने 76 ऑफ कैम्पस कार्यक्रमों का आयोजन किया ।

ऑफ कैम्पस कार्यक्रम में संकाय और विकास कार्यकर्ताओं की उभरती आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु योजना तैयार की गई है । इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का मुख्य फोकस इन क्षेत्रों पर रहा : विकेन्द्रीकरण योजना, लघु उद्यम विकास, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, प्राकृतिक संसाधन प्रबंध, ग्रामीण विपणन, एम जी नरेगा, पी एम जी एस वाई टी एस सी, एन आर डी डब्ल्यू पी, जलागम, (आई डब्ल्यू एम पी), आई ए वाई, एम एस ए पी, एन आर एल एम, पी यू आर ए , बी पी एल जनगणना, ई अभिशासन, भूभौतिकी सूचना प्रणाली, जी आई एस, अभिसरण , सूचना का अधिकार अधिनियम -2005,कार्यालय प्रबंध, नेतृत्व संगठनात्मक स्वरुप और अंर्तव्यक्तिक कौशल, सॉफ्ट कौशल , परियोजना प्रबंध,

कमजोर वर्ग, अल्पसंख्यक, महिलाएँ, बच्चे और विकलांग, ग्रामीण विकास में परिवर्तन , आपदा प्रबंध तथा अन्य कार्यक्रमों में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण ।

एन आई आर डी एवं पी आर -राज्य संपर्क अधिकारी (एस एल ओ) योजना

यह योजना कुछ वर्षों से प्रचलन में है । योजना के अंतर्गत ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज कार्यकर्ताओं को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षण देने के संदर्भ में राज्यों, एस आई आर डी और ई टी सी की सहायता करने के लिए राज्य संपर्क अधिकारी (एस एल ओ) के रुप में संकाय सदस्यों को नामित किया गया। नये मार्गनिर्देशों के साथ राज्य संपर्क अधिकारी एस एल ओ योजना का संशोधन किया गया और उप राज्य स्तर पर ग्रामीण विकास प्रशिक्षण संस्थाओं जैसे आर आई आर डी, ई टी सी, पी आर टी सी, डी आई आर डी जो अन्य राज्यों में कार्य कर रहे है को इस योजना के अंतर्गत कवर किया गया। एस एलओ योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण, अनुसंधान और कार्य अनुसंधान के क्षेत्र में राज्य सरकारों, एस आई आर डी और ई टी सी तथा अन्य आर डी प्रशिक्षण संस्थाओं को आवश्यक शैक्षणिक सहायता प्रदान कर रहे है ।

एस आई आर डी और ई टी सी के विकास हेतु केन्द्रीय योजना

एस आई आर डी एवं ई टी सी राज्य और क्षेत्रीय स्तर पर ग्रामीण विकास की प्रशिक्षण संस्थायें है जो क्रमश: जिला, खंड और ग्राम स्तर पर ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज कार्यकर्ताओं, पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों एवं स्व सहायता समूहों के सदस्यों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं । चूंकि ये संस्थायें एक कालावधि में विकासित हुई हैं तथा भौतिक आधारभूत संरचना,संकाय, स्टॉफ इत्यादि के संदर्भ में प्रगति के विभिन्न चरणों पर हैं ।

''ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का प्रबंध समर्थन तथा जिला योजना प्रक्रिया के सुदृढीकरण'' की केन्द्रीय योजना के अंतर्गत ग्रामीण विकास मंत्रालय, राज्य ग्रामीण विकास संस्थानों (एस आई आर डी) तथा विस्तार प्रशिक्षण केन्द्रों (ई टी सी) को वित्तीय सहायता प्रदान कर ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु राज्यों के प्रशिक्षण क्रियाकलापों को समर्थन प्रदान कर रहा है । इस परिप्रेक्ष्य में, एन आई आर डी एवं पी आर को यह अधिदेश दिया गया है कि प्रस्तावों की जांच करते हुए एस आई आर डी एवं ई टी सी की विशिष्ट सिफारिशों को ग्रामीण विकास मंत्रालय को प्रस्तुत करें ताकि मंत्रालय केन्द्रीय योजना के अंतर्गत निधि पोषण समर्थन का अनुमोदन कर सके । योजना की विस्तृत जानकारी निम्नानुसार है :

राज्य ग्रामीण विकास संस्थानों (एस आई आर डी) का सुदृढ़ीकरण

एस आई आर डी का उद्देश्य राज्य तथा जिला स्तर पर ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओं और पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों के ज्ञान, कौशल तथा व्यवहार में सुधार लाना है। वर्तमान में प्रत्येक राज्य में एक तथा कुल 29 एस आई आर डी है ।

एस आई आर डी द्वारा आयोजित पाठ्यक्रम में एम ओ आर डी एवं एम ओ पी आर के फ्लैगशिप कार्यक्रम, ई टी सी के लिए प्रशिक्षण कौशल और क्रियाविधि, ग्रामीण विकास परियोजनाओं की योजना और कार्यान्वयन, ग्रामीण ऋण, ग्रामीण विकास के लिए कम्प्यूटर सूचना प्रणाली, बी डी ओ के लिए पाठ्यक्रम, स्वैच्छिक संगठन, प्रबंध विकास कार्यक्रम, समन्वित जलागम विकास आदि शामिल है ।

परिसर विकास कार्यो, शिक्षण सामग्री, कार्यालय उपकरण, फर्नीचर तथा उपस्कर आदि के एकत्रीकरण सहित आधारभूत

संरचना विकास के सुदृढ़ीकरण हेतु अनावर्ती व्यय के लिए एस आई आर डी और ई टी सी को ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा 100 % केन्द्रीय सहायता प्रदान की गई ।

ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा गैर उत्तर-पूर्वी राज्यों के एस आई आर डी के लिए 50% आवर्ती व्यय तथा उत्तर पूर्वी राज्यों के एस आई आर डी के लिए 90% प्रतिशत आवर्ती व्यय प्रदान किया जा रहा है। उसके अलावा, सभी एस आई आर डी के पांच मुख्य संकाय सदस्यों को ग्रामीण विकास मंत्रालय वर्षानुवर्ष आधार पर 100% वेतन व्यय की क्षतिपूर्ति कर रहा है ।

वर्ष 2015-16 के दौरान 29 में से 06 एस आई आर डी ने अनावर्ती अनुदान प्रस्तावों को प्रस्तुत किया जिसमें भौतिक और प्रशिक्षण आधारभूत संरचना (परिसर विकास कार्यो, शिक्षण सामग्री तथा कार्यालय उपकरण, फर्नीचर एवं उपस्कर सहित भवन आदि) और प्रशिक्षण- सामग्री के एकत्रीकरण के विकास हेतु निधिपोषण समर्थन की मांग की है । एन आई आर डी एवं पी आर ने एस आई आर डी द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रस्तावों की संवीक्षा की तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय को रु. 557.97 लाख की मंजूरी की सिफारिश की ।

विस्तार प्रशिक्षण केन्द्रो (ई टी सी) का सुदृढ़ीकरण

विस्तार प्रशिक्षण केन्द्र (ई टी सी) उप राज्य स्तर की प्रशिक्षण संस्थायें है जो खंड और ग्राम पंचायत स्तर पर ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओं तथा पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण प्रदान करती हैं । राष्ट्र में 89 ई टी सी को स्थापित और उन्नत किया गया। ये केन्द्र एम ओ आर डी और एम ओ पी आर के फ्लैगशिप कार्यक्रमों पर बल देते हुए पाठ्यक्रमों का आयोजन करते हैं । इसके अलावा, ई टी सी ग्राम विस्तार अधिकारियों / ग्राम सेवकों /सेविकाओं पंचायतों के सचिवों एवं सहकारिताओं तथा अन्य ग्रामीण विकास विभागों के निचले स्तर के कार्यकर्ताओं के लिए भी पाठ्यक्रमों का आयोजन करते हैं । उसी प्रकार, खंड और ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों तथा अन्य समुदाय आधारित संगठनों तथा स्व सहायता समूहों के सदस्यों को भी ये ई टी सी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं ।

विकासपरक कार्यकर्ताओं की संख्या में वृद्धि और पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों, सदस्यों के अधिक संख्या में प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से ई टी सी को अधिक महत्ता प्राप्त हुई है । अत: ई टी सी को अनावर्ती के रुप में एम ओ आर डी द्वारा 100% की दर से निधिपोषण केन्द्रीय सहायता दी जा रही है तथा आवर्ती व्यय के लिए ई टी सी को प्रति वर्ष 20.00 लाख की राशि दी जा रही है ताकि वे गामीण विकास और पंचायती राज कार्यकर्ताओं और पी आर आई सदस्यों के क्षमता निर्माण हेतु प्रशिक्षण लोड में वृद्धि कर सके ।

वर्ष (2015-16) के दौरान 12 राज्य सरकारों ने 28 ई टी सी के संबंध में अनावर्ती अनुदान प्रस्तावों को प्रस्तुत किया है। (जिसमें महाराष्ट्र का प्रस्ताव, चंद्रपुर एवं मल में नये ई टी सी का प्रस्ताव) जिसमें भौतिक और प्रशिक्षण आधारभूत संरचना, (भवन, अध्ययन उपकरण एवं ऑफिस फर्नीचर/ उपस्कर) प्रशिक्षण उपकरणों के प्रापण हेतु निधि पोषण समर्थन प्राप्त कर रहे हैं । ई टी सी द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों की संवीक्षा एन आई आर डी एवं पी आर द्वारा की गई तथा पूर्ण रुपेण अनावर्ती अनुदान रु. 1719.08 लाख की राशि मंजूरी हेतु ग्रामीण विकास मंत्रालय के संस्तुत की गई ।

एस आई आर डी एवं ई टी सी का प्रशिक्षण कार्यक्रम

एन आई आर डी एवं पी आर - एस आई आर डी - ई टी सी के ''नेटवर्क'' ने अपने प्रशिक्षण क्रियाकलाप दायरे को बढा दिया है अर्थात् विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं

एवं सेमिनारों को आयोजित करते हुए आयोजित कार्यक्रमों की संख्या में बढोत्तरी कर तथा बडी संख्या में ग्राहक समूहों का कवरेज कर अपने क्षेत्र को बढा दिया है । एस आई आर डी एवं ई टी सी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की लक्षित संख्या में दूरस्थ शिक्षा पद्धति के कार्यक्रम के अलावा विभिन्न पद्धतियां जैस - फेस टू फेस, ऑफ कैम्पस, संपर्क कार्यक्रम सम्मिलित हैं । कुछ एस आई आर डी जैसे - आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल इत्यादि राज्यों ने सैटकॉम सुविधाओं का उपयोग करते हुए दूरस्थ पद्धति प्रशिक्षण को अपनाया हैं। केन्द्रीय योजना के अतंर्गत एम ओ आर डी द्वारा दिए गए उदार निधि पोषण समर्थन से संस्थायें अधिक संख्या में प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित कर सकी है । एम ओ आर डी द्वारा शुरु किए गए फ्लैगशिप कार्यक्रम जैसे -एम जी नरेगा, एन आर एल एम, पी एम जी एस वाई ग्रामीण आवास, पेयजल एवं स्वच्छता जलागत विकास इत्यादि एवं भारत सरकार द्वारा अन्य केन्द्रीकृत प्रायोजित कार्यक्रमों पर अधिक बल एवं फोकस देने हेतु एस आई आर डी को निदेश दिया गया है ।

एस आई आर डी द्वारा एम ओ आर डी के वेब पोर्टल www.ruraldiksha.nic.in. पर वार्षिक प्रशिक्षण कैलेण्डर को अपलोड़ किए जाने की अपेक्षा हैं । वे एम ओ आर डी वेब साईट पर उपलब्ध सामग्री को अपलोड कर अन्य एस आई आर डी और ई टी सी के साथ प्रशिक्षण सामग्री को शेयर करने की कार्रवाई करेंगे और एन आई आर डी एवं पी आर तथा अन्य एस आई आर डी जिनके पास यथाअपेक्षित विशेषज्ञ उपलब्ध है के मार्गदर्शन में ''ई-लर्निंग'' सामग्री को तैयार करने हेतु पहल करेंगे ।

एस आई आर डी एवं ई टी सी द्वारा एम ओ आर डी को हर महीने प्रशिक्षण कार्य निष्पादन की सूचना देने तथा www.ruraldiksha.nic.in. में एम ओ आर डी वेबसाईट पर पंजीकरण करते हुए वेब आधारित ऑन लाईन सूचना व्यवस्था के द्वारा निर्धारित फ्रोफार्मा में सूचना प्रेषित करनी होगी।

अध्याय 7

प्रलेखन

ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की सफलता सूचना की पहुँच पर निर्भर करती हैं जो ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण निवेश है । विकास कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन और अपेक्षित नतीजों को हासिल करने के लिए विभिन्न स्टेकहोल्डरों को यथासमय और संगत सूचना का प्रावधान अत्यंत महत्वपूर्ण है । संस्थान के अनुसंधान एवं प्रशिक्षण क्रियाकलापों को सूचना समर्थन प्रदान करने की दृष्टि से तथा विकास समुदाय के अन्य सदस्यो के लिए एन आई आर डी एवं पी आर में मीडिया एवं ग्रामीण प्रलेखन केन्द्र (सी एम आर डी) ग्रामीण विकास साहित्य की शिनाख्त और संकलन के कार्य में जुटा हुआ है तथा व्यवस्थित ढंग से इसका अभिलेखन तथा लिखित दस्तावेज प्रस्तुत कर रहा है ताकि इसका प्रभावी और व्यापक रुप से प्रचार-प्रसार हो सके । गत वर्षों के दौरान संस्थान ने ग्रामीण विकास एवं विविध पहलुओं पर पुस्तकों/पत्रिकाओं एवं सीडी/वीसीडी का एक बड़ा संकलन तैयार किया है जो एन आई आर डी एवं पी आर का बड़ा संकलन है तथा सूचना के प्रचार-प्रसार के लिए सूचना संसाधान आधार का भाग है । संस्थान अनेक प्रकाशनों का प्रकाशन करता हे तथा स्टेकहोल्डरों को ग्रामीण विकास सूचना का प्रभावी प्रचार-प्रसार करने हेतु सूचना सेवाओं का भी प्रस्ताव करता है ।

सूचना स्त्रोत

पुस्तकें

पुस्तकें रिपोर्ट एवं अन्य संस्थागत प्रकाशन सूचना के प्रमुख - स्त्रोत बनते है । समीक्षा अवधि के दौरान, सी एम आर डी ने कुल 461 पुस्तकों तथा अन्य प्रलेखनों का संग्रहण किया है ।

पत्र - पत्रिकाएँ

समीक्षा अवधि के दौरान सी एम आर डी ने 142 भारतीय और विदेशी पत्रिकाओं का अंशदान किया है । कुल 45 पत्र - पत्रिकाएँ विनिमय तथा अनुपूरक आधार पर प्राप्त हुए और लगभग 60 समाचार पत्र विभिन्न ग्रामीण विकास संस्थाओं से प्राप्त हुए । सी एम आर डी ने ऑन लाईन डाटाबेस जैसे

indiastat.com, जस्टॉर और प्रोक्वेस्ट - सामाजिक विज्ञान पत्र - पत्रिकाएँ एवं ईब्रेरी सामाजिक विज्ञान संग्रहण (ई - बुक्स) का भी अंशदान किया ।

सी डी रोम / वीडियो कैसेट

संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में दृश्य-श्रव्य सामग्रियॉ महत्वपूर्ण होती हैं । समीक्षा अवधि के दौरान सी एम आर डी ने अपने संग्रहण में कुल 33 सी डी / डी वी डी जोड़े हैं ।

हिन्दी अनुभाग

हिन्दी भाषी राज्यों से आने वाले प्रतिभागियों तथा संस्थान के कर्मचारियों के लिए सी एम आर डी ने अलग से हिन्दी पुस्तकों का संग्रहण किया है । वर्तमान वर्ष में 129 हिन्दी पुस्तकों का संग्रहण हुआ है। आवश्यकता और मांग के आधार पर इस खंड में नियमित रुप से पुस्तके बढ़ती जा रही है ।

डाटाबेस को अद्यतन करना

सी एम आर डी एवं पी आर द्वारा पुस्तकों तथा जर्नल प्रलेखों के कम्प्यूटरीकृत डाटाबेस को निरंतर आधार पर अद्यतन किया जाता है । इन डाटाबेसों के आधार पर सी एम आर डी विभिन्न सूचना सेवाएँ प्रदान करता है । वर्तमान में पुस्तक डाटाबेस में 93,240 पुस्तकें और जर्नल प्रलेखों के डाटाबेस में 1,25,188 संदर्भ है ।

सी डी सी सूचना उत्पाद / सेवाएँ

सी डी सी एलर्टस, सी डी सी इन्डेक्स एवं समाचार पत्र क्लिपिंग्स सूचना उत्पाद है जिनके माध्यम से सी एम आर डी सूचना का प्रचार - प्रसार करता है । समीक्षा अवधि के दौरान ये प्रकाशन नियमित रुप से प्रकाशित किए गए । इसके अलावा सी डी सी प्रयोक्ताओ के लिए साहित्य संधान, फोटोकॉपिइंग, अंतर -पुस्तकालय ऋण आदि सेवाऍ प्रदान करता है ।

संस्थागत सदस्यता

सी डी सी द्वारा ग्रामीण विकास संगठनों एवं संस्थानों के लिए प्रस्तावित एन आई आर डी एवं पी आर संस्थागत सदस्यता को बनाए रखता है । संस्थागत सदस्यों को जर्नल ऑफ रुरल डेवलेपमेन्ट, एन आई आर डी एवं पी आर समाचार पत्र और अन्य निशुल्क प्रकाशनों सहित शुल्क प्रकाशनों पर 50 प्रतिशत की छूट दी जाती है ।

अप्रैल, 2015 से मार्च, 2016 तक पुस्तकालय सांख्यिकी

1.	दिनांक 31-3-2015 तक कुल स्टाक (पुस्तके, हिन्दी पुस्तके, बच्चों की पुस्तकें पत्रिकाओं के जिल्द खंड सहित)	1,20,262
2.	दिनांक 31-3-2015 को वर्ष समाप्ति के दौरान कुल खरीदी गई पुस्तकें	461
3.	दृश्य श्रव्य सामग्री (वीडियो कैसेट्स तथा सी डी)	33
4.	खरीदी गई पत्रिकाएँ विनिमय पर प्राप्त पत्रिकाएँ नि:शुल्क प्राप्त पत्रिकाएँ	142 25 20

(जारी...)

	समाचार पत्र कुल खरीदी गई पत्रिकाएँ खरीदे गए समाचार पत्रों की संख्या	60 247 28
5.	सी एम आर डी पुस्तकालय सुविधाओं का उपयोग उधारकर्ता की संख्या प्रतिभागियों को उधार दिये गए प्रलेखों की संख्या पुस्तकालय में आगन्तुकों की संख्या	 952 979 5,383
6.	पुस्तकालय में आये अनुसंधान शोधार्थी	26
7.	प्रलेखन सेवाएँ वर्ष के दौरान सूचकांक किये गए प्रलेखों की संख्या जारी किये गए सी एम डी सी अलर्ट जारी किये गए सी डी सी संख्या	 1,037 10 12
8.	सी डी सी डेटाबेस डाटाबेस (पुस्तकों) में प्रविष्टियों की संख्या लेखों की संख्या डाटाबेस से किये गए साहित्य शोध की संख्या	 93,240 1,25,188 147

अध्याय 8

सूचना का प्रचार - प्रसार

संस्थान के अधिदेश में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज की सूचना का प्रचार-प्रसार करना है । अधिदेश की प्राप्ति में संस्थान नियमित आधार पर तिमाही जर्नल, एक मासिक समाचार पत्र, अनुसंधान विशिष्टताएँ और ग्रामीण विकास सांख्यिकी का प्रकाशन करता है । भारत में ग्रामीण विकास के साहित्य के अग्रणी प्रकाशक के रुप में एन आई आर डी एवं पी आर अपने अनुसंधान निहितार्थ क्षेत्र वास्तविकताओं तथा नीति निर्माण, शिक्षाविद् तथा अन्य के साथ वर्तमान महत्वपूर्ण विषयों पर नियमित प्रकाशन, आवधिक प्रपत्र आदि को बाँटने का प्रयास करता है। एन आई आर डी एवं पी आर के प्रकाशन नीति निर्माताओं को जमीनी स्तर की वास्तविकताओं का फीडबैक देते हुए ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की बेहतर योजना और प्रबंध के लिए सुझाव और मार्ग निर्देश देते हैं।

प्रकाशन

जर्नल एवं पत्र-पत्रिकाएँ

त्रैमासिक जर्नल ऑफ रुरल डेवलेपमेन्ट, एन आई आर डी का एक फ्लैगशिप प्रकाशन है जो ग्रामीण विकास और विकेन्द्रीकृत प्रकाशन के क्षेत्र में अग्रणी शैक्षिक जर्नल है । देश और विदेश में इसका प्रभावी परिचालन है । इस जर्नल की मांग शिक्षाविद् समुदाय, ग्रामीण विकास प्रशासक और योजनाकर्ताओं में अधिक है । गत वर्षों के दौरान, जर्नल ऑफ रुरल डेवलपमेन्ट ने अपने उत्कृष्ट लेखों और नियमित प्रकाशन के माध्यम से उच्च ख्याति प्राप्त की है । प्रकाशन हेतु प्राप्त लेखों की विभिन्न स्तरों पर एन आई आर डी एवं पी आर संकाय और बाहरी विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा की जाती है ताकि गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके ।

वर्ष के दौरान, जर्नल ऑफ रुरल डेवलेपमेन्ट के चार अंक (खंड 34 सं. 2,3 तथा 4 तथा खंड 35 सं. 1) प्रकाशित किए गए जिसमें 32 लेख और 19 पुस्तक समीक्षाएँ शामिल रही ।

एन आई आर डी एवं पी आर समाचार पत्र

एन आई आर डी एवं पी आर समाचार पत्र ' प्रगति ' एक मासिक प्रकाशन है जिसमें एन आई आर डी द्वारा नियमित आधार पर किए गए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों,सेमिनारों तथा कार्यशालाओं और महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की सिफारिशों की विशिष्टताएँ उपलब्ध होती हैं। समाचार पत्र में संकाय विकास, सफल कहानियां, संस्थान में आए भारतीय और विदेशी शिष्ट मंडल की खबर को भी कवर किया जाता है । एन आई आर डी एवं पी आर इसके माध्यम से एस आई आर डी, डी आर डी ए तथा एन जी ओ से नियमित संपर्क बनाए रखता है । वर्ष के दौरान अप्रैल 2015 से मार्च, 2016 तक 239 से 250 तक अंक प्रकाशित किए गए ।

सांसद आदर्श ग्राम योजना (एस ए जी वाई)

1. समन्वय : केन्द्रीय क्षेत्र, केन्द्रीय प्रायोजित तथा एस ए जी वाई के तहत अभिसरण के लिए राज्य स्कीमों का संकलन है ।
2. संकलन - एस ए जी वाई ग्राम पंचायत के कार्य - अंग्रेजी एवं हिन्दी
3. ग्रामीण विकास क्षेत्र में बेहतर पद्धति पर राष्ट्रीय कार्यशाला, प्रविष्टियों का सार-संग्रह (एसएजीवाई)

एस आर शंकरन चेयर

1. डेवलेपमेंट बाय डिस्पोजेशन - एस आर शंकरन चेयर का प्रिज्म इक्विटी मैटर्स (एसआरएसजी पब्लिक लेक्चर सीरिज - 1) द्वारा ग्रामीण श्रमिक मुद्दे ।
2. आदिवासीज इन इंडिया : इस्यूज ऑफ लाईवलीहुड एंड लेबर मार्केट, पब्लिक एक्शन एंड बाजार सोलुयशन - एस आर शंकरन चेयर द्वारा प्रिज्म इक्विटी मैटर्स (सीरिज नं.1) के माध्यम से ग्रामीण श्रमिक मुद्दें ।
3. लेबर एंड इस्यूज इन दी कानटेक्स्ट ऑफ एमर्जिंग रुरल अरबन कन्टीनम : डायमेंशन प्रोसेसेस एंड पॉलिसिज-प्रिज्म इक्विटी मैटर्स (एसआरएसजी सम्मेलन कार्रवाई) द्वारा ग्रामीण श्रमिक मुद्दों पर एस आर शंकरन चेयर ।

ग्रामीण आजीविका

1. इम्पैक्ट ऑफ आई ए वाई एंड एस जी एस वाई / एन आर एल एम ऑन माईनॉरिटिज : ऐन इवैल्यूशन स्टडी अंडर प्राइम मिनिस्टर न्यू 15 पाईन्ट प्रोग्राम ।
2. बेस्ट प्रैक्टिसेस इन पंचायत मैनेजमैंट एंड सर्विस डिलीवरी अंक - I
3. बेस्ट प्रैक्टिसेस इन पंचायती ऑन लाइवलीहुड एंड नेचुरल रिर्सोसेस मैनेजमैंट अंक - II

कृषि

1. नेशनल कंसलटेशन ऑन पॉलिसी पर्सपेक्टिव एंड स्टेट रेसपोंस टू एगरेरियन क्राइसेस एंड फार्मर्स डिस्ट्रेस (रिपोर्ट)
2. ससटेनेबल एग्रीकल्चर : चैलेंजस एंड प्रॉस्पेक्ट

आपदा प्रबंध

1. डिजास्टर मैनेजमैंट इन इंडिया : इवोल्यूशन ऑफ इन्स्टीट्यूशनल एरेन्जमैंटस एंड आपरेशनल स्ट्रैटजिस

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम - 2005

1. ए हैंडबुक ऑन कैपेसिटी एनहान्समेंट ऑफ ग्राम रोजगार सहायक (जी आर एस)
2. सामर्थ्य: टैक्निकल ट्रेनिंग मैन्युअल (एमजीएनआरईजीए)

3. कन्स्ट्रक्शन, मैजरमैंट एंड कैलकुलेशन, ट्रेनिंग माड्यूल फॉर बेयरफुट टैकनीशियन, लर्निंग यूनिट 1.1 (अंग्रेजी एवं हिन्दी)
4. मैपस, स्केच एंड ड्राईग, ट्रेनिंग माड्यूल फॉर बेयरफुट टैकनीशियन, लर्निंग यूनिट 1.2 (अंग्रेजी एवं हिन्दी)
5. कन्स्ट्रक्शन टैकनोलॉजी एंड बिल्डिंग मैटीरियल ट्रेनिंग माड्यूल फॉर बेयरफुट टैकनिशियन, लर्निंग यूनिट 1.3 (अंग्रेजी एवं हिन्दी)
6. सर्वे एंड सेट्टिंग आऊट कन्स्ट्रक्शन वर्कस ट्रेनिंग माड्यूल फॉर बेयरफुट टैकनीशियन, लर्निंग 1.4 (अंग्रेजी एवं हिन्दी)
7. प्रिपरेशन ऑफ बेसिक एस्टीमेट्स बिल ऑफ क्वांटिटिज, शेडयूल ऑफ रेट्स एंड मेजरमैंट बुक, ट्रेनिंग मॉड्यूल फॉर बेयरफुट टेकनीशियन, लर्निंग यूनिट 1.5(अंग्रेजी एवं हिन्दी)
8. एम जी एन आर ई जी एस - की फिचर्स, ट्रेनिंग माड्यूल फॉर बेयरफुट टैकनीशियन लर्निंग यूनिट 2.1 (अंग्रेजी एवं हिन्दी)
9. परमिसिबिल वर्कस, ट्रेनिंग माड्यूल फॉर बेयरफुट टकनीशियन, लर्निंग यूनिट 2.2 (अंग्रेजी एवं हिन्दी)
10. कन्स्ट्रक्शन ऑफ रुरल रोडस, ट्रेनिंग माड्यूल फॉर बेयरफुट टकनीशियन, लर्निंग यूनिट 2.2.1 (अंग्रेजी एवं हिन्दी)
11. एम जी एन आर ई जी एस - डाक्यूमेंट फार्मस और रजिस्ट्रर्स, ट्रेनिंग माड्यूल फॉर बेयरफूट टकनीशिन, लर्निंग यूनिट 2.3
12. एम जी एन आर ई जी एस - आई सी टी एंड एम आई एस, ट्रेनिंग माड्यूल फॉर बेयरफुट तकनीशियन, लर्निंग यूनिट 2.4
13. सेशन प्लान, बेयरफुट टकनीशियन ट्रेनिंग प्रोग्राम

स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट कार्यक्रम

1. पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन जिओस्पैटिकल टकनोलॉजी एप्लीकेशन इन आर डी (पी जी सी - गार्ड), ए डिस्टेंस मोड़ प्रोग्राम ऑफ (एनआईआरडी एवं पीआर), गार्ड 404 आरडी
2. पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन जिओस्पैटिकल टकनोलॉजी एप्लीकेशन इन आरडी (पीजीसी - गार्ड) एनआईआरडी एवं पीआर का एक दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम, गार्ड 406 जिओ इन्फारमेटिक लैब प्रैक्टिस (जीएलपी)

अनुसंधान रिपोर्ट

एनआईआरडी एवं पीआर का मुख्य कार्य अनुसंधान है जिसमें प्रभाव मूल्यांकन, मानिटरिंग अध्ययन निदानपरक अध्ययन, मामला प्रलेखन आदि शामिल है । इन अनुसंधान अध्ययनों के निष्कर्षो को संपादन के पश्चात् प्रत्येक वर्ष व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए प्रकाशित किया जाता है । वर्ष के दौरान निम्नलिखित अनुसंधान रिपोर्टें प्रकाशित की गई :

1. ए स्टडी ऑन वाटरशेड एंड इट्स इमपैक्ट ऑन पावर्टी एलिवेशन एंड ससटेनबल लाईवलीहुड: ए कम्पेरिटिव स्टडी इन सिक्स स्टेटस (रिपोर्ट सीरिज 101)
2. स्टडी ऑन मार्केटिंग ऑफ एसजीएसवाई प्रोडेक्ट इन पुणे डिस्ट्रिक ऑफ महाराष्ट्र : केस ऑफ पब्लिक प्राइवेट पार्टनेशिप (रिपोर्ट सीरिज 102)

3. ट्रेडिशनल इरिगेशन सिस्टम इन बिहार (रिपोर्ट सीरिज 103)
4. इफेक्टिवनेस ऑफ वाटरशेड मैनेजमेंट : ए स्टडी ऑफ सम सक्सेसफुल वाटरशेड प्रोजेक्टस इन फाइव स्टेट्स (रिपोर्ट सीरिज 104)

अन्य प्रकाशन

1.	वार्षिक प्रतिवेदन	-	2014 - 15
2.	वार्षिक लेखा	-	2014-15
3.	प्रशिक्षण कैलेण्डर	-	2016-17
4.	ग्रामीण विकास सांख्यिकी	-	2014-15
5.	अनुसंधान विशिष्टताएँ	-	2012-14

अध्याय 9

ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क

वर्ष 1999 में एन आई आर डी एवं पी आर परिसर में ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क (आर टी पी) आरंभ किया गया। गाँवों को प्रौद्योगिकी प्रदर्शन एवं अंतरण करने के साधन के रूप में लगभग 65 एकड़ भूमि क्षेत्र में आर टी पी की स्थापना की गई । उत्पादकता और जीवन शैली में सुधार के लिए गरीबों को समुचित और किफायती प्रौद्योगिकी पहुँचाने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार तेज करने के साधन के रूप में सेवा करने के विजन के साथ आर टी पी एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य कर रहा है ताकि सतत विकास की ओर समुदाय को सक्षम बनाया जा सके। राष्ट्रीय ग्रामीण भवन केन्द्र ग्रामीण भारत के विभिन्न प्रौद्योगिकीयों के साथ निर्मित मॉडल, ग्रामीण मकानों और मुख्य स्वच्छता के साथ स्वच्छता पार्क माडलों को प्रदर्शिन कर रहा है। प्रत्येक वर्ष ग्रामीण प्रौद्योगिकी मेले का आयोजन किया जाता है देश के विभिन्न भागों से 10000 से 12000 लोग मेले में आते है । विभिन्न स्वं सहायता समूह, सरकारी संस्थान, बैंक एस जी एस वाई संगठन आदि प्रदर्शनी में भाग लेते है। कौशल विकास के लिए विभिन्न ग्रामीण प्रौद्योगिकी पर युवा और महिलाओं के साथ सरकारी पदाधिकारियों, ग्रामीण विकास कार्यकताओं के लिए आर टी पी, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है ।

कौशल विकास कार्यक्रम

वर्ष के दौरान कुल 42 प्रशिक्षण कार्यक्रमों (जिनमें 8 परिचयात्मक दौरा और 3 कार्यशाला शामिल हैं) का आयोजन किया गया । इसमें 1009 (640 पुरूष और 369 महिला) अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया गया ।

कार्यक्रमों के विवरण सारणी 1, 2, 3 एवं 4 में दिए गए हैं।

प्रशिक्षण क्रियाविधि

प्रशिक्षण के लिए प्रौद्योगिकी के सम्बद्ध में संभावित प्रशिक्षार्थियों द्वारा निर्णय लेने हेतु समूह में गाँवों से एक या दो दिवसीय परिचयात्मक दौरे हेतु प्रोत्साहित किया गया तथा आर टी पी में स्थित संबंधित तकनोलॉजी यूनिटो में प्रत्यक्ष रूप से तकनोलॉजी को दर्शाते हुए उन्हें समझाया गया ।

आधे दिवस में उनके साथ परिचर्चा की गई तथा उस उत्पाद पर उनकी क्षमता और विपणनीयता पर आधारित जो वह सीखना

चाहते है उससे संबंधित टेक्नॉलोजी पर चर्चा कर उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

सभी प्रशिक्षणों में अनुभव एवं सैद्धान्तिक पक्ष को सम्मिलित किया गया ।

दि. 18.11.2015 को आर टी पी में संसदीय परामर्शी कमेटी का दौरा

माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री चौधरी बिरेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में दि. 18.11.2015को संसदीय परामर्शी कमेटी ने ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क का दौरा किया ।

इस अवसर पर श्री एस एम विजयानंद, सचिव, पंचायती राज, भारत सरकार / महानिदेशक, एन आई आर डी पी आर ने ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क की संकल्पना और क्रियाकलापों के बारे में संक्षिप्त पॉवर पाईंट प्रस्तुतीकरण दिया । इसके बाद कमेटी ने ग्रामीण भवन केन्द्र में प्रदर्शित विभिन्न क्षेत्र विशिष्ट (16) विभिन्न आवास मॉडलों का दौरा किया । उन्होंने आर टी पी में स्थापित प्रत्यक्ष यूनिटों के साथ-साथ सैनिटेशन पार्क जहॉ सैनिटेशन के भिन्न भिन्न मॉडले दर्शाए गए है को भी देखा।

सामान्य रूप से प्रदर्शित सभी प्रौद्योगिकियों एवं विशेष रूप से पत्ता प्लेट बनाना, कम्प्रेसड् मड ब्लॉक्स बनाना, सोलार लाईटिंग एवं डी-हॉइड्रेशन, री-ग्लोयिंग ऑफ फेल्ड लाईट्स, नैचुरल डाई एवं हस्तनिर्मित पेपर तकनोलॉजी में उन्होने काफी गहन रूचि दिखायी ।

परामर्शी कमेटी ने अपेक्षा जतायी कि मड ब्लॉक मेकिंग तकनोलॉजी, हस्तनिर्मित पेपर तकनोलॉजी एवं सोलार तकनोलॉजी पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता हैं तथा बड़े पैमाने पर ग्रामीण समुदाय को उन तकनोलॉजी को हस्तांतरित करने का सुझाव दिया गया ।

दि. 30.1.2016 को आर टी पी में संसदीय स्थायी कमेटी का दौरा

माननीय श्री वेणुगोपाल, सदस्य, सांसद की अध्यक्षता में दि. 30.1.2016 को संसदीय स्थायी कमेटी ने ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क का दौरा किया । उन्होंने ग्रामीण भवन केन्द्र में प्रदर्शित सभी मॉडलो में आजीविका प्रौद्योगिकी यूनिटे एवं सैनिटेशन पार्क का भी दौरा किया । उन्होंने महानिदेशक एवं आर टी पी दल के साथ आर टी पी की कार्यपद्धति और सिद्धान्तों पर विचार विमर्श किया । आर टी पी हस्तक्षेपों के द्वारा नये प्रयासों की प्रशंसा करते हुए सामान्यतौर पर इन सभी प्रौद्योगिकों को स्थानांतरित करने के लिए क्रान्तिकारी कदम और विशेष रूप से सततयोग्य गृह निर्माण, लाईटिंग और आजीविका दोनो सोलार तकनोलॉजी आधारित, पत्ता प्लेट बनाना तकनोलॉजी, री-ग्लों तकनोलॉजी, प्राकृतिक रंगाई, रासायनिक खाद, जलरहित शौचालय तकनोलॉजीएवं जलागम इत्यादि को अपनाने की सलाह दी हैं ।

ग्रामीण आजीविका तकनोलॉजी पर आर आर बी हेतु कार्यशाला

ग्रामीण विकास में विशेषकर ग्रामीण रोजगार सृजन में आर आर बी द्वारा अदा की जा रही महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए ग्राम अभिग्रहण स्कीम एवं आजीविका ग्रामीण तकनोलॉजी पर दि. 22-23 मई, 2015 को आर आर बी के क्षेत्रीय प्रबंधकों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई जिसका उद्देश्य आर टी पी में प्रदर्शित / दर्शाई गई प्रौद्योगिकी के द्वारा ग्रामीण समुदाय के लिए सृजित किए जाने वाले विभिन्न

आजीविका अवसरों का ज्ञान दिला सके ।

कार्यशाला के दौरान, नाबार्ड ने स्टॉल बनावाये तथा रोजगार के लिए उपलब्ध विभिन्न स्कीमों के बारे में बैंकर्स को जानकारी दी इसके अलावा पॉवर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन और तकनोलॉजी भागीदारों के साथ इस तकनोलॉजी को अंतरित करने के लिए नीति तैयार करने पर भी परिचर्चा की ।

कचरा, जल एवं ऊर्जा तकनॉलोजी में नवोन्मेषण पर कार्यशाला

बिट्स-पिलानी हैदराबाद के सहयोग से दिनांक 13-14 जुलाई, 2015 को बिट्स कैम्पस में कार्यशाला आयोजित की गई जिसका उद्देश्य कचरा, जल एवं ऊर्जा प्रौद्योगिकी में नवीनता के मुख्य विषयों जो ग्रामीण विकास से संबंधित हैं पर प्रकाश डालते हुए सतत योग्य विकास की ओर उपरोक्त विषयों पर वर्तमान प्रवृत्तियों पर पैनी दृष्टि प्रदान करना है ।

कार्यशाला की मुख्य सिफारिशें इस प्रकार है :

0 बॉयो मॉस आधारित पॉली जनरेशन तकनोलॉजी जो ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि उत्पादों को सुखाने और भंडारण हेतु शीत, उष्म और भंडारण हेतु बिजली आदि संयुक्त उत्पादन करवाती हैं।

0 अलग - अलग परिवारों एवं समुदाय दोनो स्तरो पर लागत प्रभावी वर्षा जल संचयन तकनोलॉजी उन ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यान्वित की जानी चाहिए जहां काफी बारीश हुई है और जल की कमी को उजागर किया गया है ।

0 भौगोलिक सूचना व्यवस्था एवं दूरसंवेदी तकनोलॉजी के अनुप्रयोग से विभिन्न पर्यावरणात्मक मुद्दों और आवश्यकताओं अर्थात् ग्रामीण समुदाय स्तर पर उर्जा का प्रवाह और संतुलन कार्य बनाने में योजना और भावी कार्य में सहायता मिलेगी ।

0 नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी जैसे सोलार आधारित स्वायत्त बिजली चूल्हा जो ग्रामीण क्षेत्रों में रसोई की आवश्यकता की पूर्ति करता है विशेषकर उन क्षेत्रों में एल पी जी की गंभीर कमी है वहां उक्त प्रौद्योगिकी की नितांत आवश्यकता है, सोलार तकनोलॉजी का उपयोग किसानों के कृषि उत्पाद के लिए संरक्षित किया जा सकता है ।

0 स्थानीय केंचुए के साथ जैविक कचरे के उच्च दर वाला खाद एक अच्छा विकल्प है जिसके द्वारा रासायनिक खाद के उत्पादन के साथ बॉयो-मॉस का संचालन किया जा सकता हैं ।

0 नगर निगम सिवेज जैसे शेफरोल के साथ लिक्विड वेस्ट के ट्रीटमेंट हेतु पौधो और सामग्री की देशी प्रजातियों में उपयोग किए जाने वाले कम लागत वाली तकनोलॉजी को समुचित रूप से तैयार कर ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोग किया जा सकता है । ऐसी तकनोलॉजी को स्थानीय लोगों द्वारा आसानी से उपयोग में लाया जा सकता हैं ।

0 ग्रामीण विकास के लिए सोलार होम लाईटिंग एक महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं ।

0 सोलार उर्जा के बहु-अनुप्रयोगों में नवोन्मेषण अत्यन्त महत्वपूर्ण है । इसलिए इन प्रौद्योगिकी को एकजुट किया जाना चाहिए ।

0 ग्रामीण स्वास्थ्य के लिए जल में संक्रमण को शीघ्रता से पहचाना जाना चाहिए । सामान्यत नवोन्मेषी लागत प्रभावी सेन्टरों को संचालित करना आवश्यक हैं

0 तटीय उन गांवो के लिए जहां पेयजल की कमी है वहां समुद्री जल के शुद्धिकरण हेतु लागत प्रभावी एवं रोबस्ट डीसैलिनेशन की आवश्यकता है ताकि साफ पानी की आपूर्ति की जा सके ।

अफ्रीका में ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्को (आरटीपी) की स्थापना

जिम्बावे एवं आइवरी कोस्ट में आर टी पी की स्थापना के संबंध में एम ई ए / एम ओ आर डी के साथ वर्ष के दौरान परामर्श की कई बैठके हुई । दि. 17-25 मई, 2015 के दौरान एन आई आर डी पी आर दल डॉ. पी शिवराम एवं डॉ. वाई गंगीरेड्डी के साथ श्री राजेश भूषण, आई ए एस, संयुक्त सचिव, एम ओ आर डी, भारत सरकार द्वारा व्यवहार्य अध्ययन को आइवरी कोस्ट में प्रारंभ किया गया तथा व्यवहार्य रिपोर्ट को सितंबर, 2015 में प्रस्तुत किया गया जहां आइवरी कोस्ट की आवश्यकता के आधार पर सीगार्ड एवं ग्रामीण सड़कों के लिए प्रस्ताव को भी सम्मिलित किया गया ।

आगे, जिम्बावे के सम्बध में ड्राफ्ट समझौता प्रस्तुत किया गया इसके अलावा एम ई ए अधिकारियों के साथ जिन्होंने स्पॉट अध्ययन के लिए आर टी पी, एन आई आर डी पी आर का दौरा किया, के परामर्श से बजटरी वित्तीय प्रस्तावों को अनंतिम रूप दिया गया ।

ग्रामीण प्रौद्योगिकी पर छात्रों का परिचयात्मक दौरा

ग्रामीण प्रौद्योगिकी तथा ग्रामीण विकास हेतु सरकार द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे विभिन्न स्कीमों पर छात्रों को आरटीपी की जानकारी देने हेतु विभिन्न स्कूलों को आरटीपी घूमने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ।

आरटीपी में औद्योगिक दौरा एवं अध्ययन

संपूर्ण देश से युनिवर्सिटी / कॉलेजों से अध्ययन छात्राओं को आमंत्रित किया है तथा उन्हें एन आई आर डी एवं पी आर एवं आर टी पी क्रियाकलापों / कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी जाती है तथा इनके द्वारा विभिन्न राज्यों में आर टी पी क्रियाकलापों को बढ़ावा देने के प्रयास किए जाते है । इसके चलते विभिन्न राज्यों से लगातार ग्रामीण तकनोलॉजी एवं ग्रामीण विकास क्रियाकलापों के सम्बध में मार्गदर्शन और प्रेरणा मिल रही हैं ।

छात्रों को एन आई आर डी पी आर द्वारा चलाए जा रहे पी जी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की जानकारी भी छात्रों को दी जा रही हैं तथा छात्रगण इन पाठ्यक्रमों में गहन रूचि दिखा रहे हैं ।

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना

वर्ष के दौरान सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की प्रक्रिया में निम्नलिखित हस्तक्षेप किए गए :

क. गैर - ग्रिड दूरस्थ गांव / आदिवासी गांवो के लिए सोलार स्ट्रीट लाईटिंग की सुविधा

ख. आजीविका के लिए सौर ऊर्जा अनुप्रयोग को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम को आयोजित किया गया।

ग. सोलार लालटेन एसेम्बलिंग यूनिटों / सेवा केन्द्रो को प्रारंभ करने की सुविधा देना ।

घ. बिट्स पिलानी हैदराबाद कैम्पस के सहयोग से नवीनीकृत ऊर्जा पर कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

ङ. सोलार डीहैड्रेशन एंड प्रीजिंग / कूलिंग तकनोलॉजी पर एन एफ डी बी के सहयोग से मछुआरा समुदाय के लिए जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।

च. बरहमपुर युनिवर्सिटी के सहयोग से रात में मछली पकड़ने हेतु सौर लालटेन की सुविधा मछुआरों को दी गई ।

ख. सोलार स्ट्रीट लाईट्स / लालटेन को जोड़ना, एकीकरण एवं रखरखाव कार्य में ग्रामीण युवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

ज. हैदराबाद में स्थित विभिन्न संगठनों / संस्थाओं द्वारा आयोजित विभिन्न प्रदर्शनियों में सौर तकनोलॉजी को आर टी पी में प्रदर्शित किया गया ।

झं. एन एफ डी बी के सहयोग से मोबाईल वैन परियोजना के माध्यम से खाद्य प्रक्रमण के संबंध में सौर तकनोलॉजी का प्रचार प्रसार करना एवं प्रदर्शन करना ।

त्र. पश्चिम बंगाल सरकार के अनुरोध पर, आर टी पी सोलार तकनोलॉजी को सुंदरबन क्षेत्रों के तीन विभिन्न केन्द्रों को हस्तांतरित किया गया ।

ट. महामहिम कान्सुलेट जर्नल ऑफ अमेरिका की उपस्थिति में एफ ए पी सी आई आई में एन आई आर डी पी आर के सोलार क्रियाकलापों का प्रस्तुतीकरण ।

ठ. विभिन्न तकनोलॉजी / उत्पादों के साथ दूसरी सोलार युनिट को प्रारंभ किया ।

जैविक कृषि के लिए उन्नत प्रयास

जैविक कृषि / खाद पर बड़े पैमाने पर जागरूकता बढ़ाने के लिए किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इसके अलावा कृषि खाद एककों को राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, केन्द्रीय विद्यालय इत्यादि में स्थापित करने में उनकी मदद की और उक्त प्रौद्योगिकी में उनके कार्मिकों को प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

स्वच्छ भारत अभियान / स्वच्छता

आर टी पी सत्र के प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 90 मिनट के स्वच्छता / खुले में शौच करना / जल संरक्षण / उर्जा संरक्षण / ग्रीन ऊर्जा पर 90 मिनट का सत्र प्रारंभ किया गया । संबंधित क्षेत्रों की स्थिति के संबंध में खुली चर्चा को प्रोत्साहित किया गया तथा अपने निजी स्थानों में बेहतर स्थिति के लिए उपयुक्त सुझाव दिए गए ।

सततयोग्य आवासीय तकनोलॉजी में ग्राम समुदाय / इंजीनियर्स इन्यादि के लिए सहायता / मार्गदर्शन

मिट्टी के ब्लॉक बनाना पर विशेष बल देते हुए आवास निर्माण तकनोलॉजी पर सिविल इंजीनियर्स / मिस्त्रीयों और निर्माण कामगारों के लिए जागरूकता कार्यक्रम गया का आयोजन किया।

गांवो / पंचायतों / जिला प्रशासनों के अनुरोध पर कर्नाटक, छत्तीसगढ़, आन्ध्र, तेलंगाना के विभिन्न स्थानों के लिए आर टी पी के सिविल इंजीनियर्स को नियुक्त किया गया ताकि वे उपरोक्त सामग्री का उपयोग करते हुए कम्प्रेस्ड मड ब्लॉक को तैयार करने में ग्राम समुदाय का मार्गदर्शन कर सके तथा सततयोग्य आवास निर्माण तकनोलॉजी को बढ़ावा देने की प्रक्रिया में सततयोग्य आवास तकनोलॉजी का उपयोग करना सीखाएं ।

कर्नाटक, तेलंगाना एवं छत्तीसगढ़ राज्यों में सततयोग्य तकनोलॉजी का उपयोग करते हुए कम लागत वाले शौचालयों के निर्माण में सहायता दी गई ।

कम्प्रेसड् मड ब्लॉक बनाने में कैंडी सेन्ट्रल जेल के कैदियों को प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करना ।

संपूर्ण देश के मिस्त्रीयों को सम्मिलित करते हुए आर टी पी में प्रदर्शनी भवनों का निर्माण किया गया जिसमें मनरेगा के अंतर्गत एम ओ आर डी की सहायता ली गई तथा इन प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रौद्योगिकीयों के अंतरण हेतु प्रचार - प्रसार के उपाय किए गए ।

आजीविका क्रियाकलापों पर विभिन्न जैलों में प्रशिक्षण

विभिन्न आजीविका क्रियाकलापों विशेषकर खाद्य प्रसंस्करण, गृह आधारित उत्पादों को तैयार करना आदि में कैदियों को प्रशिक्षण देने हेतु तकनोलॉजी भागीदारों के दौरे को प्रोत्साहित किया गया क्योंकि एक बार कैदी अगर उसकी दंड के अवधि पूर्ण होने के बाद जेल से रिहा हो जाए तो अपनी शेष जिन्दगी को सम्मान पूर्वक बिता सकेगा और आजीविका क्रियाकलाप को आगे बढ़ा सकेगा जिसमें वह प्रशिक्षित हुआ हैं ।

अनुसंधान एवं विकास (आर एवं डी) सक्रियता को बढ़ावा देना

युनिट भागीदार जिन्हें नये - नये उत्पादों के विकास में विशेषज्ञता हासिल है उन्हें उन्नत तंत्र के निर्माण में प्रोत्साहित किया गया ताकि ग्रामीण समुदाय की दुरूहता को दूर किया जा सके। इस प्रक्रिया में मड ब्लॉक निर्माण तंत्र, बर्फ बनाने का संयंत्र, सोलार आधारित कूलिंग एवं फ्रिजिंग तकनोलॉजी के साथ विभिन्न स्थानों पर स्थित तकनोलॉजी का प्रचार - प्रसार एवं उसको प्रदर्शित करना आदि को बढ़ावा दिया गया ।

जलागम मॉडल

आर टी पी में जलागम मॉडल को स्थापित करना जो जलागम ट्रीटमेंट से पहले ही गांव की स्थिति को स्पष्ट करता है तथा जलागम ट्रीटमेंट के बाद प्रतिभागियों और आगन्तुकों द्वारा इस मॉडल की प्रशंसा की गई । यहां तक कि संसदीय परामर्श कमेटी / स्थायी समिति सदस्यों ने इस प्रयास की सराहना की ।

जलागम के प्रभाव को समझाने के लिए वर्ष 2003 - 2015 तक आर टी पी जलागम चित्रों को दर्शाया गया तथा प्रदर्शित किया गया जो आर टी पी में जलागम परियोजना के कार्यान्वयन के साथ विकसित किए गए हरित वातावरण की कहानी का बखान करता हैं । इक्रिसेट दल ने इसका मूल्यांकन किया उन्होंने प्रत्यक्ष जलागम दृश्य की प्रशंसा की और जिसका परिणाम परिसर में हरियाली का होना है ।

आदिवासी समुदाय के लिए क्षमता निर्माण

आदिवासी समुदायों के संसाधनों के आधार पर क्षमता निर्माण/ कौशल विकास हेतु विशेष प्रयास किए गए ।

वन क्षेत्र में नि:शुल्क अड्डा पत्ती की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए पत्तो की प्लेट/कप बनाने में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इसे आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल में आयोजित किया गया ।

ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में शहद बनाने को देखते हुए उन्नत एवं स्वास्थ्य तकनीकों के साथ मधुमक्खी पालन में कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित किया गया।

इंटर्नशिप

निम्नलिखित क्षेत्रों में इंजीनियरिंग छात्रों को इंर्टनशिप सुविधाएँ प्रदान की गई :

- सततयोग्य गृह निर्माण तकनोलॉजी
- ग्रामीण आजीविका प्रौद्योगिकी
- सोलार डीहैड्रेशन तकनोलॉजी के द्वारा खाद्य प्रक्रमण
- नवीनीकृत ऊर्जा तकनोलॉजी

अंतरर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों का आर टी पी दौरा

आरटीपी में प्रदर्शित सभी तकनोलॉजी से एन आई आर डी पी आर के सभी अंतरर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों को परिचित कराया गया । प्रतिभागियों के साथ उनकी रुचि वाले क्षेत्र में देश की आवश्यकता के आधार पर अंतरण हेतु काफी चर्चा भी की गई और आवश्यक मार्गनिर्देश भी दिए गए ।

अन्य प्रशिक्षण संस्थाओं के प्रतिभागियों का आर टी पी का दौरा

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनो जैसे - विभिन्न आई सी ए आर संस्थाओं, निम्समें, नार्म, मैनेज, एनआईपीएचएम, एएससीआई इत्यादि विभिन्न कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को उनके पाठ्यक्रम के दौरान आधे दिवस का आरटीपी प्रौद्योगिकी दौरा करवाया गया तथा प्रौद्योगिकियों की जानकारी दी गई ।

एन जी ओ / अन्य संस्थाओं के सहयोग से प्रशिक्षण

एन जी ओ जैसे - ''अमृता सर्वे'' पहल (माता अमृतामंदामयी मठ) अम्मा फाऊण्डेशन, आर्ट आफ लिविंग के प्रतिनिधि एवं आर टी टी एकॉलोजी केन्द्र, अनंतपुर इत्यादि द्वारा गांवों में आजीविका क्रियाकलापों को बढ़ावा देने जैसे गुडीपाटी चेरुवु, वेंकटपल्ली, कृष्णागिरी एवं आ.प्र. में कोडुरु, श्रीरामनगर चिंचोडे एवं तेलंगाना में कोडुरु में गहन रुचि को देखते हुए उन्हें विभिन्न आजीविका क्रियाकलापों में कौशल विकास कार्यक्रम उपलब्ध कराया गया एवं इस सहयोग को मजबूत करने के सतत प्रयास किए जा रहे है ।

मैनेज, हैदराबाद के सहयोग से ए सी ए बी सी कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित किया गया ।

विभिन्न प्रदर्शनियों में ग्रामीण तकनॉलोजी का प्रदर्शन एवं प्रदर्शनी

ग्रामीण तकनॉलोजी पर जागरुकता सृजन करने हेतु ग्रामीण प्रौद्योगिकी की प्रदर्शनी और प्रदर्शन की प्रक्रिया में आरटीपी ने विभिन्न प्रदर्शनियों में सहभाग किया जैसे - मैसूर में 104 वॉ एडिशन ऑफ इंडियन सायंस कांग्रेस, एन आई पी एच एम, राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, प्रो. जयशंकर तेलंगाना स्टेट एग्रिकलचरल युनिवर्सिटी, वालमतरी प्रगति मैदान इत्यादि।

अतिथिगण

वर्ष के दौरान विभिन्न राज्यों, कॉलेजो, स्कूलों संगठनों से 9022 व्यक्तियों ने आरटीपी का दौरा किया । श्रेणीवार आगन्तुकों को सारणी 5 एवं 6 में दिया गया है ।

सारणी 1 : वर्ष 2015-16 के दौरान आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	पुरुष	महिला	कुल
1	पत्तों की प्लेट बनाना (बी सी एम) पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	15-17 अप्रैल, 2015	25	--	25
2	वर्मिखाद (बी सी एम) पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	16-18 मई, 2015	24	11	35
3	सोलर स्ट्रीट लाईट एसेम्बलिंगपर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	21-24 जुलाई, 2015	07	--	07
4	मड ब्लॉक एवं पत्ते की प्लेट बनाना पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	3-8 अगस्त, 2015	02	04	06
5	पत्तों की प्लेट बनाना पर प्रशिक्षण	6-21 अगस्त, 2015	--	32	32
6	सोलार उत्पाद संग्रहण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	10-22 अगस्त, 2015	29	13	42
7	सोया उत्पाद पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	30 सितंबर से 3 अक्तूबर, 2015	02	27	29
8	गृह आधारित उत्पादों पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	6 से 9 नवंबर, 2015	11	17	28
9	कुकुरमुत्ता कृषि एवं कुकुरमुत्ता उत्पादों पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	13 से 16 अक्तूबर, 2015	13	02	15
10	पत्तों की प्लेट बनाना पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	28 से 30 अक्तूबर, 2015	27	14	41
11	तेलंगाना पुलिस विभाग के लिए कृमिखाद पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	2 से 3 नवंबर, 2015	07	--	07
12	तेलंगाना पुलिस विभाग के लिए कृमिखाद पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	4-5 नवंबर, 2015	08	--	08
13	लागत प्रभावी आवास तकनोलॉजी एवं मड ब्लॉक बनाना पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	16-19 नवंबर, 2015	18	05	23
14	सोलार स्ट्रीट लाईट्स एवं रखरखाव पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	30 नवंबर, 14 दिसम्बर, 2015	24	02	26

(जारी...)

15	ग्रामीण उद्यमों पर स्थापित कृषि उद्यमीकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण सह कार्यशाला	30 नवम्बर से 2 दिसम्बर, 2015	10	--	10
16	''सोलार स्ट्रीट लाईट्स एवं रखरखाव'' पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	11-14 जनवरी, 2016	5	9	14
17	''पत्तों की प्लेट बनाना'' पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	9-13फरवरी, 2016	30	--	30
18	गृह आधारित उत्पादों पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	16-19 फरवरी, 2016	8	14	22
19	कृमिखाद एवं नीम उत्पादों पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	17-19 फरवरी, 2016	15	03	18
20	''लागत प्रभावी आवास तकनोलॉजी'' पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	24-27 फरवरी, 2016	25	04	29
21	''ग्रामीण प्रौद्योगिकी पर कृषि उद्यमियों के लिए कार्यशाला'' पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	29 फरवरी से 2 मार्च, 2016	16	--	16
22	''हस्तनिर्मित पेपर बैग बनाना'' पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	2 से 5 मार्च, 2016	0	12	12
23	''कुकुरमुत्ता कृषि एवं कुकुरमुत्ता उत्पादों'' पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	3से 5 मार्च, 2016	11	08	19
24	''पत्तों की प्लेट बनाना'' पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	3 से 5 मार्च, 2016	0	13	13
25	''प्राकृतिक रंगाई'' पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	9 से 19 मार्च, 2016	12	03	15
26	''आवास तकनोलॉजी''पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	28 मार्च से 4 अप्रैल, 2016	22	0	22
	प्रशिक्षार्थियों की कुल संख्या	**351**	**193**	**544**	

सारणी 2 : परिचयात्मक दौरा

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	पुरुष	महिला	कुल
1	विजियानगरम के कोत्तपल्ली गांव के लिए परिचयात्मक दौरा	1-2 अप्रैल, 2015	10	14	24
2	चिंचोडु गांव, महबूबनगर के लिए परिचयात्मक दौरा	16-17 जून, 2015	12	10	22
3	कोत्तापल्ली, डब्ल्यू एल गांव के लिए परिचयात्मक दौरा	18-19 जून, 2015	23	07	30
4	कोडुरु गांव विशाखापट्टणम के लिए परिचयात्मक दौरा	30 जून से 1 जुलाई, 2015	04	18	22
5	संगेम गांव, महबूबनगर के लिए परिचयात्मक दौरा	1-2 जुलाई, 2015	34	--	34
6	आई टी डी ए, भद्राचलम, खम्मम जिला के दल हेतु परिचयात्मक दौरा	16 से 17 अक्तूबर, 2015	11	6	17
7	वेंकन्नापुरक, नेल्लूर के लिए परिचयात्मक दौरा	5-6 नवम्बर, 2015	33	--	33
8	श्रीराम नगर, मोइनाबाद के लिए परिचयात्मक दौरा	7 नवम्बर, 2015	02	30	32
	अतिथियों की कुल संख्या		**129**	**117**	**246**

सारणी 3 : कार्यशाला

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	पुरुष	महिला	कुल
1	कचरा, जल एवं ऊर्जा प्रौद्योगिकी में नवोन्मेषण पर कार्यशाला	13-14 जुलाई, 2015	22	8	30
2	पी टी एफ के ग्रामीण युवाओं के लिए ग्रामीण प्रौद्योगिकी पर कार्यशाला	4 अगस्त, 2015	56	14	70
3	ग्राम अभिग्रहण एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी पर कार्यशाला	22-23 मई, 2015	32	5	37
	कुल		**110**	**27**	**137**

सारणी 4 : आरटीपी तकनीकी साझेदारी द्वारा भुगतान आधारित कौशल प्रशिक्षण

क्र.सं.	युनिट का नाम	वर्ष	प्रतिभागियों की संख्या
1	उत्तम इंडस्ट्रीज	2015-16	29
2	मधुमक्खी पालन		12
3	अन्नपूर्णा कुटीर उद्योग		35
4	हस्तनिर्मित पेपर यूनिट		05
5	कृमि खाद		01
	प्रतिभागियों की कुल संख्या		**82**

सारणी 5 : आरटीपी में अतिथियों की श्रेणियां

क्र.सं.	संगठन का नाम	कुल
1	गांवों से अतिथिगण	900
2	स्कूलों से अतिथिगण	1926
3	कॉलेज से अतिथिगण	2650
4	संस्थागत अतिथिगण	1696
5	एन आई आर डी पी आर से अतिथिगण	1319
6	अंतरराष्ट्रीय अतिथिगण	179
7	सरकारी अतिथिगण	337
8	प्रतिनिधिगण	6
9	माननीय मंत्रीगण	9
	कुल	**9022**

सारणी 6 : आरटीपी उच्च पदाधिकारी का दौरा

क्र.सं.	दिनांक	उच्च पदाधिकारी
1	13-6-2015	श्री निहालचंद, माननीय केन्द्रीय पंचायती राज राज्य मंत्री, भारत सरकार
2	26-6-2015	श्री रेड्डी सुब्रमण्यम, संयुक्त सचिव, एम ओ आर डी
3	17-7-2015	श्रीमती मीनाक्षी राजगोपाल, आई ए एस, प्रमुख सचिव, आयुक्त, ग्रा.वि.
4	7-9-2015	डॉ. रमेश देशपांडे, सी ई ओ, इंडिया एग्रिकल्चर ग्रूप इंटरनेशनल, यू एस ए
5	18-11-2015	संसदीय परामर्शी कमेटी का दौरा
6	24-11-2015	श्री अमोद के कांत, महा सचिव, प्रयास, जे ए सी सोसाईटी, नई दिल्ली (पूर्व पुलिस महानिदेशक अरुणाचल प्रदेश)
7	28-1-2016	नामिबियन रिपब्लिक से नामिबिया शिष्टमंडल
8	30-1-2016	संसदीय स्थायी समिति का दौरा
9	19-2-2016	प्रमुख सचिव, गुजराज का दौरा
10	19-3-2016	महामहिम आचारी देवरथ, माननीय राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश का दौरा
11	31-3-2016	श्री के.एन. कुमार, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, एन एफ डी बी का दौरा
12	6-8-2016	श्री टी लिंगवा, संयुक्त सचिव, समुदाय एवं ग्रामीण विकास एवं निदेशक, एस आई आर डी, मेघालय

चित्र 1 : 2015 - 16 के दौरान आर टी पी का दौरा

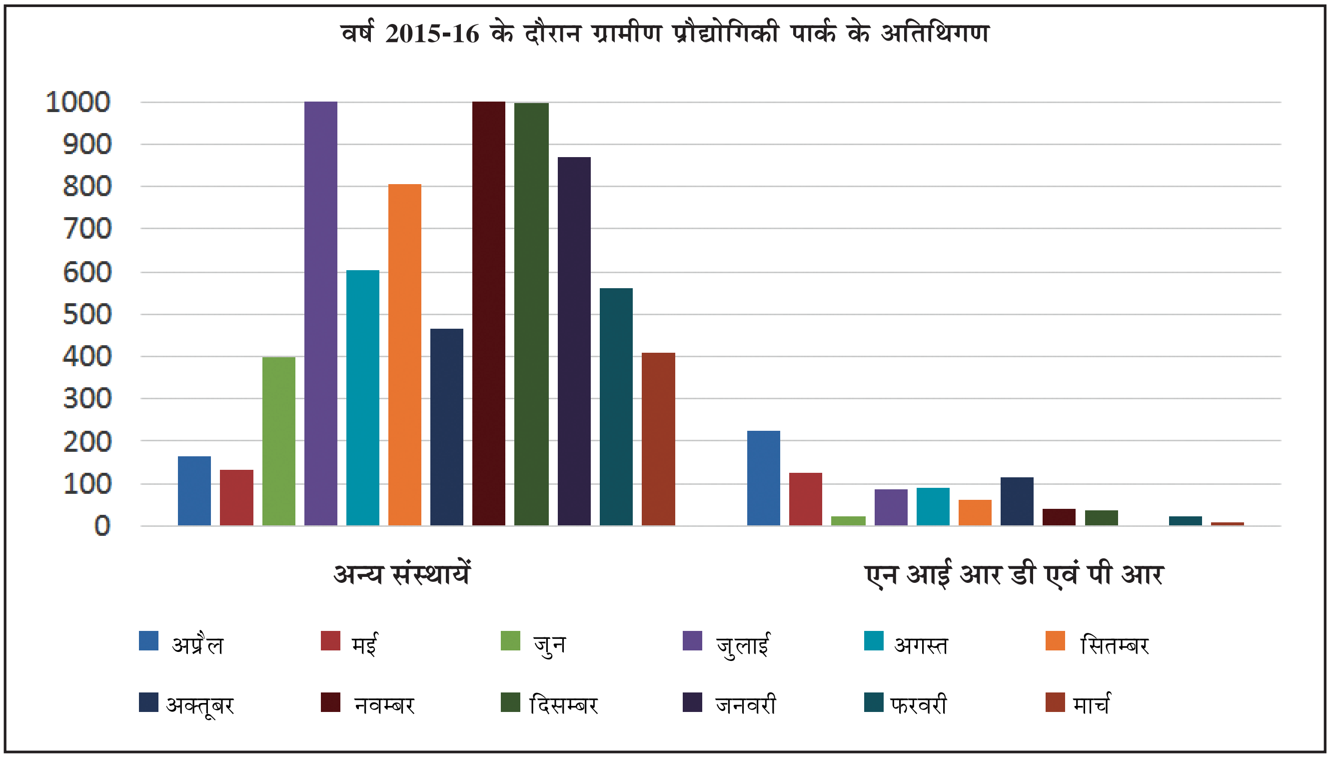

चित्र 2 : वर्ष 2015-16 के दौरान आरटीपी में कौशल प्रशिक्षण

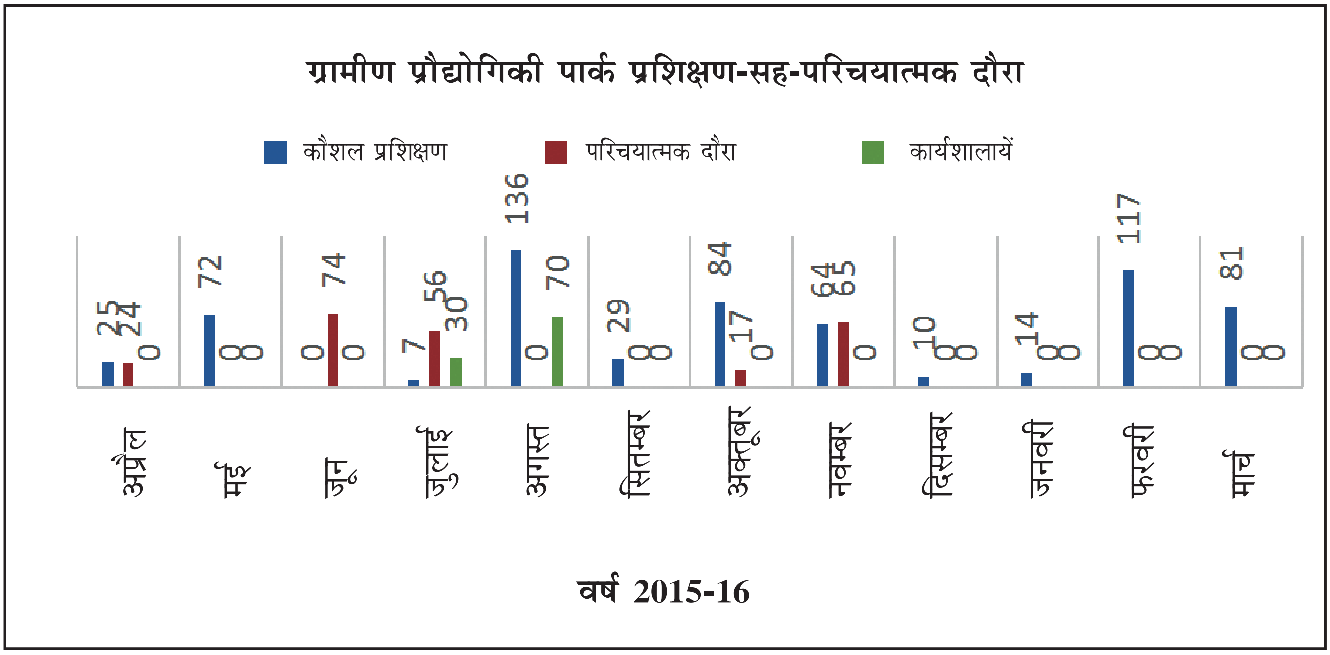

चित्र 3 : वर्ष 2015-16 के दौरान उद्यमशीलता कौशल प्रशिक्षण - 2015-16

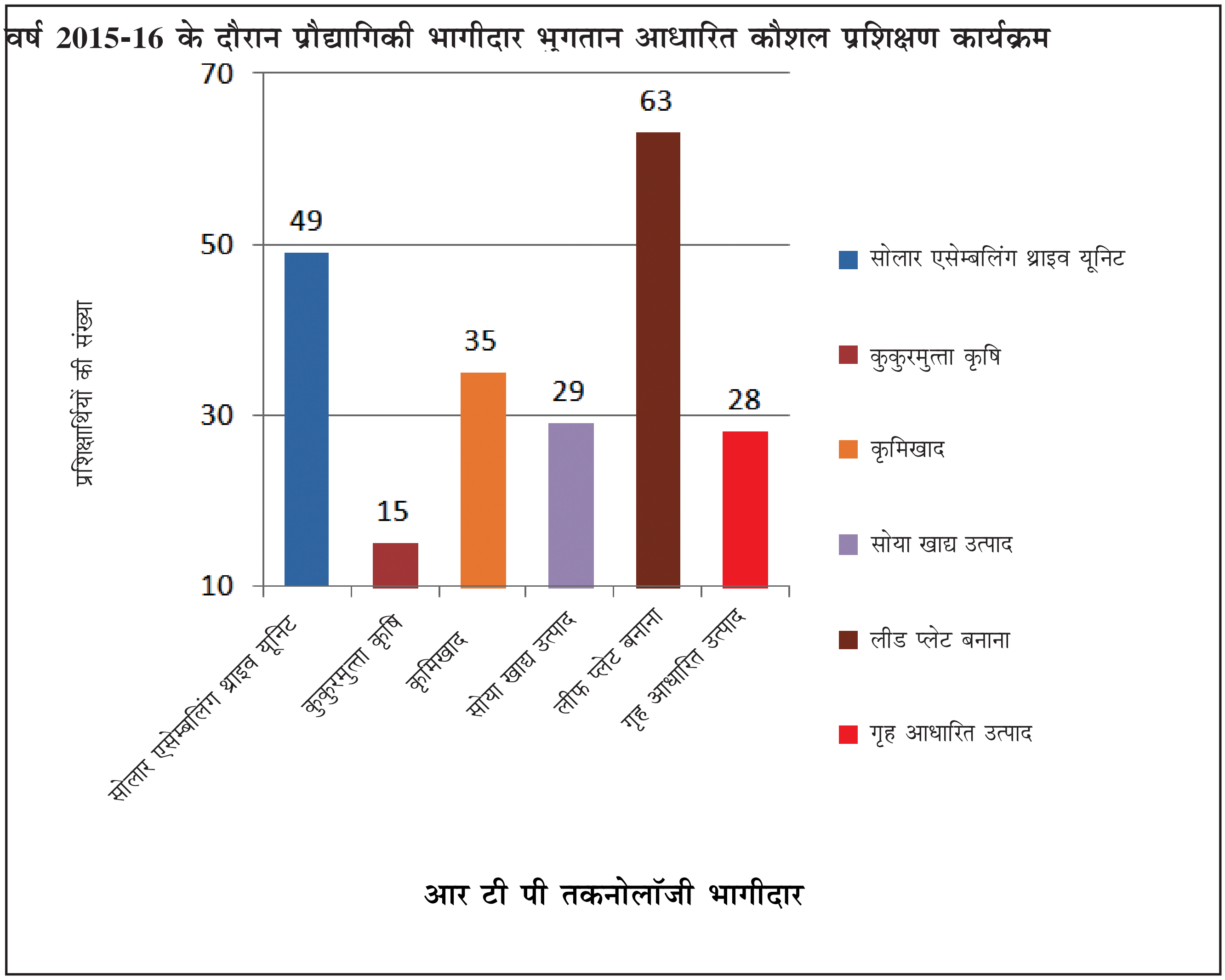

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा वर्ष 2015-16 के दौरान आर टी पी ने नये कार्यो को निम्नलिखित रुप में दर्शाया गया है ।

बिट्स पिलानी, हैदराबाद कैम्पस में कार्यशाला के दौरान सोलार तकनोलॉजी की प्रदर्शनी

किरामल गांव में सोलार स्ट्रीट लाइट्स संस्थापना

बिहार के नराह गांव में सोलार स्ट्रीट लाईट की संस्थापना

कडपा, आन्ध्र प्रदेश में सोलार एसेम्बलिंग यूनिट

तेलंगाना के खम्मम जिला में भद्राचलम, आई टी डी ए क्षेत्र में सोलार एसेम्बलिंग यूनिट

सोलार लालटेन एसेम्बलिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

13-8-2015 के आर टी पी में मड ब्लॉक बनाना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

आर टी पी दिल्ली पब्लिक स्कूल के बच्चों का दौरा

13-8-2015 को आर टी पी में सोलार युनिट के उद्घाटन अवसर पर श्री श्रीधर, निदेशक, बी एल ई के साथ श्रीमती चंदा पंडित, रजिस्ट्रार परिचर्चा करते हुए

श्रीमती दवे द्वारा वी एल ई सोलार यूनिट का उद्घाटन

श्री टी एल शंकर, आई ए एस (सेवा निवृत्त) द्वारा 28-05-2015 को अप्पापुर आदिवासी गांव के ग्रामवासियों के साथ परिचर्चा

अप्पापुर आवास में सोलार होम लाईटिंग सिस्टम की संस्थापना (तेलंगाना में अमराबाद आईगर रिजर्व वन में दूरस्थ आदिवासी चेंचु गांव)

आर टी पी युनिटों में अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों का दौरा

अध्याय 10

शैक्षणिक कार्यक्रम

ग्रामीण विकास प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी जी डी आर डी एम)- एक वर्षीय आवासीय कार्यक्रम

वर्ष 2015-16 के लिए सी पी जी एस एवं डी ई ने ग्रामीण विकास प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी जी डी आर डी एम) के साथ-साथ दो कार्यक्रम आयोजित किए । पी जी डी आर डी एम बैच-10, 16 अगस्त, 2015 से आरम्भ होक 31 जुलाई, 2016 को समाप्त हुआ । बैच-11 , 6जनवरी, 2016 को आरम्भ हुआ तथा 31 दिसम्बर, 2016 को समाप्त होगा ।

1. पी जी डी आर डी एम, 2015-16 (बैच-10) में 47 छात्रों को प्रवेश दिया गया जो देश के विभिन्न भागों जैसे मध्य भारत, दक्षिण भारत, उत्तर-पूर्व, उत्तरी भारत, पूर्वी भारत, एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे एफ्रो एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (आर्डो) तथा एशिया एवं पैशिफिक के लिए समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र (सिर्डाप) द्वारा प्रायोजित सेवाकालीन 9 छात्रों को प्रवेश दिया । इनमें से 14 लड़कियाँ और बाकी लड़के है जिनकी शैक्षणिक योग्यताएँ भिन्न-भिन्न है। अंतर्राष्ट्रीय छात्र नाईजिरिया, सूडान, वियतनाम, घाना, इंडोनेशिया, ईराक, बंग्लादेश, म्यांमार, और फिलिपाईंस से है ।

2. पी जी डी आर डी एम, 2016 (बैच-11) में उन छात्रों को प्रवेश दिया गया जो देश के विभिन्न भागों जैसे मध्य भारत, दक्षिणी भारत, उत्तर-पूर्व, उत्तरी भारत, पूर्वी भारत से आए है । इनमें से 10 लड़कियाँ और शेष लड़के है जिनकी शैक्षणिक योग्यता भिन्न-भिन्न है।

दोनो ही बैच में लगभग 8 प्रतिशत छात्र कृषि विज्ञान (जैसे कृषि, बागवानी, पशु चिकित्सा), विज्ञान क्षेत्र से 15 प्रतिशत, कला से 25 प्रतिशत तथा बाकी 52 प्रतिशत व्यावसायिक कोर्स जैसे:- बी.टेक, एम बी ए, बी बी ए , बी सी ए से थे । भारतीय छात्रों का चयन अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा, समूह परिचर्चा तथा वैयक्तिक साक्षात्कार के आधार पर किया गया ।

पाठ्यक्रम

तीन ट्राईमेस्टर कार्यक्रम में क्लासरुम घटक, क्षेत्र संबंद्धता (एफ ए) घटक एवं ट्राईमेस्टर अंतिम परीक्षा के साथ-साथ आवधिक परीक्षाएँ, कार्य आबंटन, परियोजना रिपोर्टस और अंतिम परीक्षा आदि सम्मिलित है । क्लासरुम घटक में तीन ट्राईमेस्टर होते है तथा एफ ए घटक ट्राईमेस्टर ।। तथा ट्राईमेस्टर ।।। में छ:हफ्तों का होता है। कार्यक्रम में पाठ्यक्रम के कुल 52.5 क्रेडिट है ।

क्षेत्र संबद्धता (एफ ए) तथा ग्रामीण संगठनात्मक इंटर्नशिप

पी जी डी आर डी एमबैच 9 के छात्रों को 17 अगस्त से 1 अक्तूबर 2015 तथा बैच 10 के छात्रों को 1 मार्च से 15 अप्रैल 2016 तक छह सप्ताह के लिए क्षेत्र संबंद्धता या ग्रामीण संगठनात्मक इंटर्नशिप संचालित किया गया ताकि छात्रों को ग्रामीण समाज की गहन समस्याओं और उसकी सक्रियता से अवगत कराया जा सके । इंटर्नशिप घटक में संस्थाओं संगठनात्मक संरचना, संगठनात्मक संस्कृति प्रबंध सिस्टम, एच आर डी, वित्त विपणन, मूल्य जोड़ आदि सम्मिलित है :- (i)भारतीय एग्रो इंडस्ट्रीज फाउंडेशन (बी ए आई एफ) (ii) सी एस वी वर्धा - (iii) हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एच एस आर एल एम) (iv) इन्फ्रास्ट्रक्चर लिजिंग एंड फाइनेनशियल सर्विसेज लि. (आईएलएवंएफएस) (v) झारखंड राज्य आजीविका विकास सोसाइटी (जेएसएलपीएस) (vi) एमवाईआरएडीए (vii) ओडीशा आजीविका मिशन (ओ एल एम) ओडीशा (viii) राजस्थान राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (राजीविका) (ix) ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क, एन आई आर डी एवं पी आर (x) एस आई आर डी ,मेघालय (xi) एस ई आर पी , तेलंगाना (xii) पश्चिम बंगाल राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (xiv) उत्तरांचल राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, (डब्ल्यूएस आर एल एम) (xv)मेघालय राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एम एस आर एल एम) (xvi) महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एम एस आर एल एम) (xvii) असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, (xviii) आई सी आई सी आई फाऊंडेशन ।

क्षेत्र दौरे पर पी जी डी आर डी एम छात्र

फोरम प्रस्तुतीकरण

शिक्षण अभ्यास के भाग के रुप में पी जी डी आर डी एम के 10 वें और 11वें बैच के छात्रों के लिए ग्रामीण विकास के क्षेत्र में विशेषज्ञों का फोरम प्रस्तुतीकरण आयेजित किया गया, जिसकी विस्तृत जानकारी निम्नानुसार है :-

1. डॉ. दवे इरविन - हलीलडे, प्रोफेसर, एमीरिटस, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलगरी, फाऊंडर एंड एक्सीक्यूटिव चेयरमैन, 13 अप्रैल, 2015.
2. श्री एस एम विजयानंद, सचिव ग्रामीण विकास और पंचायती राज, भारत सरकार
3. श्री के. राजेश्वर राव, आई ए एस, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव, त्रिपुरा, त्रिपुरा सरकार , 21 जुलाई, 2015
4. प्रोफेसर जी रमा चंद्रुडू, पूर्व डीन, सी डी सी एवं पूर्व निदेशक, एकेडेमिक स्टॉफ कॉलेज 1 वर्तमान में वरिष्ठ अधिसदस्य आर्थिक विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय 20 अक्तूबर, 2015
5. डॉ. के. वी. अचलापति कॉमर्स प्रोफेसर एवं अपर निदेशक, डायरेक्टोरेट ऑफ प्लेसमेंट सर्विसेज उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद 19 जनवरी, 2016
6. श्री आर सी एम रेड्डी, प्रबंध निदेशक, इन्फ्रास्ट्रक्चर लिजिंग एवं फाईनानशियल सर्विसेस लिमिटेड, (आई एल एवं एफ एस) नई दिल्ली आदि

श्री आर सी एस रेड्डी, आई ए एस, प्रबंध निदेशक (आईएल एवं एफएस)

पी जी डी आर डी एम : 2015-16 (बैच-9) पदस्थापना परिदृश्य

पी जी डी आर डी एम : (बैच 8) पदस्थापन को 27 अप्रैल 2015 से 2मई 2015 के दौरान आयोजित किया गया ।बैच 9 के लिए पदस्थापना कार्य 26 से 31 अक्तूबर 2015 के दौरान आयोजित किया गया । प्रतिष्ठित संगठनों ने कैम्पस पदस्थापन कार्यक्रम में सहभाग किया । बैच 9 के 35 पी जी डी आर डी एम छात्रों में से सभी छात्रों को पदस्थापित किया गया। दोनो बैच के पदस्थापन कार्यक्रम में भाग लेने वाले संगठन है (i) डी डी यू जी के वाई (ii) आई एल एवं एफ एस (iii) झारखंड राज्य आजीविका विकास सोसाईटी (जे एस एल पी एस) (iv) ओडिशा आजीविका मिशन (v) बी आर एल पी (vi) राजस्थान एस आर एल एम (vii) आई सी ए (viii) दिशा फाऊंडेशन (ix) मेघालय एस आर एल एम आदि ।

पी जी डी आर डी एम 2014 : बैच 9 के लिए डिप्लोमा अवार्ड समारोह

9 जनवरी, 2016 को एन आई आर डी एवं पी आर के पी जी डी आर डी एम बैच 9, 2015 के लिए डिप्लोमा अवार्ड

समारोह संपन्न हुआ । श्री जे रायमंड पीटर , आई ए एस, भूमि प्रशासन के मुख्य आयुक्त (सी सी एल ए) तेलंगाना सरकार, हैदराबाद समारोह के मुख्य अतिथि थे । श्री एस एम विजयानंद, आई ए एस, महानिदेशक एवं अध्यक्ष, शैक्षणिक समिति, एन आई आर डी एवं पी आर , पी जी डी आर डी एम ने डिप्लोमा अवार्ड कार्यक्रम की अध्यक्षता की ।

श्री जे. रेमण्ड पीटर और श्री एस. एम. विजयानन्द, आई ए एस, सचिव, एम ओ पी आर,गोल्डरिंग डिप्लोमा अर्वाडिंग सेरेमनी

उपयुक्त प्रौद्योगिकी और उद्यमशीलता पर दो वर्षीय सहयोगी एम टेक कार्यक्रम (ए टी ई)

केन्द्र ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश के सहयोग से उपयुक्त प्रौद्योगिकी और उद्यमशीलता पर दो वर्षीय एम टेक कार्यक्रम आरंभ किया । दूसरे बैच के पांच छात्र कार्यक्रम के तीसरे और चौथे सेमिस्टर मे है जो मई 2016 में समाप्त होगा । एन आई आर डी एवं पी आर ने उनके आवास के दौरान छात्र निम्न विषयों और उत्पादों पर कार्य करते है :-

0 युवा नौसिखियों के लिए मोबाईल अनुप्रयोग कार्य

0 प्रोवीटा (बढ़ते बच्चों के लिए कम मूल्य का एनर्जी खाद्य पदार्थ)

0 अगरतला में रबड़ उत्पादों का निर्माण (दस्ताने, रबड़, रबड़ बैंड)

0 उत्तर-पूर्व भारत में पर्यटन के लिए ऑन लाईन सेवा

0 अरुणाचल में जैविक अदरक का पेस्ट, पाऊडर और सूखा अदरक का निर्माण

डॉ. डब्ल्यू आर रेड्डी, आई ए एस, महानिदेशक, एन आई आरडी एवं पीआर एम-टेक छात्रों के साथ

दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम

एन आई आर डी पी आर के पुर्नसंरचना तथा स्कूल और केन्द्रों के गठन के लिए अलघ समिति की सिफारिशों के अनुसार दूरस्थ शिक्षा सेल को स्नातकोत्तर अध्ययन केन्द्र में विलय के पश्चात् पी जी अध्ययन और दूरस्थ शिक्षा केन्द्र के रुप में नया नाम दिया गया।

सी पी जी एस एवं डी ई द्वारा निम्नलिखित दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम का प्रस्ताव है

- सतत योग्य ग्रामीण विकास में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा
- आदिवासी विकास प्रबंध (पी जी डी टी डी एम) में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा
- ग्रामीण विकास में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा

दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम में नामांकित छात्रों की संख्या - वर्ष वार

पाठ्यक्रम	वर्ष	
	2015	2016
पी जी डी एस आर डी	142	184
पी जी डी टी डी एम	33	40
पी जी डी जी ए आर डी	-	124

2015 एवं 2016 के दौरान नामांकित छात्र

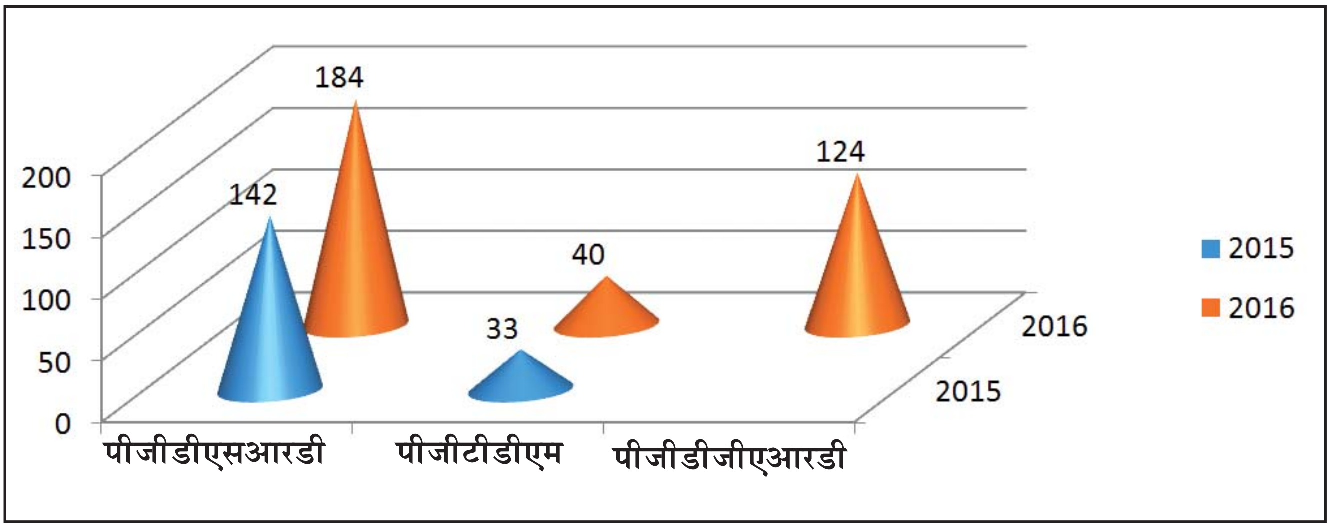

छात्र सहायता सेवा

केन्द्र , छात्रों को जानकारी प्राप्त करने और उससे संबंधित मुद्दों अर्थात् छात्रों की पाठ्य सामग्री जिसे डाक या मेल द्वारा भेजा जाता है में सहायता प्रदान करता है । मेल द्वारा भेजी गई पाठ्य सामग्री को छात्र डाऊनलोड कर रहे है । पी डी एफ फार्मेट में पाठ्य सामग्री प्रयोक्ता मैत्री है चूंकि स्मार्ट फोन, आई पैड, टैबलैट, लैपटॉप आदि के द्वारा इन सामग्री की विषय वस्तु को डाऊनलोड किया जा सकता है । अध्ययन केन्द्रो ने प्रत्येक वर्ष संपर्क सत्रों का आयोजन किया गया तत्पश्चात् सेमिस्टर अंतिम परीक्षा आयोजित की गई (जुलाई में प्रथम सेमिस्टर दिसंबर में द्वितीय सेमिस्टर)।

पीजीडीएसआरडी छात्रों का संपर्क सत्र एवं सेमिस्टर अंतिम परीक्षा

लैब सत्र मे पीजीडीजीएआरडी छात्र एवं सेमिस्टर अंतिम परीक्षा

ई-माड्यूल का विकास

वर्ष के दौरान एक समन्वित जलागम प्रबंध तथा दूसरा भारत में स्वच्छ जल मत्स्यिकी तथा मत्स्य पालन पर दो ई माड्यूल तैयार किए गए ।

कार्यशालाएँ / बैठकें

पी जी डी एस आर डी की वर्तमान मुद्रित पाठ्य सामग्री की समीक्षा करने के लिए एन आई आर डी पी आर में फरवरी 2016 में दूरस्थ शिक्षा सेल द्वारा एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई ।

अध्याय 11

एन ई आर डी एवं पीआर-उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी

प्रस्तावना

भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों की विशिष्ट आवश्यकताओं और क्षमताओं के लिए प्रशिक्षण तथा अनुसंधान क्रियाकलापों को अभिमुख करने के उद्देश्य से जुलाई, 1983 में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान के उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र एनआईआरडीपीआर - एनईआरसी की स्थापना की गई ।

श्री सुदर्शन भगत, माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री का एनआईआरडीपीआर-एनईआरसी, गुवाहाटी परिसर का दौरा

अधिदेश

क. वरिष्ठ विकास कार्यपालको के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, सम्मेलन, सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन करना ।

ख. स्वयं या अन्य एजेन्सी द्वारा अनुसंधान आरंभ, बढ़ावा और संयोजन करना ।

ग. ग्रामीण विकास, प्राकृतिक संसाधन प्रबंध, विकेन्द्रीकृत अभिशासन, आई टी अनुप्रयोग, पंचायती राज तथा संबद्ध मुद्दों के लिए कार्यक्रमों की योजना और कार्यान्वयन में होने वाली समस्याओं का विश्लेषण और समाधान करना ।

घ. संस्थान के मुख्य उद्देश्यों के प्रचार के लिए पत्रिका, रिपोर्ट और अन्य प्रकाशनों द्वारा सूचना का प्रचार प्रसार ।

प्रशिक्षण / कार्यशाला / सेमिनार

मुख्य ग्राहक समूह

- राज्य, जिला और खंड स्तर के सरकारी अधिकारी
- एन जी ओ कार्यपालक
- निर्वाचित प्रतिनिधिगण
- शिक्षाविद, आदि

निदेशक और एनईआरसी संकाय के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागीगण

ग्राहक / प्रतिभागियों का प्रकार (2015-16)

क्र.सं	प्रतिभागियो की श्रेणी	प्रत्येक श्रेणी मे प्रतिभागियो की संख्या
1.	सरकारी अधिकारी	1138
2.	जिला परिषद /पंचायती राज संस्थान/ग्रा.वि.खं./ वीसी कार्यकर्ता	47
3.	स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि	29
4.	राष्ट्रीय और राज्य स्तर के संस्थानों के विद्वान	122
5.	विश्वविद्यालय/कालेजो के संकाय सदस्य/अधिकारी	286
6.	अन्य	271
	कुल	**1893**

2015-16 के दौरान प्रशिक्षण कार्यशाला/सेमिनार के मुख्य क्षेत्र

- ग्रामीण आजीविका
- सांसद आदर्श ग्राम योजना (एसएजीवाई)
- स्वच्छ भारत मिशन
- ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के लिए दोहरी प्रविष्टि लेखाकरण पद्धति
- जलागम कार्यक्रमों की योजना और प्रबंध
- भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी
- ई-अभिशासन तथा मुक्त स्रोत आईसीटी अनुप्रयोग
- समन्वित जिला योजना
- बागवानी तथा पशु पालन
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम (एमजीएनआरईजीएस)
- इंदिरा आवास योजना (आईएवाई)
- ग्रामीण उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम
- अनुसंधान क्रियाविधि
- प्राकृतिक संसाधन प्रबंध
- भारत निर्माण और ग्रामीण उत्तर पूर्व
- प्रबंध विकास कार्यक्रम

बंकाकाटा ग्राम पंचायत, कामरुप जिला, असम के गॉंव में आईएवाई लाभार्थियों के साथ परिचर्चा

2015-16 के दौरान प्रशिक्षण कार्यों की विशिष्टताएँ

1893 प्रतिभागियों को शामिल करते हुए 3 कार्यशालाओं 5 सेमिनारों सहित 63 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें प्रत्येक कार्यक्रम की औसत प्रतिभागिता 30 प्रतिभागियों से अधिक थी । प्रत्येक कार्यक्रम में महिला प्रतिभागी तकरीबन 10 थी । क्षेत्र के विभिन्न एसआईआरडी में 11 ऑफ कैम्पस कार्यक्रम आयोजित किए गए । आयोजित कुल 63 कार्यक्रमों में से 50 कार्यक्रम एनआईआरडीपीआर द्वारा अनुमोदित कार्यक्रम थे तथा 13 कार्यक्रम प्रायोजित श्रेणी के थे । प्रशिक्षण कार्यक्रमों की मुख्य प्रायोजन एजेंसी मेघालय सरकार तथा एसएलएनए (आईडब्ल्यूएमपी) भारत असम थी ।

क्रम सं.	कार्यक्रम की श्रेणी	आयोजित कार्यक्रमों की संख्या	उपस्थित प्रतिभागियों की संख्या
1	एन आई आर डी एवं पी आर	50	1560
2	प्रायोजित	13	333
	कुल	**63**	**1893**

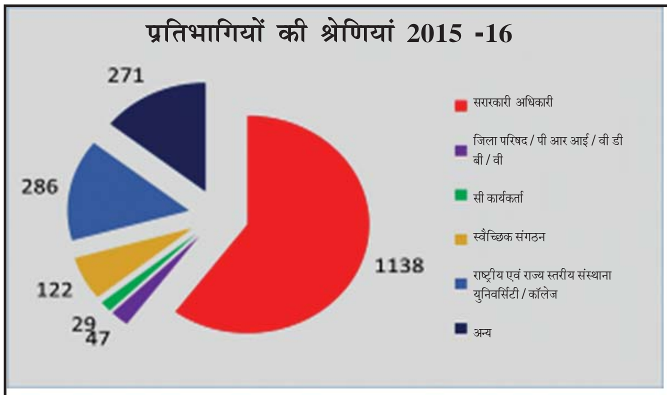

चार्ट - 1 : प्रतिभागियों की श्रेणी (2015-16)

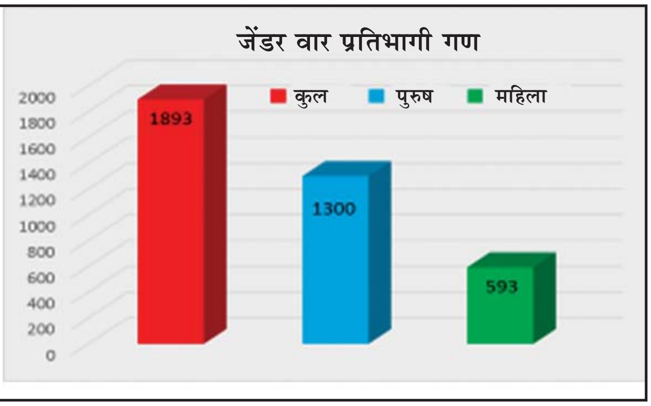

चार्ट - 2 : जेंडर वार प्रतिभागीगण (2015-16)

आईसीटी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान
एक कम्प्यूटर प्रायोगिक सत्र

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों
की समूह गतिविधि

परामर्शी सहित अनुसंधान

- एनईआरसी, उत्तर पूर्वी क्षेत्र की क्षेत्र विशिष्ट समस्याओं पर अनुसंधान आयोजित करता है ।
- एनईआरसी इस क्षेत्र के विभिन्न राज्यों में नैदानिक तथा कार्यक्रम उन्मुख अनुसंधान अध्ययन आयोजित करता है ।

2015-16 के दौरान अनुसंधान के मुख्य क्षेत्र

- आईडब्ल्यूएमपी, डीपीआर एवं मूल्यांकन
- ग्रामीण उद्यमशीलता को बढ़ावा
- ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा
- उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए जीआईएस आधारित आधारभूत संरचना डाटा बैंक

- ग्राम अभिग्रहण अध्ययन
- स्वायत्त जिला परिषदों के लिए जिला योजना
- पंचायती राज प्रणाली के अंतर्गत स्व-शासन

मोरीगॉव जिला, असम के गॉव में आयोजित पीआरए कार्य

2015-16 के दौरान अनुसंधान कार्यो की विशिष्टताएँ

2015-16 के दौरान एनआईआरडीपीआर, परामर्शी और कार्य अनुसंधान की श्रेणियों के अंतर्गत **19** अनुसंधान अध्ययन आयोजित किए गए जिसमें से 12 सम्पूरित हो गये और 2015-16 के दौरान 7 सम्पूर्णता के विभिन्न चरणों पर है । अनुसंधान परियोजनाओं की स्थिति नीचे दी गई ।

क. सम्मूपित अनुसंधान / कार्यानुसंधान अध्ययन :

i सम्पूरित एनआईआरडीपीआर अध्ययन (2015-16) : 04

क्र. सं.	अनुसंधान परियोजना का नाम	प्रारंभिक तिथि	संपूरित होने की तिथि	परियोजना निदेशक / दल	प्रायोजक एजेंसी
1	एशिया के स्वच्छतम ग्राम की सफल कहानी मेघालय के मावलीनांग का एक अध्ययन	10 मार्च, 2015	30 जून, 2015	डॉ.आर.एम. पंत डॉ. एम.के. श्रीवास्तव	एनआईआरडी पीआर
2	स्वायत्त जिला परिषदो (एडीसी) के तहत जिला योजना का एक मामला अध्ययन	11 जनवरी, 2016	30 मार्च, 2016	डॉ. एम.के. श्रीवास्तव डॉ.आर.एम. पंत	एनआईआरडी पीआर
3	पंचायती राज प्रणाली के तहत स्व-शासन संस्थानों का समन्वय एवं कार्य: उत्तरी सिक्किम के लाचेन और लाचुंग ग्रामो का एक मामला	11 जनवरी, 2016	30 मार्च, 2016	डॉ.आर.एम. पंत डॉ. एम.के. श्रीवास्तव	एनआईआरडी पीआर
4	उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए पीआईएस आधारित आधारभूत डाटा बैंक का विकास	अप्रैल, 2015	जून, 2015	डॉ. एन.एस. आर. प्रसाद	एनआईआरडी पीआर

ii. संपूरित परामर्शी अध्ययन (2015-16) : 06

क्र. सं	अनुसंधान परियोजना का नाम	प्रारंभिक तिथि	संपूरित होने की तिथि	परियोजनानिदेशक / दल	प्रायोजक एजेंसी
1	बैच VII (2015-16) के 46 आईडब्ल्यूएमपी पीपीआर का मूल्यांकन, असम	27/03/15	जुलाई, 2015	डॉ. के हलोई डॉ. एन.एस. आर. प्रसाद	एसएलएन ए, आईडब्ल्यू एमपी, असम
2	बैच IV (2012-13) के 50 आईएमडब्ल्यूपी डीपीआर का मूल्यांकन, असम	27/03/15	अगस्त, 2015	डॉ. के हलोई डॉ. एन.एस. आर. प्रसाद	एएसएलएन ए, आईडब्ल्यू एमपी, असम
3	नागालैंड के 11 जिलो में 22 आईडब्ल्यूएमपी बैच-I परियोजना के समन्वित चरण क्रियाकलापों का मूल्यांकन	8/09/14	अगस्त, 2015	डॉ. के हलोई डॉ. एन.एस. आर. प्रसाद	एएसएलएन ए, आईडब्ल्यू एमपी, नागालैंड

(जारी...)

क्र. सं	अनुसंधान परियोजना का नाम	प्रारंभिक तिथि	संपूरित होने की तिथि	परियोजनानिदेशक / दल	प्रायोजक एजेंसी
4	आईडब्ल्यूएमपी डीपीआर कोकराझार-17 टिपकॉय वेस्ट की तैयारी के लिए जीआईएस समर्थन	22/05/15	नवम्बर, 2015	डॉ. के हलोई डॉ. एन.एस. आर. प्रसाद	डब्ल्यूसीडीसी, कोकराझार मृदा संरक्षण प्रभाग
5	बाक्सा जिला, असम में आई डब्ल्यूएमपी परियोजनाओं के लिए डाटा बेस एवं मानचित्र तैयार करने के जीआईएस समर्थन	6/02/15	सितम्बर, 2015	डॉ. के हलोई डॉ. एनएसआर प्रसाद श्री ए सिम्हाचलम	डब्ल्यूसीडीसी,कोकराझार मृदा संरक्षण प्रभाग
6	कोकराझार-18, लोवर सिल्य में आईडब्ल्यूएमपी डीपीआर की तैयारी में जीआईएस समर्थन	4/05/15	नवम्बर, 2015	डॉ. के हलोई श्री ए.सिम्हाचलम	डब्ल्यूसीडीसी, कोकराझार मृदा संरक्षण प्रभाग

iii. संपूरित कार्य अनुसंधान (2015-16) : 02

क्र. सं	अनुसंधान परियोजना का नाम	प्रारंभिक तिथि	संपूरित होने की तिथि	परियोजनानिदेशक / दल	प्रायोजक एजेंसी
1	आजीविका समूह दृष्टिकोण के द्वारा ग्रामीण उद्यमशीलता तथा उद्यमों को बढ़ावा कार्य अनुसंधान मे एक पायलट कार्य	नवम्बर, 2014	अगस्त, 2015	डॉ. के हलोई डॉ. रत्माभुइय	एनआईआरडीपीआर हैदराबाद
2	नलबारी जिला, असम के कठोरा राजस्व ग्राम में उन्नत मत्स्यपालन पद्धतियों को अपनाते हुए जल स्रोत के प्रभावी उपयोग द्वारा ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा	अक्तूबर, 2014	फरवरी, 2016	डॉ. के हलोई श्री ए.सिम्हाचलम	एनएफडीबी, हैदराबाद

केन और बांस प्रौद्योगिकी केन्द्र, मेघालय में क्षेत्र कार्य

ख. प्रगतिपरक अनुसंधान / कार्यअनुसंधान / परामर्शी अध्ययन

i. प्रगतिपरक एनआईआरडीपीआर अध्ययन (2015-16) : 03

क्र. सं	अनुसंधान परियोजना का नाम	प्रारंभिक तिथि	संपूरित होने की तिथि	परियोजना निदेशक / दल	प्रायोजक एजेंसी
1	ग्राम अभिग्रहण अध्ययन (हथीउथा राजस्व ग्राम मोरीगॉव जिला)	मार्च, 2013	चालू	डॉ. के हलोई	एनआईआरडीपीआर हैदराबाद
2	ग्राम अभिग्रहण अध्ययन (कठोरा राजस्व ग्राम नलबारी जिला)	मार्च, 2013	चालू	डॉ. के हलोई श्री ए.सिम्हाचलम	एनआईआरडीपीआर हैदराबाद
3	ग्राम अभिग्रहण अध्ययन (जजीकोना राजस्व ग्राम कामरुप ग्रामीण जिला)	मार्च, 2013	चालू	डॉ. के हलोई डॉ. एम.के. श्रीवास्तव	एनआईआरडीपीआर हैदराबाद

ii. परामर्शी अध्ययन प्रगति पर (2015-16) : 02

क्र. सं	अनुसंधान परियोजना का नाम	प्रारंभिक तिथि	संपूरित होने की तिथि	परियोजना निदेशक / दल	प्रायोजक एजेंसी
1	19 बैच - 2 आईडब्ल्यूएमपी परियोजनाओं का कार्य चरण मूल्यांकन	1/06/2015	चालू	डॉ. के हलोई	एसएलएनए, आईडब्ल्यूएमपी,असम
2	मेघालय के तीन बीआरजीएफ जिलों के लिए टीएसआई (2011-16 से 2016-17)	अक्तूबर, 2011	चालू	डॉ. के हलोई	डीसी, री-भोई, डीसीडब्ल्यूजी हिल्स एवं डीसी, एसजी हिल्स जिले

iii. प्रगतिपरक कार्य अनुसंधान (2015-16) : 02

क्र. सं	अनुसंधान परियोजना का नाम	प्रारंभिक तिथि	संपूरित होने की तिथि	परियोजना निदेशक / दल	प्रायोजक एजेंसी
1	हथीउथा जिला निवास योजना का सरलीकरण: ग्राम अभिग्रहण अध्ययन के तहत एक कार्य	सितम्बर, 2014	चालू	डॉ. के हलोई	एनआईआरडीपीआर हैदराबाद
2	कठोरा ग्राम विकास योजना का सरलीकरण : ग्राम अभिग्रहण अध्ययन के तहत एक कार्य	सितम्बर, 2014	चालू	डॉ. के हलोई	एनआईआरडीपीआर हैदराबाद

प्रतिभागियों का आरआरटीसी, मेघालय के वर्मीकम्पोस्ट यूनिट का दौरा

प्रकाशन

2015-16 के दौरान प्रकाशित पुस्तकें

क्र. सं	पुस्तक का नाम	पब्लीशर का नाम / आईएसबीएन सं	लेखक
1	डेवलेपमेंट पर्सपेक्टिव इन नार्थ ईस्ट इंडिया : ए हालिस्टिक ओवरव्यू	आकांश पब्लीशिंग हाऊस, नई दिल्ली (आईएसबीएन-978-81-461-8) (मुद्रण में)	डॉ. आर.एम. पंत डॉ. एम.के. श्रीवास्तव
2	उमेन एमपावरमेंट इन नार्थ ईस्ट इंडिया : कानटेक्सट् एंड कनर्सन	लक्षी पब्लीशर एंड डिस्ट्रीब्यूटर, नई दिल्ली (आईएसबीएन-978-93-82120-91-9)	संपादक डॉ. एम.के. श्रीवास्तव

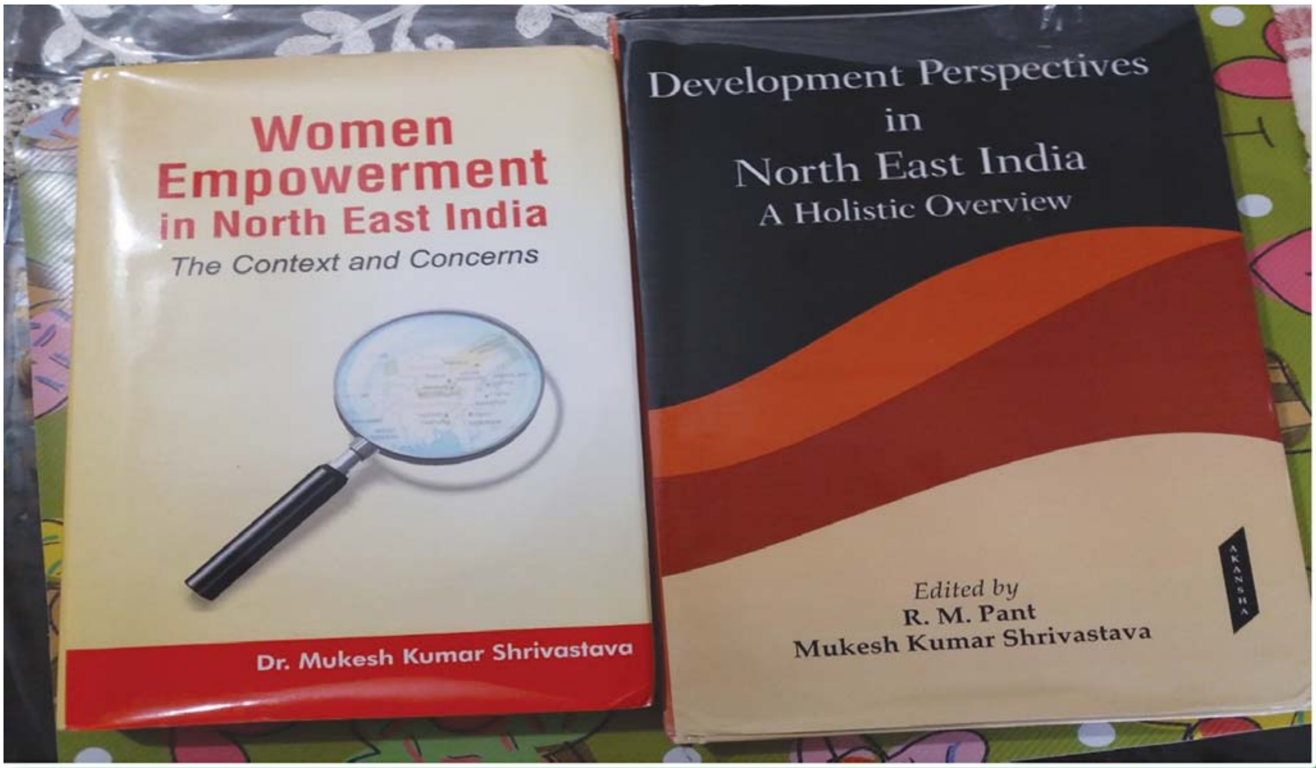

पुस्तकों का प्रकाशन

2015-16 के दौरान प्रकाशित प्रपत्र/ लेख

क्र. सं	प्रपत्र/ लेख का नाम	जर्नल का नाम/समाचार पत्र/पुस्तक का नाम/आईएसबीएन सं	लेखक
1	वोखा जिला, नागालैंड में आई डब्ल्यू एम पी के तहत यीखुम सूक्ष्म जलागम के प्राकृतिक संसाधन का जीआईएस आधारित मूल्यांकन	जिओइनफारमेटिक एप्लीकेशन फार नेचूरल रिसोर्स मेनेजमेंट नई दिल्ली (आईएसबीएन-978-81-461-8) (मुद्रण में)	डॉ. हलोई, डॉ. एन.एस.आर. प्रसाद श्री ए. सिम्हाचलम
2	ईश्वर के बगीचे, मावलीनांग में (हिन्दी)	ओपिनियन पोस्ट में प्रकाशित नवम्बर 1-15, 2015, नई दिल्ली	डॉ. आर.एम. पंत
3	अरुणाचल प्रदेश में विकासात्मक क्रियाकलापों के निजीकरण द्वारा ड्रीमस ऑफ एक्ट ईस्ट पॉलिसी	लूक ईस्ट पॉलिसी पर्सपेक्टिव फ्राम दी साऊथ ईस्ट एशियन आर्केटेक्चर पुस्तक में प्रकाशित प्रपत्र, संपादन ए. भट्टाचार्जी प्रकाशक एक्सेल इंडिया पब्लिकेशन, नई दिल्ली (2015)	डॉ. आर.एम. पंत आशा नैंनडींग एस चौधुरी
4	भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र के विकास हेतु ग्रामीण विकास स्कीमों का प्रचार	प्रपत्र को मुख्य व्याख्यान के रुप में प्रस्तुत कर एनईआर के विशेष संदर्भ में वित्तीय हस्तक्षेप तथा कौशल भारत द्वारा सतत ग्रामीण आजीविका पर यूजीसी - एसएपी राष्ट्रीय सेमिनार के कार्यवृत्त में प्रबंध विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित किया गया (4-5 मार्च, 2016)	डॉ. आर.एम. पंत
5	असम: नये सुअवसर	प्रपत्र को मुख्य भाषण के रुप में प्रस्तुत किया गया तथा टर्न मिररस इनटू विन्डोज : रिटोरिक ऑफ एक्ट ईस्ट पॉलिसी एंड बियांड पुस्तक में प्रकाशित जिसका संपादन अमित चौधुरी ने किया ।	डॉ. आर.एम. पंत

(जारी...)

क्र. सं	प्रपत्र/ लेख का नाम	जर्नल का नाम/समाचार पत्र/पुस्तक का नाम/आईएसबीएन सं	लेखक
6	वुमेन एन्टरप्राइजेस इन अरुणाचल : सनशाईन इन दी क्लाऊडस इन डेवलेपमेंट पर्सपेक्टिव इन नार्थ ईस्ट इंडिया : ए हालिस्टिक ओवरव्यू सम्पादक डॉ. आर.एम. पंत एवं डॉ.एम.के. श्रीवास्तव	आकांक्षा पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित (आईएसबीएन-978-81-8370-461-8) (मुद्रण में)	डॉ. आर.एम. पंत
7	तकनीकी मानवशक्ति को तैनात करते हुए पब्लिक - प्राईवेट क्षेत्रों की वृद्धि : अरुणाचल प्रदेश के लिए नीतिगत दृष्टिकोण	उत्तर-पूर्व भारत में विकास परिप्रेक्ष्य : समग्र पुनरावलोकन में प्रकाशित डॉ. आर.एम. पंत एवं डॉ. एम.के. श्रीवास्तव द्वारा संपादित, अकांक्षा पब्लिशिंग हाउस द्वारा प्रकाशित, नई दिल्ली (आईएसबीएन-978-81-8370-461-8) (मुद्रण में)	डॉ. आर.एम. पंत , एस. चौधुरी एवं संदीपा दत्त
8	भू-संसूचना का उपयोग करते हुए जल संचयन संरचना हेतु स्थल उपयुक्तता का विशलेषण	ग्रामीण विकास एवं सततयोग्य कृषि हेतु एकीकृत भूमि उपयोग योजना एप्पल एकॉडेमिक प्रेस द्वारा प्रकाशित, इंक्ल्यूजिव यूएसए सहित (आईएसबीएन-सं. 13 : 978-1-77188-1981-2) (मुद्रण में)	डॉ. एन.एस.आर. प्रसाद
9	भूमि उपयोग कवर में जलवायु परिवर्तन अध्ययन हेतु भू-संसूचना : सिंधुवल्लीपुरा जलागम, नंजागुडा तालुका, मैसूर जिला, कर्नाटक का मामला अध्ययन	सततयोग्य कृषि और ग्रामीण विकास हेतु एकीकृत भूमि उपयोग योजना एप्पल एकॉडेमिक प्रेस द्वारा प्रकाशित, इंक्ल्यूजिव यूएसए विथ सं. 13 : 978-1-77188-198-2)	डॉ. एन.एस.आर. प्रसाद
10	भूमि संसाधन विकास हेतु कृषि जलवायु योजना एवं सूचना बैंक के द्वारा क्षेत्र से ज्ञान प्रबंधन कार्य (ए पी आई बी)	सततयोग्य कृषि और ग्रामीण विकास हेतु एकीकृत भूमि उपयोग योजना एप्पल एकॉडेमिक प्रेस द्वारा प्रकाशित, इंक्ल्यूजिव यूएसए विथ सं. 13 : 978-1-77188-198-2)	डॉ. एन.एस.आर. प्रसाद

(जारी...)

क्र. सं	प्रपत्र/ लेख का नाम	जर्नल का नाम/समाचार पत्र/पुस्तक का नाम/आईएसबीएन सं	लेखक
11	उत्तर-पूर्व भारत में मैट्रिलिनी एवं महिला सशक्तिकरण की सक्रियता	उत्तर-पूर्व भारत में महिला सशक्तिकरण : संदर्भ और समस्याएँ, डॉ. एम.के. श्रीवास्तव, लक्ष्मी पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली आई एस बी एन - 978-93-82120-91-9	डॉ. एम.के. श्रीवास्तव
12	भू-संसूचना लैब प्रेक्टिस (जीएलपी) (बुक चाप्टर, ब्लॉक 2,3 एवं 4)	दूरस्थ शिक्षा सेल, एनआईआरडी एवं पीआर, हैदराबाद	डॉ. एन.एस.आर. प्रसाद

16-23 सितम्बर, 2015 के दौरान एन ई आर सी में हिन्दी सप्ताह का समापन समारोह

वर्ष 2015-16 के दौरान अन्य संस्थानों / विश्वविद्यालयों / विभागों / एजेंसियों द्वारा आयोजित एनआईआरडीपीआर - एनईआरसी के संकाय सदस्यों और अधिकारियों द्वारा सेमिनार /कार्यशाला / सम्मेलन / बैठक में सहभाग

क्र.सं.	सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/बैठक का नाम	संस्थान/स्थान आयोजक एवं दिनांक	संकाय/अधिकारी	उपस्थिति का उद्देश्य
सेमिनार				
1	उत्तर-पूर्व भारत के अनुसूचित और अनुसूचित जनजाति के लिए विजन डॉक्यूमेंट पर राष्ट्रीय सेमिनार - कल्याण आश्रम, असम द्वारा आयोजित	शिल्पग्राम, गुवाहाटी असम 7-9 अगस्त, 2015	डॉ.आर.एम. पंत	विशेष आमंत्रित
2	उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के विशेष संदर्भ के साथ वित्तीय हस्तक्षेप एवं स्कीलिंग इंडिया के द्वारा सततयोग्य ग्रामीण आजीविका को प्राप्त करना	तेजपुर विश्वविद्यालय, गुवाहाटी 4 मार्च, 2016	डॉ.आर.एम. पंत	अतिथि वक्ता
3	उत्तर-पूर्व भारत के अनुसूचित और अनुसूचित जनजाति के लिए विजन डाक्युमेंट पर राष्ट्रीय सेमिनार	कल्याण आश्रम, असम शिल्पग्राम, गुवाहाटी, असम 7-9 अगस्त, 2015	डॉ. एम.के. श्रीवास्तव	प्रपत्र प्रस्तुतीकरण एवं सत्र का मॉडर्नेशन
4	"भारत में ग्रामीण स्वच्छता पर राष्ट्रीय सेमिनार : उपलब्धियॉं, प्रवृत्तियां और चुनौतियॉं"	एनआईआरडी एवं पीआर, हैदराबाद 27-29 जनवरी, 2016	डॉ. एम.के. श्रीवास्तव	प्रपत्र प्रस्तुतीकरण एवं सत्र की अध्यक्षता
5	"प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन : तकनोलॉजी मुद्दों एवं विकल्प" पर राष्ट्रीय सेमिनार	एनआईआरडी एवं पीआर, हैदराबाद 18-19 मार्च, 2016	डॉ. एम.के. श्रीवास्तव	आयोजन एवं प्रपत्र प्रस्तुती
6	"सततयोग्य ग्रामीण विकास के लिए स्वदेशी ज्ञान प्रणाली" पर राष्ट्रीय कार्यशाला	एनआईआरडी एवं पीआर, हैदराबाद 18-19 जनवरी, 2016	डॉ. एम.के. श्रीवास्तव	आयोजक एवं प्रपत्र प्रस्तुती

(जारी...)

क्र.सं.	सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/बैठक का नाम	संस्थान/स्थान आयोजक एवं दिनांक	संकाय/अधिकारी	उपस्थिति का उद्देश्य
कार्यशाला				
1	"उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए ग्राम पंचायत विकास योजना" पर विशेष कार्यशाला पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित	एनआईआरडी एवं पीआर, एनईआरसी, गुवाहाटी 28-30 सितम्बर, 2015	डॉ. आर.एम. पंत	आमंत्रित
2	"उत्तर-पूर्व भारत में आदर्श गांव के निर्माण हेतु कार्य" पर कार्यशाला	एनआईआरडी एवं पीआर, एवं एनईआरसी, गुवाहाटी 11-12 सितम्बर, 2016	डॉ. आर.एम. पंत	विशेष आमंत्रित
3	एस आई आर डी-एन आई आर डी एवं पी आर की दूसरी संगोष्ठी	एस आई आर डी सिक्किम 14-15 मार्च, 2016	डॉ. आर.एम. पंत	अध्यक्ष
4	ग्राम पंचायत विकास योजना पर कार्यशाला	पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान अगरतला, त्रिपुरा, 3-4 दिसम्बर, 2015	डॉ. एन.एस.आर प्रसाद	अतिथि वक्ता एवं प्रपत्र प्रस्तुती
5	विकेन्द्रीकृत योजना के लिए आंतरिक्ष आधारित सूचना समर्थन पर क्षेत्रीय कार्यशाला	एनईएसएसी, उमियाम, शिलांग 7 दिसम्बर, 2015	डॉ. एन.एस.आर. प्रसाद	आमंत्रित
6	प्रापण प्रक्रिया एवं सॉफ्टवेयर पर कार्यशाला	एनईडीएफआई हाऊस, गुवाहाटी एनआईसी 1 जून, 2015	एस.के. घोष	अरुपज्योति शर्मा आमंत्रित
7	ग्रामीण विकास में मामला अध्ययन के विकास पर कार्यशाला	एनआईआरडी एवं पीआर, हैदराबाद 5-9 सितम्बर, 2015	डॉ. एम.के. श्रीवास्तव	माड्यूल विकास
8	"उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए ग्राम पंचायत विकास योजना" पर विशेष कार्यशाला	पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार एनआईआरडी एवं पीआर, एनईआरसी, गुवाहाटी 28-30 सितम्बर, 2015	डॉ. एम.के. श्रीवास्तव	सहभाग

(जारी...)

क्र.सं.	सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/बैठक का नाम	संस्थान/स्थान आयोजक एवं दिनांक	संकाय/अधिकारी	उपस्थिति का उद्देश्य
सम्मेलन				
1	''राईज विथ ईस्ट'' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय, 26-27 फरवरी, 2016	डॉ. आर.एम. पंत	पैनल के सदस्य एवं सत्र की अध्यक्षता
2	विकास - प्रेरित विस्थापन एवं स्थानांतरण, भूमि अर्जन एवं पुनर्समायोजन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	विकास अध्ययन केन्द्र, तिरुवनंतपुरम केरल के साथ अंतरराष्ट्रीय विकास अनुसंधान केन्द्र (आईडीआरसी) 3-4 मार्च, 2016	डॉ. एम.के. श्रीवास्तव	पेपर प्रस्तुती
बैठक				
1	ग्राम पंचायत स्तरीय योजना की तैयारी पर बैठक, पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित	एनआईआरडी एवं पीआर-एनईआरसी, गुवाहाटी 6 जून, 2015	डॉ. आर.एम. पंत	आमंत्रित
2	आईटी एवं संचार विभाग, नागालैण्ड सरकार द्वारा आयोजित ई-नागा शिखर सम्मेलन	कोहिमा, नागालैण्ड 15 मई, 2015	डॉ. आर.एम. पंत	पैनेल के सदस्य एवं स्रोत व्यक्ति
3	पीएचडी शोधार्थियों की प्रगति समीक्षा	युएसटीएम 18 अगस्त, 2015	डॉ. आर.एम. पंत	बाहरी विशेषज्ञ के रुप में
4	बहु स्टेकहोलडर हिमालय सततयोग्य विकास फोरम (एच एस डी एफ):जी बी पी एच ई डी कोसी-कटारमल, अल्मोड़ा द्वारा आयोजित	एनआईआरडीपीआर-एनईआरसी, गुवाहाटी में राष्ट्रीय परामर्श, 5 अक्तूबर, 2015	डॉ. आर.एम. पंत	व्याख्यान प्रस्तुती/पैनल के सदस्य

(जारी...)

क्र.सं.	सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/बैठक का नाम	संस्थान/स्थान आयोजक एवं दिनांक	संकाय/अधिकारी	उपस्थिति का उद्देश्य
5	ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप परियोजना (एस आई पी) रिपोर्ट का मूल्यांकन	तेजपुर विश्वविद्यालय, बिजिनेस प्रशासन विभाग, एन ए पी ए ए एम, असम , 6 नवंबर, 2015	डॉ. आर. एम. पंत	बाहरी परीक्षक
6	विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक	ब्रम्हपुत्र बोर्ड, रीवर डेवलपमेंट एवं गंगा पुनरुत्थान जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार, वशिष्ठ, गुवाहाटी, 19 नवंबर, 2015	डॉ. आर. एम. पंत	सदस्य
7	''असम राज्य पर्यावरण कार्य योजना का शुभारंभ'', वन विभाग, असम सरकार	19 नवंबर, 2015	डॉ. आर. एम. पंत	परामर्शी समूह सदस्य
8	बहु स्टेकहोल्डर हिमालय सततयोग्य विकास फोरम (एच एस डी एफ) : जी बी पी एच ई डी द्वारा राष्ट्रीय परामर्श	इंडिया हैबिटेट सेन्टर, नई दिल्ली 29-30 दिसंबर, 2015	डॉ. आर. एम. पंत	स्रोत व्यक्ति और मुख्य अतिथि
9	इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा की संभावना एवं दिशायें	रायपुर, 20-21 जनवरी, 2016	डॉ. आर. एम. पंत	मुख्य अतिथि का व्याख्यान एवं पैनल के सदस्य
10	ग्राम माइक्रो एवं विजेरटेक में ई एम सी पर कार्यक्रम हेतु आमंत्रण	ई एम सी एवं विजेरटेक, गुवाहाटी, 18 मार्च, 2016	डॉ. आर. एम. पंत	आमंत्रित
11	इंडियन इन्नोवेशन विकास कार्यक्रम	विश्वरत्ना होटल में डी एस टी एवं एफ आई सी सी आई द्वारा आयोजित, 8 फरवरी, 2016	डॉ. एन. एस. आर. प्रसाद	आमंत्रित

(जारी...)

क्र.सं.	सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/बैठक का नाम	संस्थान/स्थान आयोजक एवं दिनांक	संकाय/अधिकारी	उपस्थिति का उद्देश्य
12	एच पी तकनोलॉजी दिवस	होटल गेटवे ग्रैन्डयूर में एलाइट कंप्यूटर्स एवं कम्युनिकेशन , 28 जुलाई, 2015	श्री एस. के. घोष	आमंत्रित
13	''ग्राम पंचायत स्तर की योजना तैयार करना''	पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार, एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी, गुवाहाटी,6 जून, 2015	डॉ. एम. के. श्रीवास्तव	सहभाग

डॉ. ए.पी.जे. अब्दूल कलाम हॉल, एनईआरसी में एक सेमिनार की कार्रवाई प्रगति पर

वर्ष 2015-16 के दौरान एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी में संकाय सदस्यों द्वारा पेपर प्रस्तुतीकरण

क्र. सं.	पेपर का नाम	प्रस्तुत किए गए संस्थान का नाम	प्रस्तुतीकरण दिनांक	सेमिनार/कार्यशाला का नाम	संकाय / अधिकारी
1	ग्राम पंचायत विकास योजनाओं के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग	पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान, अगरतला, त्रिपुरा	3-4 दिसंबर, 2015	"ग्राम पंचायत विकास योजना" पर कार्यशाला	डॉ. एन एस आर प्रसाद
2	भू-संसूचना का उपयोग करते हुए पेयजल और स्वच्छता सुविधाओं का मूल्यांकन : कथोरा राजस्व गांव, नलबारी जिला, असम एक मामला	एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी	6-7 जनवरी, 2016	ग्रामीण विकास में भू-संसूचना अनुप्रयोग पर राष्ट्रीय सेमिनार	डॉ. एन एस आर प्रसाद
3	उत्तर-पूर्व भारत में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत एम एस बी एम अनुप्रयोग की उपयोग-स्थिति एवं मुद्दे	एन आई आर डी एवं पी आर , हैदराबाद	27-29 जनवरी, 2016	भारत में ग्रामीण स्वच्छता उपलब्धियां, प्रवृत्तियां एवं चुनौतियों पर राष्ट्रीय सेमिनार	डॉ. एन एस आर प्रसाद
4	सिंचाई प्रबंधन के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग	एन आई आर डी एवं पी आर, गुवाहाटी	27-29 जनवरी, 2016	सहभागी सिंचाई प्रबंधन के द्वारा जल उपयोग क्षमता एवं समता (एन डब्ल्यू एम, एम ओ डब्ल्यू आर)	डॉ. एस एन आर प्रसाद
5	वोखा जिला, नागालैण्ड में आई डब्ल्यू एम पी के अंतर्गत यिखुम माईक्रो वाटरशेड के प्राकृतिक संसाधनों का जी आई एस आधारित मूल्यांकन	एन आई आर डी एवं पी आर, हैदराबाद	-	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन हेतु भू-संसूचना अनुप्रयोग पर राष्ट्रीय सेमिनार	डॉ. एन एस आर प्रसाद

(जारी...)

क्र. सं.	पेपर का नाम	प्रस्तुत किए गए संस्थान का नाम	प्रस्तुतीकरण दिनांक	सेमिनार/कार्यशाला का नाम	संकाय / अधिकारी
6	मनरेगा एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	कल्याण आश्रम असम, शिल्पग्राम गुवाहाटी, असम	7-9 अगस्त, 2015	उत्तर-पूर्व भारत के अनुसूचित और अनुसूचित जनजाति के लिए विजन डाक्यूमेंट पर राष्ट्रीय सेमिनार	डॉ. एम. के. श्रीवास्तव
7	मावलीनांग, मेघालय का मामला	एन आई आर डी एवं पी आर, हैदराबाद	27-29 जनवरी, 2016	भारत में ग्रामीण स्वच्छता : उपलब्धियां, प्रवृत्तियां एवं चुनौतियां पर राष्ट्रीय सेमिनार	डॉ. एम. के. श्रीवास्तव
8	एम जी एन आर ई जी एस के साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं पुन:सृजन मेनु के विकल्प	एन आई आर डी एवं पी आर-एन ई आर सी गुवाहाटी	18-19 मार्च, 2016	सततयोग्य ग्रामीण विकास के लिए देशीय ज्ञान प्रणाली पर राष्ट्रीय सेमीनार	डॉ. एम. के. श्रीवास्तव
9	ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में देशीय ज्ञान का एकीकरण : मुद्दे एवं चुनौतियां	एन आई आर डी एवं पी आर- एन ई आर सी गुवाहाटी	18-19 जनवरी, 2016	सततयोग्य ग्रामीण विकास के लिए देशीय ज्ञान प्रणाली पर राष्ट्रीय सेमीनार	डॉ. एम. के. श्रीवास्तव
10	एशिया के स्वच्छतम गांव - मावलिनांग पर मामला अध्ययन	एन आई आर डी एवं पी आर, हैदराबाद	5-9 सितंबर, 2015	ग्रामीण विकास में मामला अध्ययन के विकास पर कार्यशाला	डॉ. एम. के. श्रीवास्तव
11	असम में भूमि अर्जन के नियम और आदिवासी भूमि सुरक्षा के निहितार्थ	विकास अध्ययन केन्द्र, तिरुवंतापुरम केरल	3-4 मार्च, 2016	विकास - अभिप्रेरित विस्थापन एवं स्थानांतरण, भूमि अर्जन एवं पुनंसमायोजन	डॉ. एम. के. श्रीवास्तव

माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास, पंचायती राज , पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री का दौरा

एन आई आर डी पी आर - एन ई आर सी, गुवाहाटी में मीडिया व्यक्तियों को संबोधित करते हुए माननीय केन्द्रीय मंत्री श्री बिरेन्द्र सिंह

चौधरी बिरेन्द्र सिंह, माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास, पंचायती राज एवं पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री ने एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी, गुवाहाटी का दौरा किया तथा संस्थान के सम्मेलन कक्ष - ।।। में 10 जून, 2015 को प्रेस सम्मेलन को संबोधित किया । श्री रॉकिबुल हुस्सैन, पंचायती राज और ग्रामीण विकास मंत्री, असम सरकार केन्द्रीय मंत्री के साथ उपस्थित थे । इस प्रेस सम्मेलन में गुवाहाटी स्थित सभी प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया भी उपस्थित थी । श्री सिंह ने मीडिया व्यक्तियों के साथ लगभग 1 घंटे तक विचार - विमर्श किया और सांसद आदर्श ग्राम योजना (एस ए जी वाई) तथा उत्तर-पूर्व भारत की कार्यान्वयन स्थिति के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी । मंत्री महोदय ने सभा को सूचित किया कि उत्तर-पूर्व के लोक सभा एवं राज्य सभा के 40 सांसदों ने अपने-अपने निर्वाचित क्षेत्र में गांवों का चयन कर लिया है जिसे स्कीम के अंतर्गत मॉडल गांव के रुप में विकसित किया जाना हैं ।

डॉ. आर. एम. पंत निदेशक, एन ई आर सी ने माननीय केन्द्रीय मंत्री का अपने चेम्बर में पारंपरिक सराई एवं असामी गमोछा के साथ स्वागत किया । माननीय मंत्री श्री सिंह ने एन ई आर सी के योगदान की प्रशंसा की तथा संस्थान की सफाई और स्वच्छता की तारीफ की ।

''ग्राम पंचायत विकास योजना'' की तैयारी पर बैठक

एन आई आर डी पी आर - एन ई आर सी, गुवाहाटी में 6 जून, 2015 को ग्राम पंचायत विकास योजना की तैयारी पर बैठक आयोजित की गई । बैठक की अध्यक्षता श्री एस. एम. विजयानंद, आई ए एस, सचिव, पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार एवं महानिदेशक एन आई आर डी पी आर ने की तथा सिक्किम, त्रिपुरा, मणिपुर एवं अरुणाचल प्रदेश, के पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने इस बैठक में सहभाग लिया। इस पूरे दिन की चर्चा में एन

ई आर सी के संकाय सदस्यों ने भाग लिया। डॉ. आर. एम. पंत, निदेशक, एन आई आर डी पी आर - एन ई आर सी ने बैठक की कार्रवाई शुरु की । श्री विजयानंद ने ग्राम पंचायत योजना तैयार करने के साथ-साथ प्रारंभिक व्यवस्था, संसाधन सहभागिता की शिनाख्त, पर्यावरण सृजन, स्थिति विश्लेषण, परिलक्षित करना, योजना का पुनरावलोकन, क्षमता निर्माण तथा अन्य संबंधित मुद्दों के अलावा तकनीकी समर्थन इत्यादि विषयों को कवर करते हुए विभिन्न चरणों पर प्रस्तुतीकरण दिया । उन्होंने सहभागी राज्यों में निर्माण की स्थिति की समीक्षा हेतु प्रतिभागियों से चर्चा भी की ।

श्री एस. एम. विजयानंद, सचिव, एम ओ पी आर, भारत सरकार एवं महानिदेशक,एन आई आर डी एवं पी आर प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए

सचिव, एम ओ पी आर, भारत सरकार के साथ सहयोगी राज्य के प्रतिनिधिगण

एस आई आर डी में एस एल ओ दौरा

एन आई आर डी पी आर - एन ई आर सी, गुवाहाटी के संकाय सदस्य जो विभिन्न राज्य ग्रामीण विकास संस्थानों (एस आई आर डी) के राज्य संपर्क अधिकारी भी है, उन्होंने अंतरालों को पाटने तथा की गई कार्रवाई का पुनरीक्षण, एस आई आर डी प्रशिक्षण और संबंधित क्रियाकलापों के लिए सुविधा प्रदान करने के लिए अपने-अपने एस आई आर डी का दौरा किया । उन्होंने एस आई आर डी के अधिकारियों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या में वृद्धि पर चर्चा की तथा एन आई आर डी एवं पी आर , हैदराबाद में जून, 2015 को आयोजित 28वें एस आई आर डी संगोष्ठी में लिए गए निर्णयों पर की गई अनुवर्ती कार्रवाई पर चर्चा भी की । इसके अलावा राज्य संपर्क अधिकारियों के कर्तव्य एवं जिम्मेदारियों से संबंधित मुद्दों तथा भावी कार्यों पर भी चर्चा की गई ।

एस आई आर डी, नागालैण्ड का एक दृश्य

डॉ. एम. के श्रीवास्तव, एस एल ओ श्रीमती स्मिता सिन्हा, सहायक निदेशक के साथ पटना बीपार्ड के क्रियाकलापों पर चर्चा करते हुए

क्षेत्रीय केन्द्र के एस एल ओ ने संबंधित एस आई आर डी का दौरा किया, जिसका विवरण निम्नानुसार है ।

क्र. सं.	एस एल ओ का नाम	संबंधित एस आई आर डी	दौरों की तारीख
1.	डॉ. एम. के. श्रीवास्तव	बिपार्ड, बिहार	7-9 सितंबर, 2015
2.	डॉ. रत्ना भुयान	एस आई आर डी, नागालैण्ड	10-11 सितंबर, 2015
3.	डॉ. आर. एम. पंत	एस आई आर डी, उत्तराखण्ड	11-12 सितंबर, 2015
4.	डॉ. के. हलोई	एस आई आर डी,असम	2 एवं 8 सितंबर, 2015
5.	डॉ. एन. एस. आर. प्रसाद	एस आई आर डी,, सिक्किम	14 सितंबर, 2015

एन आई आर डी एवं पी आर तथा उत्तर -पूर्वी एस आई आर डी का दूसरा सम्मेलन 2016

दि. 14-15 मार्च, 2016 के दौरान एस आई आर डी सिक्किम में एन आई आर डी एवं पी आर तथा उत्तर-पूर्वी एस आई आर डी दूसरा सम्मेलन आयोजित किया गया । इस सम्मेलन में उत्तर-पूर्वी एस आई आर डी द्वारा अनुभव की जा रही समस्याओं एवं उनकी श्रेष्ठ पद्धतियों की शेयरिंग, सिक्किम (मेलिधारा पायांग जी पी यू) के उत्कृष्ट कार्य करने वाले जी पी यु का क्षेत्र दौरा तथा माननीय मंत्री महोदय, सचिव एवं ग्रामीण प्रबंधन एवं विकास विभाग (आर एम एवं डी डी), सिक्किम सरकार के विभागाध्यक्ष के साथ परिचर्चा कार्य सम्मिलित है । इस सम्मेलन में त्रिपुरा को छोड़कर उत्तर-पूर्वी एस आई आर डी के सभी प्रतिनिधियों ने भाग लिया ।

सम्मेलन के प्रतिनिधि

डॉ. आर. एस. पंत निदेशक, एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी, गुवाहाटी ने सम्मेलन की अध्यक्षता की तथा डॉ. पंत, डॉ. आर. पी. आचारी, एसोसिएट प्रोफेसर, एन आई आर डी एवं पी आर, हैदराबाद डॉ. के. हलोई, प्रोफेसर, एन आई आर डी पी आर-एन ई आर सी, गुवाहाटी एवं श्रीमती सुचित्रा एसाइली, निदेशक, एस आई आर डी सिक्किम द्वारा कार्यक्रम का आरंभ परंपरागत द्वीप प्रज्जवलन से किया गया। संबंधित एस आई आर डी के प्रतिनिधियों ने संगोष्ठी के दौरान सम्मिलित रुप में इस प्रकार प्रगति को उजागर किया।

- पिछले 3 वर्षों के लिए एन आई आर डी पी आर नेटवर्किंग कार्यक्रमों का कार्यनिष्पादन एवं वर्ष 2016-17 की आवश्यकताएँ
- पिछले 3 वर्षों के लिए अनुसंधान अध्ययनों का कार्यनिष्पादन तथा 2016-17 की आवश्यकताएँ
- पिछले तीन वर्षों के दौरान जारी निधियों के क्रियाकलाप एवं कार्यों की प्रगति
- आवर्ती अनुदान से संबंधित मुद्दे
- कोर संकाय एवं स्टॉफ की नियुक्ति

15 जून, 2015 को आयोजित संगोष्ठी की सिफारिशो पर कार्रवाई रिपार्ट / सभी एस आई आर डी द्वारा प्रस्तुत की गई ।

- एन आई आर डी एवं पी आर हैदराबाद द्वारा तैयार किए गए राष्ट्रीय प्रशिक्षण नीति की दिशा में राज्य प्रशिक्षण नीति तैयार करना
- प्रशिक्षण कैलेण्डर 2016 तैयार करने की प्रगति
- एन आई आर डी पी आर से एस आई आर डी को राज्य संपर्क अधिकारियों द्वारा किए गए दौरे की जानकारी
- वीडियों कॉन्फ्रेसिंग सुविधाओं के संस्थापन की सुविधायें
- एन आई आर डी पी आर के ई-बुक्स एवं ई-जर्नल की पहुँच तक की गई कार्रवाई

क्षेत्र हस्तक्षेप : खोनोमा गांव, नागालैण्ड का दौरा

प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रुप में 14-18 मार्च, 2016 के दौरान एस आई आर डी नागालैण्ड में एन डी डब्ल्यू डी की योजना और प्रबंधन हेतु भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा प्रतिभागियों को ऐतिहासिक गांव खोनोमा के क्षेत्र दौरे पर ले जाया गया । खोनोमा गांव राज्य राजधानी शहर कोहिमा से 20 कि. मी. की दूरी पर बसा है । खोनोमा गांव में जी पी एस सर्वेक्षण के दौरान यह देखा गया है कि संपूर्ण गांव में साफ और स्वच्छ वातावरण बनाया गया है । पेयजल के मामले में गांव में प्राकृतिक जल संसाधन है अर्थात् पहाड़ो से झरने नीचे की ओर बहते हैं और वहां से पाइप लाइनों द्वारा जल आपूर्ति की जाती है। प्राकृतिक संसाधनो से एकत्रित जल को जलाशयों में संचित किया जाता हैं तथा जल को समुदाय आपूर्ति टैंक में वितरित किया जाता हैं । कुछ समुदाय जलापूर्ति जलाशयों का निर्माण एम जी एन आर ई जी एस के अंतर्गत किया गया हैं । गांव में पानी की पर्याप्त जलापूर्ति है ऐसा गांववालों और जलापूर्ति कार्यान्वयन समिति ने सूचित किया है । जी पी एस डाउनलोड करने एवं डाटा प्राप्त करने के बाद यह पाया गया है कि समुदाय जलाशयों का भौगोलिक संवितरण काफी स्वच्छ है और यह संपूर्ण गाँव को कवर करता हैं । प्रतिभागियों को काफी कुछ सीखने को मिला तथा उन्होंने पाया कि प्राकृतिक संसाधनों से जल को किस प्रकार सुरक्षित रखा जा सकता हैं और खोनोमा जैसे पर्वतीय गाँव में देशी तकनीकों का उपयोग करते हुए इसे वितरित किया जा सकता हैं ।

खोनोमा गांव के पर्वतीय स्थान के निकट स्रोत प्राकृतिक पेयजल

खोनोमा गांव के बांई ओर घाटी में सीढ़ीदार खेत । गांव के इर्द-गिर्द धान की 20 से अधिक किस्मों को उगाया जाता हैं ।

स्वायत्त जिला परिषदों (ए डी सी एस) के अंतर्गत जिला योजना का एक मामला अध्ययन

भारतीय संविधान की छठी अनुसूची के अंतर्गत स्वायत्त जिला परिषदों (ए डी सी) का सृजन किया गया है ताकि संस्कृति और परंपरा तथा असम, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा, राज्यों में पर्वतीय क्षेत्रों की राजनैतिक और आर्थिक हितो की रक्षा की जा सके । परिषदों को यह भी अधिकार दिया गया है कि वे उन्हें सौंपे गए विषय पर जिला स्तर की योजना तैयार करें । मामला अध्ययन में योजना प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी, चरण, संसाधन, विभिन्न क्षेत्रों एवं आयामों , उर्ध्व और सीधे एकीकरण एवं जिला योजना का विकेन्द्रीकरण पर ध्यान दिया गया है । इस मामला अध्ययन को डॉ. एम. के. श्रीवास्तव एवं डॉ. आर. एम. पंत ने संपूरित किया ।

एन आई आर डी पी आर - एन ई आर सी, गुवाहाटी के संकाय सदस्य एवं अधिकारीगण

(31-03-2016 को)

डॉ. (प्रो.) आर. एम. पंत
निदेशक

डॉ. के. हलोई
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, सी-गार्ड

डॉ. आर. भुयान
सहायक प्रोफेसर

डॉ. एम. के. श्रीवास्तव
सहायक प्रोफेसर

डॉ. एन. एस. आर. प्रसाद
सहायक प्रोफेसर

श्री ए. सिम्हाचलाम
सहयोगी संकाय

श्री एस. के. घोष
वरिष्ठ कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एसोसिएट (ग्रूप -बी:शैक्षणिक)

श्री अरुपज्योति शर्मा
प्रशासनिक अधिकारी (ग्रूप ए-अशैक्षणिक)

श्री बी. एन. शर्मा
लेखा अधिकारी (ग्रूप-बी-अशैक्षणिक)

डॉ. के. के. भट्टाचार्जी,
परामर्शदाता

वर्ष 2015-16 के दौरान संस्थान के दौरे पर आए प्रतिष्ठित अतिथियों की सूची

- चौधरी बीरेन्द्र सिंह, माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, पेयजल तथा स्वच्छता मंत्री, भारत सरकार
- श्री सुदर्शन भगत, माननीय राज्य ग्रामीण विकास मंत्री, भारत सरकार
- शॅकीबुल हुस्सैन, माननीय राज्य ग्रामीण विकास मंत्री, असम सरकार
- श्री सरबांनद सोनोवाल, माननीय केन्द्रीय युवा एवं खेल मंत्री, भारत सरकार
- श्री एस. एम. विजयानंद, आई ए एस, सचिव, पंचायती राज एवं सचिव, ग्रामीण विकास, ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार का अतिरिक्त प्रभार एवं महानिदेशक प्रभारी, एन आई आर डी एवं पी आर

- प्रोफेसर गौतम बरुआ, मेन्टर निदेशक, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी
- डॉ. अरुप मिश्रा, निदेशक, असम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर्यावरण परिषद
- प्रोफेसर प्रमिला कोपारकर, डीन, स्कूल ऑफ टेक्कनॉलोजी, उत्तर पूर्वी पर्वतीय युनिवर्सिटी (एन ई एच यु)
- प्रोफेसर (डॉ.) सुकुमार नंदी, आई आई टी, गुवाहाटी
- श्री एम. आर. बिस्वाल, महाप्रबंधक,पी एन बी, एफ जी एन कार्यालय, कोलकाता
- श्रीमती रश्मि शुक्ला शर्मा, अपर सचिव, एम ओ पी आर , भारत सरकार
- श्रीमती शारदा मुरलीधरन, संयुक्त सचिव, एम ओ पी आर, भारत सरकार
- श्री पी. पी. ध्यानी, निदेशक, जी बी पंत हिमालयन पर्यावरण एवं विकास संस्थान, उत्तराखंड
- डॉ. बी. जी. उन्नी, निदेशक, अनुसंधान, असम डाऊन टाऊन युनिवर्सिटी, गुवाहाटी
- श्री सी. के. दास, माननीय सदस्य, उत्तर-पूर्वी परिषद, शिलांग

सम्मेलन कक्षों का नया नाम

भारत की महान आत्माओं की याद में वर्ष 2015-16 में क्षेत्रीय केन्द्र के तीन सम्मेलन कक्षों के नाम को बदलकर देश के तीन महान विभूतियों के नाम रखे गए :

क्र. सं.	पुराना नाम	नया नाम
1	सम्मेलन कक्ष - I	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद हॉल
2	सम्मेलन कक्ष - II	डॉ. सर्वेपल्ली राधा कृष्णन हॉल
	सम्मेलन कक्ष - III	डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम हॉल

ए टी एम का प्रतिष्ठान

एन आई आर डी पी आर - एन ई आर - एन ई आर सी, गुवाहाटी में प्रशिक्षण, अनुसंधान, सेमिनार, कार्यशालाओं, राष्ट्रीय स्तर की नीतिगत बैठकों एवं प्रशासनिक कार्यक्रमों के चलते वर्षभर में बड़ी संख्या में ग्रामीण विकास कार्यकर्ता, पदाधिकारी, शिक्षाविद नीति निर्माता दौरा करते हैं । संस्थान के समीपवर्ती क्षेत्र में किसी बैंकिंग की सुविधा न होने के कारण निजी बैंकिंग लेन देन के लिए अतिथि पदाधिकारियों एवं आवासीय प्रशिक्षण प्रतिभागियों को भारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा हैं। संस्थान के कैम्पस में बैंक एटीएम की नितांत आवश्यकता महसूस की गई । एन आई आर डी पी आर - एन ई आर सी एवं पंजाब नेशनल बैंक (पी एन बी) ने संस्थान के प्रागंण में ऐसे नए ए टी एम को स्थापित किया जिसमें सभी आधुनिक सुविधाये उपलब्ध हैं । ए टी एम का शुभारंभ 16 मई 2015 को डॉ. आर. एम. पंत, निदेशक, एन ई आर सी द्वारा किया गया । इस अवसर पर श्री एम. आर. विस्वाल, महाप्रबंधक, पी एन बी एफ जी एन कार्यालय कोलकाता, श्री एस के दास, डीजीएम, सर्कल

हेड, सर्कल ऑफिस, गुवाहाटी एवं श्री डी. के. चौधरी, ए जी एम, जू रोड, गुवाहाटी उपस्थित थे ।

पुस्तकॉलयाध्यक्ष दिवस

दि. 12 अगस्त, 2015 को पुस्तकॉलयाध्यक्ष दिवस पर एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी, गुवाहाटी में पुस्तकॉलय एवं सूचना विज्ञान के जनक डॉ. एस. आर. रंगनायन को श्रंद्धाजलि दी गई । इस अवसर पर पुस्तकॉलय से संबंधित विभिन्न मुद्दों के बारे में चर्चा करने हेतु एक औपचारिक बैठक आयोजित गई । श्रीमति पुष्पाजंलि डेका, सहायक पुस्तकॉध्यक्ष, एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी ने बैठक की

शुरुआत की । उन्होंने पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के महत्व को बताया और देश में पुस्तकॉलय एवं सूचना विज्ञान के विकास में डॉ. एस. आर. रंगनाथन के महत्तर योगदान पर प्रकाश डाला । डॉ. कनक हलोई, एसोसिएट प्रोफेसर, एन ई आर सी जो पुस्तकॉलय कमेटी के अध्यक्ष भी है उन्होंने पुस्तकॉलय को बेहत्तर बनाने की दिशा में अपने विचार प्रस्तुत किए और नवोन्मेषी विचार तथा प्रतिनिवेश दिया । सभी ने कार्यक्रम की प्रशंसा की एवं इसे हर वर्ष मनाने का निर्णय लिया ।

महिला दिवस समारोह

एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी के बैठक कक्ष में 8 मार्च, 2016 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया । बैठक की अध्यक्षता डॉ. आर. एम पंत क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक ने की । अपने संबोधन में डॉ. आर. एम. पंत ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को मनाने हेतु कर्मचारियों के प्रयासों पर खुशी जाहिर की और बताया कि महिलायें एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी के लिए सामाजिक मूल्यों की संवाहक हैं इसलिए उन्हें हमेशा सम्मान दिया जाना चाहिए । उन्होंने कहा कि उत्तर-पूर्व भारत देश के अन्य भागों के अलावा इस मामले में समानता लिए हुए है । उन्होंने इसे प्रतिवर्ष मनाने का अनुरोध किया ।

एन ई आर सी में महिला दिवस समारोह की एक झलक

स्वतंत्रता दिवस समारोह

एन आई आर डी पी आर - एन ई आर सी, गुवाहाटी में भारत के 69 वें स्वतंत्रता दिवस को हर्षोल्लाष के साथ मनाया गया तथा निदेशक डॉ. आर. एम. पंत ने तिरंगा फहराया तत्पश्चात राष्ट्र गान बजाया गया । इस अवसर पर संस्थान के स्टॉफ सदस्य और परिवार सदस्य उपस्थित हुए । तत्पश्चात् पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों के लिए विभिन्न श्रेणियों में खेल और स्पोर्ट्स आयोजित किए गए । इस दिन देशभक्ति की भावना जगाने के लिए के लिए पेन्टिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई । गेम्स जैसे -म्युजिक बॉल, बॉटल हिटिंग एवं टम्बलिंग आदि का आयोजन किया गया । देशभक्ति की कवितायें, ए पी जे अब्दुल कलाम एवं आदर्श ग्राम पर स्कूली बच्चों के लिए भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । बाद में शाम के समय संस्थान के स्टॉफ और उनके परिवारों के लिए ए पी जे अब्दुल कलाम हॉल में देशभक्ति फिल्म भी दिखाई गई ।

अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस समारोह

योग वास्तव में शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक अभ्यास है जिसका उद्भव भारत में हुआ । भारतीयों में योग सदियों की प्राचीन परंपरा है । गत वर्षों के दौरान योग विश्व समुदाय में अत्यन्त लोकप्रिय रहा है । शारीरिक और आध्यात्मिक अभ्यास के रुप में ब्रैन्ड योग और विश्व शांति और भाईचारे की भावना को बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रुप में घोषित किया गया । एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी , गुवाहाटी ने

भी दि. 21 जून , 2015 को संस्थान के परिसर में पहली बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया । योग कार्यक्रम प्रात:काल शुरु हुआ । बड़ी संख्या में संस्थान के स्टॉफ, कर्मचारियों, परिवार सदस्यों बच्चों ने इस कार्यक्रम में उत्साह के साथ भाग लिया । डॉ. आर. एम. पंत ने इस अवसर पर भाषण दिया एवं समाज में खुशी के साथ रहने के एवं स्वास्थ्य शरीर और स्वास्थ्य वृद्धि की आवश्यकता पर बल दिया । उन्होंने प्रत्येक से अनुरोध किया कि वे नियमित रुप से योगाभ्यास करें । श्री एस. के. घोष, वरिष्ठ सी पी ए ने प्राणायम अभ्यास के विभिन्न चरणों को प्रदर्शित किया । योग सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने भी कुछ समय के लिए ध्यान किया एवं श्री अरुण ज्योति शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी एवं श्री केशव शरण, जेएचटी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने में सक्रिय भूमिका निभायी ।

गांधी जयंती समारोह

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 146 वीं जयंती के उपलक्ष्य में एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी गुवाहाटी कैम्पस में दि. 2 अक्तूबर, 2015 को गांधी जयंती मनाई गई । कार्यालय स्टॉफ एवं कैम्पस निवासियों अर्थात् महिलाओं एवं बच्चों सभी ने मिलकर कार्यक्रम में सहभाग किया । कार्यक्रम सुबह 10.30 बजे प्रारंभ हुआ । संस्थान के निदेशक डॉ. आर. एम. पंत, स्टाफ और परिवार सदस्यों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर फूल अर्पित किए । इस अवसर पर भाषण देते हुए डॉ. आर. एम. पंत ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी की भूमिका को विस्तार पूर्वक बताया एवं वर्तमान समाज में महात्मा गांधी के सिद्धान्तों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला ।डॉ. आर. एम. पंत ने गांधीजी के एक महत्वपूर्ण विचार ''स्वच्छता एवं स्वस्थ पर्यावरण'' पर भी बल दिया । यद्यपि 2 अक्तूबर स्वच्छ भारत मिशन के लिए यादगार दिवस के रुप में मनाया जा रहा है तथा एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी कैम्पस को स्वच्छ बनाए रखने तथा समय पर स्वच्छता को व्यक्तिगत आदत बनाने हेतु स्वच्छता शपथ भी ली गई । राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

11.25 एन आर एल एम अनुसंधान कक्ष की स्थापना

गत 4 वर्षों से अधिक की अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को देश के सभी राज्यों में गठित किया जा चुका है । वे राज्य जिन्होंने राष्ट्र के साथ इस मिशन को सफलतापूर्वक प्रारंभ किया है वे निरंतर परिवर्तन की राह पर है । उत्तरपूर्व के संदर्भ में पर एन आर एल एम संसाधन कक्ष अगस्त 2015 में एन आई आर डी एवं पी आर - एन ई आर सी गुवाहाटी में ग्रामीण विकास मंत्रालय (एम ओ आर डी) द्वारा प्रारंभ किया गया ताकि उत्तर-पूर्वी राज्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके तथा प्रत्येक राज्य की आवश्यकताओं के अनुरुप कुछ तकनीकी समर्थन में अनुभव प्रक्रिया प्रदान की जा सके । सरकारी संगठन के संसाधन कक्ष कार्य, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, सी बी ओ, वी ओ एवं कई अन्य संगठन इन मिशन उद्देश्यों के साथ काम कर रहे है । सेल का मुख्य उद्देश्य उत्तर-पूर्वी राज्य की आवश्यकता के अनुसार निर्माण कार्य को उजागर करना है ।

एन आर एल एम आर सी, एन ई आर सी, गुवाहाटी (2015-16) की प्रगति रिपोर्ट

शुरुआती दौर से ही यह उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में एस आर एल एम के साथ कार्य कर रहा है तथा उसके स्टॉफ, समुदाय एवं अन्य स्टेकहोलडरों के क्षमता निर्माण में भागीदार रहा है ।

नवंबर, 2015 में एन आई आर डी पी आर में दो दिवसीय परामर्शी कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें एन एम एम यु , एन आर एल एम, एन आर एल एम आर सी हैदराबाद के साथ-साथ सभी आठ एस आर एल एम ने भाग लिया । एस आर एल एम द्वारा प्रगति से संबंधित परिचर्चा, मानव संसाधन, सी बी क्रियाकलाप एवं सी बी आवश्यकताओं पर चर्चा एवं एन आर एल एम आर सी की भूमिका को स्पष्ट किया गया ।

दिसंबर 2015 के दौरान शिलांग में एन आर एल एम आर सी, एन ई आर सी द्वारा मेघालय एस आर एल एम हेतु एस एच जी एवं ग्राम संगठन पर प्रशिक्षण का विकास विषयक पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । एस एच जी सहायता पर माड्यूल्स, एस एच जी कॉन्सेप्ट सीडिंग, बुक कीपिंग एवं एस एच जी प्रबंधन को विकसित किया गया एवं उसे अंतिम रुप दिया गया ।

जनवरी 2016 के दौरान, मेघालय एस आर एल एम के नव नियुक्त स्टॉफ के लिए तीन दिवसीय प्रवेश कार्यक्रम का संचालित किया गया । प्रवेश प्रशिक्षण के दौरान एन आर एल एम प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी, वर्टिकल्स, एन आर एल एम के विभिन्न नवाचार, बैंक संयोजन एवं नीतियों आदि विषयों को नव नियुक्त विशेषज्ञों के समझाया गया । इसके अलावा दो दिवसीय बैंकर्स प्रबंधन कार्यक्रम को एनआरएलएम क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा एजवाल और मिजोरम में आयोजित किया गया । कार्यक्रम का उद्देश्य बैंको की भूमिका पर बैंकरों को एस एच जी एवं वी ओ को समर्थन देने के साथ एन आर एल एम प्रक्रियाओं एवं कार्यान्वयन नीतियों के बारे में जानकारी देना था ।

उत्तर-पूर्वी एन आर एल एम द्वितीय राईटशॉप के प्रतिभागी

एन ई आर सी ओ आर एम पी परियोजना स्थल, मेघालय में ग्राम परिषद प्रतिनिधियों का परिचयात्मक दौरा

नागालैण्ड के बैंकर्स के लिए फरवरी, 2016 में असम के दंगटोल खंड में श्रेष्ठ पद्धति स्थल पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण सह परिचयात्मक दौरे का आयोजन किया गया । इसे सेस्टा (एम एन जी ओ है जो असम एस आर एल एम के साथ एम के एस पी भागीदार के रुप में कार्य कर रही हैं) के साथ मिलकर आयोजित किया गया । बैंकर्स ने एस एच जी, ग्राम संगठनों एवं स्थानीय बैंकरों के साथ चर्चा की । नागालैण्ड के ग्राम परिषद प्रतिनिधि (वी सी) ने फरवरी 2016 में उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय समुदाय संसाधन प्रबंधन परियोजना (एन ई आर सी ओ आर एम पी) के श्रेष्ठ अभ्यास स्थल का दौरा किया । इस दौरे का उद्देश्य नागालैण्ड राज्य में एन आर एल एम के बेहत्तर क्रियान्वयन हेतु ग्राम परिषद सदस्यों की भूमिका को समझना था । फरवरी, 2016 में एन एम एम यू, एन ई आर सी द्वारा दूसरे एन आर एल एम एन ई क्षेत्रीय राईटशॉप को आयोजित किया गया । सही मायने में यह राईटशॉप अत्यन्त महत्वपूर्ण था जिसमें वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए योजना हेतु निर्देश को समझने के लिए किए गए कार्य की प्रगति एवं कार्यान्वयन स्थिति की सर्वांगीण भूमिका समझना था । उसी प्रकार से फरवरी 2016 में एन आई आर डी पी आर एन ई आर सी में एम आई एस पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । श्री शांतनु के. आर. भोई एवं श्री जी वी एस एन मूर्ती, एन एम एम यू से तथा एन आर एल एम एवं वैज्ञानिक डी, एन आई सी आदि स्रोत व्यक्ति रहे । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में असम, त्रिपुरा, नागालैण्ड, मणिपुर एवं मेघालय एस आर एल एम के एम आई एस विशेषज्ञों ने भाग लिया । प्रशिक्षण में एमआईएस से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा और समाधान किया गया । 10-14 मार्च, 2016 के दौरान मेघालय, मिजोरम एवं त्रिपुरा के नव नियुक्त स्टॉफ हेतु प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयोजित किया गया । मेघालय, मिजोरम एवं त्रिपुरा एस आर एल एम से 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया । कार्यक्रम को एन आई आर डी एवं पी आर एन ई-आर सी में आयोजित किया गया ।

अध्याय 12

प्रशासन

संस्थान प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं परामर्शी क्रियाकलाप करता है और इसमें संस्थान के प्रशासन का पूर्ण समर्थन प्राप्त है । संस्थान के विभिन्न क्रियाकलापों को निष्पादित करने तथा अनुकूल स्थितियां उपलब्ध कराने के लिए संस्थान के वर्तमान अधारभूत संरचना को विस्तृत एवं उन्नत करने के कार्य की पहल की गई है । संस्थान में महापरिषद, कार्यपालन परिषद एवं शैक्षणिक समिति है जो नीति, निष्पादन एवं शैक्षणिक विषयों पर नित्य मार्गनिर्देश करती है ।

महापरिषद

महापरिषद की अध्यक्षता माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री, भारत सरकार करते हैं संस्थान का प्रबंध और सामान्य नियंत्रण महापरिषद की जिम्मेदार होती है । 31 मार्च, 2016 तक वर्ष 2015-16 के लिए महापरिषद का गठन निम्नानुसार था :

महापरिषद के सदस्य

क्र. सं.	नाम	क्र. सं.	नाम
1	श्री चौधरी बिरेन्द्र सिंह, माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री, ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली - 110 001	2	श्री राम कृपाल यादव, माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री, ग्रामीण विकास मंत्रालय , कृषि भवन, नई दिल्ली - 110 00

क्र. सं.	नाम	क्र. सं.	नाम
3	सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली - 110 001	9	संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण), ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली - 110 001
4	मुख्य कार्यपालक, भारतीय राष्ट्रीय केन्द्रीय सहकारिता संघ, 3 सिरि इंस्टीट्यूशन एरिया, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली - 110 001	10	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली - 110 001
5	अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, यू जी सी बिल्डिंग, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली - 110 001	11	सचिव, कृषि विभाग, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली - 110 001
6	अध्यक्ष, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, ए आई यू हाऊस, 16 कॉमरेड इन्दजीत गुप्ता मार्ग (कोटला मार्ग), नई दिल्ली -110 002	12	सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 00
7	सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, कमरा नं. 247 'ए' विंग, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110 001	13	संयुक्त सचिव, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, कमरा नं. 304, 3 तीसरा तल , ब्लॉक IV, पुराना जे एन यु कैम्पस, नई महरौली रोड, नई दिल्ली - 110 067
8	अपर सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय, ग्रामीण विकास विभाग, कृषि भवन, नई दिल्ली - 110001	14	सलाहकार (ग्रामीण विकास), योजना आयोग, कमरा नं. 232, योजना भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली - 110 001

क्र. सं.	नाम	क्र. सं.	नाम
15	प्रमुख सचिव, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, असम सरकार, दिसपुर, गुवाहाटी - 781 037	19	सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार, मुख्य सचिवालय, पटना - 800 015
16	प्रमुख सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, केरल सरकार, तिरुवंतापुरम - 695001	20	कुलपति, मोहन लाल सुखादिया विश्वविद्यालय, उदयपुर 313 001 राजस्थान
17	सचिव, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, जेसोप भवन, पहला तल, 63, एन एस रोड, कोलकाता- 700 001	21	उप कुलपति, इंदिरा गांधी नेशनल ओपेन युनिवर्सिटी (इग्नो), मैदान गढी, नई दिल्ली - 110 067
18	सचिव, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, महाराष्ट्र सरकार, मंत्रालय, मुम्बई - 400 032	22	कुलपति, भारतीयार विश्वविद्यालय, कोयम्बतूर - 641046, तमिल नाडू
		23	डॉ. डब्ल्यू.आर. रेड्डी, आई ए एस, महानिदेशक, एन आई आर डी एवं पी आर, राजेन्द्रनगर हैदराबाद - 500 030

कार्यकारी परिषद

सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, भारत सरकार कार्यकारी परिषद की अध्यक्षता करते हैं । महापरिषद के सामान्य नियंत्रण एवं निर्देशों के अनुसार कार्यकारी परिषद संस्थान के प्रबंध और प्रशासन के लिए जिम्मेदार होती हैं । 31 मार्च, 2016 तक कार्यकारी परिषद का गठन निम्नानुसार है :

कार्यकारी परिषद के सदस्य

क्र. सं.	नाम	क्र. सं.	नाम
1	श्री एस.एम. विजयानंद, आई ए एस, सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली - 110 001	5	संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण), कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, तृतीय तल, ब्लॉक - IV, पुराना जे एन यू कैम्पस, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली - 110 067
2	श्री एस.एम. विजयानंद, आई ए एस, सचिव, पंचायती राज विभाग, पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि भवन, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड, नई दिल्ली - 110 001	6	श्री अमरजीत सिन्हा, आई ए एस, अपर सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली - 110 001
3	श्री विजय एस मदन, आई ए एस, सचिव, भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, भारत सरकार, 12 जी निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110 011	7	श्रीमती सीमा बहुगुणा, आई ए एस, अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि भवन , नई दिल्ली - 11'0 001
4	श्री परमेश्वरन अय्यर, सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, कमरा नं. 247 ए विंग, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110 011	8	डॉ. डब्ल्यू. आर. रेड्डी, आई ए एस, महानिदेशक, एन आई आर डी एवं पी आर, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद - 500 030

शैक्षणिक समिति

महानिदेशक की अध्यक्षता में शैक्षणिक समिति संस्थान के अनुसंधान एवं प्रशिक्षण से संबंधित सभी मामलों का निपटान करती है जिसमें प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अनुसंधान क्रियाकलापों के लिए वार्षिक कैलेण्डर को अंतिम रुप देना भी शामिल है । संस्थान के महानिदेशक, शैक्षणिक समिति के अध्यक्ष है :

31 मार्च, 2016 को शैक्षणिक समिति के सदस्य

क्र. सं.	नाम	
1	डॉ. डब्ल्यू. आर. रेड्डी, आई ए एस, महानिदेशक, एन आई आर डी एवं पी आर, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद - 500 030	पदेन
2	संयुक्त सिचव (प्रशिक्षण), ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली - 110 001	पदेन
3	उप महानिदेशक, एन आई आर डी एवं पी आर, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद - 500 030	पदेन
4	वित्तीय सलाहकार, एन आई आर डी एवं पी आर, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद,	पदेन

एनआईआरडी एवं पीआर का पुनर्गठन

12.4.1 ग्रामीण विकास के क्षेत्र में पंचायती राज संस्थानों के ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओं तथा चयनित प्रतिनिधियों का क्षमता निर्माण ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के बेहतर कार्यान्वयन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है । ग्रामीण विकास के लिए क्षमता निर्माण की बढ़ती चुनौतियाँ को पूरा करने के उद्देश्य से ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) द्वारा डॉ. वाई.के. अलघ की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया जो राष्ट्, राज्य और जिला स्तर पर ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के नोडल संस्थान अर्थात् राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान, राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी) और विस्तार प्रशिक्षण केन्द्रों (ई टी सी) के पुनर्गठन के उपायों का सुझाव देगी ।

डॉ. वाई.के. अलघ कमेटी रिपोर्ट और श्री एस.विजय कुमार माननीय मंत्री (ग्रा.वि.पीआर एवं डीडब्ल्यूएस) के अनुमोदन के साथ मंत्रालय ने सिफारिशों पर निर्णय किया । प्रशिक्षा में बदलाव हेतु मंत्रालय ने विशेष सचिव (ग्रा.वि) की अध्यक्षता में ''ट्रान्जीशन मैनेजमेंट कमेटी (टीएमसी)'' का गठन किया। कार्यान्वयन हेतु अलघ कमेटी के निर्णय इस प्रकार थे:

1. विजन को पुन: तैयार करना
2. विशिष्ट अधिदेश के साथ स्कूलों और केन्द्रों का गठन
3. संकाय और समर्थन स्टाफ की पोजिशनिंग
4. कमेटियों का पुनर्गठन
5. ट्रान्जीशन मैनेजमेंट कमेटी (टीएमसी) की कार्य पद्धति
6. सरलीकरण कमेटी और विवाद समाधान उप कमेटी का गठन
7. जयपुर एवं पटना में क्षेत्रीय केन्द्रों को बंद करना
8. एस आई आर डी को वीडियों कान्फ्रेसिंग की सुविधा
9. ग्रामीण विकास एवं ग्रामीण तकनोलॉजी में उत्कृष्ट संस्थान सहित नेटवर्किंग का विकास करना
10. प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार हेतु कार्य योजना को तैयार करना
11. एन आई आर डी एवं पी आर की नियमावली और उप-नियमों में संशोधन करना ।

उपरोक्त में से क्रम सं. 1-8 से संबंधित निर्णयों को कार्यान्वित किया गया और अन्यों को प्रारंभ किया गया और प्रगति में है । अलघ कमेटी के निर्णय के अनुसार संस्थान को स्कूलों में पुनर्गठित किया गया जिसमें कई केन्द्र होंगे तथा उनके विकल्पों, योग्यता और वरिष्ठता के आधार पर संकल्पों को आबंटित किया जाएगा । जिसे निम्न रुप में नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	प्रस्तावित स्कूल	स्कूल के अंतर्गत प्रस्तावित केन्द्र
1.	विकास अध्ययन एवं सामाजिक न्याय स्कूल	मानव संसाधन विकास केन्द्र (सी एच आर डी) जेंडर एवं अध्ययन विकास केन्द्र (सी जी ए डी) समता एवं सामाजिक विकास केन्द्र (सी ई एस डी) भू-संबंधी अध्ययन केन्द्र (सी ए एस) स्नातकोत्तर अध्ययन एवं दूरस्थ शिक्षा केन्द्र (सी पी जी एस एवं डी ई)

क्र.सं.	प्रस्तावित स्कूल	स्कूल के अंतर्गत प्रस्तावित केन्द्र
2.	ग्रामीण आजीविका एवं आधारभूत संरचना	मजदूरी एवं रोजगार (सी डब्ल्यू ई) कौशल एवं कार्य केन्द्र (सी एस जे) वित्तीय समावेशन एवं उद्यमशीलता केन्द्र (सीएफ आई ई) ग्रामीण आधारभूत संरचना केन्द्र (सी आर आई) उद्यमशीलता विकास केन्द्र (सी ई डी) आजीविका केन्द्र (सी एफ एल)
3.	सततयोग्य विकास	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन केन्द्र (सी एन आर एम) जलवायु परिवर्तन एवं आपदा प्रबंधन न्यूनीकरण केन्द्र (सी सी सी एवं डी एम)
4.	लोक नीति एवं सुशासन	योजना, निगरानी एवं मूल्यांकन केन्द्र (सी पी एम ई) सी एस आर, सार्वजनिक निजी साझेदारी एवं जन कार्रवाई केन्द्र (सी सी, पी पी पी एवं पी ए) सुशासन एवं नीति विश्लेषण केन्द्र (सी सी जी जी एवं पी ए)
5.	स्थानीय सुशासन	पंचायती राज केन्द्र (सी पी आर) विकेन्द्रीकृत योजना केन्द्र (सीडी पी) सामाजिक सेवा सुपुर्दगी केन्द्र (सी एस एस डी) सामाजिक लेखा परीक्षा केन्द्र (सी एस ए)
6.	विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं ज्ञान प्रणाली	ग्रामीण विकास में संसूचना अनुप्रयोग केन्द्र (सी जी ए आर डी) अभिनव एवं उपयुक्त प्रौद्योगिकी केन्द्र (सी आई ए टी) **व्यावसायिक समर्थन केन्द्र** विकास प्रलेखन एवं संचार केन्द्र (सी डी सी) सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी केन्द्र (सी आई सी टी) अनुसंधान एवं प्रशिक्षण समन्वयन एवं नेटवर्किंग केन्द्र (सी आर टी सी एन)

31-03-2015 को एन आई आर डी एवं पी आर के संकाय एवं अधिकारीगण

डॉ. डब्ल्यू.आर. रेड्डी, आई ए एस, महानिदेशक

श्रीमती चंदा पंडित, आई ए एवं ए एस, वित्तीय सलाहकार तथा रजिस्ट्रार एवं निदेशक (प्रशासन) प्रभारी

(सीएएस)
विकास अध्ययन एवं सामाजिक न्याय केन्द्र

डॉ. के. सुमन चन्द्रा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

डॉ. (श्रीमती) राधिका रानी, एसोसिएट प्रोफेसर

(सीईएसडी)
समता एवं सामाजिक विकास केन्द्र

डॉ. आर. आर. प्रसाद, अध्यक्ष, प्रभारी

डॉ. (श्रीमती) जी. वैलेन्टिना, एसोसिएट प्रोफेसर

(सीजीएसडी)
जेंडर अध्ययन एवं विकास केन्द्र

डॉ. सी.एस. सिंघल, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

डॉ. एन.वी. माधुरी, एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ. (श्रीमती) सुचित्रा पुजारी, सहायक प्रोफेसर

(सीएचआरडी)
मानव संसाधन विकास केन्द्र

डॉ [श्रीमती] ज्ञानमुद्रा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

डॉ. टी. विजय कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ. लखन सिंह, सहायक प्रोफेसर

(सीपीजीएस एवं डीई)
स्नातकोत्तर अध्ययन एवं दूरस्थ शिक्षा केन्द्र

डॉ. सी.एस. सिंघल, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, प्रभारी

डॉ. ए. देबप्रिया, एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ. (सुश्री) सोनल मोबार रॉय,सहायक प्रोफेसर

ग्रामीण आजीविका स्कूल

(सीडब्ल्यू ई)
मजदूरी रोजगार केन्द्र

डॉ. जी. रजनीकांत,

एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, प्रभारी

डॉ. [सुश्री] पी. अनुराधा, सहायक प्रोफेसर

(सीएसजे)
कौशल एवं जॉब केन्द्र

श्री एम. रवि बाबू,

कार्यपालक निदेशक

(अतिरिक्त प्रभार)

(सीएफआईई)
वित्तीय समावेश एवं उद्यमशीलता केन्द्र

डॉ. बी.के. स्वैन, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

(सीआरई)

ग्रामीण आधारभूत संरचना केन्द्र

डॉ. पी. शिवराम, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

डॉ. आर. रमेश, सहायक प्रोफेसर

डॉ. एस. नागभूषण, सहायक प्रोफेसर (प्रतिनियुक्ति पर)

(सीएफएल)

आजीविका केन्द्र

डॉ. पी. शिवराम, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, प्रभारी

डॉ. यु. हेमन्त कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ. जी.वी. कृष्णा लोहिदास, सहायक प्रोफेसर

डॉ. पी. राजकुमार, सहायक प्रोफेसर

सततयोग्य विकास स्कूल

(सीएनआरएम)

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन केन्द्र

डॉ. के. सुमन चंद्रा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, प्रभारी

डॉ. एस.सिद्धय्या, एसोसिएट प्रोफेसर

(सीसीसी एवं डीएम)

जलवायु परिवर्तन एवं संकट प्रबंधन केन्द्र

डॉ. ई.वी. प्रकाश राव, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

डॉ. वी. सुरेश बाबू, एसोसिएट प्रोफेसर

लोक नीति एवं सुशासन स्कूल

(सीपीएमई)

योजना, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन केन्द्र

डॉ. एस. चटर्जी, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

डॉ. जी. वेंकट राजु, एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ. (श्रीमती) अरुणा जयमणि, सहायक प्रोफेसर

सीसी, पीपीए एवं पी ए

सीएसआर केन्द्र, पब्लिक, प्राईवेट भागीदारी एवं जन कार्रवाई

डॉ. आर. मुरुगेषण, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

सीजीजी एवं पीए

सुशासन एवं नीति विश्लेषण केन्द्र

डॉ. (श्रीमती) एम. सारुमति, एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष प्रभारी

डॉ. के. प्रभाकर, सहायक प्रोफेसर

स्थानीय शासन स्कूल

(सीपीआर)

पंचायती राज केन्द्र

डॉ. (श्रीमती) के. जयलक्ष्मी, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

डॉ. के. अजीत कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ. (श्रीमती) प्रत्युस्ना पटनायक, सहायक प्रोफेसर

(सीडीपी)

विकेन्द्रीकृत योजना केन्द्र

डॉ. वाई. भास्कर राव, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

डॉ. आर. चिन्नादुरई, एसोसिएट प्रोफेसर

(सीएसए)

सामाजिक लेखा परीक्षा केन्द्र

डॉ. (श्रीमती) सी. धीरजा, एसोसिएट प्रोफेसर

विज्ञान, तकनोलॉजी एवं ज्ञान प्रणाली स्कूल

(सी-गार्ड)

ग्रामीण विकास में भू-संसूचना अनुप्रयोग केन्द्र

डॉ. वी. माधव राव, सलाहकार एवं अध्यक्ष प्रभारी

डॉ. पी. केशव राव, एसोसिएट प्रोफेसर

श्री डी.एस.आर. मूर्ति, सहायक प्रोफेसर

डॉ. टी. फनिंद्र कुमार, सहायक प्रोफेसर

श्री एच.के. सोलंकी, सहायक प्रोफेसर

श्री के. राजेश्वर, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग एसोसिएट

(सीआईएटी)

नवोन्मेषण एवं उपयुक्त प्रौद्योगिकी केन्द्र

डॉ. वाई.गंगी रेड्डी,

प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

व्यावसायिक समर्थन केन्द्र

(सीडीसी)

विकास प्रलेखन एवं संचार केन्द्र

डॉ. (श्रीमती) ज्ञानमुद्रा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, प्रभारी

डॉ. (श्रीमती) के. पापम्मा, संपादक

डॉ. (श्रीमती) वासंति राजेन्द्रन, सहा निदेशक

(सिर्डाप को प्रतिनियुक्ति पर, निदेशक आई सी डी)

डॉ. (श्रीमती) टी.रमा देवी, प्रलेखन अधिकारी

डॉ. (श्रीमती) पद्‌मजा, वरिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष

(सीआईसीटी)

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी केन्द्र

डॉ. पी. सतीश चंद्र , प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

श्री जी.वी. सत्यनारायणा, सहायक प्रोफेसर

(सीआरटीसीएन)

अनुसंधान एवं प्रशिक्षण समन्वयन एवं नेटवर्किंग केन्द्र

डॉ. (श्रीमती) ज्ञानमुद्रा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, अनुसंधान, प्रभारी

डॉ. पी. दुर्गाप्रसाद, अध्यक्ष प्रभारी (प्रशिक्षण)

डॉ. आर.पी. आचारी, एसोसिएट प्रोफेसर (प्रशिक्षण)

परियोजना निदेशकगण

डॉ. एम. रवि बाबु, आईआरटीएस, कार्यपालक निदेशक, डीडीयु - जीकेवाई

श्री के.पी. राव परियोजना निदेशक, एनआरएलएम सेल

श्री ओ.एन. बंसल, परियोजना निदेशक, आरसेटी

प्रशासन

डॉ. ए. देबप्रिय, सहायक रजिस्ट्रार (ई) प्रभारी
श्री एन. एम. नायक, सहायक रजिस्ट्रार (टी) प्रभारी
श्री सी. रामास्वामी, अनुभाग अधिकारी (सी)
श्रीमती पी. धनलक्ष्मी, अनुभाग अधिकारी (डी)
श्री के.सी. बेहरा, जन संपर्क अधिकारी
श्री असरारुल हक, छात्रावास प्रबंधक

लेखा

श्रीमती चंदा पंडित, आई ए एवं ए एस, सलाहकार (एफएम) एवं एफए प्रभारी
श्री पी. जनार्धन राव, सहायक वित्तीय सलाहकार एवं वेतन अधिकारी, प्रभारी
श्री जी. वी. श्रीधर गौड, लेखा अधिकारी
श्रीमती के.आर. आशालता, लेखा अधिकारी

स्वास्थ्य केन्द्र

डॉ (श्रीमती) सारा मैथ्यू , महिला चिकित्सा अधिकारी

हिन्दी अनुभाग

श्रीमती अनिता पांडे, सहायक निदेशक (रा.भा.)
श्री ई. रमेश, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक

रख-रखाव एकक

श्री पी. वी. दयानंद, कार्यपालक अभियंता
श्री बी. वी. हीरेमट, बागवानी अधिकारी

एन आई आर डी एवं पी आर -उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी, असम

डॉ. आर.एम. पंत, निदेशक
डॉ. के. हलोई, एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ. (श्रीमती) रत्ना भुयान, सहायक प्रोफेसर
डॉ. एन. एस. आर. प्रसाद, सहायक प्रोफेसर
डॉ. मुकेश कुमार श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर
श्री ए. सिम्हाचलम, सहयोगी संकाय
श्री अरुप ज्योति शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी
श्री बी. एन. शर्मा, लेखा अधिकारी

स्टाफः स्टाफ का श्रेणी-वार विवरण (एन आई आर डी एवं पी आर -एन ई आर सी, गुवाहाटी सहित) नीचे इस प्रकार है :

शैक्षणिक स्टाफ

श्रेणी	अ.जा.	अ.ज.जा	अन्य	कुल	पूर्व सैनिक,	पुरुष कॉलम पाँच को छोडकर महिलाएं
1	2	3	4	5	6	7
ग्रूप - क	07	02	32	41	--	13
ग्रूप - ख	-	-	08	08	--	--
कुल	**07**	**02**	**40**	**49**	**--**	**13**

गैर-शैक्षणिक स्टाफ

श्रेणी	अ.जा.	अ.ज.जा	अन्य	कुल	पूर्व सैनिक,	पुरुष कॉलम पाँच को छोड़कर महिलाएं
1	2	3	4	5	6	7
ग्रूप - क	01	-	04	05	--	03
ग्रूप - ख	08	01	22	31	--	11
ग्रूप - ग	16	04	97	117	04	26
ग्रूप - ग (पुन:वर्गीकृत)	43	07	43	93	01	14
कुल	**68**	**12**	**166**	**256**	**05**	**54**

सामान्य प्रशासन

संस्थान के प्रशासन का उत्तरदायित्व महानिदेशक का प्रमुख कार्यकारी अधिकारी के तौर पर होता है एवं कार्यकारी परिषद के अनुदेशों एवं मार्गदर्शन के अंतर्गत अधिकारों का प्रयोग करते हैं ।

संस्थान का प्रशासन सहयोग, सांविधिक बैठकों का आयोजन, व्यवस्था एवं कार्मिक प्रबंधन अतिथि गृह प्रबंधन, परिषद सेवा में योग स्वास्थ्य सेवा एवं कर्मचारियों के हित के लिए उत्तरदायी होते है ।

सांविधिक बैठकें

वर्ष 2015-16 के दौरान निम्नलिखित सांविधिक बैठके आयोजित की गई :

बैठक	दिनांक	स्थान
116 वीं कार्यकारी परिषद	27-11-2015	ग्रामीण विकास मंत्रालय कृषि भवन, नई दिल्ली
117 वीं कार्यकारी परिषद	01-02-2016	ग्रामीण विकास मंत्रालय कृषि भवन, नई दिल्ली

आधारभूत संरचना सुविधायें

संस्थान 174.21 एकड़ क्षेत्र में बसा हुआ है जिसमें आधारभूत संरचना सुविधायें जैसे - संकाय भवन, प्रशासनिक भवन, सुसज्जित पुस्तकालय, 152 अतिथि रुम्स के साथ तीन वातानुकूलित अतिथि गृह अधिुनिक श्रव्य-दृश्य उपकरणों के साथ ग्यारह सम्मेलन कक्ष, ऑडिटोरियम जिसमें 300 लोगों को बैठने की क्षमता है, समुदाय भवन, स्वास्थ्य केन्द्र, स्पोर्टस कॉम्पलेक्स, 219 आवासीय क्वार्टर्स, स्टॉफ कैन्टिन, शिशु सदन, महिला मंडली, युवा क्लब, योग एवं जिमनेजियम

सुविधायें इत्यादि हैं । अत्याधुनिक नये सम्मेलन कक्ष निर्माण हेतु कार्य शुरु किया गया है ।

आई टी आधारभूत संरचना

एन आई आर डी एवं पी आर में अत्याधुनिक कम्प्यूटर केन्द्र तथा इंटरनेट और इंटरानेट डेडिकेटेड संयोजकता के साथ नवीनतम प्रौद्योगिकी सुविधायें उपलब्ध हैं और कार्मिक और प्रशासन विभाग उत्कृष्ट केन्द्र के रुप में मान्यता दी गई है ।

एन आई आर डी एवं पी आर नेटवर्क प्रभावी शैक्षणिक प्रशासन प्रकार्य, ई-ऑफिस, ई-जर्नल, एन आई आर डी एवं पी आर ई-जेआरडी, आई पी के एन के लिए ऑनलाईन सेवायें उपलब्ध कराता हैं तथा उच्च मंत्रालयों एवं विभागों, राज्य, जिला एवं एस आई आर डी / ई टी सी अनुसंधान संगठन के 1000 अलग-अलग मेजबानों के नेटवर्क के व्यापक स्रोत से जुड़ा हुआ है ।

एन आई आर डी एवं पी आर अपने राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क संयोजकता 100 एम बी पी एस एवं 22 एम बी पी एस के रीडननेंसी के डेडीकेटड लिंक मेसर्स रेलटेल कार्पोरेशन ऑफ इंडिया के माध्यम से अबाधित इंटरनेट सेवायें प्रदान कर रहा हैं। एन आई आर डी एवं पी आर नेटवर्क प्रौद्योगिकी सघन है तथा mail.gov.in को प्रदान करता है तथा कैम्पस में अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय प्रतिभागियों को सभी सेवायें प्रदान कर रहा हैं ।

कार्यालय भवन एवं अतिथि गृहों के बीच वाई-फाई सेवायें उपलब्ध हैं । संस्थान में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिभागियों, क्षेत्र कार्यकर्ताओं, मंत्रालय पदाधिकारियों, छात्रों इत्यादि के लिए प्रशिक्षण, मूल्यांकन और अनुभव के लिए दो सुसज्जित कम्प्यूटर लैब हैं । ये लैब ऑफिस की वर्तमान आवश्यकताओं तथा संस्थान के प्रशिक्षण और अनुसंधान क्रियाकलापों की पूर्ति करता है तथा संस्थान की उभरती आवश्यकताओं की पूर्ति करता है ।

कर्मचारी कल्याण

संस्थान ने पूर्व की भांति कल्याण क्रियाकलाप के भाग के रुप में कैम्पस में भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम स्कूल को अपनी सहायता का समर्थन जारी रखा है । आलोच्य वर्ष के दौरान एन आई आर डी एवं पी आर कर्मचारियों के अधिकांश बच्चों ने स्कूली सुविधाओं का उपयोग किया । संस्थान स्कूल के आधारभूत संरचना के सुधार एवं विस्तार के लिए आवश्यक समर्थन प्रदान कर रहा है ।

संस्थान की हितकारी निधि से अनुदान को मंजूरी देते हुए कल्याण क्रियाकलापों में स्वैच्छिक प्रयासों को प्रोत्साहन देते हुए संस्थान के स्टॉफ सदस्यों को लाभान्वित करने के लिए कैम्पस में एन आई आर डी एवं पी आर खेल कूद एवं मनोरंजन क्लब महिला मंडल एवं अन्य को भी सहायता जारी रखा है । उसी प्रकार से संस्थान के स्टॉफ सदस्यों के लाभ हेतु कैम्पस में एन आई आर डी एवं पी आर स्पोर्ट एवं मनोनंजन क्लब को संचालित करने हेतु समर्थन प्रदान कर रहा है । वर्ष के दौरान कल्याण कार्यो के लिए स्वीकृत अनुदानों की विस्तृत जानकारी निम्न प्रकार है :

क्र.सं.	के लिए निधि पोषण	राशि (रु.)
1	एन आई आर डी एवं पी आर , खेलकूद एवं मनोरंजन क्लब	70,000.00
2.	एन आई आर डी एवं पी आर, शिशुसदन	2,26,149.00
3.	एन आई आर डी एवं पी आर, कैटीन	1,20,000.00

(जारी...)

क्र.सं.	के लिए निधि पोषण	राशि (रु.)
4.	एन आई आर डी एवं पी आर, महिला मंडली	-----------
5.	एन आई आर डी एवं पी आर बी वी बी वी स्कूल	31,34,717.00
6.	कैम्पस बच्चों एवं प्रतिभागियों के लिए कराटे कोच	43,400.00
7.	मृतक स्टॉफ के असंतुष्ट परिवारों को सहायता	50,000.00
	कुल	**36,44,266.00**

ग्रूप ' सी ' एवं 'डी' कर्मचारियों को भी कई अन्य लाभ भी दिए गए हैं जैसे - स्टॉफ के बच्चों के विवाह हेतु पुनर्देय ऋण, बच्चों के लिए उच्चतर अध्ययन इत्यादि को संस्थान के हितकारी निधि से कम ब्याज पर ऋण दिया गया । एन आई आर डी एवं पी आर कैन्टीन का प्रबंधन स्व-सहायता समूह को सौंपा गया है ।

हिन्दी का प्रगामी प्रयोग - 2015 -16

राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में संस्थान का कार्य निष्पादन सराहनीय रहा । संस्थान भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु समय -समय पर दिए गए दिशानिर्देशों के तद्नुसार संपूर्ण कार्यान्वयन हेतु कदम उठाए गए । राजभाषा के क्षेत्र में संस्थान द्वारा किये गये कार्य उल्लेखनीय हैं । वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए किये गये कार्यो का विवरण निम्नलिखित है :

प्रतिदिन एक हिन्दी शब्द सीखिए योजना

संस्थान के अधिकारियों / कर्मचारियों में हिन्दी के कार्यसाधक ज्ञान को बढ़ाने हेतु संस्थान में ''प्रतिदिन एक हिन्दी शब्द सीखिए '' योजना को कार्यान्वित किया जा रहा है । उसी प्रकार संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों मे हिन्दी के प्रति रुचि जागृत करने हेतु हिन्दी उद्धरणों को भी प्रदर्शित किया जा रहा है ।

हिन्दी पखवाड़ा / हिन्दी दिवस का आयोजन

संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा दिनांक 14 सितम्बर से 28 सितम्बर, 2015 तक मनाया गया। डॉ. हरवीर सिंह नेहवाल, वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष तिलहन अनुसंधान निदेशालय एवं डॉ.एम. रवि बाबू, आईआरटीएस कार्यपालक निदेशक, डीडीयू-जीकेवाई, एनआईआरडी एवं पीआर ने समारोह की अध्यक्षता की उन्होंने हिन्दी दिवस के अवसर पर सभी को बधाई दी और हिन्दी प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया ।

हिन्दी पखवाड़े के दौरान निम्नलिखित छह हिन्दी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई :

1. सुलेख प्रतियोगिता (ग्रूप सी - एम टी एस कर्मचारियों के लिए)
2. हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता
3. हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता (पी जी डिप्लोमा छात्रों के लिए)

4. हिन्दी प्रश्न मंच प्रतियोगिता
5. हिन्दी अंताक्षरी प्रतियोगिता
6. हिन्दी अंताक्षरी प्रतियोगिता (पी जी डिप्लोमा छात्रों में लिए)
7. हिन्दी दैनिक शब्द प्रतियोगिता
8. स्मरणशक्ति प्रतियोगिता

इसके अलावा एन आई आर डी एवं पी आर के परिसर में स्थापित/स्थित भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम विद्यालय में निबंध कविता पठन एवं भाषण कला की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई । बी वी बी वी स्कूल के प्राचार्य द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया । उपरोक्त सभी प्रतियोगितायें हिन्दी और गैर हिन्दी भाषियों के लिए आयोजित की गई ।

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

वर्ष 2014-15 की वार्षिक कार्य योजना के निदेशानुसार संस्थान ने एन आई आर डी एवं पी आर ग्रूप ''ए'' अधिकारियों के लिए हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई । 10 मार्च, 2016 को प्रतिभागियों को ''यूनिकोड'' सॉफ्टवेयर के उपयोग के विषय पर प्रशिक्षित किया गया ।

संस्थान के हिन्दी प्रकाशन

आलोच्य अवधि के दौरान निम्नलिखित प्रकाशन निकाले गये :

1. एन आई आर डी एवं पी आर समाचार पत्र - 12 अंक
2. वार्षिक प्रतिवेदन - 2014-15
3. वार्षिक लेखा - 2014-15
4. ग्रामीण विकास समीक्षा - (द्विवार्षिक पत्रिका) (1) जनवरी-जून, 2015 और (2) जुलाई - दिसम्बर, 2015
5. एन आई आर डी एवं पी आर प्रशिक्षण कैलेण्डर 2015-16
6. आर-सेटी समाचार पत्र 4 संख्या (द्विभाषी)
7. एन आई आर डी एवं पी आर एक परिचय (हिन्दी)

भारत के राजपत्र में अधिसूचना

कार्यरत कर्मचारियों में 80% सदस्यों ने हिन्दी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है । इसी कारण से राजभाषा नियम 1976 के 10 (4) के अनुसरण में एन आई आर डी एवं पी आर भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया ।

सभी कंप्यूटरों में द्विभाषी की सुविधा

सभी 491 कंप्यूटरों को द्विभाषी में बनाया गया । यूनिकोड एवं ए पी एस सॉफ्टवेयर को संस्थापित किया गया ।

राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का अनुपालन

सभी नामपट्ट , सूचनापट्ट एवं संकेत पट्ट एवं संस्थान के नाम संकाय, सरकारी अनुभागों इत्यादि के नाम को द्विभाषी (हिन्दी +अंग्रेजी) में तैयार किया गया है । सभी सरकारी दस्तावेज एवं राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत द्विभाषी रुप में तैयार किया गया एवं संदर्भ हेतु जारी किया गया । आलोच्य वर्ष के दौरान लगभग 1400 पृष्ठों का हिन्दी अनुवाद संपूरित किया गया ।

तिमाही प्रगति रिपोर्ट

दि. 31-06-2015, 30.09.2015, 31.12.2015 एवं 31.03.2016 की अवधि के लिए समाप्त तिमाही प्रगति को विधिवत रुप से भरकर ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली एवं क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, बैंगलोर को भेजा जा चुका है ।

वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट वर्ष 2015-16 विधिवत रुप से भरा गया

विधिवत रुप से भरा हुआ 2015-16 का वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली एवं राजभाषा विभाग, नई दिल्ली की 06-04-2016 को प्रेषित किया गया।

संकाय विकास

संकाय विकास एवं समृद्धि प्रक्रिया के भाग के रुप में भारत और विदेशों में संस्थान के संकाय और गैर-संकाय सदस्यों को विभिन्न सेमिनारों , सम्मेलनों, कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नियमित आधार तौरपर प्रतिनियुक्ति किया जा रहा है । 2015 - 16 के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों मे संकाय और गैर संकाय सदस्यों की सहभागिता इस प्रकार है :

अंतराष्ट्रीय (शैक्षणिक)

क्र. सं.	संकाय का नाम एवं पदनाम	सेमिनार/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम
1.	डॉ. टी. विजय कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, सी एच आर डी	25-26 सितंबर, 2015 के दौरान पेनांग, मलेशिया, में ''मानविकी, समाजशास्त्र में अनुसंधान एवं कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (आर एच एस सी एस आर)'' पर था अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सहभाग किया तथा प्रपत्र प्रस्तुत किया ।
2.	डॉ. एन. वी. माधुरी, एसोसिएट प्रोफेसर, सी जी एस डी	25-29 मई, 2016 के दौरान बैंगकाक एवं पेटचाबुरी में प्रोविंस, थाइलैण्ड में ''समुचित अर्थव्यवस्था सिद्धान्त एवं नये विषय पर क्षेत्रीय कार्यशाला'' में भाग लिया ।

राष्ट्रीय (शैक्षणिक)

क्र. सं.	संकाय का नाम एवं पदनाम	सेमिनार/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम
1	डॉ. बी. के. स्वैन, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, (सी एफ आई ई)	14-18 मार्च, 2016 के दौरान अहमदाबाद में आयोजित प्रमाणित ऋण अधिकारी पाठ्यक्रम के लिए पश्च परीक्षा प्रशिक्षण में भाग लिया । इसे भारतीय बैंकिंग एवं वित्त संस्थान, मुंबई द्वारा आयोजित किया गया
2	डॉ. आर. मुरुगेषण, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, सी एस आर,पी पी पी एवं पी ए	4-5 मार्च, 2016 के दौरान इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राईजेस, हैदराबाद में आयोजित नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व पर दो दिवसीय सम्मेलन में भाग लिया ।
3	डॉ. टी. विजय कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, सी एच आर डी	14-18 मार्च, 2016 के दौरान सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंधन (आई एस टी एम), संस्थान नई दिल्ली में प्रशिक्षण का प्रबंधन पर प्रशिक्षण में भाग लिया।
4	डॉ. सी एच राधिका रानी, एसोसिएट प्रोफेसर, सी ए एस	20-21 नवंबर, 2015 के दौरान इंदिरा गांधी विकास 1. अनुसंधान संस्थान, मुंबई में राष्ट्रीय आय एवं संपत्ति में इंडियन एसोसिएशन रिसर्च का 34वां वार्षिक सम्मेलन में सहभाग किया एवं पेपर प्रस्तुत किया । 2. 30 नवंबर से 9 दिसंबर, 2015 के दौरान ईरमा आनंद में "इम्पैक्ट इवैल्युशन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।
5	डॉ. लखन सिंह, सहायक प्रोफेसर, सी एच आर डी	10-12 दिसंबर, 2015 के दौरान युनिवर्सिटी केरल में स्वास्थ्य एवं विकास : अनुसंधान पद्धति एवं नीति पर आई ए एस एस एच का वार्षिक सम्मेलन कार्यक्रम में भाग लिया और प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

(जारी...)

क्र. सं.	संकाय का नाम एवं पदनाम	सेमिनार/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम
6	डॉ. सिद्धैया, एसोसिएट प्रोफेसर, सी एन आर एम	2-4 दिसंबर , 2015 के दौरान सेन्ट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ फिशरिंज् एड्जुकेशन संस्थान मुबंई में रुपांतरित भारतीय कृषि के लिए अंतर और अंतरा क्षेत्रीय सक्रियता पर 23वां कृषि सम्मेलन में भाग लिया और प्रपत्र प्रस्तुत किया ।
7	डॉ. जी. वैलेन्टिना, एसोसिएट प्रोफेसर, सी ई एस डी	9-11 सितंबर , 2015 के दौरान बैंगलोर में 7वां एडिशन ऑफ वर्ल्ड डी आई डी ए सी , इंडिया में भाग लिया ।
8	डॉ. ए. देबप्रिया, एसोसिएट प्रोफेसर, सी पी जी एस	5-6 नवंबर , 2015 के दौरान वामनीकॉम पूणे में 10वां इंटरनेशनल कोऑपरेटिवज् एलायंस एशिया एंड पैसिफिक रिजनल रिसर्च ऑन गवर्नेंस ऑफ कोऑपरेटिवज : मुद्दे और चुनौतियां कार्यक्रम में भाग लिया और पेपर प्रस्तुत किया ।
9	डॉ. सी. धीरजा, एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, सी एस ए	1-5 मार्च, 2016 के दौरान ईरमा, आनंद में इम्पैक्ट इवैल्युएशन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।
10	डॉ. आर. रमेश, सहायक प्रोफेसर, सी आर आई	30 नवंबर , 2016 से 9 दिसंबर , 2015 तक ईरमा आनंद में आयोजित ''इम्पैक्ट इवैल्युएशन विंटर स्कूल 2015'' में भाग लिया ।
11	डॉ. सुचित्रा पुजारी, सहायक प्रोफेसर, सी जी एस डी	10-12 दिसंबर , 2015 के दौरान केरल युनिवर्सिटी, तिरुवंतपुरम में स्वास्थ्य एवं विकास कारण पद्धति और नीति पर 13वां एनुअल कॉफ्रेन्स ऑफ इंडियन एसोसिएशन फौर सोशल साइंस में भाग लिया और प्रपत्र प्रस्तुत किया ।
12	डॉ. जी. वी. के . लोहिदास, सहायक प्रोफेसर, सी एफ एल	1-5 मार्च, 2016 के ईरमा, आनंद में आयोजित इम्पैक्ट इवैल्युएशन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

राष्ट्रीय (अशैक्षणिक)

क्र. सं.	संकाय का नाम एवं पदनाम	सेमिनार/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम
1	डॉ. (श्रीमती) सराह मैथ्यू, महिला चिकित्सा अधिकारी	4-10 अक्तूबर , 2015 के दौरान रामोजी फिल्म सिटी, हैदराबाद में ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल्स सांईसेंस (ए आई आई एम एस), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 12वां हेल्थकेयर एक्जिक्यूटिवज् मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम (एच X एम डी पी) में भाग लिया ।
2	डॉ. एम. पद्‌मजा, वरिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष	1. 18-20 जून, 2015 के दौरान युनिवर्सिटी ऑफ मैसूर में सूचना अनंत :सूचना विज्ञान का अतीत, वर्तमान एवं भविष्य पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया । 2. 11-12 मार्च, 2016 के दौरान युनिवर्सिटी ऑफ मैसूर में ब्रिड्लिंग दी डिजिटल डिवाईड: ओपन सोर्स एंड ओपन एक्सेस मुवमेंट पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।
3	श्रीमती अनिता पांडे, सहायक निदेशक (रा. भा.)	9-11 फरवरी, 2016 के दौरान राजभाषा अकादमी, नई दिल्ली के द्वारा न्यू मेरीन ड्राइव, पूरी (ओडिशा) होटल श्रीहरि / प्रभुपाद में आयोजित 8वें हिन्दी सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।
4	श्री ई. रमेश, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक (रा.भा.)	1. 9-12-2015 को मैनेज, राजेन्द्रनगर हैदराबाद में एक दिवसीय हिन्दी राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया ।

(जारी...)

क्र. सं.	संकाय का नाम एवं पदनाम	सेमिनार/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम
		2. 25-26 फरवरी, 2016 के दौरान एडवांस सिस्टम फॉर लैबोरेटरी (ए एस एल) कंचनबाग, हैदराबाद में 11वें अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी सेमिनार में भाग लिया ।
5.	श्री एस. आई. हुसैन, आशुलिपिक, ग्रेड-।।, (रा.भा.)	25-26 फरवरी, 2016 के दौरान एडवांस सिस्टम फॉर लैबोरेटरी (ए एस एल) कंचनबाग, हैदराबाद में 11वें अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी सेमिनार में भाग लिया ।

वर्ष 2015-16 के दौरान क्रियाकलाप / कार्य

वर्ष 2015-16 के दौरान संस्थान ने निम्नलिखित कार्यों को प्रारंभ किया है

के साथ साझेदारी

- यूनिसेफ - उत्तरजीविका, विकास एवं अभिवृद्धि के लिए पोषण की महत्ता पर क्षमता निर्माण कार्य
- इसरो - प्रायोगिक आधार पर शिनाख्त किए गए पांच जिलों में जी आई एस आधारित जिला योजना एवं ग्रामीण विकास में अंतरिक्ष अनुप्रयोग ।
- यु एन डी पी - मनरेगा, पोषण एवं शिक्षा से संबंधित क्षमता निर्माण

संकाय विकास योजना (एफ डी एस) के भाग के रुप में संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लिया । इसके अलावा निम्नलिखित कार्यक्रम प्रारंभ किए गए ।

- जे - पावर्टी एक्शन लैब (जे-पाल) दल के सहयोग से 'अनुसंधान क्रियाविधि' पर संकाय विकास कार्यक्रम।
- प्रतिभागियों को दी गई पठन सामग्री के अलावा क्लासरुम परिचर्चाओं में श्रेष्ठ पद्धतियों एवं सफल कहानियों के अभिलेखन के संदर्भ में क्षेत्र वास्तविकताओं को दर्शाने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं । इस परिप्रेक्ष्य में मामला अध्ययन का विकास महत्वपूर्ण बन गया हैं । तद्नुसार अनुसंधान पर संस्थान के संकाय की क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए संस्थान के अनुसंधान क्रियाकलापों के भाग के स्वरुप मामला अध्ययनों की योजना की गई है । इसी के अनुपालन में समाज विज्ञान संस्थान के सहयोग से अक्तूबर , 2016 के प्रथम सप्ताह में ''ग्रामीण विकास में मामला अध्ययनों के विकास पर कार्यशाला'' विषयक संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मामला अध्ययन के आयामों पर संकाय को अद्यतन जानकारी

देना है तथा महत्वपूर्ण बात यह है कि अनुसंधान की इस पद्धति पर उनके अनुभवों को समेकित करना और शेयर करना हैं ।

ई-ऑफिस : पारदर्शिता, दक्षता, प्रभावोत्पादकता, निरंतरता, प्रशासन की गुणवत्ता, जवाबदेहिता एवं सरकारी प्रक्रियाओं में संसाधनों का अधिकतम उपयोग एवं सेवा सुपुर्दगी तंत्र को सुनिश्चित करने की प्रक्रिया ई-ऑफिस है । वर्ष के दौरान एन आई आर डी एवं पी आर ने ई-ऑफिस के कार्यान्वयन को प्रारंभ किया है तथा कार्य को एन आई सी एस आई को सौंपा गया हैं । लगभग 200 डेस्कटॉप सिस्टम के साथ रोबस्ट एवं नवीनतम अंक को प्राप्त किया गया है ताकि एन आई आर डी एवं पी आर में सफलतापूर्वक ई-ऑफिस पद्धति प्रचलन में लाया जा सके ।

बॉयोमेट्रिक उपस्थिति : सभी कर्मचारियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए एवं अधिक से अधिक कार्य निष्पादन प्राप्त करने हेतु एन आई आर डी एवं पी आर के कर्मचारियों के लिए आधार आधारित बॉयोमेट्रिक उपस्थिति सिस्टम को प्रारंभ किया गया ।

तकनीकी कमेटी : वर्ष 2008 में संस्थान के कार्यकारी परिषद ने यह अधिकार दिया कि तकनीकी कमेटी को गठित किया जाए ताकि कार्यपालक इंजीनियर के अधिकारों से परे सभी तकनीकी आकलनों पर अनुमोदन प्राप्त किया जा सके और तद्नुसार तकनीकी कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी को श्री आर. कोंडल राव, सेवानिवृत्त, वर्तमान में आ. प्र. सरकार के सलाहकार के रुप में कार्यरत है कि अध्यक्षता में कठित किया गया है । आगे, कार्यकारी परिषद द्वारा पूर्व अनुमोदित लंबित कार्य तथा एन आई आर डी एवं पी आर में नई आधारभूत संरचनाओं के सृजन, रखरखाव एवं उपयोग हेतु सुझावों का प्रस्ताव किया गया है ।

संकाय का कैरियर एडवांसमेट स्कीम (सी ए एस) : सी ए एस की सुविधा उन संकाय सदस्यों को विस्तृत की गई है उनके लिए सम्यक कार्यविधि को अपनाते हुए अगले वरिय वेतन / ग्रेड के अनुदान हेतु पात्र हैं जैसे - सहायक प्रोफेसर (वरिष्ठ वेतनमान), एसोसिएट प्रोफेसर एवं प्रोफेसर आदि । एन आई आई आर डी पी आर सी ए एस दिशानिर्देशों के अनुसार कुल 31 संकाय सदस्यों को सी ए एस प्रदान किया गया ।

संस्थान के अशैक्षणिक स्टॉफ के लिए संशोधित सुनिश्चित कैरियर प्रोग्रेशन स्कीम (एमएसीपीएस)

वर्ष के दौरान संस्थान के 63 अशैक्षणिक स्टॉफ (ग्रूप बी सी सहित पुनवर्गीकृत ग्रूप सी स्टॉफ सहित) को भारत सरकार के दिशानिर्देश के अनुसार एम ए सी पी एस के योग्य स्टॉफ को प्रदान किया गया ।

प्रत्येक प्रचलित कार्यक्रम में सॉफ्ट कौशल प्रेरणात्मक माड्यूल्स का समावेशन

आई ओ एफ सी कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी एन आई आर डी एवं पी आर के संकाय विकास कार्यक्रम के भाग के रुप में “ परिवर्तन के कार्य ”(आई एफ सी) पंचगणी, महाराष्ट्र द्वारा 28 मार्च को एन आई आर डी पी आर के संकाय सदस्यों, परियोजना निदेशकों, सलाहकारों, परामर्शदाताओं के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयोजित किया गया । प्रतिभागियों को एन आई आर डी पी आर के अधिदेश और शक्तियों की तुलना में हस्तक्षेपों की प्राथमिकताओं की रणनीतियों और ग्रामीण विकास की मुख्य समस्याओं के बारे में कहने का अवसर प्रदान किया । प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की । इस कार्यक्रम के नतीजे के रुप में संस्थान ने एन आई आर डी पी आर के अधिकारियों एवं स्टॉफ के लाभ के लिए वार्षिक कार्य योजना को तैयार करते हुए एफ डी पी को आगे ले जाने का प्रस्ताव कर रही हैं । इसके अलावा एन आई आर डी पी आर के साथ-साथ एस आई आर डी के लिए आंतरिक एफ डी पी को भी तैयार किया गया ।

एन आई आर डी पी आर में ऊर्जा एवं जल संरक्षण एवं ठोस मलजल प्रबंधन के कार्य

(क) ऊर्जा एवं जल संरक्षण :

अधिक बिजली खपत और जल संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, हैदराबाद के द्वारा जल ऑडेट एवं जल संरक्षण अध्ययन कार्य संपन्न किया गया । कुछ मुख्य सिफारिशें जिसे कार्यान्वयन के अधीन अनुमोदित किया गया है वे इस प्रकार है:

1. ट्रांसफार्मरों पर उचित लोडिंग / शिफ्टिंग लोड डालते हुए ऊर्जा की बचत करना ।
2. पॉवर कारक में सुधार करते हुए मुद्रा की बचत करना ।
3. सभी छात्रावास खण्डों के लिए सौर ऊर्जा हीटरों की संस्थापना ।
4. लेड बल्बस, स्टॉर रेटेड फैन्स, सैटिंग अप ऑफ वोल्टेज कंट्रोलर्स, इत्यादि ऊर्जा प्रभावी उपस्करों, उपकरणों द्वारा ऊर्जा की बचत करना ।
5. रुफटॉप सोलार व्यवस्थाओं की स्थापना ।
6. विभिन्न स्टेकहोल्डरों के बीच जागरुकता का सृजन करना ।
7. उद्यान / पौधों के लिए मल जल का चक्रावर्तन, उपकरणों में सुधार, स्प्रिंकलर / ड्रिप व्यवस्था की स्थापना ।
8. विभिन्न स्टेक होल्डरों के बीच जागरुकता सृजन हेतु योजना ।

(ख) ठोस मल जल प्रबंधन :

एन आई आर डी पी आर में वर्तमान ठोस मल जल प्रबंधन पुनरीक्षण का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य ''स्वच्छ और साफ एन आई आर डी पी आर कैम्पस'' के लक्ष्य को प्राप्त करना है तथा इस कार्य को ''स्राको'', एक गैर-सरकारी संगठन है जो मल जल प्रबंधन पर हैदराबाद में कार्यरत है । इस निष्कर्षों के आधार पर मल प्रबंधन का वैज्ञानिक प्रबंधन सृजित किया गया तथा सभी कैंम्पस वासियों के बीच जागरुकता का सृजन किया गया ।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान ने दि. 8 मार्च, 2016 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया । एन आई आर डी एवं पी आर, हैदराबाद के जेंडर अध्ययन एवं विकास केन्द्र (सी जी एस डी), ने उन महिलाओं को आंमत्रित किया और उनका सम्मान किया जिन्होंने समुदाय स्रोत व्यक्ति के रुप में काफी कार्य किया है तथा स्व-सहायता समूह के द्वारा संग्रहण कर महिलाओं के जीवन में परिवर्तन लाया है । इस अवसर पर उन्होंने अपने अनुभवों को शेयर किया जो काफी प्रेरणात्मक थे ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में श्रीमती अनिता रामचंद्रन आई ए एस, आयुक्त, तेलंगाना राज्य पंचायती राज और ग्रामीण विकास संस्थान, तेलंगाना सरकार, उपस्थित हुई तथा अतिथि के रुप में सुश्री सौम्य किदाम्बी, निदेशक, सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेहिता एवं पारदर्शिता समिति ग्रामीण विकास विभाग, तेलंगाना सरकार उपस्थित हुई ।

इसके अलावा समुदाय स्रोत व्यक्तियों, महिलाओं को भी आमंत्रित किया गया । छत्तीसगढ़ से समुदाय स्रोत महिला श्रीमती ममता देवांगना, बिहार से समुदाय स्रोत महिला श्रीमती नूरजहाँ और श्रीमती वैयजयंती देवी तथा एन आई आर डी पी आर से श्रीमती चेनम्मा, बेरफूट सौर तकनीशियन तथा श्रीमती जुबेदा, विकलांग ग्रामीण उद्यमीकर्ता और सुश्री नैना जायसवाल, अंतरराष्ट्रीय टेबल-टेनिस खिलाड़ी को आमंत्रित किया गया ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित श्रीमती अनिता रामचंद्रन ने सभा को सम्बोधित किया । उन्होंने जेंडर जस्ट सोसाईटी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सतत और गहन प्रयास करने पर बल दिया । उन्होंने इस बात को दोहराया कि समाज में पितृप्रधान समाज महिलाओं के अधिकारों के प्रति प्रत्येक को कार्य करना चाहिए एवं उन्होंने सी आर पी का उदाहरण दिया और बताया कि समुदाय स्तर पर महिला मुद्दों पर प्रशंसनीय कार्य कर उनके द्वारा किया जा रहा है।

सुश्री अनिता रामचंद्रन, मुख्य अतिथि

सुश्री सौम्या किदाम्बी ने अपने भाषण में कहा कि सच्चा सशक्तिकरण तभी संभव है जब हम अपनी मानसिकता को बदलने का प्रयास करें तथा जेंडर जस्ट सोसायटी के प्रति कार्य करने हेतु प्रेरित किया । आगे उन्होंने महिलाओं के प्रति भेदभाव को हटाने के लिए अनुकूल स्थितियां निर्माण की दिशा पर तथा सामाजिक विकास में समान भागीदार पर भी प्रकाश डाला ।

सुश्री किदाम्बी, विशेष आमंत्रित

पूर्व में डॉ. सी. एस. सिंघल, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, सी जी एस डी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के लिए वर्ष 2016 के विषय अर्थात् "प्लानेट 50-50 बाय 2030 : स्टेप इट अप फॉर जेंडर ईक्वालिटी" के बारे में बताया । उन्होंने सभी से अपील की कि वर्ष 2030 तक महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण और जेंडर समानता के सततयोग्य विकास लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में कार्य करें ।

सूचना का अधिकार (आर टी आई) अधिनियम, 2005 का कार्यान्वयन

पारदर्शिता और सांविधिक दायित्व की भावना को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने देश के नागरिकों को सूचना उपलब्ध कराने के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के प्रावधानों के कार्यान्वयन हेतु संस्थान ने कदम उठाए है । एन आई आर डी एवं पी आर वेबसाइट में आर. टी. आई. अधिनियम 2005 की अनिवार्य सूचना दी गई है । संस्थान के अपील प्राधिकारी, जन सूचना अधिकारी तथा दो सहायक जन सूचना अधिकारी एक पारदर्शी अधिकारी को आर टी आई आवेदको को सूचना देने के लिए मनोनीत किया है । इनके नाम एन आई आर डी पी आर वेबसाइट में दर्शाए गए है । संस्थान के उत्तर-पूर्वी केन्द्र (एन ई आर सी), गुवाहाटी के लिए अलग अपीलीय और जन सूचना अधिकारी नामित है । वर्ष के दौरान प्राप्त सभी आर टी आई आवेदन पर प्रक्रियानुसार कार्रवाई की गई तथा उपलब्ध सूचना एवं एन आई आर डी एवं पी आर रिकार्ड की सूचना आर टी आई आवेदकों को उपलब्ध कराई गई । संस्थान ने प्रक्रियानुसार अनिवार्य ऑन लाईन तिमाही रिटर्न भी प्रस्तुत किया ।

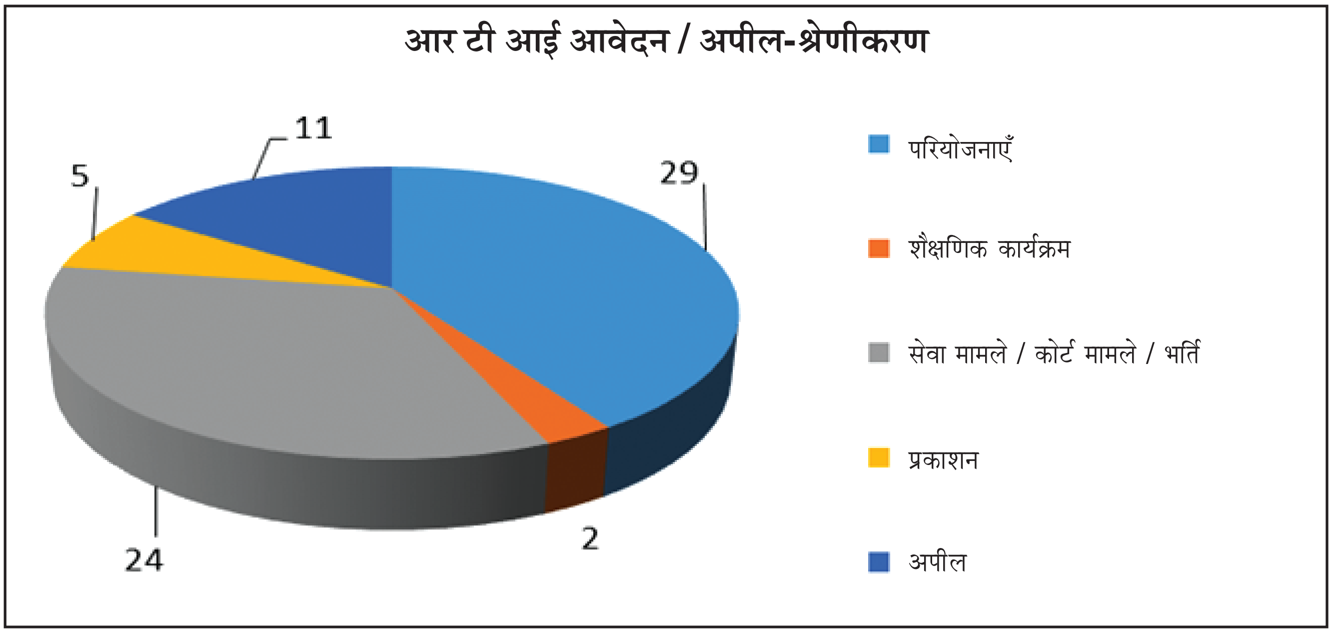

अध्याय 13

वित्त और लेखा

एन आई आर डी पी आर एक केन्द्रीय स्वायत्त निकाय है जो सभी क्रियाकलापों के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित है । प्रत्येक वर्ष, अनुमोदित बजट के अनुसार मंत्रालय, योजना योजनेतर शीर्ष के तहत अनुदान रिलीज करता है । एन आई आर डी पी आर के प्रस्ताव तथा आवश्यकता के आधार पर विशिष्ट पूंजी व्यय के लिए भी अनुदान रिलिज करता हैं । संस्थान के वित्त और लेखा प्रभाग को बजटिंग, वेतन एवं निधि का लेखाकरण, वार्षिक लेखा तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है । संस्थान प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल तथा 31 मार्च से आरम्भ वित्तीय वर्ष सहित दुहरी प्रविष्टि प्रणाली को अपना रहा है । संस्थान के वार्षिक लेखा की लेखा परीक्षा भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक करते है । संस्थान के लेखा को केन्द्रीय स्वायत्त निकाय के लिए सी ए जी द्वारा अनुमोदित निर्धारित मानदंडों के अनुसार तैयार किया जाता है । प्रत्येक वर्ष संस्थान के लेखा में सी ए जी की लेखा परीक्षा रिपोर्ट को शामिल किया जाता है और संसद में प्रस्तुत किया जाता है ।

योजना और योजनेतर शीर्ष के तहत रिलीज किए गए अनुदान का उपयोग संस्थान के मुख्य क्रियाकलाप के व्यय की पूर्ति के लिए किया जाता है जैसे क्षमता निर्माण, अनुसंधान विकास, सेमिनार एवं सम्मेलन, ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क, प्रकाशन, जर्नल की खरीद, पुस्तकालय, रखरखाव तथा अन्य आवर्ती एवं आवर्ती व्यय । उपरोक्त के अलावा ग्रा वि मं के विभिन्न कार्यक्रम प्रभागों से भी एन आई आर डी पी आर को निधि प्राप्त होती है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भारत सरकार के विभिन्न फ्लैगशिप कार्यक्रम जैसे दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डी डी यू जी के वाई), सांसद आदर्श ग्राम योजना (एस ए जी वाई), रुरबन मिशन, इंदिरा आवास योजना, आई ए वाई, एम जी नरेगा, सामाजिक लेखा परीक्षा के तहत क्षमता निर्माण, एन आर एल एम, आरसेटी आदि के लिए खर्च किया जा सके । अनुसंधान, प्रभाव मूल्यांकन, क्षमता निर्माण के लिए विभिन्न अन्य मंत्रालयों, राज्य सरकारो, यूनाईटेड नेशन के अंतर्राष्ट्रीय निकाय से प्राप्त निधि-प्राप्त होती है जो वित्तपोषित एजेंसियों की आवश्यकताओं के लिए सीमित है ।

2015-16 के वित्तीय वर्ष के लिए 57.23 करोड़ के अनुदान रिलीज की तुलना में संस्थान का व्यय 67.64 करोड़ रु. था । बाह्य सृजित स्रोतो से 10.41 करोड़ की राशि पूरी की गई । पिछले तीन वर्षों के लिए रिलीज और व्यय के विवरण निम्नलिखित है ।

(रु. करोड़ में)

वर्ष	कुल अनुदान	व्यय
2013-14	59.18	58.21
2014-15	52.04	57.79
2015-16	57.23	67.64

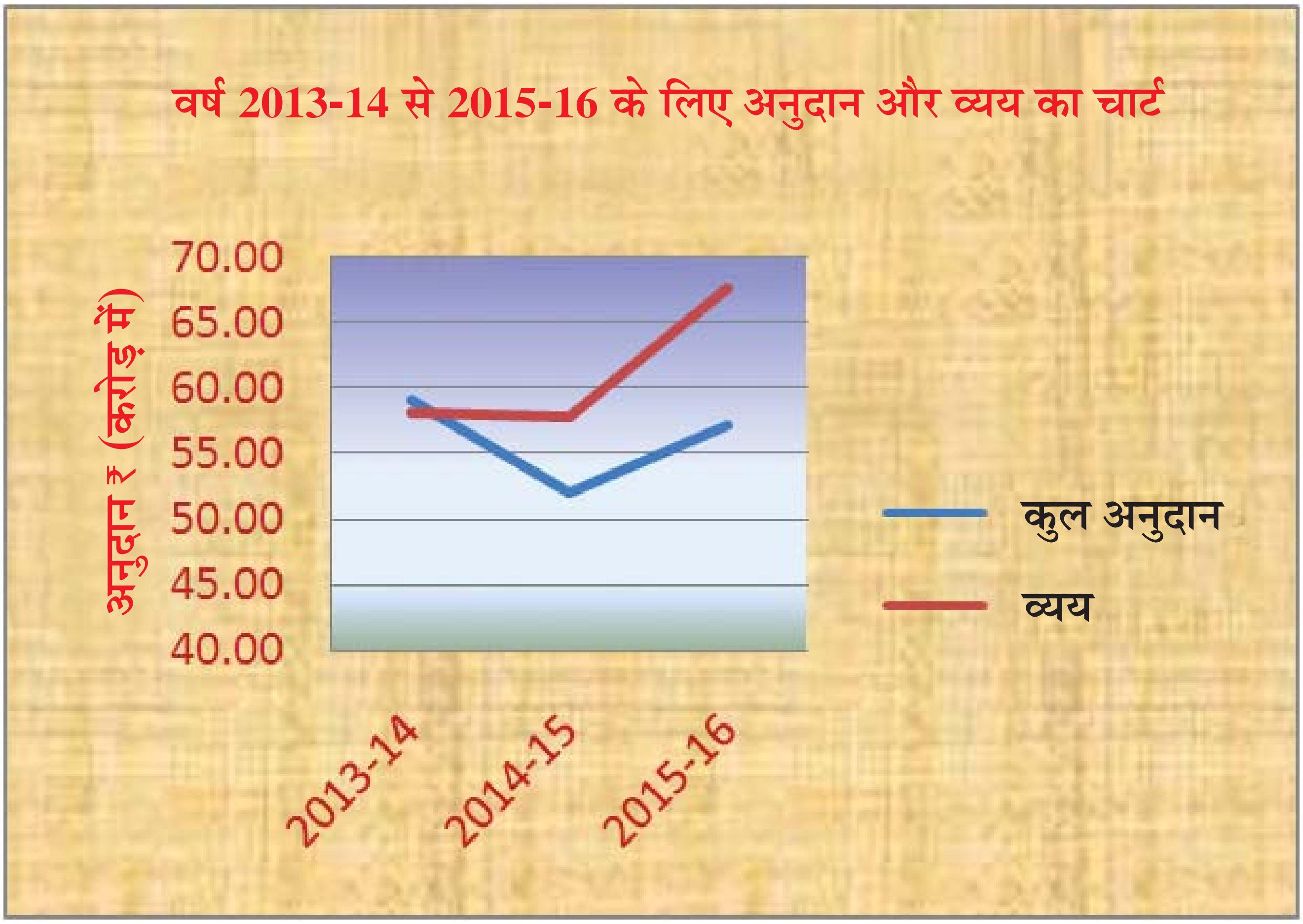

जी एफ आर सं. 208(iv) में निर्धारित तथा कार्यकारी परिषद की मंजूरी के पश्चात् संस्थान ने 2008-09 में समग्र निधि गठित की । समग्र निधि का मुख्य उद्देश्य संस्थान में दीर्घावधि वित्तीय स्थिरता प्राप्त करना तथा विशिष्ट विकासात्मक परियोजनाएँ /कार्यक्रमों पर यव्यय को पूरा करना है । 31 मार्च 2016 तक समग्र निधि में 150.63 करोड़ रु. था ।

इसके अलावा, संस्थान ने विकास निधि, हितकारी निधि, भविष्य निधि तथा चिकित्सा संचित निधि का गठन किया जो कि विशिष्ट उद्देश्य सहित लक्ष्योन्मुख है । निधियों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है :

अस्सी के दशक में विकास निधि का गठन किया जो उत्कृष्ट एन आई आर डी पी आर स्टॉफ / अधिकारियों की उच्च शिक्षा, संस्थान के विशिष्ट विकासात्मक परियोजनाओं के वित्त पोषण के लिए वित्तीय सहायता देगा । इस अवधि के दौरान हितकारी निधि का भी गठन किया गया जो कर्मचारी कल्याण के लिए होगी जैसे छात्र शिक्षा ऋण तथा ग्रुप-सी कर्मचारियों को शादी ऋण, मृत कर्मचारी के परिवार को एक मुश्त वित्तीय सहायता आदि। उपरोक्त दो निधियों का मुख्य स्रोत परामर्शी परियोजनाओं से संस्थान को निवल बचत / आय की निर्धारित राशि तथा निधि पर कमाया ब्याज है। 31 मार्च 2016 को निधि का बकाया 7.00 करोड़ और 4.26 करोड़ रु. था ।

1989-90 में भवन निधि का गठन मुख्यत: इस कार्य के लिए चिन्हित निधि से संस्थान के आधारभूत संरचना विकास के लिए किया गया था । 31 मार्च 2016 तक इस निधि में 23.71 करोड़ रु. शेष है ।

भविष्य निधि का गठन संस्थान के कर्मचारियों के सभी पी एफ संबंध लेने देन से था । 31 मार्च, 2016 तक निधि में 16.57 करोड़ रु. शेष था ।

चिकित्सा संचित निधि का गठन सेवा निवृत्त कर्मचारियों और उनके परिवारों को चिकित्सालाभ देने के लिए किया गया । इस निधि का स्रोत कर्मचारी, सेवानिवृत्त कर्मचारी और निधि का ब्याज है । 31 मार्च, 2016 तक इस निधि में 0.66 करोड़ रु. शेष था ।

परिशिष्ट - 1

वर्ष 2014-15 के दौरान एन आई आर डी पी आर प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियो का श्रेणी - वार वितरण

माह	सरवारी अधिवारी	वत्तीय संस्थान	जिला परिषद एवं पं राज संस्थान	स्वैच्छिव संगठन एवं एनजीओ	रा./राज्य अनु. एवं प्रशि. संस्थान	विश्वविद्यालय / वालेज	अंतर्राष्ट्रीय	अन्य स्टेकहोल्डर	कुल	महिलाएं	आयोजित कार्यक्रम की संख्या	प्रशिक्षण कार्यक्रम की संख्या	प्रशिक्षित व्यक्तियो संख्या
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
क) हैदराबाद													
अप्रैल	814	38	49	133	21	4	12	2	1073	53	34	170	182410
मई	478	18	29	52	11	10	0	22	620	57	19	95	58900
जून	553	71	2	27	1	4	0	3	661	94	22	110	72710
जुलाई	485	101	29	5	7	0	34	9	670	91	17	85	56950
अगस्त	648	165	59	66	3	21	9	8	979	172	30	150	146850
सितंबर	449	23	86	108	1	13	32	1	713	87	23	115	81995
अक्तूबर	301	87	28	18	0	5	61	0	500	110	18	90	45000
नवंबर	649	57	12	71	3	1	46	0	839	50	24	120	100680
दिसंबर	150	19	205	39	0	0	0	3	416	111	11	55	22880
जनवरी	312	70	1	9	4	26	37	0	459	57	18	90	41310
फरवरी	447	33	4	49	4	4	63	0	604	73	20	100	60400
मार्च	105	1	94	13	9	21	14	0	257	37	7	35	8995
कुल	5391	683	598	590	64	109	308	48	7791	992	243	1215	879080
नेटवर्किंग	8000				4000				12000	3600	400	2000	24000000
एनआरएलएम					3690				3690	1825	101	505	1863450
आईएवाई	1711								1711	342	59	295	504745
एमजीनरेगा	4378			556					4934	986	194	970	4785980
डीडीयू-जीकेवाई								3165	3165	633	107	535	1693275
आरटीपी								3240	3240	315	159	795	2575800
कुल	19480	683	598	1146	7754	109	308	6453	36531	8693	1263	6315	36302330

परिशिष्ट - 1 (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
ख) एनईआरसी													
अप्रैल	90	0	2	0	0	0	0	57	149	48	6	30	4470
मई	137	0	0	4	1	9	0	29	180	68	5	25	4500
जून	149	0	1	0	3	0	0	55	208	77	6	30	6240
जुलाई	112	0	16	3	0	10	0	0	141	35	4	20	2820
अगस्त	143	0	0	2	6	0	0	27	178	55	7	35	6230
सितंबर	77	0	0	0	11	0	0	0	88	16	3	15	1320
अक्तूबर	116	0	0	0	2	10	0	0	128	38	4	20	2560
नवंबर	115	0	0	6	3	0	0	22	146	36	6	30	4380
दिसंबर	15	0	13	0	63	16	0	28	135	56	4	20	2700
जनवरी	51	0	10	9	9	88	0	17	184	52	6	30	5520
फरवरी	67	3	5	2	6	96	0	32	211	67	6	30	6330
मार्च	66	0	0	3	18	57	0	1	145	45	6	30	4350
कुल	1138	3	47	29	122	286	0	268	1893	593	63	315	51420
कुल योग (क+ख)	20618	686	645	1175	7876	395	308	6721	38424	9286	1326	6630	36353750
प्रतिशत में प्रतिभागिता	53.66	1.79	1.68	3.06	20.50	1.03	0.80	17.49	100.00	24.17			

(जारी)

परिशिष्ट - II

प्रशिक्षण कैलेण्डर 5 2015 - 16

क्र.सं.	कोड	प्रकार	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि	संकाय	स्थान	सरकारी अधिकारी	बैंकर्स एवं सामान्य संगठन	जिला परिषद एवं पं रा संस्था	स्वैच्छिक संगठन एवं एनजीओ	रा./राज्य अनु. एवं प्रशि. संस्थान	विश्वविद्यालय / कालेज	अंतर्राष्ट्रीय	अन्य (सरकारी उपक्रम/व्यक्तिक	कुल	महिलाएं	सर्वांगिन प्रभाविता प्रतिशतता में
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
अप्रैल 2015																	
1	सीआरआई 151601	टीओटी - I	आईएवाई के लिए बही-खाता एवं लेखा-विधि	6 - 8अप्रैल	एस वेंकटाद्री शिवराम वाई गंगी रेड्डी	एनआईआरडी एवं पीआर	29								29	1	78
2	सीपीएमई 151601	क्षेत्रीय	एस एच जी के लिए सूक्ष्म-उद्यमों की योजना एवं प्रबंध	6-10 अप्रैल	शंकर चटर्जी	डीडीयु - एसआईआरडी लखनऊ उत्तर प्रदेश	5	6			16				27	2	82
3	सीडब्ल्यूईपीए	क्षेत्रीय	सामर्थय - एसएजीवाई	7-10 अप्रैल	जी रजनीकांत एवं दल	एसआईआरडी उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश	32								32		
4	सीडब्ल्यूईपीए	प्रशिक्षण 151602	मनरेगा के अंतर्गत राज्य संसाधन दल (तकनीकी) के लिए प्रशिक्षण	7-10अप्रैल एवं पीआर	वी सुरेश बाबु	एनआईआरडी	49								49	4	
5	सीआरआई 151602	टीओटी - I	आईएवाई के लिए बही-खाता एवं लेखा-विधि	79-11अप्रैल	एस वेंकटादद्री शिवराम वाई गंगी रेड्डी	एनआईआरडी एवं पीआर	20								20	2	
6	सीडब्ल्यूईपीए 1516	टीओटी	मनरेगा के अंतर्गत बेरफुट इंजीनियर्स	10-11अप्रैल	जी रजनीकांत सी धीरजा	एनआईआरडी एवं पीआर	9			19	3				31		

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
7	सीडब्ल्यूईपीए 151605	टीओटी	मनरेगा के अंतर्गत बेरफुट इंजीनियर्स (दूसरा बैच)	10-11 अप्रैल	जी रजनीकांत एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	4			7	1	1		2	15		
8	सीडब्ल्यूईपीए 151604	प्रशिक्षण	मनरेगा के अंतर्गत राज्य संसाधन दल (तकनीकी) के लिए प्रशिक्षण	14-17 अप्रैल	वी सुरेश बाबु	एनआईआरडी एवं पीआर	40								40		
9	सीआरआई 151603	टीओटी - I	आईएवाई के लिए बही-खाता एवं लेखा-विधि	15 - 17अप्रैल	वाई गंगी रेड्डी एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	19								19		
10	सीडब्ल्यूईपीए 151606	क्षेत्रीय	सामर्थय - एसएजीवाई	15-17अप्रैल	वी सुरेश बाबू एवं दल	एसाआईआरडा मैसूर कर्नाटक	27			8					35	2	
11	सीडब्ल्यूईपीए	टीओटी	सामर्थय - एसएजीवाई	16-18 अप्रैल	जी रजनीकांत एवं दल	एनडीएमआई गुजरात	19			7					26		
12	सीडब्ल्यूईपीए 1516	प्रशिक्षण	मनरेगा के अंतर्गत बेरफुट इंजीनियर्स	16-29अप्रैल	जी रजनीकांत एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	14			12					26		
13	सीआरआइ ׳151604	टीओटी - I	आईएवाई के लिए बही-खाता एवं लेखा-विधि	20-22 अप्रैल	वाई गंगी रेड्डी एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	22								22		
14	सीडब्ल्यूएलआर 151601	क्षेत्रीय	सतत विकास के लिए जलागम परियोजनाओं का प्रबंध (डीओएलआर)	20-24 अप्रैल	सिद्धय्या यु. एच. कुमार	एएनएस-एसआईआरडी मैसूर कर्नाटक	24								24	1	86
15	सीएसईआरई 151601	क्षेत्रीय	सतत ग्रामीण आजीविका को बढावा देना	20-24 अप्रैल	टी.जी. रामय्या	यूआईआरडी रूद्रपुर उत्तराखंड	5		9	6	1				21	3	73
16	सीएचआरडी 151601	प्रशिक्षण	विकास शासन पर प्रथाओं की क्षैतिज लर्निंग	20-24 अप्रैल	सारुमति ज्ञानमुद्रा	एनआईआरडी एवं पीआर			31						31		

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
17	सीगार्ड 151601	क्षेत्रीय	जलागम परियोजनओं की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	20-25 अप्रैल	टी फणीन्द्र कुमार डी एस आर मूर्ति	एसआई आरडी एम एम नगर तमिलनाडु	54								54	1	90
18	सीगाड 151602	क्षेत्रीय	जलागम परियोजनओं की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	20-25 अप्रैल	पी केशव राव वी माधव राव	टीपीआईपी एवं आरडा रायपुर छत्तीसगढ	29					2			31		90
19	सीपीएमई 151602	क्षेत्रीय	सतत विकास के लिए एकीकृत कृषि के प्रोत्साहन के लिए योजना	20-25 अप्रैल	जी वी के लोहिदास	पटना बिहार	38								38	6	90
20	सीडब्ल्यूईपीए 1516	अंतर्राष्ट्रीय	नेपाल के प्रतिनिधिमंडल के लिए गरीबी उन्मूलन और ग्रामीण विकास कार्यक्रमों पर अभिविन्यास कार्यक्रम	20-27 अप्रैल	जी रजनीकांत सी धीरजा एस वी आर	एनआईआरडी एवं पीआर							12		12		
21	सीडब्ल्यूईपीए 151608	क्षेत्रीय	सामर्थ्य - एसएजीवाई	21-23अप्रैल	जी रजनीकांत एवं दल	एसआईआरडी असम	24			9					33		
22	सीडब्ल्यूईपीए 151609	प्रशिक्षण	मनरेगा के अंतर्गत राज्य संसाधन दल (तकनीकी) के लिए प्रशिक्षण	21-24 अप्रैल	वी सुरेश बाबु	एनआईआरडी एवं पीआर	23								23	2	88
23	सीएसईआरई 1516	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व	23-24 अप्रैल	आर मुरुगेशन एन वी माधुरी	एनआईआरडी एवं पीआर	34								34	7	84
24	सीआरआई 151605	टीओटी - I	आईएवाई के लिए बही-खाता एवं लेखा-विधि	27-29	वाई गंगी रेड्डी एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	25								25	2	74
25	सीआरआई 151606	कार्यशाला	एसबीए के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	27-29 अप्रैल	आर रमेश पी शिवराम	एनआईआरडी एवं पीआर	8		3	5		1			17	2	
26	सीआरसीडीबी 151601	क्षेत्रीय	सूक्ष्म -उद्यमशीलता विकास	27 अप्रैल -1 मई	बी.के. स्वैन	ओजीबी भुवनेश्वर ओडिशा		32							32		

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
27	सीआईटी 151601	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास परियोजना के प्रबंधन के लिए आई सी टी अनुप्रयोग	27 अप्रैल-1 मई	जी वी सत्यनारायण पी सतीश चन्द्रा	एनआईआरडी एवं पीआर	17		5						22	1	88
28	सीएसईआरई 151602	क्षेत्रीय	ग्रामीण उत्पादों के विपणन के लिए नवीन नीतियाँ	27 अप्रैल-1 मई	एन वी माधुरी शंकर चटर्जी	एसआईआरडी अहमदाबाद गुजरात	32								32	8	82
29	सीडब्ल्यूडीजीएस 151601	क्षेत्रीय	ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए नीतियाँ	27 अप्रैल-1 मई	सी एस सिंघल	एच आई आर डी निलोखेरी हरियाणा	27		1						28	7	80
30	सीडब्ल्यूईपीए	प्रशिक्षण	मनरेगा के अंतर्गत बेरफुट इंजीनियर्स	27 अप्रैल-9 मई	जी रजनीकांत धीरजा	एनआईआरडी एवं पीआर	27			4					31		
31	सीएचआरडी	प्रशिक्षण	सामर्थय - एसएजीवाई	28-30 अप्रैल	ज्ञानमुद्रा सारूमति	एनआईआरडी एवं पीआर	60								60		
32	सीडब्ल्यूईपीए	प्रशिक्षण	सामर्थय - एसएजीवाई	28-30 अप्रैल	जी रजनीकांत एवं दल	एसआईआर डी जबलपुर	31			14					45		
33	सीडब्ल्यूईपीए	प्रशिक्षण	सामर्थय - एसएजीवाई	28-30 अप्रैल	वी सुरेश बाबू	एनआईआरडी एवं पीआर	62			42					104		
34	सीडब्ल्यूईपीए 151611	प्रशिक्षण	मनरेगा के अंतर्गत राज्य संसाधन दल (तकनीकी) के लिए प्रशिक्षण	28 अप्रैल-1 मई	वी सुरेश बाबू	एनआईआरडी एवं पीआर	25								25	2	86
						कुल	834	38	49	133	21	4	12	2	1093	53	

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
मई 2015																	
1	सीडब्ल्यूएलआर 151603	प्रशिक्षण	आईडब्ल्यूएमपी में उत्पादन प्रणाली एवं आजीविका के लिए योजना (डीओएलआर)	4-8 मई	सी एच राधिका रानी सिद्धय्या	एनआईआरडी एवं पीआर	18			4					22	4	88
2	सीआरआई 151608	प्रशिक्षण	स्वच्छ भारत अभियान पर प्रशिक्षण सह परिचय	4-9 मई	पी शिवराम एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	29			4	4				37	2	80
3	सीपीआर 151603	कार्यशाला	स्थानीय स्व-शासन के लिए एकीकृत जिला योजना	5-6 मई	वाई भास्कर राव	उसराह ग्रा पं अंबेडकर नगर जिला उत्तर प्रदेश	25		15	5					45	3	
4	सीडब्ल्यूईपीए 151613	प्रशिक्षण	सामर्थ्य - एसएजीवाई	5- 7 मई	वी सुरेश बाबू एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	29			7					36		
5	सीडब्ल्यूईपीए 151614	प्रशिक्षण	मनरेगा के अंतर्गत राज्य संसाधन दल (तकनीकी) के लिए प्रशिक्षण (एमओआरडी)	5 - 8 मई	वी सुरेश बाबू	एनआईआरडी एवं पीआर	22								22		88
6	सीआरसीडीबी 151602	कार्यशाला	एस सी बी एवं आर आर बी के प्राथमिकात क्षेत्र के विभागा के प्रमुखो के लिए कार्यशाला	8-9 मई	वी आर एम राव आर कोटेश्वर राव	एनआईआरडी एवं पीआर	18							18			
7	सीडब्ल्यूईपीए 151615	क्षेत्रीय	सामर्थ्य - एसएजीवाई	11-13 मई	जी रजनीकांत एवं दल	एमजीएसआईपीए चंडीगढ पंजाब	23			17					40		
8	सीएचआरडी	क्षेत्रीय	सामर्थ्य - एसएजीवाई	11-13 मई	ज्ञानमुद्रा साररूमति	एमजीएसआई पीए चंडीगढ	65								65		
9	सीगार्ड 151604	क्षेत्रीय	ग्रामीण विकास परियोजनाओं की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	11-16 मई	डी एस आर मूर्ति टी फणीन्द्र कुमार	सिपार्ड कल्याणी पश्चिम बंगाल	21								21	2	86
10	सीडब्ल्यूईपीए 151616	प्रशिक्षण	मनरेगा के अंतर्गत राज्य संसाधन दल (तकनीकी) के लिए प्रशिक्षण	12-15 मई	वी सुरेश बाबु	एनआईआरडी एवं पीआर	17								17		88
11	सीपीआर 151608	प्रशिक्षण	पीईएसए क्षेत्रों में एकीकृत जिला योजना एवं आदिवासी स्व-शासन	12-16 मई	अजित कुमार	एसआईआरडी अहमदाबाद गुजरात	20		1	5					26		86
12	सीगार्ड 151606	प्रशिक्षण	'एमजीएनआरईजीएस की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानिक तकनोलॉजी	18-23 मई	पी केशव राव	वी माधव राव एनआईआरडी एवं पीआर	27					2			29	3	92

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
13	सीपीआर 151609	कार्यशाला	स्थानीय स्व-शासन के लिए एकीकृत जिला योजना	19-20 मई	प्रत्युषना पटनायक	ओडिशा	27		12						39	13	
14	सीएएसडीएम 151602	कार्यशाला	भारत में प्राकृतिक आपदा के लिए कार्य: आपदा प्रतिस्कंदन प्राप्त करने के लिए रोड मैप	19-20 मई	ई वी प्रकाश राव के सुमन चन्द्रा	एनआईआरडी एवं पीआर	24		1		4			6	35	4	
15	सीएएसडीएम 151604	परामर्श	कृषि संकट एवं कृषक आपदा के लिए नीति परिप्रेक्ष्य एवं राज्य दायित्व	21-22 जून	के सुमन चन्द्रा ई वी प्रकाश राव	एनआईआरडी एवं पीआर	31				1			14	46	14	
16	सीडब्ल्यूएलआर 151605	कार्यशाला	जल संसाधन पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव	21-22 मई	सिद्धय्या एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	18			7	2	8			35		
17	सीपीएमई 151606	क्षेत्रीय	एस एच जी के लिए सूक्ष्म-उद्यमों की योजना एवं प्रबंध	25-29 मई	शंकर चटर्जी	टीपीआईआरडी रायपुर छत्तीसगढ	16			3				2	21	1	90
18	सीएचआरडी 151602	प्रशिक्षण	आर डी के व्यवसायियों के लिए अनुसंधान पद्धतियां	25 मई- 3जून	ज्ञानमुद्रा सतीश चन्द्रा	एनआईआरडी एवं पीआर	42								42	11	86
19	सीडब्ल्यूईपीए	प्रशिक्षण	मनरेगा के अंतर्गत राज्य संसाधन दल (तकनीकी) के लिए प्रशिक्षण	26 - 29 मई	वी सुरेश बाबु एवं दल	एनईआरसी	24								24		
						कुल	478	18	29	52	11	10	0	22	620	57	784

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
जून 2015																	
1	सीडब्ल्यूईपीए 151620	प्रशिक्षण	एमजीएनआरईजीएस में सामाजिक लेखापरीक्षा	1-5 जून	सी धीरजा जी रजनीकांत	एनआईआरडी एवं पीआर	17			4					21	3	88
2	सीडब्ल्यूईपीए 151621	क्षेत्रीय	मनरेगा के अंतर्गत राज्य संसाधन दल तकनीकी के लिए प्रशिक्षण	2-5 जून	वी सुरेश बाबु	एनईआरसी गुवाहटी असम	25								25		
3	सीआईटी	प्रशिक्षण	ई ऑफिस पर अभिमुखीकरण	8-9 जून	के राजेश्वर एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	30								30		
4	सीएसईआरई 151604	क्षेत्रीय	सतत ग्रामीण आजीविका को बढावा देना	8-12 जून	टी.जी. रामय्या	आईएमपीए एवं आरडी श्रीनगर जम्मू-कश्मीर	18			1					19	3	70
5	सीएचआरडी 151603	प्रशिक्षण	आईसीडीएस पदाधिकारियों के लिए बाल अधिकार संरक्षण एवं प्रोत्साहन के लिए नीतियां	8-12 जून	एम सारुमति	एनआईआरडी एवं पीआर	42								42	11	80
6	सीडब्ल्यूडीजीएस 151602	प्रशिक्षण	ग्रामीण महिलाआ के लिए आजीविका बढाना	8-12 जून	लखन सिंह सी.एस. सिंघल	एनआईआरडी एवं पीआर	26		1						27	5	78
7	सीआईटी	प्रशिक्षण	ई ऑफिस पर अभिमुखीकरण	10-12 जून	के राजेश्वर एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	35								35		
8	सीआईटी	प्रशिक्षण	ई ऑफिस पर अभिमुखीकरण	13 जून	के राजेश्वर एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	35								35		
9	आटीडी 151601	संगोष्ठि	संगाष्ठी	15 जून	आर पी अचारी वी के रेड्डी	एनआईआरडी एवं पीआर	35								35		

(जारी)

राग्राविपंरासं NIRDPR

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
10	सीएमआरडी 151602	प्रशिक्षण	विकास सूचना के प्रचार प्रसार के लिए वेब विषय डिजाईन एवं प्रबंध	15-19 जून	अनिल टाकलकर टी रमा देवी	एसआई आरडी केरल	15			8					23		
11	सीपीएमई 1516	क्षेत्रीय	एमजीएनआरईजीएस के तहत टिकाउ और सतत परिसंपत्तियों के रूप हेतु योजना	15-20 जून	जी वी लोहीदास	पटना बिहार	36								36	1	88
12	सीआरसीडीबी	प्रशिक्षण	सिंडिकेट बैंक के नव नियुक्ति कृषि अधिकारियों के लिए प्रवेश कार्यक्रम	15-27 जून	आर कोटेश्वर राव	एनआईआरडी एवं पीआर											
13	सीडब्ल्यूएलआर 151607	क्षेत्रीय	आईडब्ल्यूएमपी में स्टेकहोल्डरों के सहभागिता के लिए नीतियां (डीओएलआर)	17-21 जून	के प्रभाकर सिद्धय्या	एनएस-एसआई आरडी मैसूर कर्नाटक	22							3	25	9	86
14	सीएसईआरई 151605	प्रशिक्षण	एनआरएलएम के लिए कार्यान्वयन नीतियां एवं संस्थागत तंत्र	19-22 मई	एन वी माधुरी आर मरगेशन	एसआईआरडी अहमदाबाद गुजरात	21								21	3	88
15	सीडब्ल्यूएलआर 151609	क्षेत्रीय	छोटे धारकों के सूक्ष्म-उद्यम एवं आजीविका को बढावा देने के लिए नीतियां (डीओएलआर)	22-26 जून	यु. हेमंत कुमार	टी फणीन्द्र कुमार एसआईआरडी कोट्टारकार केरल	29								29	16	80
16	सीडब्ल्यूडीजीएस 151603	क्षेत्रीय	ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए नीतियाँ	22-26 जून	सी.एस. सिंघल	यूआईआरडी रुद्रपुर उत्तराखण्ड	22			5					27	13	82
17	सीएमआरडी 151601	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के प्रबंध के लिए व्यावहारिक कौशल	22-26 जून	योगानंद शास्त्री	एनआईआरडी एवं पीआर	13	2		3	1				19		
18	सीपीएमई 151608	क्षेत्रीय	सूक्ष्म-उद्यमों की योजना, कार्यान्वयन, अनुश्रवण मूल्यांकन	22 जून-26 जून	शंकर चटर्जी	सिपार्ड कल्याणी पश्चिम बंगाल	29		1	2		2			34	4	80

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
19	सीगार्ड 151608	क्षेत्रीय	जलागम परियोजनओं की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	22-27 जून	पी केशव राव सिद्धय्या	एसआईआरडी अहमदाबाद गुजरात	17					2			19	2	94
20	सीईएसडी 151602	प्रशिक्षण	शिक्षा के सार्वजनीकरण के लिए समुदाय सहभागिता एवं सामाजिक संग्रहण	22-27 जून	टी विजय कुमार आर आर प्रसाद	एनआईआरडी एवं पीआर	40			1					41	6	84
21	सीआरसीडीबी 151609	प्रशिक्षण	देना बैंक के नव नियुक्त कृषि अधिकारियों के लिए प्रवेश कार्यक्रम	29 जून- 4 जुलाई	वी आर एम राव आर कोटेश्वर राव	एनआईआरडी एवं पीआर	34							34	5	90	
22	सीआरआई	प्रशिक्षण	स्वच्छ भारत पर एनआईआरडीपीआर और एनसीआरआई सहयोगात्मक कार्यक्रम : आरडीएस कार्यक्रमों के प्रबंधन में नवोन्मेष	29 जून- 3 जुलाई	पी शिवराम आर रमेश	एन आईआरडी एवं पीआर	46			3					49	13	80
						कुल	553	36	2	27	1	4	0	3	626	94	1168

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
जुलाई 2015																	
1	सीआरआई	प्रशिक्षण सह प्रदर्शन दौरा	स्वच्छ भारत मिशन	6-10 जुलाई	रमेश पी शिवराम	एनआईआरडी एवं पीआर	33			2					35	10	82
2	सीगार्ड 151609	क्षेत्रीय	जलागम कार्यक्रमों की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	6-11 जुलाई	पी राज कुमार टी फणीन्द्र कुमार	एसआईआरडी भुवनेश्वर ओडिशा	39								39	10	92
3	सीआरसीडीबी 151605	प्रशिक्षण	सिंडिकेट बैंक के नव नियुक्ति कृषि अधिकारियों के लिए प्रवेश कार्यक्रम	6-18 जुलाई	आर कोटेश्वर राव	एनआईआरडी एवं पीआर		37							37		
4	सीएचआरडी	कार्यशाला	सांसद आदर्श ग्राम योजना	8-10 जुलाई	ज्ञानमुद्रा एम सारुमति सुचरिता पुजारी	एनआईआरडी एवं पीआर	70								70		
5	सीआईटी 151602	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास प्रबंध के प्रबंधन के लिए आई सी टी अनुप्रयोग	13-17 जुलाई	जी वी सत्यनारायण पी सतीशचन्द्रा	एनआईआरडी एवं पीआर	22		13		3				38	3	82
6	सीडब्ल्यूएलआस 151604	क्षेत्रीय	प्राकृतिक संसाधनों का सहभागी प्रबंधन (डीओएलआर)	13-17 जुलाई	यू हेमंत कुमार सिद्धय्या	टीपीआईआरडी रायपुर छत्तीसगढ	42			1					43	6	74
7	सीएमआरडी 151603	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास में मानव कारक	13-17 जुलाई	योगानंद शास्त्री	एनआईआरडी एवं पीआर	30								30		
8	सीएएसडीएम 151601 I	अंतर्राष्ट्रीय आईटीईसी / एससीएएपी	समुदाय आधारित आपदा प्रबंध :मुख्यधारा और जोखिम न्यूनीकरण रणनीतियाँ	20 जुलाई-16 अगस्त	सुमन चंद्र ई वी प्रकाश	राव एनआईआरडी एवं पीआर					12		12	3	88		
9	सीआरआई 151601I	अंतर्राष्ट्रीय आईटीईसी / एससीएएपी	पेय जल और सफाई परियोजना पर योजना एवं प्रबंध	20 जुलाई -16 अगस्त	पी शिवराम वाई गंगी	रेड्डी एनआईआरडी एवं पीआर						22		22	3	90	
10	सीपीएमई 151609	क्षेत्रीय	स्वयं सहायता समूहों के लिए सूक्ष्म-उद्यमों की योजना एवं प्रबंध	20-24 जुलाई	शंकर चटर्जी	डीडीयु - एसआईआरडी लखनऊ उत्तर प्रदेश	24			2				9	35	3	82

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
11	सीडब्ल्यूएलआर 151610	क्षेत्रीय	पहाडी क्षेत्रों में जलागम परियोजना का प्रबंध (डीओएलआर)	20-24 जुलाई	सिद्धय्या राधिका रानी	एच आई पी ए शिमला हिमाचल प्रदेश	33								33	5	88
12	सीडब्ल्यूडीजीएस 151604	प्रशिक्षण	एमजीएनआरईजीए में महिला सहभागिता के लिए नीतियाँ	20-24 जुलाई	लखन सिंह सी.एस. सिंघल	एनआईआरडी एवं पीआर	33		16		4				53	6	86
13	सीगार्ड 151610	प्रशिक्षण	पीएमजीएसवाई की योजना एवं प्रबंध के लिए आधुनिक सर्वेक्षण तकनीक	20-25 जुलाई	पी केशव राव टी फणीन्द्र कुमार	एनआईआरडी एवं पीआर	43								43	9	84
14	सीआरसीडीबी 151611	प्रशिक्षण	इलाहबाद बैंक के अधिकारियों के लिए निवेश ऋण और कृषि मूल्यांकन के लिए अवधि ऋण	20-24 जुलाई	वी आर एम राव आर कोटेश्वर राव	एनआईआरडी एवं पीआर		26							26	3	90
15	सीगार्ड 151611	क्षेत्रीय	जलागम परियोजनओं की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	27-31 जुलाई	डी एस आर मूर्ति टी फणीन्द्र कुमार	एसआईआरडी रांची झारखंड	71								71	16	88
16	सीआरसीडीबी 151614	प्रशिक्षण	सिंडिकेट बैंक के कृषि अधिकारियों क लिए कृषि वित्त (ग्रामीण और निवेश ऋण)	27-31	आर कोटेश्वर राव वी आर एम राव	एनआईआरडी एवं पीआर		38							38	14	
17	सीएचआरडी	कार्यशाला	एम ओ पी आर अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण	28 जुलाई	ज्ञानमुद्रा एम सारुमति	एमओपीआर नई दिल्ली	45								45		
						कुल	485	101	29	5	7	0	34	9	670	91	1026

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
अगस्त 2015																	
1	सीडब्ल्यूएलआर 151613	प्रशिक्षण	आई डब्ल्यू एम पी में सामाजिक लेखापरीक्षा के बेहतर पद्धतियों का संस्थानीकरण (डीओएलआर)	3-7 अगस्त	के प्रभाकर सीएच राधिका रानी	एनआईआरडी एवं पीआर	24			1					25	3	78
2	सीपीएमई 151610	प्रशिक्षण	एसएजीवाई के अंतर्गत सहभागी ग्राम विकास	3-7 अगस्त	आर. चिन्नदुरै अरूणा जयमनी	एनआईआरडी एवं पीआर	71		5					3	79	9	82
3	सीआरआई 151629	क्षेत्रीय	सिंचाई प्रबंध के लिए सहभागी दृष्टिकोण	3-7 अगस्त	वाई गंगी रेड्डी एस वेंकटाद्री	एनआईआरडी एवं पीआर	35								35	2	
4	सीगार्ड 151612	क्षेत्रीय	ग्रामीण विकास परियोजनाओं की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	3-8 अगस्त	वी माधव राव पी केशव राव	अंडमॉन एवं निकोबार द्वीप	48					2			50	17	92
5	सीआरसीडीबी 151612	प्रशिक्षण	इलाहबाद बैंक क अधिकारियों ने कृषि अवधि ऋण प्रस्तावों पर निवेश ऋण और मूल्यांकन	3-7 अगस्त	आर कोटेश्वर राव वी आर एम राव	एनआईआरडी एवं पीआर		24							24	5	88
6	सीपीआर	कार्यशाला	पंचायत में धन के संदर्भ में राज्य वित्त आयोग	10-11अगस्त	के एस सुब्रहमन्यम	एनआईआरडी एवं पीआर	26								26		
7	सीआईटी 151603	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के प्रभावी प्रबंध के लिए सूचना प्रौद्योगिकी	10-14 अगस्त	पी सतीश चन्द्रा जी वी सत्यनारायण	एनआईआरडी एवं पीआर	16		5	7	2	4			34	5	90
8	सीगार्ड 1516	क्षेत्रीय	जलागम परियोजनओं की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय एप्लिकेशन	10-14 अगस्त	एच के सोलंकी टीपीआईपी	एवं आरडी रायपुर छत्तीसगढ	46					1			47	5	86
9	सीडब्ल्यूईपीए 151629	क्षेत्रीय	एसएजीवाई के अंतर्गत ग्राम विकास योजना	10-14 अगस्त	वी सुरेश बाबु जी रजनीकांत	एएनएस-एसआईआरडी मैसूर कर्नाटक	27			6					33	1	86
10	सीएसईआरई 151607	क्षेत्रीय	एनआरएलएम के अंतर्गत अनुकल वित्तीय प्रबंध	10-14 अगस्त	आर मरगेशन	ऐजवाल एस आई आर डी मिजोरम									0		
11	सीआरसीडीबी	प्रशिक्षण	सिंडिकेट बैंक के नव नियुक्त कृषि अधिकारियों के लिए पेवेश कार्यक्रम	10-14 अगस्त	आर कोटेश्वर राव वी आर एम राव	एनआईआरडी एवं पीआर		36							36	5	90

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
12	सीडब्ल्यूएलआर 151614	क्षेत्रीय	आईडब्ल्यूएमपी में छोटे धारकों के सूक्ष्म-उद्यम एवं आजीविका को बढावा देने के लिए नीतियां (डीओएलआर)	17-21अगस्त	यु. हेमंत कुमार एसआईआरडी	बारापानी मेघालय	29								29	7	88
13	सीआरसीडीबी 151613	प्रशिक्षण	देना बैंक के नये भर्ती कृषि अधिकारियों के लिए परिचय कार्यक्रम	17-22 अगस्त	वी आर एम राव आर कोटेश्वर राव	एनआईआरडी एवं पीआर		35							35	9	84
14	सीपीएमई	अंतर्राष्ट्रीय आईटीईसी / एससीएएपी	ग्रामीण विकास कार्यकक्रमों में योजना एवं प्रबंधन	17 अगस्त- 13 सितंबर	के पी कुमारन आर चिन्नदुरै अरूणा जयमणि	एनआईआरडी एवं पीआर	20								20	7	86
15	सीडब्ल्यूईपीए	अंतर्राष्ट्रीय आईटीईसी / एससीएएपी	सहभागी ग्रामीण विकास	17 अगस्त - 13 सितंबर	जी रजनीकांत सी धीरजा	एनआईआरडी एवं पीआर							9		9	2	88
16	सीगार्ड	क्षेत्रीय	पीएमजीएसवाई-II क लिए जीआईएस प्लेटफार्म पर जिला ग्रामीण सडक योजना	18-20 अगस्त	टी फणीन्द्र कुमार डी एस आर मूर्ति	एसआईआरडी कोट्टारकारा केरल	27								27	13	86
17	सीडब्ल्यूडीजीएस 151605	कार्यशाला	ग्रामीण विकास के लिए जेंडर बजटिंग	19-21 अगस्त	सी.एस. सिंघल लखन सिंह	एनआईआरडी एवं पीआर	38								38	19	
18	सीपीएमई 151611	प्रशिक्षण	डीपीसी के सदस्यों के लिए विकेन्द्रीकृत जिला योजना	24-28 अगस्त	आर अरुणा जयमणि आर चिन्नदुरई	एनआईआरडी एवं पीआर	37		5					1	43	6	84
19	सीपीआर	प्रशिक्षण	चयनित प्रतिनिधिया तथा ओडीशा राष्ट क तीन स्तरीय पी आर आई अधिकारिया क लिए पी आर प्रशासन और ग्रामीण विकास	24-28 अगस्त	वाई भास्कर राव	एनआईआरडी एवं पीआर	1		38						39	8	86
20	सीआरसीडीबी 151604	क्षेत्रीय	प्रभावी ऋण सुपुर्दगी प्रबंध	24-28 अगस्त	बी के स्वैन	एनईआरसी गुवाहाटी असम		33							33		
21	सीगार्ड 1516	प्रशिक्षण	आई डब्ल्यू एम पी तथा एम जी एन आर ई जी एस के लिए क्यू जी आई एस तथा जी पी एस अनुप्रयोग के लिए खुला स्रोत	24-29 अगस्त	एच के सोलंकी	एनआईआरडी एवं पीआर	23			1		5			29	6	90
22	सीगार्ड 151614	क्षेत्रीय	ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	24-29 अगस्त	पी राज कुमार टी फणीन्द्र कुमार	पटना बिहार	24			2				4	30		86

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
23	सीडब्ल्यूईपीए 1516	प्रशिक्षण	आई पी पी ई IIएस आर एल एम के राज्य नोडल अधिकारियों के लिए एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यकक्रम	25 अगस्त	जी रजनीकांत	एनआईआरडी एवं पीआर	32								32	3	
24	सीडब्ल्यूईपीए 1516	प्रशिक्षण	आई पी पी ई IIएस आर एल एम के राज्य नोडल अधिकारियों के लिए एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यकक्रम	25-27 अगस्त	जी रजनीकांत	एनआईआरडी एवं पीआर	10			45					55	2	
25	सीपीएमई 151612	प्रशिक्षण	आरडी परियाजनाओं का अनुश्रवण एवं मूल्यांकन	26-29 अगस्त	पी के नाथ आर. चिन्नदुरै	एनआईआरडी एवं पीआर	19								19	12	82
26	सीआरआई	टीओटी	स्वच्छ भारत मिशन : स्वच्छता व्यवसायियों के लिए सामाजिक विपणन रणनीतियाँ	31 अगस्त-4 सितंबर	आर रमेश पी शिवराम	एनआईआरडी एवं पीआर	20		6	3	1	9			39	6	84
27	सीआरआई	टीओटी	आईएवाई में आईईसीऔर सामाजिक लेखापरीक्षा	31 अगस्त-4 सितंबर	वाई गंगी रेड्डी पी शिवराम	एनआईआरडी एवं पीआर	21								21	2	84
28	सीपीएमई 151613	प्रशिक्षण	सतत वैकल्पिक आजीविका के लिए योजना	31 अगस्त-4 सितंबर	जी वी कृष्ण लोहिदास कल्पलता	एनआईआरडी एवं पीआर	16			1					17	6	80
29	सीडब्ल्यूएलआर 151612	क्षेत्रीय	आई डब्ल्यू एम पी में जल संसाधन प्रबंध के लिए प्राद्योगिकी तथा संस्थागत व्यवस्था	31 अगस्त-4 सितंबर	यू हेमंत कुमार पी केशव राव	एसआईआरडी रांची झारखांड	23								23	3	92
30	सीआरसीडीबी 151614	प्रशिक्षण	सिंडिकेट बैंक के कृषि अधिकारियों के लिए कृषि वित्त (ग्रामीण और निवेश ऋण)	27-31 अगस्त	आर कोटेश्वर राव वी आर एम राव	एनआईआरडी एवं पीआर		37							37	9	80
						कुल	633	165	59	66	3	21	9	8	964	172	1972

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
सितंबर 2015																	
1	सीडब्ल्यूएलआर 151617	क्षेत्रीय	वर्षाजल के सतत प्रबंध के लिए नीतियाँ (डीओएलआर)	7-11 सितंबर	सिद्धय्या पी केशव राव	आईएमपीए एवं जम्मू आरडी श्रीनगर कश्मीर	46								46	10	76
2	सीएसईआरई 151608	क्षेत्रीय	सतत ग्रामीण आजीविका को बढावा देना	7-11 सितंबर	टी जी रामय्या	डीडीयु एसआईआरडी लखनऊ उत्तर प्रदेश	29								29	5	90
3	सीआईटी 151604	प्रशिक्षण	आई सी टी अनुप्रयोग एवं ई-शासन	7-11जुलाई	पी सतीशचन्द्रा जी वी सत्यनारायण	एनआईआरडी एवं पीआर	16		2	5	1	5			29	2	88
4	सीपीएमई 151614	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का सूत्रीकरण एवं मूल्यांकन	7-11 सितंबर	जी वी राजू	एनआईआरडी एवं पीआर	10					6			16	2	78
5	सीपीएमई 151615	क्षेत्रीय	पीआरआई द्वारा सहभागी जिला योजना	7-11 सितंबर	आर. चिन्नदुरै	एनआईआरडी एवं पीआर	2			17					19	4	82
6	सीगार्ड1516	क्षेत्रीय	जलागम परियोजनओं की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	7-12 सितंबर	एच के सोलंकी	डीडीयु - एसआईआरडी लखनऊ उत्तर प्रदेश	39							1	40	1	86
7	सीगार्ड 151615	क्षेत्रीय	जलागम परियोजनओं की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	7-11 सितंबर	डी एस आर मूर्ती टी फनीद्रा कुमार	एसआईआरडी रायपुर	23								23		84
8	सीडब्ल्यूईपीए 1516	टीओटी	मनरेगा के अंतर्गत राज्य संसाधन दल (तकनीकी) के लिए प्रशिक्षण	8-11 सितंबर	वी सुरेश बाबु जी रजनीकांत सी	एनआईआरडी एवं पीआर	20								20	2	
9	सीडब्ल्यूडीजीएस 151606	क्षेत्रीय	ग्रामीण मलिाओं के लिए आजीविका बढाना	8-12 सितंबर	सी.एस. सिंघल	एसआईआरडी भुवनेश्वर ओडिशा	24					2			26	12	
10	सीडब्ल्यूईपीए 1516	नेशनल रिव्यू	समूह सरलीकरण टीम की राष्ट्रीय समीक्षा बैठक	14-15 सितंबर	जी रजनीकांत	दिल्ली	15			62					77		
11	आरसेटी 151603	कार्यशाला	आरसेटी का प्रबंध	14-16 सितंबर	ओ एन बंसल	एनआईआरडी एवं पीआर	35								35		

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
12	सीईएसडी 151605	प्रशिक्षण	ग्रामीण महिलाओं का सामाजिक विकास	14-18 सितंबर	जी वैलेंटिना	एनआईआरडी एवं पीआर	19			7					26	6	82
13	सीआरआई 151621	अंतर्राष्ट्रीय आईटीईसी / एससीएएपा	ग्रामीण आवास का योजना एवं प्रबंध और आवास परियोजना	14 सितंबर - 11 अक्तूबर	वाई गंगी रेड्डी पी शिवराम	एनआईआरडी एवं पीआर							14		14		
14	सीएचआरडी	अंतर्राष्ट्रीय आईटीईसी / एससीएएपी	विकास प्रशेवरा क लिए प्रशिक्षण पद्धतियां	14 सितंबर - 11 अक्तूबर	वाई गंगी रेड्डी पी शिवराम	एनआईआरडी एवं पीआर							18		18	7	88
15	सीपीआर	प्रशिक्षण	पंचायतीराज प्रशासन और ग्रामीण विकास	21-25 सितंबर	अजित कुमार	एनआईआरडी एवं पीआर	1		35						36	8	84
16	सीडब्ल्यूईपीए 151630	प्रशिक्षण	एमजीएनआरईजीएस परिचालनात्मक दिशानिर्देश 2013 (संशोधित अनुसूचियों सहित)	21-25 सितंबर	सी धीरजा जी रजनीकांत	एनआईआरडी एवं पीआर	15			5					20	2	84
17	सीडब्ल्यूएलआर 151619	क्षेत्रीय	प्राकृतिक संसाधनों का सहभागी प्र बंध (डीओएलआर)	21-25 सितंबर	यु. हेमंत कुमार पी केशव राव	सिपार्ड अगरतला त्रिपुरा	42			1					43	1	82
18	सीएसईआरई 151611	क्षेत्रीय	ग्रामीण आजीविका के लिए उचित तकनोलॉजी	21-25 सितंबर	आर मुरगेशन एसआईआरडा	कारफेक्टर सिक्किम									0		
19	सीआरसीडीबी 151616	प्रशिक्षण ‘	देना बैंक के नये भर्ती कृषि फील्ड अधिकारियों के लिए परिचय कार्यक्रम	21-26 सितंबर	आर कोटेश्वर राव वी आर एम राव	एनआईआरडी एवं पीआर		23							23	5	84
20	सीपीएमई 151616	क्षेत्रीय	ग्रामीण आजीविका के लिए विकास के सहभागी योजना	22-26 सितंबर	के पी कुमारन आर. चिन्नदुरै	एसआईआरडी कोट्टारकार केरल	39								39	5	88
21	सीपीआर	कार्यशाला	जीपीएस में सुशासन सुनिश्चत करने पंचायत सचिवों के लिए सर्टिफिकेट कोर्स	28 सितंबर	प्रत्युषना पटनायक	एसआईआरडी रायपुर	53		14						67	6	
22	सीपीआर	कार्यशाला	पंचायतीराज सचिवों के लिए पाठ्यक्रम विकास में सर्टिफिकेट कोर्स	28 सितंबर	वाई भास्कर राव	एसआईआरडी त्रिपुरा	1		35						36	8	86
23	सीडब्ल्यूईपीए 1516	राईटशॉप	जीआरएस की क्षमता का निर्माण करने के लिए मॉड्यूल और सामाग्री विकास	28 सितंबर -1 अक्तूबर	वी सुरेश बाबु	एनआईआरडी एवं पीआर	4			11					15	1	
						कुल	449	23	86	108	1	13	32	1	713	87	

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
अक्तूबर 2015																	
1	सीएमआरडी 151604	क्षेत्रीय	विकास सूचना के प्रचार प्रसार के लिए उत्पादों एवं सेवाओं का डिजाईन	5-9 अक्तूबर	अनिल टाकलकर टी रमा देवी	एनईआरसी असम	15			4					19		
2	सीपीआर	अभिमुख प्रशिक्षण कार्य ?क्रम	पी आर आई के कार्यक्रर्ताओं का अभिमुख प्रशिक्षण कार्यक्रम	5-9 अक्तूबर	वाई भास्कर राव	एनआईआरडी एवं पी आर	1		28						29		80
3	सीडब्ल्यूडीजीएस	कार्यशाला	ग्रामीण विकास में मामला अध्ययनों का विकास	5-9 अक्तूबर	सी एस सिंघल	एनआईआरडी एवं पी आर	27								27	6	
4	सीपीएमई 151619	क्षेत्रीय	एस एच जी के लिए सूक्ष्म-उद्यमों की योजना एवं प्रबंध	5-9 अक्तूबर	शंकर चटर्जी	एसआईआरडी रांची झारखंड	30	8		1					39	24	86
5	सीडब्ल्यूईपीए 151622	प्रशिक्षण	डीईएस (आईएसएस) के साखिकी काम्रियों के लिए निर्धनता और असमान आंकलन	5-9 अक्तूबर	एस वी रंगाचार्युलु जी रजनीकांत	एनआईआरडी एवं पीआर	22								22	3	82
6	सीआरआई 151635	टीओटी	सिंचाई प्रबंध के लिए सहभागी दृष्टिकोण	5-9 अक्तूबर	एस वेंकटादद्री वाई गंगी रेड्डी	एनआईआरडी एवं पीआर	16								16	2	76
7	सीगार्ड 151616	प्रशिक्षण	जलागम परियोजनओं की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	5-10 अक्तूबर	पी केशव राव सिद्धय्या	एनआईआरडी एवं पीआर	28			5		5			38	3	90
8	सीआरआई 151636	टीओटी	एसबीए के अंतर्गत ग्रामीण स्वच्छता व्यवसायियों के लिए व्यवहार परिवर्तन संचार	5-9 अक्तूबर	आर रमेश पी शिवराम	एनआईआरडी एवं पीआर	19			8					27	9	82
9	सीडब्ल्यूडीजीएस 151601I	अंतर्राष्ट्रीय / आईटीईसी एससीएएपी	ग्रामीण विकास के लिए महिला सशक्तिकरण	12 अक्तूबर 8 नवंबर	सी एस सिंघल लखन सिंह	एनआईआरडी एवं पीआर							22		22	17	78
10	सीआरसीडीबी 151617	क्षेत्रीय	निर्धनता उन्मूलन के लिए ग्रामीण ऋण	12-16 अक्तूबर	बी के स्वैन	यूआईआरडी रुद्रपुर उत्तराखण्ड		29							29	12	
11	सीआरसीडीबी 151618	प्रशिक्षण	बैंक ऑफ महाराष्ट्र के कृषि अधिकारियों के लिए कृषि वित्त (ग्रामीण औरं निवेश ऋण)	12-16 अक्तूबर	आर कोटेश्वर राव वी आर एम राव	एनआईआरडी एवं पीआर		27							27	2	80

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
12	सीएएसडीएम	प्रशिक्षण	खुफिया विभाग के अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यकक्रम	12-16 अक्तूबर	के सुमन चंद्र	एनआईआरडी एवं पीआर	51								51		
13	सीआईटी 151602I	अंतर्राष्ट्रीय सिर्डाप	ग्रामीण विकास के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) आवेदन	29 फरवरी-9 मार्च	पी शतीश चंद्रा सत्यनारायणा	एनआईआरडी एवं पीआर							18		18	3	82
14	सीएचआरडी	अंतर्राष्ट्रीय	विकास विशेषज्ञ के लिए प्रशिक्षणं विक्रयाविधि	14 सितंबर-11अक्तूबर	ज्ञानमुद्रा सारूमति	एनआईआरडी एवं पीआर							18		18	7	88
15	सीएएसडीएम	प्रशिक्षण	खुफिया विभाग के अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम	26-30 अक्तूबर	के सुमन चंद्र	एनआईआरडी एवं पीआर	50								50		
16	सीआरसीडीबी 151619	प्रशिक्षण	ग्रामीण ऋण प्रबंध	26-31 अक्तूबर	वी आर एम राव आर कोटेश्वर राव	एनआईआरडी एवं पीआर		23							23	10	80
17	सीडब्ल्यूईपीए	क्षेत्रीय	घाना शिष्टमंडल का प्रदर्शन दौरा	30 अक्तूबर	जी रजनीकांत	एनआईआरडी एवं पीआर											
18	सीएचआरडी 151606	प्रशिक्षण	महिला निर्वाचित प्रतिनिधिगणों के लिए लैंगिक उत्पीडन पर जानकारी	26-31 अक्तूबर	सुचरिता पुजारी सारुमति	एनआईआरडी एवं पीआर	22								22	22	90
						कुल	281	87	28	18	0	5	58	0	477	120	

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
नवंबर 2015																	
1	सीडब्ल्यूईपीए 151631	प्रशिक्षण	एमजीएनआरईजीएस में सामाजिक लेखापरीक्षा	2-6 नवंबर	सी धीरजा जी रजनीकांत	एनआईआरडी एवं पीआर	35			7					42		
2	सीगार्ड 151617	क्षेत्रीय	प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना	2-6 नवंबर	टी फनिंद्रा कुमार डीएसआर मूर्ती	एसआईआरडी एमएमनगर तमिलनाडु	47								47	3	86
3	सीएएसडीएम	प्रशिक्षण	खुफिया विभाग के अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम	2-6 नवम्बर	के सुमन चन्द्रा	एनआईआरडी एवं पीआर	50								50		
4	सीगार्ड 151618	क्षेत्रीय	ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	2-7 नवम्बर	पी राज कुमार पी केशव राव	टीपीआईपी एवं आरडी रायपुर छत्तीसगढ	27								27	2	90
5	सीडब्ल्यूईपीए	टीओटी	ग्रामीण विकास मंत्रालय - जीआईजेड परियोजना के एमजीनरेगा पदाधिकारियो	4-6 नवम्बर	जी रजनीकांत एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर				34					34		
6	सीडब्ल्यूएलआर	कार्यशाला	एकीकृत जल संसाधन प्रबंध : मुद्दे और विकल्प	2 दिवसीय	सी एच राधिका रानी यू हेमंत कुमार	एनआईआरडी एवं पीआर	26		4	2					32	8	
7	सीईएसडी 151601I	अंतर्राष्ट्रीय / आईटीईसी एससीएएपी	समुदाय उन्मुख ग्रामीण विकास	9 नवंबर - 20 दिसंबर	आर आर प्रसाद टी विजय कुमार	एनआईआरडी एवं पीआर							15		15	7	82
8	सीगार्ड 151601I	अंतर्राष्ट्रीय / आईटीईसी एससीएएपी	ग्रामीण विकास में भू-संसूचना अनुप्रयोग	9 नवंबर- 20 दिसंबर	वी माधव राव पी केशव राव	एनआईआरडी एवं पीआर							14		14	3	85
9	सीआईटी 151606	प्रशिक्षण	परियोजना प्रबंध के लिए सूचना प्रौद्योगिकी	16-20 नवम्बर	जी वी सत्यनारायण पी सतीश चन्द्रा	एनआईआरडी एवं पीआर	8		8		3				19		84
10	सीडब्ल्यूएलआर 151624	क्षेत्रीय	आईडब्ल्यूएमपी में जल संसाधन प्रबंध के लिए तकनोलॉजी एवं संस्थागत व्यवस्था (डीओएलआर)	16-20 नवम्बर	सी एच राधिका रानी यू हेमंत कुमार	याशदा पुणे महाराष्ट्र	16			12					28		92
11	सीआरसीडीबी 151620	क्षेत्रीय	सूक्ष्म -उद्यम विकास	16-20 नवम्बर	बी के स्वैन एचआईआरडी	निलोखेरी हरियाणा		22							22		78
12	सीईएसडी 151607	क्षेत्रीय	ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक क्षेत्र विकास	16-20 नवम्बर	जी वैलेंटिना	एसआईआरडी गोआ	24								24	6	91

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
13	सीपीएमई 151624	क्षेत्रीय	सतत तटवर्ती आजीविका के लिए योजना	16-20 नवम्बर	जी वी राजु	एएनएस-एसआईआरडी मैसूर कर्नाटक	14								14	2	88
14	सीडब्ल्यूईपीए	परामर्श	ग्रामीण विकास, पीआर, डीडब्ल्यूएस पर सलाहकार समिति की बैठक	18-19 नवम्बर	जी रजनीकांत सी धीरजा	एनआईआरडी एवं पीआर	34								34		
15	सीडब्ल्यूईपीए	कार्यशाला	एमजीनरेगा के अंतर्गत श्रेष्ठ पद्धतियां	20-21 नवम्बर	जी रजनीकांत सी धीरजा	एनआईआरडी एवं पीआर	87			5					92		
16	सीडब्ल्यूईपीए	टीओटी	एमजीनरेगा के अंतर्गत बेरफुट तकनीशियन के लिए कार्यक्रम	20-22 नवम्बर	जी रजनीकांत एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	15								15		
17	सीडब्ल्यूईपीए	टीओटी	एमजीनरेगा के अंतर्गत बेरफुट तकनीशियन के लिए कार्यक्रम	20-30 नवम्बरजी	रजनीकांत एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर	51								51		
18	सीआरआई 151639	प्रशिक्षण	स्वच्छ भारत अभियान पर प्रशिक्षण सह परिचय	23-27 नवम्बर	पी शिवराम आर रमेश	एनआईआरडी एवं पीआर	41			7		1			49	3	
19	सीएएसडीएम	प्रशिक्षण	खुफिया विभाग के अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम	23-27 नवम्बर	के सुमन चन्दा	एनआईआरडी एवं पीआर	47								47		
20	सीडब्ल्यूएलआर 151625	प्रशिक्षण	आईडब्ल्यूएमपी के अंतर्गत सतत उत्पादन एवं आय सृजन (डीओएलआर)	23-27 नवम्बर	सी एच राधिका रानी सिद्धय्या	एनआईआरडी एवं पीआर	24			4					28	10	80
21	सीपीआर 151602I	अंतर्राष्ट्रीय सिर्डाप	ग्रामीण विकास के लिए स्थानीय प्रशासन और सेवाओं के वितरण	29 नवंबर-9 दिसंबर	वाई भास्कर राव	एनआईआरडी एवं पीआर							17		17		
22	सीएएसडीएम	प्रशिक्षण	खुफिया विभाग के अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम	30 नवम्बर-4 दिसंबर	के सुमन चन्दा	एनआईआरडी एवं पीआर	54								54		
23	सीगार्ड	क्षेत्रीय	जलागम परियोजनाओं की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	30 नवंबर-4 दिसंबर	डी एस आर मूर्ती टी फनीद्रा कुमार	एसआईआरडी झारखंड	49								49	6	90
24	सीआरसीडीबी 151622	प्रशिक्षण	कृषि एवं पशु पालन योजनाओं का मूल्यांकन	30 नवम्बर-4 दिसंबर	आर कोटेश्वर राव वी आर एम राव	एनआईआरडी एवं पीआर		35							35		
						कुल	649	57	12	71	3	1	46	0	839	50	

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
दिसंबर 2015																	
1	सीपीआर	सीपीआर1516	पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत बनाने और प्रभावी ग्रामीण विकास को बढ़ावा देना	5 दिसंबर	अजित कुमार	मायाबूंडर और रंगत	17		69						86	24	
2	सीपीआर 1516	सीपीआर1516	पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत बनाने और प्रभावी ग्रामीण विकास को बढ़ावा देना	4 दिसंबर	अजित कुमार	डिगलपुर अं एवं नि द्वीप समूह	12		45						57	11	
3	सीपीआर 1516	सीपीआर1516	पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत बनाने और प्रभावी ग्रामीण विकास को बढ़ावा देना	2 दिसंबर	अजित कुमार	पोर्ट ब्लेयर अं एवं नि द्वीप समूह	18		72						90	49	
4	सीपीएमई	प्रशिक्षण	गरीबी घटाना और सतत विकास के लिए सहभागी नियोजन	7-11दिसंबर	आर चिन्नदुरै आर अरुणा जयमणि	एनआईआरडी एवं पीआर	2			17					19	4	82
5	सीगार्ड 151619	क्षेत्रीय	पी एम जी एस वाई की योजना और प्रबंध हेतु नवीन सर्वेक्षण तकनीक	7-12 दिसंबर	पी केशव राव एच के सोलंकी	एनआईआरडी एवं पीआर	49								49	5	86
6	सीएचआरडी	प्रशिक्षण	प्रशिक्षण और अनुसंधान के पद्धतियों पर पुनश्चर्या कार्यक्रम	7-12दिसंबर	जी ज्ञानमुद्रा एम सारूमति	एनआईआरडी एवं पीआर	8								8		
7	सीपीएमई 151627	क्षेत्रीय	डीपीसी के सदस्यों के लिए विकेन्द्रीकृत जिला योजना	14-18 दिसंबर	आर अरुणा जयमणि	एसआईआरडी एम एम नगर तमिलनाडु			19						19	2	90
8	सीआरसीडीबी 151623	क्षेत्रीय	सूक्ष्म -उद्यम विकास	14-18 दिसंबर	बी के स्वैन	एएनएस-एसआईआरडी मैसूर कर्नाटक		19							19	2	80
9	सीईएसडी 151608	प्रशिक्षण	ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक विकास	14-18 दिसंबर	जी वैलेंटिना	एनआईआरडी एवं पीआर	5			15					20	3	90
10	सीपीएमई	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का मॉनिटरिंग एवं मूल्यांकन	16-22दिसंबर	जी वी के लोहिदास पी के नाथ	एनआईआरडी एवं पीआर	4			7				3	14	3	96
11	सीएसईआरआई 151609	प्रशिक्षण	सूक्ष्म-उद्यमों को बढावा देने के लिए नीतियां	28-31 दिसंबर	एन वी माधुरी एस चटर्जी	एसआईआरडी अहमदाबाद	34								34	8	82
						कुल	149	19	205	39	0	0	0	3	415	111	

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
जनवरी 2016																	
1	सीडब्ल्यूएलआर	कार्यशाला	सहभगी सिंचाई प्रबंध द्वारा जल उपयोग प्रभाविता	2-3 जनवरी	सिद्धय्या एवं दल	एनईआरसी गुवाहाटी असम	27								27	3	
2	सीआरसीडीबी 151626	प्रशिक्षण	ग्रामीण ऋण प्रबंध	4-6जनवरी	आर कोटेश्वर राव वी आर एम राव	एनआईआरडी एवं पीआर		27							27		
3	सीगार्ड 151622	क्षेत्रीय	जलागम परियोजनओं की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	4 - 9 जनवरी	एच के सोलंकी वी माधव राव	एचआईआरडी निलोखेरी हरियाणा	31					3			34	6	90
4	सीआरआई	टीओटी -	आईएवाई के लिए आईईसी और सामाजिक लेखपरीक्षा	4-9 जनवरी	वाई गंगी रेड्डी शिवराम रमेश	एनआईआरडी एवं पीआर	28								28	4	
5	सीपीएमई 151634	क्षेत्रीय	राष्ट्रीय डेयरी योजना के परियोजना अधिकारियों के लिए प्रभाव मूल्यांकन	4-जनवरी	जी वी राजु	एसआईआरडी एमएम नगर तमिलनाडु	23							23	3	74	
6	सीगार्ड 151602I	अंतर्राष्ट्रीय सिर्डाप	नई और बेहत्तर पद्धति शेयर करने क लिए ग्रामीण विकास म भू संसूचना अनुप्रयोग	4-13 जनवरी	वी माधव राव पी केशव राव	एनआईआरडी एवं पीआर							16		16	2	90
7	सीआईटी 151601I	अंतर्राष्ट्रीय आईटीईसी / एससीएएपी	ग्रामीण विकास के लिए सूचना संचार प्रौद्योगिकी	4-31 जनवरी	पी सतीश चन्द्रा एवं दल	एनआईआरडी एवं पीआर							21		21	10	90
8	सीडब्ल्यूईपीए	प्रशिक्षण	ग्राम रोजगार सहायको का क्षमता निर्माण	5-7जनवरी	सी धीरजा जी रजनीकांत	एनआईआरडी एवं पीआर	18								18		
9	सीएसईआरई 1516	प्रशिक्षण	एनआरएलएम के के लिए कार्यान्वयन नीतियां संस्थागत तंत्र	12-15 जनवरी	एन वी माधुरा एस चटर्जी	डीडीयु -एसआई आरडी लखनऊ उत्तर प्रदेश	33								33	5	88
10	सीडब्ल्यूएलआर 151630	क्षेत्रीय	आईडब्ल्यूएमपी के अंतर्गत सतत उत्पादन एवं आय सृजन (डीओएलआर)	18-22 जनवरी	सिद्धय्या टी फणीन्द्र कुमार	याशदा पुणे महाराष्ट्र	24								24	1	94
11	सीडब्ल्यूईपीए	प्रशिक्षण	निर्धनता और असमान आकलन	18-22 जनवरी	जी रजनीकांत एस वी रंगाचार्युलु	एनआईआरडी एवं पीआर	19								19		
12	सीआरसीडीबी 151627	क्षेत्रीय	ग्रामीण ऋण वितरण एवं वसूली प्रबंधन	18-21 जनवरी	बी के स्वैन	यूजीबी बोलनगिर		25							25	1	92

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
13	सीपीएमई 151629	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का सूत्रीकरण एवं मूल्यांकन	18-22 जनवरी	जी वी राजु	एनआईआरडी एवं पीआर	12			3					15	4	82
14	सीपीएमई 151630	प्रशिक्षण	सूक्ष्म-उद्यमों की योजना, कार्यान्वयन, अनुश्रवण मूल्यांकन	18-22 जनवरी	शंकर चटर्जी	एनआईआरडी एवं पीआर	18	18				6			42	6	84
15	सीडब्ल्यूईपीए	प्रशिक्षण	ग्राम रोजगार सहायकों का क्षमता निर्माण	19-21 जनवरी	सी धीरजा जी रजनीकांत	एनआईआरडी एवं पीआर	14			3					17		
16	सीपीएमई 151631	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का सहभागी योजना, कार्यान्वयन एवं अनुश्रवण	19-23 जनवरी	आर अरुणा जयमणि	एनआईआरडी एवं पीआर	13								13		82
17	सीआरआई	सेमिनार	भारत में ग्रामीण स्वच्छता : उपलब्धियाँ, प्रवृत्ति एवं चुनौतियाँ	27-29 जनवरी	आर रमेश पी शिवराम वाई गंगी रेड्डी	एनआईआरडी एवं पीआर	19		1	3	4	17			44		
18	सीगार्ड 1516	क्षेत्रीय	जलागम परियोजनओं की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	27-30 जनवरी	टी फणीन्द्र कुमार आर राज कुमार	एसआईआरडी भुवनेश्वर ओडिशा	33								33	12	92
						कुल	279	70	1	9	4	26	37	23	406	116	

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
फरवरी 2016																	
1	सीआरसीडीबी 151628	प्रशिक्षण	मुर्गी पालन, डेरी एवं मछली पालन जैसे परियोजनाओं के लिए वित्त पोषण	1-5फरवरी	वी आर एम राव आर कोटेश्वर राव	एनआईआरडी एवं पीआर		33							33		
2	सीडब्ल्यूएलआर	क्षेत्रीय	आईडब्ल्यूएमपी में जल संसाधन प्रबंध के लिए तकनोलॉजी एवं संस्थागत व्यवस्था (डीओएलआर)	1-5फरवरी	सी एच राधिकारानी यू एच कुमार	यशादा पुणे महाराष्ट्र	16			12					28	2	92
3	सीडब्ल्यूएलआर 151633	क्षेत्रीय	सहभागी सिंचाई प्रबंध, डब्ल्यू यु ए का समर्थन, अंगीकरण, लागूकरण एवं प्रेरणा (एनडब्ल्यूएम, एमओडब्ल्यूआर)	1-5फरवरी	सिद्धय्या	एसआईआरडी एमएम नगर तमिलनाडु	32			4					36	8	84
4	सीडब्ल्यूईपीए	अंतर्राष्ट्रीय आईटीईसी / एससीएएपी	ग्रामीण रोजगार परियोजना का प्रबंध और गरीबी उन्मूलन	1-28फरवरी	वी सुरेश बाबू जी रजनीकांत	एनआईआरडी एवं पीआर							19		19		
5	सीएएसडीएम 151602I	अंतर्राष्ट्रीय आईटीईसी / एससीएएपी	ग्रामीण विकास के लिए सतत कषि नीतियां	1-28 फरवरी	क सुमन चन्द ई वी प्रकाश राव	एनआईआरडी एवं पीआर							26		26	10	78
6	सीएचआरडी	सेमिनार	नई ग्रामीण प्रतिमान : नीतियॉं और शासन	3-4 फरवरी	ज्ञानमुद्रा सारूमति	एनआईआरडी एवं पीआर	41								41	6	
7	सीपीएमई 151633	क्षेत्रीय	एनजीओ के लिए सहभागी परियोजना की योजना	8-12 फरवरी	आर. चिन्नदुरै	एनआईआरडी एवं पीआर				19					19	3	86
8	सीगार्ड 151623	प्रशिक्षण	पीएमजीएसवाई की योजना एवं प्रबंध के लिए आधुनिक सर्वेक्षण तकनीक	8-13 फरवरी	पी केशव राव	एनआईआरडी एवं पीआर	43								43	2	84
9	सीगार्ड 151624	क्षेत्रीय	जलागम कार्यक्रमों की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	8-13 फरवरी	पी राज कुमार टी फणीन्द्र कुमार	एसआईआरडी एम एम नगर तमिलनाडु	30								30		86
10	सीडब्ल्यूडीजीएस 151608	कार्यशाला	ग्रामीण विकास के लिए जेंडर बजटिंग	10-12 फरवरी	सी.एस. सिंघल	एनईआरसी गुवाहटी असम	36			1		2			39	21	

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
11	सीपीएमई	प्रशिक्षण	आर एवं आर के लिए ग्रामीण विकास हस्तक्षेप	15-19 फरवरी	पी के नाथ जीवीके लोहिदास	एसआईआरडी लखनऊ	24		2	2	2				30		84
12	सीगार्ड 1516	क्षेत्रीय	ग्रामीण विकास परियोजनाओं की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	15-20 फरवरी	एच के सोलंकी	एसआइआरडी रांची झारखण्ड	27								27	6	88
13	सीडबल्यूईपीए	टी ओ टी	ग्राम रोजगार सहायक को क्षमता निर्माण	16-18 फरवरी	वी सुरेश बाबू	एनआईआरडी एवं पीआर	5			9					14		
14	सीडब्ल्यूएलआर 151635	कार्यशाला	सहभागी सिंचाई प्रबंध के विकास हेतु नीतियां	19-20 फरवरी	सिद्धय्या एवं दल	एसआईआरडी पंजाब	37								37	3	
15	सीडब्ल्यूएलआर 151634	क्षेत्रीय	आई डब्ल्यू एम पी में सामाजिक लेखापरीक्षा के बेहतर पद्धतियों का संस्थानीकरण (डीओएलआर)	22-26 फरवरी	के प्रभाकर	एसआईआरडी एम एम नगर तमिलनाडु	38		2		2				42	1	86
16	सीडब्ल्यूएलआर 151634	क्षेत्रीय	सहभागी सिंचाई प्रबंध द्वारा जल उपयोग प्रभाविता	22-26 फरवरी	सिद्धय्या एवं दल	यशादा पुणे महाराष्ट्र	29								29	6	
17	सीएचआरडी 151609	प्रशिक्षण	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का प्रोत्साहन एवं रोकथाम	22-26 फरवरी	सुचरिता पुजारी	एनआईआरडी एवं पीआर	20								20		80
18	सीईएसडी	क्षेत्रीय	ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक क्षेत्र विकास	22-26 फरवरी	जी वालेटीना	एसआईआरडी सिक्किम	46								46		
19	सीगार्ड	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की योजना और प्रबंध क लिए भूस्थानिक प्रौद्योगिकी	29 फरवरी-5 मार्च	एच के सोलंकी	एनआईआरडी एवं पीआर	23			2		2			27	2	86
20	सीआरआई 151602I	अंतर्राष्ट्रीय सिर्डाप	ग्रामीण विकास के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग	29 फरवरी-9 मार्च	पी सतीशचन्द्रा सत्यनारायण	एनआईआरडी एवं पीआर							18		18	3	82
						कुल	447	33	4	49	4	4	63	0	604	73	

(जारी)

परिशिष्ट - II (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
मार्च 2016																	
1	सीडब्ल्यूएलआर 151635	क्षेत्रीय	मुश्किल एवं अधिक पीडित क्षेत्रों में संरक्षण, वितरण एवं कम उपयोग द्वारा जल संसाधनों का प्रबंध	1-5 मार्च	के प्रभाकर सिद्धय्या	एएनएस-एसआईआरडी मैसूर कर्नाटक	23								23	2	94
2	सीआरसीडीबी 151601I	अंतर्राष्ट्रीय	गरीबी उन्मूलन के लिए ग्रामीण ऋण	1-28 मार्च	बी के स्वैन	एनआईआरडी एवं पीआर							14		14		
3	सीआईटी 151608	प्रशिक्षण	ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के प्रबंधन के लिए आई सी टी अनुप्रयोग	7-11 मार्च	जी वी सत्यनारायण पी सतीश चन्द्रा	एनआईआरडी एवं पीआर	13		9		4				26	6	82
4	आटीडी 151607	क्षेत्रीय	प्रशिक्षण पद्धतियाॅ एवं कौशल	7-11 मार्च	आर पी अचारी वी के रेड्डी	एनईआरसी गुवाहाटी असम	2	1		8	5				16	4	84
5	सीडब्ल्यूडीजीएस 151607	सेमिनार	शिशु और महिला के लिए नीतियां	8-10 मार्च	सी एस सिंघल लखन सिंह	एनआईआरडी एवं पीआर	8			3		21			32	18	
6	सीपीआर	कार्यशाला	जी पी म सुशासन सुनिश्चित करने म पंचायत सचीवा क सर्टिफिकट पाठ्यक्रम	10 मार्च	प्रत्युशना पटनायक	एसआईआरडी रायपुर	43			85					128	7	
						कुल	89	1	9	96	9	21	14	0	239	37	

(Contd...)

एनआईआरडीपीआर गुवाहाटी द्वारा वर्ष 2015-16 (अप्रैल, 2015 से मार्च 2016) तक आयोजित कार्यक्रम

क्र.सं.	कोड	कार्यक्रम का प्रकार	अवधि	स्थल	कार्यक्रम निदेशक / दल	सरकारी अधिकारी	बैंकर्स	जिला परिषद एवं पं रा संस्था	स्वैच्छिक संगठन	रा./राज्य अनु. एवं प्रशि. संस्थान	विश्वविद्यालय / कालेज	अंतर्राष्ट्रीय	अन्य (सरकारी उपक्रम/व्यक्तिक	कुल	महिलाएं	सर्वांगिन प्रभाविता प्रतिशतता में
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
अप्रैल 2015																
1	एनईआरसी151601टी	ग्रामीण आजीविका को बढाने के लिए मूल्य चेन विश्लेषण	"6-10 अप्रैल"	एनईआरसी	डॉ. रत्न भुयान	33	0	0	0	0	0	0	0	33	8	84
2	एनईआरसा151602 टी	"लाभदायक मुर्गीपालन एवं प्रबंधन (मेघालय सरकार)"	"6-11 अप्रैल"	एनईआरसी	डॉ. के के भट्टाचार्यजी	1	0	0	0	0	0	0	30	31	11	90
3	एनईआरसी151603 टी	सांसद आदर्श ग्राम योजना पर अभिमुखीकरण	"8 -10 अप्रैल"	एनईआरसी	डॉ. एम के श्रीवास्तव	5	0	0	0	0	0	0	0	5	1	84
4	एनईआरसी151604 टी	लाभदायक सुअर पालन एवं मांस प्रसंस्करण	"20-25 अप्रैल"	एनईआरसी	डॉ. के के भट्टाचार्यजी	1	0	0	0	0	0	0	27	28	17	92
5	एनईआरसी151605 टी	स्वच्छ भारत मिशन पर अभिमुखीकरण	"20-22 अप्रैल"	एनईआरसी	"डॉ. आर एम पंत डॉ. एम के श्रीवास्तव "	33	0	2	0	0	0	0	0	35	7	94
6	एनईआरसी151606 टी	आईडब्ल्यूएमपी के अंतर्गत जलागम परियोजना की योजना एवं प्रबंध (एसएलएनए, असाम)	20 अप्रैल - 7 मई	एनईआरसी	"डॉ. के हलोई श्री ए सिंहाचलम"	17	0	0	0	0	0	0	0	17	4	84
					कुल	**90**	**0**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**57**	**149**	**48**	

(जारी)

परिशिष्ट - III (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
मई 2015																
7	एनईआरसी151607 टी	"लाभदायक मुर्गीपालन एवं प्रबंधन	4-9 मई	एनईआरसी	डॉ. के के भट्टाचार्यजी	2	0	0	0	0	0	0	29	31	19	92
8	एनईआरसी151608 टी	एनआरएलएम के अंतर्गत सूक्ष्म-ऋण योजना तैयार करना	12-14 मई	एनईआरसी	डॉ. रत्न भुयान	45	0	0	0	1	0	0	0	46	18	84
9	एनईआरसी151609 टी	आरडी कार्यक्रमों के लिए डबल एन्ट्री लेखाकरण का अनुश्रवण	11-15 मई	एनईआरसी	श्री बी एन शर्मा डॉ. आर एम पंत	44	0	0	0	0	0	0	0	44	9	84
10	एनईआरसी151610 टी	आरडी कार्यक्रमों में खुला स्त्रोत साफ्टवेर का अनुप्रयोग	11-15 मई	एनईआरसी	श्री एस के घोष	18	0	0	2	0	0	0	0	20	2	92
11	एनईआरसी151612 टी	ग्रामीण आधारभूत संरचना सुविधा मानचित्रण के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी का अनुप्रयोग	25-29 मई	एसआईआरडी सिक्किम	एन एस आर प्रसाद ए सिंहाचलम	28	0	0	2	0	9	0	0	39	20	92
					कुल	**137**	**0**	**0**	**4**	**1**	**9**	**0**	**29**	**180**	**68**	

(जारी)

परिशिष्ट - III (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
जून, 2015																
12	एनईआरसी151614 टी	लाभदायक सुअर पालन एवं मांस प्रसंस्करण	1-6 जून	एनईआरसी	डॉ. के के भट्टाचार्यजी	1	0	0	0	0	0	0	29	30	25	92
13	एनईआरसी151617 टी	ग्रामीण उद्यमशीलता का विकास	9-12 जून 15	एनईआरसी	डॉ. रत्न भुयान	32	0	0	0	0	0	0	0	32	15	86
14	एनईआरसी151619 टी	ग्रामीण विकास के लिए ई-शासन का अनुप्रयोग	22-26 जून	एनईआरसी	श्री एस के घोष	29	0	0	0	0	0	0	0	29	5	88
15	एनईआरसी151621 टी	स्वच्छ भारत मिशन पर अभिमुखीकरण	22-26 जून	एनईआरसी	डॉ. एन एस आर प्रसाद ए सिंहाचलम	71	0	0	0	3	0	0	0	74	17	82
16	एनईआरसी151622 टी	बागवानी फसलों के लिए नर्सरी प्रबंध तकनीक	22-27 जून	एनईआरसी	डॉ. के के भट्टाचार्यजी	2	0	0	0	0	0	0	26	28	12	90
17	एनईआरसी151615 टी	एसएजीवाई के अंतर्गत ग्राम विकास योजना पर टीओटा	92 जून 3 जुलाई	एनईआरसी	डॉ. के हलोई डॉ. एन एस आर प्रसाद	14	0	1	0	0	0	0	0	15	3	82
					कुल	**149**	**0**	**1**	**0**	**3**	**0**	**0**	**55**	**208**	**77**	

(जारी)

परिशिष्ट - III (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
जुलाई, 2014																
18	एनईआरसी151623 टी	जलागम परियोजनाओं की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी का अनुप्रयोग	6-10 जुलाई	एसआईपीएआरडी अगरतला	ए सिंहाचलम एन एस आर प्रसाद	19	0	0	3	0	10	0	0	32	12	90
19	एनईआरसी151624 टी	आरडी कार्यक्रमों के लिए डबल एन्ट्री लेखाकरण का अनुश्रवण	9-10 जुलाई	एसआईआरडी सिक्किम	बी एन शर्मा आर एम पंत	35	0	0	0	0	0	0	0	35	13	92
20	एनईआरसी151616 टी	एमजीएनआरईजीएस के अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों की योजना एवं प्रबंध	13-17 जून	एनईआरसी	डॉ. एम के श्रीवास्तव	43	0	10	0	0	0	0	0	53	5	88
21	एनईआरसी151626 टी	एसएजीवाई के अंतर्गत ग्राम विकास योजना	20-24 जुलाई	एनईआरसी	डॉ. के हलोई ए सिंहाचलम	15	0	6	0	0	0	0	0	21	5	84
					कुल	**112**	**0**	**16**	**3**	**0**	**10**	**0**	**0**	**141**	**35**	

(जारी)

परिशिष्ट - III (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
अगस्त, 2015																
22	एनईआरसी151628 टी	लाभदायक सुअर पालन एवं मांस प्रसंस्करण (मेघालय सरकार)	3-8 अगस्त	एनईआरसी	डॉ. के के भट्टाचार्यजी	2	0	0	0	0	0	0	27	29	21	88
23	एनईआरसी151629 टी	ग्रामीण सडकों की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी का अनुप्रयोग	3-7 अगस्त	एनईआरसी	एन एस आर प्रसाद ए सिंहाचलम	32	0	0	0	0	0	0	0	32	1	86
24	एनईआरसी151632 टी	आरडी कार्यक्रमों के लिए डबल एन्ट्री लेखाकरण का अनुश्रवण	17-21अगस्त	एनईआरसी	बी एन शर्मा आर एम पंत	34	0	0	0	0	0	0	0	34	11	90
25	एनईआरसी151635 टी	ग्रामीण विकास में ई-शासन के लिए आईसीटी का अनुप्रयोग	24-28 अगस्त	एनईआरसी	श्री एस के घोष	20	0	0	0	0	0	0	0	20	5	92
26	एनईआरसी151636 टी	आईडब्ल्यूएमपी के अंतर्गत जलागम परियोजना की योजना एवं प्रबंध (एसएलएनए, असाम)	24 अगस्त 10 सितंबर	एनईआरसी	के हलोई ए सिंहाचलम	13	0	0	0	0	0	0	0	13	3	90
27	एनईआरसी151620 टी	प्रबंध विकास कार्यक्रम	24-28 अगस्त, 15	एसआईआरडी इटानगर अरुणाचल प्रदेश	आर एम पंत एम के श्रीवास्तव	20	0	0	0	6	0	0	0	26	4	92
28	एनईआरसी151633 टी	ग्रामीण आजीविका को बढाने के लिए मूल्य चेन विश्लेषण	31 अगस्त सितंबर 4	एनईआरसी	रत्न भुयान	22	0	0	2	0	0	0	0	24	10	88
					कुल	**143**	**0**	**0**	**2**	**6**	**0**	**0**	**27**	**178**	**55**	

(जारी)

परिशिष्ट - III (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
सितंबर, 2015																
29	एनईआरसी151637 टी	एमजीएनआरईजीएस की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	7-11सितंबर	एसआईआरडी कोहिमा नागालैंड	एन एस आर प्रसाद के हलोई	25	0	0	0	7	0	0	0	32	4	92
30	एनईआरसी151631 टी	प्रबंध विकास कार्यक्रम	"7-11 सितंबर	एसआईआरडी मिजोरम	आर एम पंत एम के श्रीवास्तव	19	0	0	0	4	0	0	0	23	9	88
31	एनईआरसी151640 टी	आई ए वाई के अंतर्गत लागत प्रभावी आवास तकनोलॉजी	14-18 सितंबर	एनईआरसी	ए सिंहाचलम एन एस आर प्रसाद	33	0	0	0	0	0	0	0	33	3	90
					कुल	**77**	**0**	**0**	**0**	**11**	**0**	**0**	**0**	**88**	**16**	**270**

(जारी)

परिशिष्ट - III (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
अक्तूबर, 2015																
32	एनईआरसी151646 टी	आरडी कार्यक्रमों में संसाधन मानचित्रण के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी का अनुप्रयोग	12-16 अक्तूबर	एनईआरसी	ए सिंहाचलम के हलोई	39	0	0	0	0	0	0	0	39	2	92
33	एनईआरसी151630 टी	एमजीएनआरईजीएस में सामाजिक लेखापरीक्षा	अक्तूबर 26-30	एसआईआरडी कोहिमा नागालैंड	एम के श्रीवास्तव एवं दल	51	0	0	0	0	0	0	0	51	23	90
34	एनईआरसी151644 टी	अनुसंधान क्रियाविधि	26-30 अक्तूबर	एनईआरसी	के हलोइ ए सिंहाचलम	0	0	0	0	2	10	0	0	12	9	88
35	एनईआरसी151647 टी	आईडब्ल्यूएमपी के अंतर्गत लेखों का अनुश्रवण	26 अक्तूबर 7 नवम्बर	एनईआरसी	बी एन शर्मा के हलोई	26	0	0	0	0	0	0	0	26	4	82
					कुल	**116**	**0**	**0**	**0**	**2**	**10**	**0**	**0**	**128**	**38**	**352**

(जारी)

परिशिष्ट - III (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
नवूंबर, 2015																
36	एनईआरसी151645 टी	एसएजीवाई के अंतर्गत आईसीटी टूल्स द्वारा स्माट स्कूल	2-6 नवंबर	एनईआरसी	श्री एस के घोष	7	0	0	0	0	0	0	0	7	0	76
37	एनईआरसी151648 टी	ग्रामीण सूक्ष्म-उद्यमों के प्रोत्साहन के लिए नीतियाँ	2-6 नवम्बर	एनईआरसी	रत्न भुयान	17	0	0	5	0	0	0	0	22	8	88
38	एनईआरसी151649 टी	एमजीएनआरईजीएस की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	2-6 नवम्बर	एनईआरसी	के हलोई एन एस आर प्रसाद"	31	0	0	0	0	0	0	0	31	1	86
39	एनईआरसी151650 टी	ग्रामीण सडकों की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	16-20 नवम्बर	एसआईपीआर मणिपुर	ए सिंहाचलम एन एस आर प्रसाद	21	0	0	0	3	0	0	0	24	4	90
40	एनईआरसी151643 टी	लाभदायक मुर्गीपालन एवं प्रबंधन (मेघालय सरकार)	16-21 नवंबर	एनईआरसी	डॉ. के के भट्टाचार्यजी	2	0	0	0	0	0	0	22	24	13	86
41	एनईआरसी151656 टी	आरडी कार्यक्रमों के लिए वित्तीय प्रबंध	30 नवंबर 4 दिसंबर	एनईआरसी	बी एन शर्मा आर एम पंत	37	0	0	1	0	0	0	0	38	10	80
					कुल	**115**	**0**	**0**	**6**	**3**	**0**	**0**	**22**	**146**	**36**	**506**

(Contd...)

परिशिष्ट - III (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
दिसंबर, 2015																
42	एनईआरसी151651 S	ग्रामीण सूक्ष्म-उद्यमों को बढावा : परिप्रेक्ष्य एवं चुनोतियाँ	दिसंबर,7-8, 2016	एनईआरसी	डॉ. रत्न भुयान	5	0	0	0	63	0	0	0	68	15	NA
43	एनईआरसी151638 टी	पंचायती राज संस्थानों द्वारा एकीकृत जिला योजना	दिसंबर,14-18, 2016	एनईआरसी	डॉ. एम के श्रीवास्तव	6	0	7	0	0	0	0	0	13	3	86
44	एनईआरसी151655 टी	पुष्पोद्पाधन विकास तकनीक (मेघालय सरकार)	दिसंबर,14-19, 2016	एनईआरसी	डॉ. के के भट्टाचार्यजी	2	0	0	0	0	0	0	28	30	28	92
45	एनईआरसी151627 टी	विकास व्यावसायियों के लिए व्यवहार कौशल	दिसंबर, 21-23, 2016	एनईआरसी	आर एम पंत डॉ. रत्न भुयान	2	0	6	0	0	16	0	0	24	10	82
					कुल	**15**	**0**	**13**	**0**	**63**	**16**	**0**	**28**	**135**	**56**	

(Contd...)

परिशिष्ट - III (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
जनवरी, 2016																
46	एनईआरसी151642 टी	पंचायती राज संस्थानों द्वारा एकीकृत जिला योजना	जनवरी 5-9 2016	एनईआरसी	एम के श्रीवास्तव	9	0	10	1	0	0	0	0	20	7	92
47	एनईआरसी151658 S	ग्रामीण विकास में भू संसूचना का अनुप्रयोग	7-8 जनवरी 2016	एनईआरसी	के हलोई एन एस आर प्रसाद ए सिंहाचलम	10	0	0	0	4	50	0	2	66		NA
48	एनईआरसी151659 टी	लाभदायक सुअर पालन एवं मांस प्रसंस्करण (मेघालय सरकार)	4-9 जनवरी, 2016	एनईआरसी	के के भट्टाचार्यजी	1	0	0	0	0	0	0	15	16	8	90
49	एनईआरसी151660 S	सतत ग्रामीण विकास के लिए देशीय जानकारी पद्धति	18-19 जनवरा, 2016	एनईआरसी	आर एम पंत एम के श्रीवास्तव	5	0	0	0	5	38	0	0	48	23	NA
50	एनईआरसी151654 टी	एमजीएनआरईजीएस में सामाजिक लेखापरीक्षा	19-23 जनवरी, 2016	एनईआरसी	एम के श्रीवास्तव	18	0	0	4	0	0	0	0	22	7	78
51	एनईआरसी151663 टी	ग्रामीण उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम	27-29जनवरी, 2016	एनईआरसी	डॉ. रत्न भुयान	8	0	0	4	0	0	0	0	12	7	82
					कुल	51	0	10	9	9	88	0	17	184	52	

(जारी)

परिशिष्ट - III (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
फरवरी, 2016																
52	एनईआरसी151666 टी	आरडी के लिए कार्यालय स्वचालन में आईसीटी का अनुप्रयोग	8-12 फरवरी	एनईआरसी	श्री एस के घोष	19	0	0	0	0	0	0	0	19	4	92
53	एनईआरसी151668 टी	लाभदायक मुर्गीपालन एवं प्रबंधन	15-20 फरवरी	एनईआरसी	डॉ. के के भट्टाचार्यजी	1	0	0	0	0	0	0	29	30	9	92
54	एनईआरसी151634 टी	एसएजीवाई के अंतर्गत संसाधन एवं सामाजिक मैपिंग के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी का अनुप्रयोग	फरवरी 22-26, 2016	एनईआरसी	ए सिंहाचलम एन एस आर प्रसाद	12	0	0	2	0	0	0	0	14	5	88
54	एनईआरसी15167 टी	पंचायती राज संस्थानों द्वारा एकीकृत जिला योजना	फरवरी 22-26	एनईआरसी	एम के श्रीवास्तव एवं दल	15	0	3	0	0	0	0	3	21	6	92
56	एनईआरसी151671 S	मेक इन इंडिया एवं ग्रामीण उत्तर पूर्व: चुनौतियाँ	25-26फरवरी	एनईआरसी	रत्न भुयान	11	3	0	0	6	96	0	0	116	42	NA
57	एनईआरसी151672 W	निर्धनता उन्मूलन के लिए भूमि नीति : स्थिति एवं दिशाएँ	29 फरवरी, 2 मार्च	एनईआरसी	एम के श्रीवास्तव एवं दल	9	0	2	0	0	0	0	0	11	1	NA
					कुल	67	3	5	2	6	96	0	32	211	67	364

(जारी)

परिशिष्ट - III (जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
मार्च, 2016																
58	एनईआरसी151670 टी	एनआरडीडब्ल्यूपी की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	7-11 मार्च, 2016	एनईआरसी	ए सिंहाचलम एन एस आर प्रसाद	16	0	0	2	0	0	0	0	18	1	90
59	अतिरिक्त	उत्तर पूर्वी भारत में मौडल गौवो के निभगि हेतु पहल पर कार्यशाला	11-12 मार्च, 2016	एनईआरसी	एम के श्रीवास्तव	1	0	0	1	4	15	0	0	21	11	NA
60	अतिरिक्त	दूसरा एसआईआरडी-एनआईआरडी पीआर गुवाहटी	14-15 मार्च, 2016"	एसआईआरडी सिक्किम	डॉ आर एम पंत	4	0	0	0	14	0	0	0	18	4	NA
61	एनईआरसी151652 टी	स्वच्छ भारत अभियान एवं एसएजीवाई के लिए आईसी सामग्रियों के विकास एवं प्रचार के लिए आसीटी का अनुप्रयोग	14-18 मार्च, 2016	एनईआरसी	श्री एस के घोष	21	0	0	0	0	0	0	0	21	5	94
62	एनईआरसी151674 टी	एनआरडीडब्ल्यूपी की योजना एवं प्रबंध के लिए भू-स्थानीय तकनोलॉजी	14-18 मार्च, 2016	एसआईआरडी नागालैंड	डॉ के हलोई श्री ए सिंहाचलम	24	0	0	0	0	0	0	0	24	8	92
63	एनईआरसी151675 S	प्राकृतिक संसाधन प्रबंध : तकनीकी मुद्दे एवं विकल्प	18-19 मार्च, 2016	एनईआरसी	एम के श्रीवास्तव	0	0	0	0	0	42	0	1	43	16	NA
					कुल	66	0	0	3	18	57	0	1	145	45	276
					कुल योग	1138	3	47	29	122	286	0	268	1893	593	1768

डॉ. के हलोई
प्रशि./अनुसंधान समन्वयक

परिशिष्ट-आर 1

वर्ष 2015-16 के दौरान आरम्भ किए गए अनुसंधान अध्ययन

क्र.सं.	शीर्षक	दल
	क. एनआईआरडी एवं पीआर अनुसंधान अध्ययन	
1.	चयनित राज्यों में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए कार्यकर्ता और वित्त के हस्तांतरण की स्थिति: जम्मू एवं कश्मीर, झारखंड एवं ओडिशा	डॉ. वाई. भास्कर राव
2.	लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण तथा आदिवासी स्वशासन : दो राज्यो में पेसा अधिनियम के कार्यान्वयन का एक अध्ययन	डॉ. प्रत्युस्ना पटनायक
3.	ग्राम पंचायत में कार्य का बोझ और मानव संसाधन का मूल्यांकन	डॉ. जयलक्ष्मी
4.	ग्रामीण पेय जल का वितरणात्मक समान हिस्सा : व्यापक सेवा सुपुर्दगी का एक अध्ययन	डॉ. वी शिवराम डॉ. आर रमेश
5.	समुदाय आधारित संगठनों द्वारा आजीविका को बढ़ावा : छह राज्यों में अध्ययन	डॉ. एन. वी. माधुरी डॉ. शंकर चटर्जी डॉ. यू. हेमंत कुमार
6.	जल प्रयोक्ता संघो द्वारा सहभागी सिंचाई प्रबंध : कुछ चयनित सिंचित कमांड क्षेत्रों का एक मूल्यांकन	डॉ. यू. हेमंत कुमार डॉ. सिद्धय्या डॉ. के. प्रभाकर
7.	भू-संसूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग से स्थानिक निर्णय सहायता प्रणाली (एस डी एम एस) के विकास से प्राकृतिक संसाधन तथा ग्रामीण आजीविका पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन	डॉ. पी. केशव राव डॉ. टी. फनीन्द्र कुमार श्री एच. के सोलंकी श्री डी. एस. आर. मूर्ति डॉ. राज कुमार पम्मी डॉ. वी. माधव राव

(जारी....)

परिशिष्ट-आर 1 (जारी....)

क्र.सं.	शीर्षक	दल
8.	सहभागी विकेन्द्रीकृत योजना तथा सीमान्तीकृत वर्गो का समग्र विकास - बेहतर कार्य निष्पादन के चयनित जीपी का एक विश्लेषण	डॉ. आर. चिन्नदुरै डॉ. आर. अरूणा जयमनी
9.	सहभागी जीआईएस पहलू के प्रयोग से सततयोग्य ग्राम स्रोत विकास योजना का सृजन (सांसद आदर्श ग्राम योजना (एसजीएसवाई) योजना पर आधारित)	डॉ. टी. फनीन्द्र कुमा श्री डी. एस. आर. मूर्ति डॉ. राज कुमार पम्मी
	ख. मामला अध्ययन	
10.	ग्रामीण विकास में बेहतर पद्धतियों का मामला अध्ययन : गुजरात के पंसारी ग्राम पंचायत का एक मामला अध्ययन	डॉ. पी. शिवराम डॉ. आर. रमेश
11.	सिंघाना ग्राम समुदाय में प्रभावी पंचायती राज संस्थानों के रूप में सिंघाना ग्राम पंचायत	डॉ. अजित कुमार
12.	ओडीशा के मन्कीरदिया पी वी टी जी में आजीविका नीतियाँ	डॉ. टी. जी. रामय्या
13.	आई एस ओ प्रमाणपत्र प्राप्त करने में सहभागी विकेन्द्रीकृत योजना - पापरामबक्कम ग्राम पंचायत तिरूवल्लुर जिला तमिलनाडु का एक मामला अध्ययन	डॉ. अरूणा जयमनी
14.	ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	डॉ. आर. रमेश डॉ. पी. शिवराम
15.	पंचायती राज प्रणाली के तहत स्थानीय स्व शासन में परंपरागत संस्थानों के एकीकरण तथा कामकाज का मामला अध्ययन : सिक्किम का लाचेन और लाचुंग जिला-एक मामला	डॉ. आर. एम. पंत डॉ. एम. के. श्रीवास्तव एनईआरसी
16.	स्वायत्त जिला परिषदो (एडीसी) के तहत जिला योजना का एक अध्ययन	डॉ. आर. एम. पंत डॉ. एम. के. श्रीवास्तव एनईआरसी

(जारी....)

परिशिष्ट-आर 1 (जारी....)

क्र.सं.	शीर्षक	दल
17.	समन्वित जलागम प्रबंध कार्यक्रम के सामाजिक लेखापरीक्षा के प्रक्रिया प्रलेखन का मामला अध्ययन	डॉ. के. प्रभाकर डॉ. सिद्धय्या डॉ. यू. हेमंत कुमार
18.	चेंचुस में सफल आजीविका हस्तक्षेपों का एक मामला अध्ययन	डॉ. एन. वी. माधुरी
19.	आजीविका पहल और जीवन स्तर विशेषकर मध्यप्रदेश के कमजोर आदिवासी समूह को एक मामला अध्ययन	डॉ. आर. मुरगेशन
20.	जन धन योजना के कार्यान्वयन के मूल्यांकन पर मामला अध्ययन	डॉ. बी. के. स्वैन
21.	गया - बोध - गया - तुरीखुर्द जिले में प्रभावी पंचायती राज संस्थानों का मामला अध्ययन	श्री आर. सूर्य नारायण रेड्डी
ग. एस आई आर डी / सहयोगी अनुसंधान अध्ययन		
22.	त्रिपुरा के ग्रामीण लोगों पर इंदिरा आवास योजना का प्रभाव	सिपार्ड, त्रिपुरा
23.	तमिलनाडू के कुडालोर जिले के रासापेटै ग्राम में ग्राम आपदा जोखिम प्रबंध योजना पर कार्य अनुसंधान परियोजना	एस आई आर डी तमिलनाडू एवं सी-गार्ड संकाय
24.	आपदा पश्चात् राहत : राहरा अभिक्षन , कोलकत्ता के सहयोग से संतुलित बाढ़ की स्थिति में आवश्यकताओं का मूल्यांकन	डॉ. के. सुमन चंद्रा प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (सीएएस एवं डीएम)

परिशिष्ट-आर 2

वर्ष 2015-16 के दौरान आरंभ किए गए अनुसंधान अध्ययन

क्र.सं.	अध्ययन का शीर्षक	दल
	ए. एन आई आर डी एवं पी आर अनुसंधान परियोजना / अध्ययन	
1.	वर्षाआधारित कृषि में छोटे और सीमान्त किसानों में रणनीति का सामना करना और जोखिम क्षमता	डॉ. वी. सुरेश बाबू
2.	ग्रामीण लोगों के क्षमता विकास पर समुदाय रेडियो का प्रभाव मूल्यांकन : एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. के. पी. कुमारन डॉ. अनिल टाकलकर डॉ. टी. रमा देवी
3.	चयनित राज्यों में सेवा की प्रभावी सुपुर्दगी के लिए ग्राम पंचायत द्वारा अपनाए गई बेहतर पद्धति और हस्तक्षेप : एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. वाई. भास्कर राव
4.	छोटे और सीमान्त खेती में संकट पर एक अनुसंधान अध्ययन : आन्ध्र प्रदेश में भूमिसंबंधी, जन नीति तथा जीवन यापन नीतियाँ (आन्ध एवं तेलंगाना में छोटे खेत परिवार तथा कृषि परिवर्तन की स्थिति एक सूक्ष्मस्तरीय अध्ययन)	डॉ. के. सुमन चंद्रा आर. वी. रमना मूर्ति
5.	स्कूली शिक्षा के वैश्वीकरण के लक्ष्य की प्राप्ति में स्कूल विकास और मानिटरिंग समिति की प्रभाविता : कर्नाटक में एक अध्ययन	डॉ. एम. सारूमति
6.	बुनियादी न्यूनतम सेवाओं की प्राप्ति के लिए निगरानी प्रणाली के आधार पर दक्षता, प्रभावशीलता तथा समुदाय का प्रभाव : विभिन्न मॉडलो का अध्ययन	डॉ. आर. चिन्नदुरै एवं दल
7.	महिला अध्यक्षतावाली पंचायतों द्वारा स्वास्थ्य सुरक्षा सेवाओं का प्रबंधन	डॉ. सुचरिता पुजारी

(जारी....)

परिशिष्ट-आर 2 (जारी....)

क्र.सं.	शीर्षक	दल
8.	जलागम कार्यक्रमों में इसकी उपलब्धता पर पौष्टिक सुरक्षा एवं इक्विटी	डॉ.सी. एच. राधिकारानी डॉ. यू. हेमंत कुमार
9.	ग्राम पंचायत में काम का बोझ औरमानव संसाधन का मूल्यांकन	डॉ. जयलक्ष्मी
10.	सिघाना ग्राम समुदाय में प्रभावी पंचायती राज संस्थान के रूप में सिंघाना ग्राम पंचायत	डॉ. अजित कुमार
11.	आई एस ओ प्रमाणीकरण की प्राप्ति में सहभगी विकेन्द्रीकृत योजना - पापरामबक्कम ग्राम पंचायत तिरूवल्लुर जिला तमिलनाडु का एक मामला अध्ययन	डॉ. आर. अरूणा जयमनी
12.	पंचायती राज प्रणाली के तहत स्थानीय स्व शासन के परंपरागत संस्थानों के एकीकरण तथा कामकाज का मामला अध्ययन -सिक्किम का लाचेन और लाचुंग जिला - एक मामला	डॉ. आर. एम. पंत डॉ. एम. के. श्रीवास्तव एनईआरसी
13.	स्वायत जिला परिषद के तहत जिला योजना का एक मामला अध्ययन (एडीसी)	डॉ. आर. एम. पंत डॉ. एम. के. श्रीवास्तव एनईआरसी
14.	गया - बोध - गया - तुरीखुर्द ग्राम में ''प्रभावी पंचायती राज संस्थनों'' का मामला अध्ययन	श्री आर. सूर्यनारायण रेड्डी
	ख. एस आई आर डी अनुसंधान अध्ययन	
15.	एस जी एस वाई के तहत एसएचजी कार्यनिष्पादन का मूल्यांकन : गोवा में एक मामला अध्ययन	गिरडा, गोवा
16.	कूच बिहार के ग्राम पंचायत में आई एस जी पी हस्तक्षेप	एस आई आर डी पश्चिम बंगाल
17.	स्कूल छोडने का कारण तथा संभाव्य समाधान का अध्ययन	एस आई आर डी, मध्य प्रदेश

परिशिष्ट-आर 3

वर्ष 2015-16 के दौरान चल रहे अनुसंधान अध्ययन

क्र.सं.	शीर्षक	दल
	ए. एन आई आर डी एवं पीआर अनुसंधान परियोजना / अध्ययन	
1.	राजस्थान और छत्तीसगढ में आरसेटी / आरईडीपी उद्यमो का कार्य निष्पादन लेखा परीक्षा	डॉ. टी. जी. रामय्या
2.	गोदावरी ओर कावेरी डेल्टा क्षेत्र में काश्तकारी व्यवस्था का स्वरूप और विस्तार : एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. के. सुमन चन्द्रा एवं दल
3.	सी एस बी में आई टी के एस : फसल बरबादी को रोकने के लिए मैकेनिजम	डॉ. पी. वैलेन्टिना डॉ. वी. सुरेश बाबू
4.	आई ए वाई लाभार्थी परिवारों में ऋणग्रस्तता पर अध्ययन : चयनित क्षेत्रों में एक अध्ययन	डॉ. वाई. गंगी रेड्डी डॉ. पी. शिवराम
5.	पंचायत में वित्तीय हस्तांतरण तथा स्रोतो के विकेन्द्रीकरण की स्थिति	के शिवसुब्रहमण्यम
6.	चयनित राज्यों में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए कार्य, कार्यकर्ता और वित्त के हस्तांतरण की स्थिति : जम्मू एवं कश्मीर, झारखंड तथा ओडिशा	डॉ. वाई. भास्कर राव
7.	लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण तथा आदिवासी स्व शासन : दो राज्यों में पेसा अधिनियम के कार्यान्वयन का अध्ययन	डॉ. प्रत्युस्ना पट्नायक
8.	ग्रामीण पेय जल के लिए वितरणात्मक समान हिस्सा : समग्र सेवा सुपुर्दगी का एक अध्ययन	डॉ. पी. शिवराम डॉ. आर. रमेशं
9.	समुदाय आधारित संगठनों द्वारा आजीविका को बढ़ावा : छह राज्यों में एक अध्ययन	डॉ. एन. वी. माधुरी डॉ. शंकर चटर्जी डॉ. यू. हेमंत कुमार

(जारी....)

परिशिष्ट-आर 3 (जारी....)

क्र.सं.	शीर्षक	दल
10.	जल प्रयोक्ता संघो द्वारा सहभागी सिंचाई प्रबंध : कुछ चयनित सिंचित कमांड क्षेत्र का एक मूल्यांकन	डॉ. यू. हेमंत कुमार डा. सिद्धय्या डॉ. के. प्रभाकर
11.	भू संसूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग से स्थानिक निर्णय सहयोग पद्धति से प्राकृतिक संसाधन तथा ग्रामीण आजीविका पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन	डॉ. पी. केशव राव डॉ. टी. फनीन्द्र कुमार श्री एच. के. सोलंकी श्री डी. एस. आर. मूर्ति डॉ. राज कुमार पम्मी डॉ. वी. माधव राव
12.	सहभागी विकेन्द्रीकृत योजना तथा उपेक्षित वर्गो का समग्र विकास : चयनित बेहतर कार्य निष्पादन जी पी का एक विश्लेषण	डॉ. आर. चिन्नदुरै डॉ. आर. अरूणा जयमनी
13.	सहभागी जी आई एस पहलू के उपयोग से सतत ग्राम स्त्रोत विकास योजना तैयार करना (सांसद आदर्श ग्राम योजना स्कीम(एसजीएसवाई)पर आधारित)	डॉ. टी. फनीन्द्र कुमार श्री डी. एस. आर. मूर्ति डॉ. राज कुमार पम्मी
	ख. मामला अध्ययन	
14.	ग्रामीण विकास में बेहतर पद्धतियों का मामला अध्ययन : गुजरात के पंसारी ग्राम पंचायत का एक मामला अध्ययन	डॉ. पी. शिवराम डॉ. आर. रमेश
15.	ओडीशा में मन्कीरदिया पी वी टी जी में आजीविका नीतियाँ	डॉ. टी. जी. रामय्या
16.	ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	डॉ. आर. रमेश डॉ. पी. शिवराम
17.	एकीकृत जलागम प्रबंधन कार्यक्रम के सामाजिक लेखापरीक्षा की प्रक्रिया प्रलेखन का मामला अध्ययन	डॉ. के. प्रभाकर डॉ. सिद्धय्या डॉ. यू. हेमंत कुमार

(जारी....)

परिशिष्ट-आर 3 (जारी....)

क्र.सं.	शीर्षक	दल
18.	चेंचुस में सफल आजीविका हस्तक्षेप का एक मामला अध्ययन	डॉ. एन. वी. माधुरी
19.	आजीविका पहल और जीवन स्तर विशेषकर मध्य प्रदेश के कमजोर आदिवासी समूहो का एक मामला अध्ययन	डॉ. आर. मुरुगेषण
20.	जन धन योजना के कार्यान्वयन के मूल्यांकन का मामला अध्ययन	डॉ. बी. के. स्वैन
ग. एस आई आर डी / सहयोगी संस्थान अध्ययन		
21.	"आपदा पश्चात राहत : राहरा अभिक्षन, कोलकत्ता के सहयोग से मध्यम बाढ़ की स्थिति" में आवश्यकताओं का मूल्यांकन	डॉ. के. सुमन चंद्रा प्रोफेसर एवं अध्यक्ष सीएएस एवं डीएम
22.	तमिलनाडु के कुंडलोर जिले के रासेपेटै ग्राम में ग्राम आपदा जोखिम प्रबंध योजना पर कार्य अनुसंधान परियोजना	एस आई आर डी तमिलनाडु और सी-गार्ड संकाय
23.	एस एच जी द्वारा आजीविका परियोजना / सूक्ष्म उद्यम	एस आई आर डी, अरूणाचल प्रदेश
24.	आई डब्ल्यू एम पी में जागरूकता बढ़ाना - एक मामला अध्ययन	एस आई आर डी, हिमाचल प्रदेश
25.	हिमाचल प्रदेश में महात्मा गांधी नरेगा में महिलाओं की सहभागिता को सुकर बनाने वाले कारको पर अध्ययन	एस आई आर डी, हिमाचल प्रदेश
26.	चेंचुस में मुख्य आजीविका स्रोत (पींटी जी) - आंध्र प्रदेश के महबूबनगर जिले में मामला अध्ययन	ए एम आर - अपार्ड आन्ध्र प्रदेश
27.	सूखा प्रवृत्त क्षेत्रों में आजीविका पर एम जी एन आर ई जी एस का प्रभाव मूल्यांकन : आंन्ध्र प्रदेश के महबूबनगर जिले में एक मामला अध्ययन	ए एम आर - अपार्ड आन्ध्र प्रदेश

(जारी....)

परिशिष्ट-आर 3 (जारी....)

क्र.सं.	शीर्षक	दल
28.	एस एच जी के सुव्यवस्थित निर्माण और विकास द्वारा महिला सशक्तिकरण	एस आई आर डी मध्य प्रदेश
29.	मॉडल ग्राम बनाने में कार्य अनुसंधान प्रस्ताव	एस आई आर डी, मध्य प्रदेश
30.	त्रिपुरा के ग्रामीण लोगों पर इंदिरा आवास योजना का प्रभाव	सिपार्ड, त्रिपुरा

परिशिष्ट-आर 4

वर्ष 2015-16 के दौरान संपूरित औपचारिक कार्य अनुसंधान अध्ययन

क्र.सं.	शीर्षक	दल
2015-16 के दौरान किए गए अध्ययन		
1.	एस ए जी वाई के अनुसार मॉडल ग्राम का विकास	डॉ. ज्ञानमुद्रा एवं डॉ. सारूमति
	संपूरित अध्ययन	
1.	महाराष्ट्र के चयनित ग्रामों में आजीविका योजना पर आधारित भू संसूचना	डॉ. वी. माधव राव डॉ. आर. आर. हर्मन डॉ. पी. केशव राव श्री टी. फनीन्द्र कुमार
2.	जी आई एस अनुप्रयोग द्वारा सतत विकास के लिए सहभागी सूक्ष्म स्तरीय योजना और प्रबंध	एस आई आर डी तमिलनाडु दल और एन आई आर डी दल डॉ. वी. माधव राव डॉ. आर. आर हर्मन डॉ. पी. केशव राव श्री टी. फनीन्द्र कुमार
3.	एमजीएनआरईजीएस पर विशेष बलसहित भू-संसूचना आधारित मैपिंग तथा ग्रामीण विकास कार्यक्रम : वायनाड़ जिला, केरल राज्य का एक मामला अध्ययन	डॉ. वी. माधव राव डॉ. आर. आर. हर्मन डॉ. पी. केशव राव श्री टी. फनीन्द्र कुमार
	चल रहे अध्ययन	
1.	कार्य अनुसंधान : एस ए जी वाई के अनुसार मॉडल ग्राम का विकास	डॉ. ज्ञान मुद्रा डॉ. सारूमति

(जारी....)

परिशिष्ट-आर 4 (जारी....)

क्र.सं.	शीर्षक	दल
2.	आजीविका समूह दृष्टिकोण द्वारा ग्रामीण उद्यमशीलता तथा उद्यम के विकास पर कार्य अनुसंधान : कार्य अनुसंधान पर एक पायलट पहल - एन ई आर सी	डॉ. कनक हलोई डॉ. रत्ना भुयान
3.	पूर्वी घाट हिंटरलैण्ड में संरक्षण तथा सुधार नीतियों द्वारा वन आधारित आजीविका में वृद्धि	श्री वी. कृष्णा राव कोवल फाउंडेशन डॉ. एम. वी. राव डॉ. जी. रजनीकांत
4.	ग्राम अभिग्रहण - सीएसवी वर्धा महाराष्ट्र द्वारा वर्धा जिले में आस्था उत्तर खंड में सिरकुंती और मामदापुर ग्राम में कार्य अनुसंधान साधन	डॉ. वी. सुरेश बाबू
5.	ग्राम अभिग्रहण - हिस्की देहरादून उत्तराखंड द्वारा टेहरी जिले में कार्य अनुसंधान साधन	डॉ. वी. सुरेश बाबू
6.	ग्राम अभिग्रहण - श्री आमचेट्टीयर अनुसंधान संस्थान, तमिलनाडू द्वारा कोयम्बत्तूर, विलापुरा और शिवगंगा जिलों में कार्य अनुसंधान साधन	डॉ. वी. सुरेश बाबू
7.	भूला हुआ वर्ग - ग्रामीण कारीगर ग्रामीण उद्यमियों में परिवर्तन पर कार्य अनुसंधान परियोजना	सेडयम हैदराबाद

परिशिष्ट - आर 5

वर्ष 2015-16 के लिए चल रहे ग्राम अभिग्रहण अध्ययन

क्र.सं.	राज्य	जिला	ग्राम	संकाय सदस्य / दल
1.	आंध्र प्रदेश	महबूबनगर	अप्पापुर	डॉ. पी. शिवराम डॉ. वाई. गंगी रेड्डी मो. खान
2.	आंध्र प्रदेश	प्रकाशम	गंगावरम इंकोलु मंडल	डॉ. रवि बाबू
3.	आंध्र प्रदेश	महबूबनगर	हाजीपल्ली	डॉ. पी. शिवराम डॉ. वाई. गंगी रेड्डी
4.	आंध्र प्रदेश	प्रकाशम	मोहिउद्दीनपुरम	**गैर शैक्षणिक** डॉ. एन. कल्पलता डॉ. पद्मजा सुश्री जरीना
5.	आंध्र प्रदेश	चित्तूर	पालागट्टूपल्ली	डॉ. राज कुमार पी श्री टी. फनींद्र कुमार
6.	असम	मोरेगाँव	हतीउथा	डॉ. के. हलोई
7.	असम	कामरूप	जजीकोना	डॉ. के. हलोई डॉ. के. मुकेश कुमार श्रीवास्तव
8.	असम	नलबरी	कठोरा	डॉ. के. हलोई श्री ए. सिंहाचलम
9.	छत्तीसगढ	धमतरी	सोनझरी	डॉ. वी. अन्नमलै

(जारी....)

परिशिष्ट-आर 5 (जारी....)

क्र.सं.	राज्य	जिला	ग्राम	संकाय सदस्य / दल
10.	छत्तीसगढ़	बस्तर	तीरथगढ	डॉ. एस. एन. राव
11.	छत्तीसगढ़	धमतरी	थुमराबहार	डॉ. टी. जी. रामय्या
12.	कर्नाटक	चामराजनगर	होसापोडू हिरीयमबला काथाकलापाडू हवीनामुला	डॉ. वी. सुरेश बाबू
13.	कर्नाटक	गुलबर्गा	वन्तीचिंता	डॉ. के. जयलक्ष्मी डॉ. जी. वेलेंटिना
14.	कर्नाटक	बिदर	विट्टालपुरा	डॉ. सीएच राधिका रानी
15.	कर्नाटक	यादगिर	बेलगेरा	डॉ. सिद्धय्या डॉ. के. प्रभाकर
16.	मध्य प्रदेश	धार	मूसापुरा कोफिसोंडपुर	डॉ. एम. वी. माधुरी डॉ. सी. धीरजा श्री के. पी. राव
17.	मध्य प्रदेश	छत्तरपुर	पटोरी	डॉ. आर. के. श्रीवास्तव
18.	महाराष्ट्र	चन्द्रपुर	आशापुर	डॉ. यू. हेमंत कुमार
19.	महाराष्ट्र	चन्द्रपुर	कोटबन	श्री डी. एस. आर. मूर्ति
20.	महाराष्ट्र	चन्द्रपुर	पिंपलकोथा	श्री जी. वी. सत्यनारायण

(जारी....)

परिशिष्ट-आर 5 (जारी....)

क्र.सं.	राज्य	जिला	ग्राम	संकाय सदस्य / दल
21.	महाराष्ट्र	नांदेड	सोमर्ला	डॉ. पी. केशव राव डॉ. आर. चिन्नदुरै
22.	महाराष्ट्र	अहमदनगर	करेगाँव ग्राम	श्री टी. फनीन्द्र कुमार श्री डी. एस. आर. मूर्ति
23.	ओडीशा	कोरापुट	खुदी	डॉ. वाई. भास्कर राव
24.	ओडीशा	कोरापुट	मंदीकुटा	डॉ. बी. के. स्वैन
25.	ओडीशा	सुंदरगढ	सासा	डॉ. जी. वी. के. लोही दास डॉ. ए. देबप्रिय
26.	ओडीशा	कटक	नाराज़	डॉ. देबप्रिय
27.	राजस्थान	उदयपुर	अमरपुरा	डॉ. के. प्रभाकर
28.	राजस्थान	भरतपुर	हंत्रा राजस्व गांव	श्री एच. के. सोलंकी डॉ. पी. केशव राव
29.	तमिलनाडु	कुडालोर	सिरूमंगलम	डॉ. आर. मुरगेशन
30.	तमिलनाडु	डिंडीगल	मनालूर	डॉ. रमेश
31.	तमिलनाडु	विलीपुरम	सारम, किलमावीलंगाई	श्री टी. फनीन्द्र कुमार
32.	तेलंगाना	वरंगल	कोट्टपल्ली	डॉ. पी. अनुराधा
33.	पश्चिम बंगाल	बंकुरा	सेलीबोना	डॉ. शंकर चटर्जी

परिशिष्ट-आर 6

वर्ष 2015-16 के दौरान आरम्भ किए गए परामर्शी अध्ययनो की सूची

क्र.सं.	अध्ययन शीर्षक	दल सदस्य
1.	कृषि असंतोष, उभरने के मैकेनिज्म तथा कार्यकारी योजना का प्रभाव	डॉ. सी. एच. राधिका रानी डॉ. सिद्धय्या डॉ. के. प्रभाकर
2.	ओडीशा के बोलनगिर जिला में प्रवासी परिवारों पर सरकारी कार्यक्रमों के प्रभाव तथा प्रवास के समाजार्थिक कारण का अध्ययन	डॉ. जी. रजनी कांत डॉ. सी. धीरजा डॉ. वी. सुरेश बाबू डॉ. प्रत्युस्ना पट्नायक
3.	ए पी आई बी देहरादून डाटा बेस परियोजना की मान्यता	श्री टी. फनींद्र कुमार डॉ. पी. केशव राव श्री एच. के. सोलंकी श्री डी. एस. आर. मूर्ति डॉ. राज कुमार पम्मी डॉ. वी. माधव राव
4.	केरल के पांच जिलो में पी एम जी एस वाई - II के लिए जी आई एस प्लेटफार्म पर जिला ग्रामीण सड़क योजना	श्री टी. फनींद्र कुमार डॉ. पी. केशव राव श्री एच. के. सोलंकी श्री डी. एस. आर. मूर्ति डॉ. राज कुमार पम्मी डॉ. वी. माधव राव
5.	पी एम के एस वाई के जलागम संघटक के तहत ऑनलाईन जलागम आकलन, ई डी पी आर तथा भू हाइड्रोज्योलोजी मॉडल तैयारी के लिए प्रशिक्षण विस्तार और सहायता	श्री टी. फनींद्र कुमार डॉ. पी. केशव राव श्री एच. के. सोलंकी श्री डी. एस. आर. मूर्ति डॉ. वी. माधव राव

परिशिष्ट-आर 6 (जारी....)

क्र.सं.	अध्ययन शीर्षक	दल सदस्य
6.	पी एम जी एस वाई के तहत ग्रामीण सड़क परियोजना में आंतरिक प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग	श्री टी. फनींद्र कुमार डॉ. पी. केशव राव श्री एच. के. सोलंकी श्री डी. एस. आर. मूर्ति डॉ. राज कुमार पम्मी डॉ. वी. माधव राव
7.	बिजू के बी के योजना में मूल्यांकन अध्ययन	डॉ. ए. देबप्रिया श्री टी. फनींद्र कुमार डॉ. एस. पी. रे डॉ. वी. माधव राव

परिशिष्ट-आर 7

वर्ष 2015-16 के दौरान चल रहे परामर्शी अध्ययन

क्र.सं.	अध्ययन शीर्षक	दल सदस्य
1.	भारत में महिला राजनैतिक नेतृत्व एवं जेंडर संवेदनशील को बढावा	डॉ. सी. एस. सिंघल एवं अन्य
2.	उत्तराखंड के चंपावत और उत्तराखंड जिलो के लिए कृषि जलवायु योजना तथा सूचना बैंक परियोजना (एपीआईबी) दो जिलों में एस डी एस एस की तैनाती	डॉ. वी. माधव राव श्री टी. फनींद्र कुमार डॉ. आर. आर. हर्मन डॉ. पी केशव राव श्री डी. एस. आर. मूर्ति श्री एच. के. सोलंकी
3.	5 अफ्रीकी राष्ट्रों में ग्रा. वि. के लिए भू-संसूचना केन्द्रो की स्थापना	डॉ. वी. माधव राव डॉ. पी. केशव राव श्री टी. फनींद्र कुमार श्री एच. के. सोलंकी श्री डी. एस. आर. मूर्ति
4.	एस आई आर डी तमिलनाडु एवं केरल में सीगार्ड केन्द्रो का गठन	डॉ. वी. माधव राव श्री टी. फनींद्र कुमार डॉ. पी. केशव राव श्री डी. एस. आर. मूर्ति
5.	उत्तर प्रदेश (बुंदेलखंड क्षेत्र) असम, कर्नाटक क्षेत्र तथा राजस्थान राज्यों में एमजीनरेगा के तहत कम कार्य निष्पादन जिलो का अभिग्रहण	डॉ. जी. रजनी कांत एवं दल
6.	आई डब्ल्यू डी पी, डी पी ए पी के तहत फोरक्लोज्ड जलागम परियोजनाओं का मूल्यांकन अध्ययन	सिद्धय्या यू हेमंत कुमार के. प्रभाकर सी. एच. राधिका रानी विजयाचंद्रा रेड्डी. एस

(जारी....)

परिशिष्ट-आर 7 (जारी....)

क्र.सं.	अध्ययन शीर्षक	दल सदस्य
7.	एम जी एन आर जी एस का समाजार्थिक प्रभाव - छह राज्यों में दीर्घकालिक अध्ययन	डॉ. वी. सुरेश बाबू डॉ. एस. वी. रंगाचार्युलु
8.	कमजोर समुदायों में संकट पलायन पर एमजीनरेगा का प्रभाव - चार राज्यों में समूह के मध्यम उपयोग को दोहराने का अध्ययन	डॉ. प्रत्युस्ना पटनायक डॉ. जी. रजनीकांत डॉ. वी. सुरेश बाबू
9.	एमजीनरेगा के तहत महिला नेतृत्व के परिवार तथा एम जी नरेगा के अंतर्गत महिला नेतृत्व में नहीं रहने वाले परिवार से 4-7 वर्ष के बच्चो का पोषण और शिक्षा स्तर : एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. लखन सिंह डॉ. जी. रजनीकांत डॉ. वी. सुरेश बाबू
10.	ओडीशा के बोलनगिर जिले में प्रवासी परिवारो पर प्रवास का समाजार्थिक कारण और सरकारी कार्यक्रमों के प्रभाव का अध्ययन	डॉ. जी. रजनीकांत डॉ. सी. धीरजा डॉ. सुरेश बाबू डॉ. प्रत्युषना पटनायक
11.	ए पी आई बी देहरादून डेटा बेस परियोजना की मान्यता	श्री टी. फनीन्द्र कुमार डॉ. पी. केशव राव श्री एच. के. सोलंकी श्री डी. एस. आर. मूर्ति डॉ. राज कुमार पम्मी डॉ. वी. माधव राव
12.	केरल के पाँच जिलों में पीएमजीएसवाई - II के लिए जीआईएस प्लेटफार्म पर जिला ग्रामीण सड़क योजना	श्री टी. फनीन्द्र कुमार डॉ. पी. केशव राव श्री एच. के. सोलंकी श्री डी. एस. आर. मूर्ति डॉ. राज कुमार पम्मी डॉ. वी. माधव राव

(जारी....)

परिशिष्ट-आर 7 (जारी....)

क्र.सं.	अध्ययन शीर्षक	दल सदस्य
13.	पी एम के एस वाई के जलागम संघटक के तहत ऑनलाईन जलागम आकलन ई डी पी आर तथा जिओहाइड्रोलाजी मॉडल तैयारी के लिए प्रशिक्षण विस्तार और सहायता	श्री टी. फनीन्द्र कुमार डॉ. पी. केशव राव श्री एच. के. सोलंकी श्री डी. एस. आर मूर्ति डॉ. वी. माधव राव
14.	पी एम जी एस वाई के तहत ग्रामीण सड़क परियोजना में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग	श्री टी. फनीन्द्र कुमार डॉ. पी. केशव राव श्री एच. के. सोलंकी श्री डी. एस. आर. मूर्ति डॉ. राज कुमार पम्मी डॉ. वी. माधव राव
15.	बिजू के बी के योजना में मूल्यांकन अध्ययन	डॉ. ए. देबप्रिय श्री टी. फनीन्द्र कुमार डॉ. एस. पी. राय डॉ. वी. माधव राव

परिशिष्ट-आर 8

वर्ष 2015-16 के दौरान संपूरित परामर्शी अध्ययन की सूची

क्र.सं.	अध्ययन शीर्षक	दल सदस्य
1.	भारतीय किसानों की सूचना आवश्यकताओं को पूरा करने में भारतीय कृषि में मुख्य आई सी टी कार्य के अध्ययन एवं विश्लेषण के आधार पर वैकल्पिक आई सी टी मॉडल का विकास	डॉ. वी. माधव राज डॉ. आर. आर. हर्मन श्री टी. फनीन्द्र कुमार डॉ. पी. केशव राव श्री डी. एस. आर. मूर्ति
2.	ग्रामीण विकास के लिए स्थानिक निर्णय समर्थन सिस्टम (एस डी एस वाई) बकाया 14 राज्यों के लिए तथा स्थानीय भाषा इंटरफेस के साथ 11 राज्यों में अनुकूलित योजना और अनुमानित साफ्टवेयर का उन्नयन)	डॉ. वी. माधव राज श्री टी. फनीन्द्र कुमार डॉ. आर. आर. हर्मन डॉ. पी. केशव राव श्री डी. एस. आर. मूर्ति श्री एच. के. सोलंकी
3.	अंडमान निकोबार द्वीपसमूह, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ में सर्वशिक्षा अभियान की मानिटरिंग	डॉ. टी. विजय कुमार
4.	अंडमान निकोबार द्वीपसमूह, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ में मध्याहन योजना स्कीम की मानिटरिंग	डॉ. टी. विजय कुमार
5.	आंध्र प्रदेश, तेलंगाना राज्य में राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान की मानिटरिंग	डॉ. टी. विजय कुमार डॉ. आर. आर. प्रसाद
6.	आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में यू - डी आई एस ई - 2014 एस एस का गणना पश्चात सर्वेक्षण (5% सैम्पल जाँच)	डॉ. टी. विजय कुमार डॉ. एन. दीपा
7.	मॉडल ग्राम पंचायत की तैयारी - आदिवास उप योजना	डॉ. आर. आर. प्रसाद

परिशिष्ट-आर 8 (जारी....)

क्र.सं.	अध्ययन शीर्षक	दल सदस्य
8.	आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट, तमिलनाडू और तेलंगाना राज्यों के अनुसूचित जाति की देवदासियों की समाजार्थिक स्थिति का मूल्यांकन	डॉ. आर. चिन्नदुरै
9.	कर्नाटक राज्य में एन एस के एफ डी सी स्कीम का मूल्यांकन अध्ययन	डॉ. आर. आर. प्रसाद एवं दल
10.	वर्ष 2010-2014 के दौरान संपूरित तथा सभी राज्यों में त्रिकोण द्वारा समुदाय विश्लेषण की सततता का अध्ययन - संपत्ति अध्ययन	डॉ. के. प्रभाकर डॉ. जी. रजनीकांत डॉ. वी. सुरेश बाबू
11.	आई पी पी ई का प्रक्रिया प्रलेखन तथा आई पी पी ई के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण का मूल्यांकन	डॉ. अरूणाजयमणि डॉ. जी. रजनीकांत डॉ. वी. सुरेश बाबू
12.	चयनित परिवर्तनशील कार्य और योजना का प्रकार अनु जा / अनु जन / महिलाओं की सहभागिता शिकायत आंकडे में परिवर्तन तथा 7 राज्यों में आई पी पी ई की क्षमता पर योजना प्रक्रिया का लघु और दीर्धावधि प्रभाव	डॉ. सी. धीरजा डॉ. जी. रजनीकांत डॉ. वी. सुरेश बाबू
13.	आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना के 4 जिलों में यू डी आई सी ई 2014 का गणना पश्चात् सर्वेक्षण (5% सैम्पल जाँच)	डॉ. टी. विजय कुमार
14.	कृषि असंतुष्टि समाधान के मैकेनिज्म तथा ऋण माफी स्कीम की जटिलता	डॉ. सीएच राधिका रानी डॉ. सिद्धय्या डॉ. के. प्रभाकर

परिशिष्ट - आर 9

संकाय प्रकाशन

संकाय सदस्यों के प्रपत्रों एवं प्रकाशन की जानकारी निम्न रुप में इस प्रकार है :

भू-संबंधी अध्ययन केन्द्र (सी ए एस)

डॉ. के. सुमनचन्द्र, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

1. ''भू-संबंधी संकट एवं कृषक संतुष्टि के प्रति नीति परिप्रेक्ष्य एवं राज्य प्रतिक्रिया'' पर राष्ट्रीय परामर्श एन आई आर डी एवं पी आर द्वारा प्रकाशित, दिसंबर , 2015 (आई एस बी एन 9789384503505)

2. सततयोग्य कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए एकीकृत भूमि उपयोग योजना, एप्पल एकॉडेमिक प्रेस, यू एस ए फरवरी, 2016 (आई एस बी एन 9781771881043)

3. ''सततयोग्य कृषि - चुनौतियाँ और और संभावनायें'', एन आई आर डी एवं पी आर द्वारा प्रकाशित, मार्च, 2016 (आई एस बी एन 9781771881043)

4. के. सुमनचन्द्र , ई. वी. प्रकाश राव (2016) " भू-संबंधी असंतुष्टि और कृषक आत्महत्या'', भारत में भू-संबंधी संतुष्टि - कारण और समाधान, संपादन टी. हक, कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली (आई एस बी एन -13:978-93-5125-257-3)

डॉ. सीएच राधिका रानी, एसोसिएट प्रोफेसर

1. ए. अमरेन्दर रेड्डी, सी. एच. राधिका रानी, टिमोटी कैडमेन , सूरा नरेश कुमार एवं अनुगुला एन. रेड्डी (2016), ''भारत में खाद्य और पौषणिक निष्कर्षो के सततयोग्य संकेतक दिशा'', वर्ल्ड जर्नल ऑफ साईन्स, टेक्नोलोजी एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, खंड 13, अंक 2 पी-पी 128-142 (आई एस एस एन :2042-5945)

2. सी एच राधिका रानी, सिद्धैया, प्रभाकर वी (2016) : ''जोखिम, संवेदनशीलता एवं समाधान तंत्र - तेलंगाना में एक अध्ययन'' इंडियन जर्नल ऑफ एकनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट, खंड 12 सं. 1 ए पृ. - 291-299 (आई एस एस एन : 22-77-5412)

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन केन्द्र (सी एन आर एम)

डॉ. सिद्धैय्या, (एसोसिएट प्रोफेसर)

1. सिद्धैय्या एंड महंतेश ''पश्चिमी उत्तरप्रदेश में वनस्पति उत्पादन में आई पी एम एवं कीटनाशी का उपयोग : पर्यावरणात्मक प्रभाव मूल्यांकन'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल एग्रिकल्चर, खंड 33 सं. अप्रैल-जून 2015 , सीरियल पब्लिकेशन, नई दिल्ली (आई एस एस एन: 0254-8755)
2. थसनिमोल, एच, लोकेशा, एम. आर. कम्मर, अमृता टी जोशि एवं सिद्धैया, ''उच्च मूल्य वाले कृषि उत्पादों के संदर्भ में उत्तर-पूर्वी कर्नाटक में बच्चों की आहार पद्धति'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड एंड न्यूट्रिशनल साईसेन्स, खंड -4, आई एस एस 3, अप्रैल-जून 2015, आई जे एफ ए एन एस पब्लिशर्स (ई-आई एस एस एन 2320-7876)
3. अमृता टी जोशि, सिद्धैया एवं एस. विजयचन्द्र रड्डी, ''एन ई के क्षेत्र में कृषि विपणन में इलेक्ट्रोनिक उपकरणों का उपयोग पर तुलनात्मक अध्ययन । इंडियन जर्नल ऑफ एग्रिकलचरल ''मार्केटिंग, 29 (1) 2015, आई एस एस एन 0971-8664, आई जे ए एम पी जे टी एस ए यु , राजेन्द्रनगर , हैदराबाद - 500030
4. सिद्धैया, एस. विजयचन्द्र रेड्डी, शिवानंद के. कुम्मर एवं चिदानंद पाटील, ''हैदराबाद - कर्नाटक में गोदाम प्राप्तियों पर एक आर्थिक विश्लेषण : कृषि उत्पाद के मंद बिक्री की तुलना में सुरक्षात्मक उपाय खंड 12 संख्या 1 क: 185-190, अप्रैल, 2016 (आई एस एस एन :2277-55412, ऑन लाईन 2322-0430, पी ए यु लुधियाना।
5. सिद्धैया, एस. विजयाचन्द्र रेड्डी एवं शिवास्वामी जी. पी. , ''कृषि ऋण पर अध्ययन : हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में प्रयोजन पद्धति एवं रुपातंरण'' इंडियन जर्नल ऑफ एकनॉमिक्स एण्ड डेवलपमेंट , खंड 12 सं. (1) : 185-190, जनवरी-मार्च , 2016 (आई एस एस एन:2277-5412 ऑनलाईन आई एस एस एन :2322-0430), पी ए यु , लुधियाना ।

योजना, अनुक्षवण एवं मूल्यांकन केन्द्र (सीपीएमई)

डॉ. आर. चिन्नादुरै, एसोसिएट प्रोफेसर (सी पी एम ई)

1. एम जी एन आर ई जी एस के कार्यनिष्पादन पर सामाजिक लेखा परीक्षा का प्रभाव : तमिलनाडु का एक मामला अध्ययन - किला जर्नल ऑफ लोकल गर्वनेन्स (आई एस एस एन 2319 - 930 एक्स, 2015)।
2. समग्र विकास को प्राप्त करने के लिए प्रभावी नेतृत्व पद्धति और जन सहभागिता - तमिलनाडु के ओदंतुराय ग्राम पंचायत का एक मामला - इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सांईटिफिक रिसर्च (आई एस एस एन नं. 2277-8179, 2015) ।

मानव संसाधन विकास केन्द्र -

डॉ. ज्ञानमुद्रा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

1. ग्रामीण विकास विशेषज्ञों के लिए अनुसंधान पद्धति, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान पब्लिकेशन्स, हैदराबाद - आई एस बी एन : 978-93-84503-1 मार्च, 2015
2. संकलन - एस ए जी वाई ग्राम पंचायत में कार्य, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार , नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद , (978-93-84503-11-6) , सितंबर, 2015
3. संकलन - एस ए जी वाई ग्राम पंचायत (हिन्दी) में कार्य, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार , नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद , (978-93-84503-12-3) , सितंबर, 2015
4. ग्रामीण विकास क्षेत्र में श्रेष्ठ पद्धतियां, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार , नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद , (978-93-84503-13-0), सितंबर, 2015
5. समन्वय, सांसद आदर्श ग्राम योजना (इंग्लिश) के अंतर्गत अभिसरण हेतु सेन्ट्रल सेक्टर , केन्द्रीकृत प्रायोजित एवं राज्य योजनाओं का संकलन, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार , नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद , (29 राज्य एवं 5 केन्द्रशासित प्रदेश) , 2015

क्र. सं.	समन्वय राज्य	आई एस बी एन
1	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	978-93-84503-14-7
2	आन्ध्रप्रदेश	978-93-84503-15-4
3	अरुणाचल प्रदेश	978-93-84503-16-1
4	असम	978-93-84503-17-8
5	बिहार	978-93-84503-18-5
6	चंडीगढ़	978-93-84503-19-2
7	छत्तीसगढ़	978-93-84503-20-8
8	दादरा एवं नगर हवेली	978-93-84503-21-5
9	दमन एवं दीव	978-93-84503-22-2
10	दिल्ली	978-93-84503-23-9
11	गोआ	978-93-84503-24-6
12	गुजरात	978-93-84503-25-3
13	हरियाणा	978-93-84503-26-0
14	हिमाचल प्रदेश	978-93-84503-27-7
15	जम्मू एवं कश्मीर	978-93-84503-28-4
16	झारखंड	978-93-84503-29-1
17	कर्नाटक	978-93-84503-30-7
18	केरल	978-93-84503-31-4
19	लक्ष्यद्वीप	978-93-84503-32-1
20	मध्यप्रदेश	978-93-84503-33-8
21	महाराष्ट्र	978-93-84503-34-5
22	मणिपुर	978-93-84503-35-2

(जारी....)

क्र. सं.	समन्वय राज्य	आई एस बी एन
23	मेघालय	978-93-84503-36-9
24	मिजोरम	978-93-84503-37-6
25	नागालैण्ड	978-93-84503-38-3
26	ओडिशा	978-93-84503-39-0
27	पुडुचेरी	978-93-84503-40-6
28	पंजाब	978-93-84503-41-3
29	राजस्थान	978-93-84503-42-0
30	सिक्किम	978-93-84503-43-7
31	तमिलनाडु	978-93-84503-44-4
32	तेलंगाना	978-93-84503-45-1
33	त्रिपुरा	978-93-84503-46-8
34	उत्तर प्रदेश	978-93-84503-47-5
35	उत्तराखंड	978-93-84503-48-2

डॉ. टी. विजय कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर

1. आदिवासी स्वास्थ्य पहल - ओडिशा में मोबाईल हेल्थ युनिट पर एक मामला अध्ययन : मोबाईल हेल्थ, टेली मेडिसीन (ई-स्वास्थ्य आधारभूत संरचना) एवं हेल्थ कम्युनिकेशन चार्टर इन बुक टाइटल हेल्थ एंड डेवलपमेंट मुद्दे और चुनौतिया प्रकाशित, संपादन - खान, पनीर, रामचंद्रन पब्लिशर्स ब्लूमसबरी प्राईवेट लिमिटेड , नई दिल्ली, मार्च, 2016, आई एस बी एन सं. - 978-93-85936-210
2. हैदराबाद शहर के सरकारी प्राथमिक स्कूलों में प्रारंभिक बालवस्था शिक्षा हस्तक्षेप : एक मामला अध्ययन प्रपत्र देश विकास व पत्रिका में प्रकाशित, खंड : 2 अंक 4 जनवरी मार्च, 2016 आई एस एस एन सं. 2394-1782
3. सशक्तिकरण हेतु स्व-सहायता समूह के द्वारा गरीब महिलाओं को संगठित करना : एक मामला अध्ययन, प्रपत्र देश विकास पत्रिका में प्रकाशित खंड:2 अंक - 4 ,जनवरी-मार्च, 2016 आई एस एस एन सं. 2394-1782
4. भारत के दक्षिणी राज्यों में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन की स्थिति : एक तुलनात्मक अध्ययन, प्रपत्र इंडियन जर्नल ऑफ एडल्ट एड्जुकेशन में प्रकाशित खंड 76 सं. 4, अक्तूबर-दिसंबर 2015 आई एस एस एन सं. 0019-5006

5. छत्तीसगढ़ के वामपंथी अतिवादी जिलों में मध्याह्न भोजन स्कीम, प्रपत्र देश विकास पत्रिका में प्रकाशित खंड 2, अंक 3 अक्तूबर - दिसंबर 2015 आई एस एस एन सं. 2394-1782
6. विशेष आवश्यकताओं के साथ बच्चों की शिक्षा (सी डब्ल्यू एस एन) चुनौतियां एवं अवसर, प्रपत्र, देश विकास पत्रिका में प्रकाशित, भारत में शिक्षा पर विशेषांक, खंड 2 (2) जुलाई - सितंबर, 2015 आई एस एस एन 2394-1782
7. स्कूल छुटे बच्चों की शिक्षा : छत्तीगढ़ में एस एस ए के अंतर्गत विशेष आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र , प्रपत्र देश विकास पत्रिका में प्रकाशित , भारत में शिक्षा पर विशेषांक, खंड 2 अंक 2 (2), जुलाई - सितंबर, 2015 आई एस एस एन 2394-1782
8. शिक्षा में कार्पोरेट जिम्मेदारी : एक मामला अध्ययन समूह प्रपत्र मानविकी , समाजशास्त्र एवं प्रबंधन पर यथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, पेनांग, मलेशिया, सितंबर , 2015 आई एस बी एन सं. 978-93-84422-39-4

ग्रामीण विकास में भू-संसूचना अनुप्रयोग केन्द्र , (सी-गार्ड) (विज्ञान, तकनोलॉजी एवं ज्ञान प्रणाली स्कूल)

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में भू-संसूचना अनुप्रयोग, प्रोफेशनल बुक्स पब्लिशर्स, हैदराबाद (आई एस बी एन : 978-93-85506-06-2)डॉ. पी. केशव राव, टी. फनीन्द्र कुमार, एच. के. सोलंकी, डी एस आर मूर्ति, डॉ. पी. राजकुमार, श्री के. राजेश्वर

डॉ. पी. केशव राव, एसोसिएट प्रोफेसर

1. जलागम योजना के लिए भू-जल विज्ञान मॉडलिंग, 2015 पी पी 19-27 भारत में एकीकृत जलागम प्रबंधन कार्यक्रम (आई डब्ल्यू एम पी) के अंतर्गत श्रेष्ठ पद्धतियां ।
2. भू-संसूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए सततयोग्य भूमि उपयोग योजनाओं का सृजन , 2015 पी पी 141-161, (आई एस बी एन :13-978-1-77188-198-2)
3. भू-संसूचना का उपयोग करते हुए जलागम में जल संचयन संरचना के लिए स्थल उपयुक्तता विश्लेषण, 2015 पी पी -131-140, (आई एस बी एन :13-978-1-77188-198-2)
4. कृषि जलवायु योजना के द्वारा कृषि क्षेत्र के माध्यम से ज्ञान प्रबंधन कार्य एवं भूमि संसाधन विकास हेतु सूचना बैंक, 2015, पी पी 105-120, (आई एस बी एन : 13-978-1-177188-198-2)
5. भूमि उपयोग / भूमि कवर में सातयिक बदलाव के अध्ययन हेतु भू-संसूचना सिंधुवल्लीपुरा जलागम का मामला अध्ययन हेतु भू-संसूचना- सिंधुवल्लीपुरा जलागम का मामला अध्ययन, नंजनगुडा तालुका, मैसूर जिला, कर्नाटक, 2015, पी पी 163-176, (आई एस बी एन : 13-978-1-77188-198-2)
6. जी आई एस आधारित जलगम विकास योजनाओं का सृजन , 2016, पी पी 31-50, (आई एस बी एन : 978-93-85506-06-2)

7. अर्कस्वैट एवं भू-संसूचना का उपयोग करते हुए जुराला परियोजना के आवाही क्षेत्र हेतु जलागम मॉडलिंग , 2016 पी पी 258-267 ; (आई एस बी एन : 978-1-77188-198-2)
8. भू-संसूचना का उपयोग करते हुए रुषिकुल्या नदी तट में भूमि कटाव का आंकलन , 2016 पी पी, 473-488, (आई एस बी एन : 978-93-85506-06-2)
9. मेगाड्रीगेड्डा जलाशय के ऊपरी वर्षा आवाही क्षेत्र में भू-गर्भ जल के आकडे, विशाखापट्टनम जिला आंध्रप्रदेश, 2016 पी पी 561-573, (आई एस बी एन : 978-93-85506-06-2)
10. संकट प्रबंधन हेतु जी आई एस साधन - एक ग्रामीण परिप्रेक्ष्य, 2016 पी पी 689-696 (आई एस बी एन : 978-93-85506-06-2)
11. भू-संसूचना आधारित पंचायत संसाधन विकास योजना , 2016, पी पी 794-808-06-2)
12. भू-संसूचना तकनोलॉजी का उपयोग करते हुए भूमि आधार नेटवर्क मानचित्रण की उपयोगिता - राजेन्द्रनगर फीडर का मामला, आर. आर. जिला, हैदराबाद -2016, पी पी 836-848-, (आई एस बी एन : 978-93-85506-06-2)
13. ओपन स्रोत सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए पेयजल आपूर्ति स्कीम के लिए जी आई एस आधारित वेब अनुप्रयोग - राजम नगर पंचायत का एक मामला अध्ययन, राजम मंडल, श्रीकाकुलम जिला, आ. प्र. 2016, पी पी 932-943, (आई एस बी एन : 978-93-85506-06-2)

श्री एच. के. सोलंकी, सहायक प्रोफेसर

1. ''प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में भू-संसूचना अनुप्रयोग'' संपादित पुस्तक में प्रपत्र, (आई एस बी एन : -978-93-85506-06-2) ''मुफ्त एवं ओपन सोर्स 'ओस्मांड' मोबाईल मैपिंग एवं नेविगेशन एप-हैण्डहेल्ड जी पी एस हेतु एक विकल्प''

संपादित पुस्तक

1. ''प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में भू-संसूचना अनुप्रयोग'' संपादित पुस्तक, आई एस बी एन : -978-93-85506-06-2, संपादक डॉ. पी. केशव राव, टी. फनिन्द्र कुमार , डी एस आए मूर्ति, एच. के. सोलंकी, डॉ. पी. राजकुमार , के. राजेश्वर

पंचायती राज केन्द्र

डॉ. प्रत्युस्ना पटनायक, सहायक प्रोफेसर

बुक चाप्टर्स : ''क्या राजनैतिक प्रतिनिधित्व सशक्तिकरण को सुनिश्चित करता है ? ओडिशा की पंचायतों में अनुसूचित जनजाति'', वाई एस सिसोदिया एवं टी. के. दलपति संपादन - आदिवासी भारत में विकास एवं असंतुष्टि, रावत पब्लिकेशन, जयपुर, 2015 (आई एस बी एन : 978-81-316-0731-2)

समता एवं सामाजिक विकास केन्द्र

डॉ. जी. वैलेन्टिना, एसोसिएट प्रोफेसर

1. पुस्तक - ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के रोजगार एवं अधिकारिता के लिए कृषि उद्यमशीलता -2015 में प्रकाशित, जेनेक्ट पब्लिकेशन्स, (आई एस बी एन : -978-93-8022 2608)
2. सौर ऊर्जा तकनोलॉजी का प्रबंधन एवं महिला सशक्तिकरण - जेनेक्सट पब्लिकेशन्स द्वारा 2016 में प्रकाशित (आई एस बी एन : 978-93-8022 2788)

योजना, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन केन्द्र (सी पी एम ई)

डॉ. एस. चटर्जी, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

1. अल्पसंख्यकों पर एस जी एस वाई / एन आर एल एम एवं आई ए वाई का प्रभाव : प्रधानमंत्री के 15 सूत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत एक मूल्यांकन'' (सह-लेखक) एन आई आर डी एवं पी आर, हैदराबाद द्वारा प्रकाशित, 2015, (आई एस बी एन 978-93-84503-05-3)
2. (27)''कुछ विकासशील देशों में विकास के बारे में मेरा अनुभव (वैयक्तिक) रेणु पब्लिकेशन्स द्वारा प्रकाशित , नई दिल्ली, 2016, (आई एस बी एन सं. 978-93-85502-24-8)
3. (28) तेलंगाना में ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का कार्यान्वयन : क्षेत्र आधारित अध्ययन'' (सह-लेखक) न्यू दिल्ली पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित, नई दिल्ली, 2016, (आई एस बी एन सं. 978-93-85503-29-02)

संपादित पुस्तक में प्रकाशित लेख/अध्याय निम्न रुप में इस प्रकार है :

1. ''स्व-सहायता समूह उत्पादों का विपणन'' महाराष्ट्र से नवोन्मेषी मामला, बुक ऑन डायमेनशन्स ऑफ मार्केटिंग, मो. मुकित खान एवं मो. अवैत द्वारा संपादित, रीगल पब्लिकशन पब्लिशर्स, नई दिल्ली 2015 (आई एस बी एन : 978-81-8484-450-4)
2. ''स्व-सहायता समूहों के द्वारा महिला सशक्तिकरण : भारत में मामले'', बुक ऑन वूमेन इम्पावरमेंट इन इंडिया : भावी चुनौतियां '', देबाशिश मजुमदार (ई टी ए एल) द्वारा संपादित, नाबा बलिगुंगे महाविद्यालय, कोलकाता 2015 (आई एस बी एन सं.)
3. भारत में अनुसूचित जनजाति का विकास : क्षेत्र मामलों के साथ तथ्य '' बुक ऑन कोनटेम्पोरेरी इंडियन सोसाइटी (21वीं सदी के प्रारंभ में), विजय प्रकाश शर्मा द्वारा संपादित, अनमोल प्रकाशन प्राईवेट लिमिटेड, एंड न्यू दिल्ली 2015 (आई एस बी एन : 9788126164790)
4. ''भारत में ग्रामीण अल्पसंख्यकों के विकास हेतु ''टेक ऑफ '' चरण स्व-सहायता समूह में : क्षेत्र परीक्षण'' (सह-लेखक) बुक ऑन कॉनटेम्पोरी इंडियन सोसाईटी (21वीं सदी के प्रारंभ में), विजय प्रकाश शर्मा द्वारा संपादित, अनमोल पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली 2015 (आई एस बी एन :9788126164790)

पत्रिकाओं में लेख

अंतरराष्ट्रीय पत्रिकायें

1. ''एम जी एन आर ई जी एस के अंतर्गत एक नवोन्मेषी परियोजना : बांकुरा पश्चिम बंगाल में राख की ईंटे बनाना'', (वैयक्तिक), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडीसिप्लीनरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आई एस एस एन प्रिंट 2349-5979), फरवरी, 2016 खंड 3 अंक 2
2. ''सूक्ष्म उद्यमों का प्रभाव - ग्रामीण भारत में मामला'' (वैयक्तिक), इंटरनेशनल जर्नल: साउथ एशियन जर्नल ऑफ सोशियों - पोलिटिकल स्टडीज् (आई एस एस एन 0972-4613), खंड xvi,सं. 2 , कोलम केरल, जनवरी-जून, 2016
3. ''पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले से समुदाय संपत्ति संसाधन (जल) का उपयोग का एक अनोखा मामला'' (वैयक्तिक), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसीप्लीनरी रिसर्च एंड डेवलेपमेंट , (आई एस एस एन प्रिंट 2349-5979) , मई, 2016, खंड 3 अंक 5

राष्ट्रीय पत्रिकायें

1. ''वर्तमान भारत में डॉ. अम्बेडकर के दृष्टिकोण की प्रासंगिकता'' (वैयक्तिक) समाज कल्याण , नई दिल्ली, (आई एस एस एन 00378038), जून, 2015
2. ''रविन्द्रनाथ टैगोर : मैन ऑफ विजन एंड एपोक मेकर'', (वैयक्तिक) समाज कल्याण, नई दिल्ली, (आई एस एस एन 00378038), जून, 2015
3. ''छत्तीसगढ़ राज्य में आजीविका / एन आर एल एम का कार्यान्वयन'' (सह-लेखक), इंडियन एकोनोमिक पैनोरमा, नई दिल्ली, जुलाई, 2015
4. ''पश्चिम बंगाल में सहकारिता हथकरघा का मामला'' (सह-लेखक), इंडियन एकोनोमिक पैनोरमा, नई दिल्ली, अक्तूबर, 2015
5. ''हथकरघा क्षेत्र से आय अर्जन एवं एम जी एन आर ई जी एस : पश्चिमी बंगाल से वृद्ध व्यक्यिों का मामला'' (वैयक्तिक) समाज कल्याण अक्तूबर , 2015 (आई एस एस एन 0037-8038), अक्तूबर , 2015
6. ''अल्पसंख्यकों के बीच सूक्ष्म ऋण का प्रभाव'' (सह-लेखक), कुरुक्षेत्र, नई दिल्ली, नवंबर , 2015 (आई एस एस एन 0021-55660)
7. ''आजीविका : छत्तीसगढ़ का मामला'', (छत्तीसगढ़ में आजीविका) (वैयक्तिक) ग्रामीण विभाग समीक्षा, एन आई आर डी , हैदराबाद जुलाई-दिसंबर , 2015 , (आई एस एस एन - 0972-5881)

डॉ. आर. अरुणा जयमनी, सहायक प्रोफेसर

1. कंचिपुरम जिला, तमिलनाडु में एकीकृत जलागम प्रबंधन कार्यक्रम पर (आई डब्ल्यू एम पी) एक मूल्यांकन अध्ययन - इंटरनेशनल जर्नल एडवान्सेस इन सोसल साइंस एंड ह्युमानिटिज् (आई एस एस एन नं. 2347)-7474 खंड सं. 1, 2016
2. तिरुवन्नामलै जिला तमिलनाडु में एकीकृत जलागम प्रबंधन कार्यक्रम (आई डब्ल्यू एम पी) - एक अध्ययन- इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आई एस एस एन सं. 2321-3434), खंड 3 सं. 5 2016
3. तमिलनाडु में महिला कृषि मुजदूरों पर वैश्विक एवं तकनोलॉजी का प्रभाव : एक अध्ययन - इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च, आई एस एस एन सं.2250-1991, इम्पैक्ट फैक्टर 5.2 खंड सं. 5, 2016
4. एम जी एन आर ई जी एस के कार्य निष्पादन पर सामाजिक लेखा परीक्षा का प्रभाव : तमिलनाडु और कर्नाटक में एक अध्ययन - (सह-लेखक) किला जर्नल ऑफ लोकल गर्वेनेन्स, (आई एस एस एन सं. 2319-930 एक्स, खण्ड 2, 2015)
5. आन्ध्रप्रदेश, तमिलनाडु और महाराष्ट्र में पी एल डब्ल्यू एच ए का सामाजिक दाग एवं आजीविका विकल्प : आई एस एस एन सं. 231-1423, खंड सं. 5 सं. 3, 2016

ग्रामीण आधारभूत संरचना केन्द्र (सी आर आई)

डॉ. आर. रमेश सहायक प्रोफेसर

1. डॉ. आर रमेश, एकीकृत ग्रामीण विकास : ग्रामीण रुपातंरण प्रयोग - श्री अरविंद सोसाईटी, पुंडुचेरी द्वारा, ऑरो प्रकाशन एवं कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी प्राईवेट लिमिटेड, इंडिया 2015 (स-लेखक - प्रोफेसर जी पलनीतुरई के साथ) (आई एस बी एन 978-93-5125-1101)

पत्रिकाओं में लेख

1. आर. रमेश ''तमिलनाडु में व्यावसायिक रुपांतरण और सामाजिक बदलाव : इस दिशा में धीरे से हो रही कृषि क्रांति, ग्रामीण विकास पत्रिका, हैदराबाद : एन आई आर डी पी आर , खण्ड 34 सं. 4 अक्तूबर-दिसंबर , 2015 (प्रोफेसर जी. पलनीतुरई के साथ सह-लेखक) (आई एस बी एन 09703357)
2. आर. रमेश ''लघु उद्योग ठोस मल जल प्रबंधन व्यवस्था : मुदिचुर तमिलनाडु से एक प्रतिकृति मॉडल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड कम्युनिकेशन खंड 11 सं. 3 जुलाई- सितंबर , 2015 आई एस एस एन 2348-7739 (डॉ. पी. शिवराम के साथ सह-लेखक) (आई एस एस एन : 2348-7739)
3. पी. शिवराम, 'कंचिपुरम जिला तमिलनाडु में ठोस मलजल प्रबंधन व्यवस्था : पुनरावृत्ति मॉडल' 'भारत में ग्रामीण स्वच्छता पर राष्ट्रीय सेमिनार : उपलब्धियाँ, प्रवृत्तियाँ एवं चुनौतियाँ (27-29 जनवरी, 2016 डॉ. आर. रमेश के साथ सह-लेखक) (आई एस बी एन 2348-7739)

सुशासन एवं नीति विश्लेषण केन्द्र

डॉ. के. प्रभाकर, सहायक प्रोफेसर,

1. ''वाणिज्यिक फसलों पर तकनोलॉजी प्रभाव का एक आर्थिक विश्लेषण - प्रकाशित - इंटरनेशनल पब्लिशर्स लौप लैमबर्ट एकॉडेमिक पब्लिशिंग एक ओमनी स्क्रिप्टम जी एस बी एच एक कंपनी का एक ट्रेड मार्क है । केजी हेनरिच, बॉकिंग स्ट्रटि 6-866121, सारब्रकन, जर्मनी, आई एस बी एन : 978-3-659-82285-8 https : // goo.gl/ NyolFd.

2. ''शहरी गरीब महिलाओं के लिए लोक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं कर विश्लेषण : बृहत बेंगलुरु महानगर पालकी (बी बी एम पी) बैंगलोर का मामला अध्ययन'' - प्रकाशित-इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साईसेंस-आई जे ई एस एस खंड 7 (i) 2016 : 66-73 आई एस एस एन 2229 -600 xhttp://goo.gl/k6KEJM

3. उत्तर -पूर्वी भारत में लोक सेवाओं का बेंचमार्किंग- उत्तर-पूर्वी भारत के दूरस्थ और पिछड़े जिलों में जन स्कीमों की सुपुर्दगी एवं सूचना पहुँच में सुधार हेतु सिटीजन रिपोर्ट कार्ड का उपयोग करना - डॉ. मीणा नायर, सुश्री सुकन्या भौमिक एवं सुश्री कविता श्री निवासन, लोक कार्य केन्द्र , अगस्त 2015 goo.gle/nLIq4J

4. ''कर्नाटक राज्य पुलिस में जवाबदेहिता''- संपादित पुस्तक'' लोक सेवा वितरण पर विकासशील देशों का परिप्रेक्ष्य- अंजुला गूर्तु एवं कोलिन विलियम्स द्वारा । स्प्रींगर इंटरनेशनल द्वारा प्रकाशित - 2015 आई एस बी एन : 978-81-322-2159- 3 http:// goo.gle / k1DQwd.

5. ''कर्नाटक में प्रारंभिक शिक्षा का समग्र विकास-शक्तियां और कमजोरियां एवं कर्नाटक में एस एस ए कार्यो के लिए चिंता के क्षेत्र'' जर्नल ऑफ गर्वेनेन्स एंड पब्लिक पॉलिसी आई एस एस एन : 2231-0924,खंड 5 सं. 1 जनवरी-जून 2015, पी पी 11-18

मिशन

- अनुसंधान, कार्य अनुसंधान, परामर्शी और प्रलेखन प्रयासों के माध्यम से ग्रामीण निर्धन और अन्य पिछडे समूहों पर प्रकाश डालने, लोगों के आर्थिक और सामाजिक कल्याण के विकास को बढ़ावा देने वाले तत्वों का विश्लेषण और परीक्षण करना ।

- प्रशिक्षण, कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन कर ग्रामीण विकास से जुडे सरकारी और गैर सरकारी अधिकारियों के ज्ञान, हुनर और प्रवृत्ति के विकास द्वारा ग्रामीण गरीब पर विशेष जोर देते हुए ग्रामीण विकास प्रयासों को सरलीकृत करना ।

www.nird.org.in